THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 161 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.14 2083 गुरुवार, 10 सितंबर-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

खड़गे परिवार के ट्रस्ट को जमीन आवंटन मामले की नहीं होगी जांच

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक हाई कोर्ट ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और उनके परिवार द्वारा संचालित ट्रस्ट को बेंगलुरु विकास प्राधिकरण की जमीन आवंटित किए जाने में कथित अनियमितताओं की जांच से जुड़े मामले में अहम फैसला सुनाया है। हाई कोर्ट ने आरोपों की जांच करने के लिए गठित स्पेशल कोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया है। यह मामला 8,001 वर्ग मीटर की बेशकीमती जमीन के आवंटन से जुड़ा है। इस मामले में शिकायतकर्ता ने पुलिस जांच की मांग की थी। उसने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर विशेष अदालत के उस फैसले को चुनौती दी, जिसमें अदालत ने खुद जांच शुरू करने का फैसला किया था।

केसीआर समेत 22 बीआरएस विधायक सस्पेंड

बीआरएस ने स्पीकर का अपमान करने में सभी हदें पार की : भट्टी

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार ने बुधवार को सदन में व्यवधान और विरोध प्रदर्शन के बाद 22 बीआरएस सदस्यों को चल रहे विधानसभा सत्र के शेष समय के लिए निलंबित कर दिया।

विधायी मामलों के मंत्री डी. श्रीधर बाबू की सिफारिश पर कार्रवाई करते हुए, अध्यक्ष ने केटी रामाराव (केटीआर), टी. हरीश राव, कौशिक रेड्डी, माधवराम कृष्ण राव, माणिक राव, चिंता प्रभाकर, प्रशांत रेड्डी, मैरी राजशेखर रेड्डी, पल्ला राजेश्वर रेड्डी, कालेरू वेंकटेश, विजयदु, जगदीश रेड्डी, अनिल जाधव, सुधीर रेड्डी, कोथा प्रभाकर रेड्डी, गंगुला कमलाकर, सबिता इंद्रा रेड्डी, कोवा लक्ष्मी और सुनीता लक्ष्मा रेड्डी को निलंबित कर दिया। सत्र के तीसरे दिन सदन की कार्यवाही शुरू होते ही, बीआरएस सदस्य सदन के वेल में घुस गए और हमें न्याय चाहिए के नारे लगाकर कार्यवाही में बाधा उत्पन्न कर दी। इसके बाद, मंत्री श्रीधर बाबू ने उनके निलंबन की मांग करते हुए एक प्रस्ताव पेश किया, जिसे सदन ने स्वीकार कर लिया। निलंबन के बाद, बीआरएस सदस्यों ने अध्यक्ष से मिलने का प्रयास किया लेकिन विधानसभा के मार्शलों ने उन्हें रोक दिया।

उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने बीआरएस नेताओं की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने स्पीकर गद्दाम प्रसाद कुमार का अपमान करने में सभी हदें पार कर दी हैं। भट्टी ने कहा मैं उनसे आग्रह करता हूं कि वे इस प्रकार के अपमानजनक कृत्यों को जारी रखने से बाज आएं।

सरकार पूरी तरह विधानसभा अध्यक्ष के साथ खड़ी है : सीएम रेवंत

स्पीकर के अपमान और हिंसक घटनाओं की व्यापक जांच के आदेश

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने विधानसभा अध्यक्ष जी. प्रसाद कुमार के कथित अपमान, बीआरएस विधायकों द्वारा पुलिस के साथ झड़प और अन्य हिंसक घटनाओं की व्यापक जांच के आदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि इन घटनाओं के पीछे साजिश में शामिल लोगों के साथ-साथ सहयोग करने वालों के खिलाफ भी कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। दोषियों के खिलाफ एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत भी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पूरी तरह विधानसभा अध्यक्ष के साथ खड़ी है और उनसे कठिन परिस्थितियों में मजबूती से कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कानूनी प्रावधानों का लाभ उठाकर आरोपियों को जमानत मिल सकती है, लेकिन तेलंगाना की जनता ऐसी ताकतों को स्वीकार नहीं करेगी। रेवंत रेड्डी ने बीआरएस प्रमुख और विपक्ष के नेता के. चंद्रशेखर राव पर दलित नेताओं और विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ अपनी पार्टी के विधायकों को उकसाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 10 अगस्त को एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के कार्यक्रम स्थल पर भाजपा से जुड़े लोगों द्वारा कथित 'शुद्धिकरण' अनुष्ठान किया जाना भी अत्यंत निंदनीय है।

सुप्रीम कोर्ट में दलील : राहुल गांधी वीवीआईपी नहीं, जल्द सुनवाई हो

सीजेआई बोले-पहले सुनवाई चाहिए तो अर्जी दाखिल करें, हमारे सामने सब मामले बराबर

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी के सेना पर दिए बयान से जुड़े मानहानि मामले में सुप्रीम कोर्ट से जल्द सुनवाई की मांग की गई है। शिकायतकर्ता के वकील गौरव भाटिया ने कहा कि मामला करीब 5 महीने से सुनवाई के लिए लिस्ट नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी कोई वीवीआईपी नहीं हैं कि केस की लिस्टिंग में इतना समय लगे। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'हमारे सामने सभी बराबर हैं।' कोर्ट ने जल्द सुनवाई के लिए आवेदन दाखिल करने को कहा है।

यह मामला 2022 की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना पर की गई टिप्पणी से जुड़ा है। उन्होंने कहा था, लोग भारत जोड़ो यात्रा के बारे में पूछेंगे, लेकिन चीन ने 2000 वर्ग किमी भारतीय जमीन कब्जा ली। 20 भारतीय सैनिक मारे गए। हमारे सैनिकों को अरुणाचल में पीटा जा रहा है। इस बारे में कोई बात नहीं करता है। इस मामले में लखनऊ की एमपी-एमएलए कोर्ट ने 11 फरवरी 2025 को राहुल को तलब किया था। इसके बाद राहुल ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की। हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी। इसके बाद राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। सुप्रीम कोर्ट ने 4 अगस्त 2025 को मामले की कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी थी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राहुल के उस दावे पर सवाल उठाया था, जिसमें उन्होंने

सरकार बोली-मैरिटल रेप को अपराध बनाना संसद का काम

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा-क्या मौजूदा कानून के तहत केस चल सकता है?

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को मैरिटल रेप को अपराध घोषित करने की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई हुई। केंद्र सरकार ने कोर्ट में कहा कि मैरिटल रेप को अलग अपराध बनाना संसद और कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र का विषय है, सुप्रीम कोर्ट का नहीं।

सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना बेंच ने कहा कि शादी का मतलब महिला की आजादी का खत्म होना नहीं है, लेकिन मौजूदा कानून के तहत क्या पति पर मैरिटल रेप में केस चल सकता है? मामले की अंतिम सुनवाई 3 हफ्ते बाद होगी। दरअसल, पूरा मामला पत्नी की इच्छा के खिलाफ पति के संबंध बनाने को रेप मानने को लेकर है। मौजूदा कानून के अनुसार, अगर पत्नी की उम्र 18 साल या उससे ज्यादा है, तो उसकी इच्छा के खिलाफ संबंध रेप नहीं माना जाएगा। इसे मैरिटल रेप की कानूनी छूट कहा जाता है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि शादी किसी पति को पत्नी की इच्छा के खिलाफ जबरदस्ती करने की छूट नहीं देती। उनका कहना है कि अगर पति, पत्नी को गंभीर चोट पहुंचाता है, तो केवल पति-पत्नी का रिश्ता होने के कारण उसे कानून से बचने का अधिकार नहीं मिलना चाहिए। याचिकाकर्ताओं की मांग है कि शादीशुदा महिलाओं को भी जबरदस्ती संबंध के खिलाफ वही कानूनी सुरक्षा मिले, जो दूसरी महिलाओं को मिलती है।

केंद्र सरकार मैरिटल रेप को अलग से अपराध बनाने के पक्ष में नहीं है। सरकार का कहना है कि ऐसा कानून बनाने से शादी और पति-पत्नी के रिश्ते पर बड़ा असर पड़ सकता है। सरकार का मानना है कि शादी के अंदर होने वाले यौन संबंधों से जुड़े मामलों को मौजूदा कानूनों के तहत ही देखा जाना चाहिए। सरकार ने यह भी कहा है कि इस मुद्दे पर सामाजिक और कानूनी दोनों पहलुओं को ध्यान में रखना जरूरी है।

लाल किला ब्लास्ट का मास्टरमाइंड कौन?

एनआईए की चार्जशीट में कई खुलासे, बताया कार में बैठकर कैसे किया धमाका

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के लाल किले के पास नवंबर 2025 में हुए कार विस्फोट की जांच में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने बड़ा दावा किया है। एनआईए की चार्जशीट के मुताबिक, इस हमले का कथित मास्टरमाइंड उमर उन नबी था, जो विस्फोट में मारा गया था।

जांच एजेंसी ने उसे कथित तौर पर फिर से सक्रिय किए गए अंसार गजवत-उल-हिंद मॉड्यूल का संचालन संभालने वाला व्यक्ति बताया है। अब सवाल है कि आखिर उमर उन नबी ने किस तरह इस कथित आतंकी साजिश को आगे बढ़ाया और लाल किले तक विस्फोटक से भरी कार कैसे पहुंची।

उमर उन नबी पर क्या आरोप लगाए गए?

एनआईए के मुताबिक, उमर उन नबी उर्फ पिंडा और राहुल भट 2022 की शुरुआत से कथित तौर पर निष्क्रिय पड़े अंसार गजवत-उल-हिंद मॉड्यूल को दोबारा सक्रिय करने में लगा था। जांच एजेंसी ने उसे एजीयूएच इंटरिम का कथित परिचालन प्रभारी बताया है। एजेंसी के अनुसार, यह मॉड्यूल भारतीय उपमहाद्वीप में अल-कायदा के कथित फिर से सक्रिय रूप का हिस्सा था।

रूस से 75 सुखोई-57 फाइटर जेट ले सकता है भारत

कीमत 1 लाख करोड़ रुपये तक, ब्रिक्स समिट से पहले मोदी-पुतिन डील साइन कर सकते हैं

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और रूस के बीच 75 सुखोई-57 फाइटर जेट खरीदने पर समझौता हो सकता है। दोनों देशों के बीच इस डील की शर्तों पर बातचीत आगे बढ़ चुकी है। डील हुई तो इसकी कीमत करीब 1 लाख करोड़ रुपए तक हो सकती है। इसमें विमान के साथ हथियार, पुर्जे, ट्रेनिंग, सिम्युलेटर और रखरखाव भी शामिल होगा।

ब्रिक्स समिट से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शुक्रवार को नई दिल्ली में मिलेंगे। इस बैठक में सुखोई-57 पर दोनों नेता साइन कर सकते हैं। भारत चाहता है कि इस डील के साथ उसे ऐसी टेक्नोलॉजी भी मिले, जो आगे लड़ाकू विमान बनाने के काम आए। रूस, भारत में सुखोई-57 बनाने की पेशकश पहले ही कर चुका है। भारत इस प्रोजेक्ट में अपनी कंपनियों की भागीदारी और जरूरी तकनीक तक पहुंच चाहता है।

इसके अलावा रक्षा, परमाणु ऊर्जा और दोनों देशों के बीच सहयोग से जुड़े दूसरे मुद्दों पर भी बात होगी। भारतीय वायुसेना के रिटायर्ड ग्रुप कैप्टन संदीप मेहता के मुताबिक सुखोई-57 की एंट्री से हवाई लड़ाई का तरीका बदल सकता है। इसकी असली ताकत इस बात में होगी कि इसे राफेल, सुखोई-30 एमकेआई, एडब्ल्यूएसीएस, ग्राउंड रडार और एयर डिफेंस सिस्टम से कितनी अच्छी तरह जोड़ा जाता है। युद्ध की शुरुआत में दुश्मन के रडार, कमांड सेंटर और मिसाइल ठिकानों तक पहुंचना सबसे मुश्किल होता है। सुखोई-57 रडार पर देर से पकड़ में आता है, इसलिए इन जगहों तक ज्यादा आसानी से पहुंच सकता है। यह विमान खुद हर लक्ष्य पर हमला करने के बजाय दुश्मन के रडार, एयर डिफेंस और फाइटर की जानकारी पीछे मौजूद भारतीय विमानों तक पहुंचा सकता है। इससे राफेल और सुखोई-30 जैसे दूसरे लड़ाकू विमानों की मारक क्षमता भी बढ़ सकती है।

सुखोई-57 रूस के सुखोई-57E का एक्सपोर्ट वर्जन है, यानी इसे दूसरे देशों को बेचने के लिए बनाया गया है। सुखोई-57 E की टॉप स्पीड 2470 किमी/घंटा और रेंज 1250 किमी, जबकि F-35A: टॉप स्पीड 1960 किमी/घंटा और रेंज 1093 किमी है। यानी सुखोई-57E की रफ्तार करीब 25% ज्यादा और रेंज करीब 14% ज्यादा है।

'गाड़ी चलाते समय सीट बेल्ट कानून का पालन सुनिश्चित करना लॉ एंफोर्समेंट एजेंसियों की जिम्मेदारी'

सुप्रीम कोर्ट की दो टूक

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि गाड़ी चलाते समय सीट बेल्ट लगाने को अनिवार्य बनाने वाले पर्याप्त कानून मौजूद हैं और इनका पालन सुनिश्चित करना लॉ एंफोर्समेंट एजेंसियों की जिम्मेदारी है। मुख्य न्यायाधीश सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने यह टिप्पणी की। बेंच गाड़ी चलाते समय सीट बेल्ट पहनना अनिवार्य करने के निर्देश दिए जाने संबंधी याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

याचिकाकर्ता के वकील ने पीठ से कहा कि अगर सीट बेल्ट पहनने के नियम का पालन किया जाए, तो सड़क हादसों में होने वाली कई मौतों और चोटों को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि कानून के बावजूद, फैंसी सीट कवर या अन्य बदलावों की वजह से कई गाड़ियों में सीट बेल्ट काम नहीं करती।

'मुश्किल वक्त में हमेशा साथ रहेंगे'

श्रीलंका के राष्ट्रपति से मिले राजनाथ, कहा-दिल और आत्मा का है रिश्ता

कोलंबो, 9 सितंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने, 'मुश्किल समय में श्रीलंका के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने के भारत के संकल्प को दोहराया। उन्होंने दोनों देशों के रिश्तों को दिल और आत्मा का रिश्ता बताया। इस बात पर जोर दिया कि भारत इस द्वीपीय देश के लिए सबसे पहले मदद करने वाला रहा है।

श्रीलंका यात्रा के दौरान श्रीलंकाई राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से बात करते हुए सिंह ने कहा, 'मुश्किल समय में भारत हमेशा सबसे पहले मदद के लिए आगे आया है। मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि हम अपने श्रीलंकाई दोस्तों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहेंगे। हमारा पक्का मानना है कि सच्चे दोस्त अच्छे और बुरे, हर समय एक-दूसरे का साथ देते हैं। हमारा रिश्ता दिल और आत्मा का है।' रक्षा मंत्री ने पिछले साल 'डिटवाह' चक्रवात के बाद भारत की तेजी से की गई कार्रवाई को याद किया, जब नई दिल्ली ने श्रीलंका की मदद के लिए 'ऑपरेशन सागर बंधु' शुरू किया था। उन्होंने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों और श्रीलंकाई सरकारी एजेंसियों के मिले-जुले प्रयासों से लोगों की जान बचाने, कनेक्टिविटी बहाल करने और राहत व चिकित्सा सहायता पहुंचाने में मदद मिली। सिंह ने कहा कि श्रीलंका भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' (पड़ोसी पहले) नीति और 'महासागर' के विजन के केंद्र में है। उन्होंने दिसानायके को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की शुभकामनाएं भी दीं और उन्हें पद पर दो साल पूरे करने पर बधाई दी। साथ ही कहा कि मोदी दोनों देशों के बीच विशेष संबंधों को और मजबूत करने के लिए उनके साथ मिलकर काम करना जारी रखने के इच्छुक हैं। उन्होंने कहा कि भारत 'इकोनॉमिक एंड टेक्निकल कोऑपरेशन एग्रीमेंट' पर तेजी से आगे बढ़ने का इच्छुक है। रक्षा मंत्री ने भरोसा जताया कि दिसानायके की सोच और समर्थन से भारत-श्रीलंका संबंध नई ऊंचाइयों पर पहुंचेंगे, जिससे दोनों देशों, वहां के लोगों और व्यापक क्षेत्र को फायदा होगा।

राहुल गांधी ने मोबाइल पर मंत्री को टूटी सड़कें दिखाईं

अफसरों से पूछा-सरकार पैसे दे रही तो काम क्यों नहीं हो रहा?

रायबरेली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रायबरेली में बुधवार को बैठक में कैबिनेट मंत्री मनोज पांडेय को अपने मोबाइल पर टूटी सड़कें दिखाईं। राहुल ने डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट कोऑर्डिनेटिंग कमेटी (दिशा) की मीटिंग में जर्जर सड़कों और गड्ढों की तस्वीरें दिखाकर पीडब्ल्यूडी अधिकारियों और डीएम से पूछा कि सड़कों की हालत ऐसी क्यों है? राहुल ने कहा कि जब सरकार फंड दे रही है तो काम क्यों नहीं हो रहा है? आप लोग क्या कर रहे हैं? इस मीटिंग में ऊंचाहार से बीजेपी विधायक मनोज पांडेय, एमएलसी और राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह भी मौजूद थे।

कलेक्ट्रेट में करीब ढाई घंटे बैठक से पहले राहुल ने सुबह जनता दरबार लगाया, जहां महिला कांग्रेस नेता ने उन्हें राखी बांधी। राहुल ने यहां सपा नेताओं ने भी मुलाकात की। कार्यक्रमों के बाद राहुल लखनऊ रवाना हो गए, जहां से वे दिल्ली जाएंगे। 2024 में सांसद बनने के बाद राहुल का यह 8वां रायबरेली दौरा था। इससे पहले वे 19-20 मई को दो दिवसीय दौरे पर आए थे। राहुल मंगलवार दोपहर दिल्ली से एयर इंडिया की फ्लाइट से लखनऊ पहुंचे थे। पहली बार में विमान लैंड नहीं कर पाया था। 25 मिनट हवा में चक्कर लगाने के बाद दूसरे प्रयास में विमान ने लैंडिंग की थी। रायबरेली में सपा विधायक राहुल लोधी, श्याम सुंदर भारती ने दिशा की मीटिंग के दौरान हॉल के बाहर प्रदर्शन किया। हालांकि, राहुल के पहुंचने से पहले पुलिस ने उनसे पोस्टर और बैनर छीन लिए।

रेलवे के सात हाई-डेंसिटी कॉरिडोर होंगे फोर-ट्रैक कई रूटों पर बढ़ेगी क्षमता

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्र द्र सरकार रेलवे के आधुनिकीकरण पर लगातार जोर दे रही है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट बैठक के बाद बताया कि आज की बैठक में रेलवे आधुनिकीकरण से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर चर्चा हुई।

ये परियोजनाएं पिछले 12 वर्षों से चल रहे रेलवे के व्यापक बदलाव और आधुनिकीकरण के काम का हिस्सा हैं। अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे के पूर्ण ओवरहाल और आधुनिकीकरण की दिशा में काम किया जा रहा है। इसके तहत सात हाई-डेंसिटी रेलवे कॉरिडोर को फोर-ट्रैक और क्वाडुपल करने की योजना है। इन कॉरिडोर पर ट्रैक क्षमता बढ़ाने का काम किया जाएगा, ताकि भविष्य में इन मार्गों पर बढ़ने वाले यातायात का दबाव संभाला जा सके। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे के हाई-डेंसिटी कॉरिडोर को लेकर जानकारी दी।

भारत मंडपम में होगा ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन, शेड्यूल जारी

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। नई दिल्ली के भारत मंडपम में 12 और 13 सितंबर को 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। भारत की अध्यक्षता में हो रही बैठक का आधिकारिक थीम 'बिल्डिंग फॉर रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी' रखा गया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने बुधवार को इन दो दिनों में होने वाली बैठकों और आयोजनों का शेड्यल साझा किया है। दो दिवसीय सम्मेलन में ब्रिक्स सदस्य देशों के नेताओं के साथ-साथ साझेदार देशों और आमंत्रित देशों के शीर्ष नेता भी हिस्सा लेंगे। भारत की अध्यक्षता के दौरान 25 से अधिक शहरों में 350 से ज्यादा बैठकें और उच्चस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं।

शनिवार को ब्रिक्स सदस्य देशों के नेता भारत मंडपम में पहुंचेंगे। इसके बाद दोपहर लगभग 2:35 बजे 'इंक्लूसिव ग्लोबल गवर्नेंस एंड स्ट्रेंथनिंग मल्टीलेटरलिज्म' (समावेशी वैश्विक शासन और बहुपक्षवाद को मजबूत करना) विषय पर बंद सत्र आयोजित किया जाएगा। शाम 4:25 बजे ब्रिक्स नेताओं को 'भारत इनोवेट्स एग्जीबिशन का अवलोकन कराया जाएगा। इसके बाद शाम 5:05 बजे नेताओं का फैमिली फोटो और 5:10 बजे संयुक्त वृक्षारोपण कार्यक्रम होगा। दिन का समापन प्रधानमंत्री द्वारा आयोजित गाला डिनर के साथ होगा, जो शाम 7:30 बजे भारत मंडपम के लेवल-3 पर आयोजित किया जाएगा। रविवार यानी 13 सितंबर को सुबह 9:55 बजे साझेदार देशों और 'आउटरीच प्रोग्राम' के तहत अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों/सरकार प्रमुखों का भारत मंडपम में आगमन होगा। इसी दिन सुबह 10:35 बजे फैमिली फोटो का कार्यक्रम होगा। इसके बाद सुबह 10:50 बजे सम्मेलन का महत्वपूर्ण ओपन सेशन शुरू होगा। इसका विषय 'बिल्डिंग फॉर रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी: शेपिंग द फ्यूचर फॉर इंक्लूसिव ग्लोबल ग्रोथ' होगा।

'प्रधानमंत्री मोदी की जनसेवा की यात्रा जारी'

पार्टी अध्यक्ष बोले-भाजपा चलाएगी संकल्प सेवा अभियान

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 साल पूरे होने के मौके पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देशभर में एक महीने तक 'सेवा संकल्प अभियान' चलाएगी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नितिन नवीन ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में अभियान की घोषणा की। यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक चलेगा। नितिन नवीन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 साल 7 अक्तूबर 2026 को पूरे होंगे। मोदी ने 7 अक्तूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेकर अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत की थी। इसके बाद करीब 13 साल तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहने के बाद वह 2014 में देश के प्रधानमंत्री बने। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष ने बुधवार को कहा कि उनकी जनसेवा की यात्रा लगातार जारी है और पार्टी इस अवसर पर 'संकल्प सेवा अभियान' चलाएगी।

71 लाख नकद जमा कुल लेनदेन 15 करोड़

सांसद अभिषेक बनर्जी के पीए पर शिकंजा

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी के निजी सचिव सुमित रॉय से हिरासत में पूछताछ जरूरी है। मामला सालबोनी जमीन हड़पने के कथित मामले से जुड़ा है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ कर रही है। राज्य सरकार के मुताबिक, रॉय के बैंक खाते में बड़ी रकम नकद जमा हुई।

जांच में करीब 15 करोड़ रुपये के लेनदेन की बात सामने आई है। तुषार मेहता ने कोर्ट में कहा कि जांच के दौरान रॉय के बैंक खाते में बड़ी मात्रा में नकद जमा होने की जानकारी मिली है। एसजी तुषार मेहता ने खास तौर पर 71 लाख रुपये की नकद जमा राशि का जिक्र किया। कहा कि यह रकम शायद पूरे मामले की सिर्फ शुरुआत हो सकती है। सरकार रॉय को हिरासत में लेकर पूछताछ क्यों करना चाहती?

कांग्रेसः अमेरिकी नागरिक पर से हटा यूएपीए

जयराम रमेश केंद्र पर हमलावर

पूछा- किसके दबाव में झुकी मोदी सरकार?

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। म्यांमार में सशस्त्र समूहों को प्रशिक्षण देने के आरोप में गिरफ्तार एक अमेरिकी नागरिक के खिलाफ एनआईए की चार्जशीट में यूएपीए की धारा न लगाने पर कांग्रेस ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने अमेरिकी नागरिक मैथ्यू एरॉन वैनडाइक और छह यूक्रेनी नागरिकों के खिलाफ दाखिल आरोपपत्र में गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम यानी यूएपीए की धाराएं नहीं लगाई हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या एजेंसी पर आतंकवाद से जुड़े आरोप हटाने के लिए किसी तरह का 'दबाव' डाला गया था।

एक्स पर एक पोस्ट के जरिए जयराम रमेश ने सवाल किया कि क्या एनआईए का यह फैसला निष्पक्ष और सही जांच के नतीजे पर आधारित था या फिर अमेरिकी अधिकारियों के कहने पर मोदी सरकार के दबाव में लिया गया। क्या एनआईए ने अमेरिकी नागरिक मैथ्यू वैनडाइक के खिलाफ आतंकवाद से जुड़े आरोप सही जांच के बाद हटाए या अमेरिकी अधिकारियों के कहने पर मोदी सरकार ने तुरंत ऐसा करने के लिए दबाव डाला? इसके बदले भारत को क्या फायदा मिलने की उम्मीद है? यह दादागिरी जैसा लगता है।

इससे पहले 2 सितंबर को मैथ्यू वैनडाइक के परिवार की ओर से चलाए जा रहे एक एक्स खाते से अमेरिकी सरकार से उन्हें तिहाड़ जेल से रिहा कराने की अपील की गई थी। परिवार ने दावा किया था कि मैथ्यू वैनडाइक बेगुनाह हैं। परिवार ने कहा, 'मैथ्यू वैनडाइक का परिवार अमेरिकी सरकार से तुरंत राजनयिक दखल की मांग कर रहा है, क्योंकि उन्हें अभी भी कैदियों के बुनियादी अधिकार नहीं मिल रहे हैं और उन्हें भारत के दिल्ली स्थित तिहाड़ जेल की जेल संख्या 8/9 में अकेले रखा जा रहा है। मैथ्यू पर लगे सभी आरोप झूठे हैं। अपने करियर के दौरान उन्होंने मानवीय तकलीफों को दर्ज किया है और संघर्ष तथा संकट से प्रभावित लोगों तक मानवीय मदद पहुंचाई है।'

इससे पहले मंगलवार को एनआईए ने मार्च 2026 में दर्ज एक मामले में छह यूक्रेनी नागरिकों और अमेरिकी नागरिक मैथ्यू वैनडाइक के खिलाफ राउज एवेन्यू अदालत में आरोपपत्र दाखिल किया।

यह मामला शुरुआत में यूएपीए के तहत दर्ज किया गया था। हालांकि, एजेंसी की ओर से दाखिल आरोपपत्र में यूएपीए की धाराओं का इस्तेमाल नहीं किया गया है। एनआईए के विशेष लोक अभियोजक ने कहा कि इस मामले में जांच अभी भी जारी है। अगर जांच के दौरान यूएपीए के तहत कोई अपराध बनता है, तो एजेंसी पूरक आरोपपत्र दाखिल कर सकती है। एनआईए ने मौजूदा आरोपपत्र में विदेशियों से संबंधित कानून की धारा 21 और 23 लगाई है। ये ऐसे अपराध हैं, जिन्हें विदेशियों के क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय के स्तर पर समझौते के जरिए निपटाया जा सकता है यानी इनमें निर्धारित प्रक्रिया के तहत समझौते की गुंजाइश होती है। आरोपपत्र विशेष एनआईए न्यायाधीश प्रशांत शर्मा के सामने दाखिल किया गया। अदालत ने मामले पर विचार करने के लिए 1 अक्टूबर की तारीख तय की है।

इन सातों आरोपियों को म्यांमार में ऐसे जातीय सशस्त्र समूहों को प्रशिक्षण देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, जिन्हें कथित तौर पर भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा माना गया था। एनआईए ने मैथ्यू एरॉन वैनडाइक (अमेरिकी नागरिक) के साथ यूक्रेन के छह नागरिकों- हर्बा पेट्रो, स्लीवियाक तारास, इवान सुकमनोव्स्की, स्टेफनकिव मारियन, होंचारुक मक्सिम और कामिन्स्की विक्टर को गिरफ्तार किया था।

वहीं, खुद को युद्धक विशेषज्ञ बताने वाले और सुरक्षा कंपनी 'सन्स ऑफ लिबर्टी इंटरनेशनल' के संस्थापक मैथ्यू वैनडाइक को 13 मार्च की रात करीब 9 बजे नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक समन्वित कार्रवाई के तहत गिरफ्तार किया गया था।

'सऊदी में ब्रदर और भारत में दुश्मन'

गरबा और मुसलमानों के विवाद पर बोले संजय राउत

मुंबई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। नवरात्रि के पावन पर्व पर देशभर में अलग-अलग जगहों पर मां दुर्गा के पंडाल लगते हैं और लोग खुशी से गरबा खेलते हैं और माता की पूजा करते हैं। हर साल ही गरबा कार्यक्रम से पहले एक मुद्दा उठता है कि मुसलमानों को इन आयोजनों में एंट्री मिलेगी कि नहीं। इसी के साथ एक सांस्कृतिक और प्यार बांटने वाला त्योहार राजनीति की भेंट चढ़ जाता है। इस साल भी ऐसा ही कुछ हो रहा है।

महाराष्ट्र में बीजेपी के मंत्री नितेश राणे ने हमेशा की तरह यह बयान दे दिया है कि मुसलमानों को गरबा में प्रवेश नहीं दिया जाना चाहिए। हालांकि, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने नितेश राणे के खिलाफ बयान दिया जो चर्चा का विषय बन गया है। इस बीच अब उद्धव ठाकरे गुट के राज्यसभा सांसद संजय राउत की प्रतिक्रिया आई है। संजय राउत का कहना है कि अगर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विदेश में जाकर मस्जिदों में जाते हैं, वहां के इस्लामिक राज्य प्रमुखों के गले लगते हैं, उन्हें अपना भाई बताते हैं, तो भारत के मुसलमान हमारे भाई क्यों नहीं हुए?

संजय राउत ने सवालिया लहजे में कहा, सऊदी अरब के युवराज को पीएम मोदी को बोलते हैं न माई ब्रदर? तो भारत में भी हमारे ब्रदर्स हैं। उन ब्रदर्स को खुशियों में शामिल करने से क्यों रोकना चाहिए? सऊदी में ब्रदर्स हैं और भारत में दुश्मन, ये कैसे चलेगा?

4 साल की बच्ची से हैवानियत

अस्पताल से लौटी मां तो उड़े होश; आरोपी पड़ोसी हुआ फरार

रेवाड़ी, 9 सितंबर (एजेंसियां)। रेवाड़ी जिले के कसौला थाना क्षेत्र के एक गांव में चार साल की मासूम के साथ पड़ोस में ही रहने वाले एक युवक ने दुष्कर्म किया। पीड़िता की मां अस्पताल में दवाई लेने के लिए गई और बच्ची को आरोपित के पास देखभाल के लिए छोड़कर गई थी। वापस आई तो बच्ची बेसुध मिली। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपित की तलाश शुरू कर दी है। दरअसल, मूलरूप से बिहार का रहने वाला एक परिवार कसौला थाना क्षेत्र के एक गांव में किराये पर रहता है।

पति-पत्नी दोनों औद्योगिक क्षेत्र की एक फैक्ट्री में नौकरी करते हैं। शाम वह अपनी चार साल की बच्ची को मध्य प्रदेश के सागर जिले के रहने वाले एक युवक के पास छोड़कर अस्पताल में दवाई देने के लिए गई थी। आरोपित उनके पड़ोस में ही किराये पर रहता है और बावल की एक फैक्ट्री में काम करता है। महिला जब वापस अपने घर आई तो बच्ची बेसुध मिली और आरोपित मौके से फरार हो चुका था। महिला ने तुरंत इसकी सूचना अपने पति और पड़ोस में रहने वाले लोगों को दी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

मौके पर पहुंची पुलिस ने बच्ची को अस्पताल में भर्ती कराया।बच्ची की हालत अब ठीक है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपित की तलाश शुरू कर दी है।

पति के किसी और महिला से संबंध का शक, कहासुनी के बाद पत्नी ने पिया फ्लोर क्लीनर

कांगड़ा, 9 सितंबर (एजेंसियां)। पति के किसी अन्य महिला के साथ कथित संबंध होने के शक को लेकर हुए विवाद के बाद ज्वालामुखी क्षेत्र में एक महिला ने घर में रखा फ्लोर क्लीनर पी लिया। तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के बाद उसकी हालत में सुधार बताया जा रहा है। महिला अब खतरे से बाहर है। पुलिस को दी शिकायत में महिला ने आरोप लगाया कि उसे कुछ समय से पति के किसी अन्य महिला के साथ कथित संबंध होने का शक था।

इसी बात को लेकर दोनों के बीच कई बार विवाद हो चुका था। घटना वाले दिन भी इसी मुद्दे को लेकर पति-पत्नी में कहासुनी हुई। महिला के अनुसार, वह पति के कथित संबंधों को लेकर काफी समय से मानसिक रूप से परेशान थी। विवाद बढ़ने के बाद महिला ने घर में रखा फ्लोर क्लीनर पी लिया। इसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजनों को घटना का पता चलने पर उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया।

गणेश चतुर्थी पर सभी गणेश पंडालों को मिलेगी मुफ्त बिजली : नारा लोकेश

अमरावती, 9 सितंबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश सरकार ने गणेश चतुर्थी के मौके पर बड़ा ऐलान किया है। राज्य के मानव संसाधन विकास मंत्री लोकेश नारा ने कहा है कि इस गणेश चतुर्थी पर प्रदेश भर के सभी गणेश पंडालों को मुफ्त बिजली दी जाएगी। नारा लोकेश ने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि इस गणेश चतुर्थी पर आंध्र प्रदेश के सभी गणेश पंडालों को मुफ्त बिजली प्रदान की जाएगी। यह हमारी सरकार की एक बड़ी त्योहारी पहल है ताकि पूरे राज्य में उत्सव मना रहे समुदायों को सहयोग मिले और जश्न और भी जीवंत हो सके।

भगवान गणेश हर परिवार को समृद्धि, खुशी और सफलता का आशीर्वाद दें। सरकार के इस फैसले से आयोजकों को बड़ी राहत मिलेगी और उत्सव की रौनक और बढ़ेगी। बता दें कि आंध्र प्रदेश में गणेश चतुर्थी को 'विनायक चविथि' के नाम से जाना जाता है और इसे पूरे पारंपरिक उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जाता है। गणेश चतुर्थी 10 दिन तक चलने वाला हिंदू त्योहार है जो ज्ञान, समृद्धि और नई शुरुआत के देवता भगवान गणेश के जन्म का प्रतीक है। इस दौरान भक्त अपने घरों में मिट्टी से बनी गणेश जी की मूर्तियां लाते हैं या सामुदायिक मंचों, जिन्हें पंडाल कहा जाता है, पर उनकी स्थापना करते हैं। आंध्र प्रदेश में इसकी खास परंपरा है। यहां घरों में लोग मिट्टी से बनी प्रतिमा जिसे 'मट्टी विनायकडु' कहा जाता है और हल्दी से बनी प्रतिमा जिसे 'सिद्धि विनायकडु' कहते हैं, उसकी पूजा करते हैं। राज्य के सभी शहरों के कोने-कोने और राज्य भर के शहरों-कस्बों में सामुदायिक पूजा के लिए भगवान गणेश की मूर्तियां स्थापित की जाती हैं और सड़कों पर सुंदर पंडाल सजाए जाते हैं। रोजाना वैदिक मंत्रों, आरती और भोग के साथ पूजा की जाती है। भगवान को उनके प्रिय मोदक के साथ-साथ कुदुमु और अन्नादम जैसे विशेष प्रसाद का भोग लगाया जाता है। 10 दिन बाद धूमधाम से शोभायात्रा निकाली जाती है और मूर्ति को जल में विसर्जित किया जाता है, जो गणेश जी के कैलाश पर्वत लौटने का प्रतीक माना जाता है।

एक करोड़ की लूट, पिस्टल दिखाकर नोटों से भरा बैग लेकर भागे स्कूटी सवार बदमाश

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के आईटीओ के पास एक कारोबारी के स्टाफ से एक करोड़ रुपए की लूट का मामला सामने आया है। आरोप है कि स्कूटी सवार दो बदमाशों ने आउटर रिंग रोड पर ऑटो को रोककर पिस्टल की नोक पर वारदात को अंजाम दिया। बदमाश नोटों से भरा एक बैग लेकर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कारोबारी का स्टाफ सोमवार शाम ऑटो से करीब तीन करोड़ रुपए लेकर जा रहा था। इसी दौरान आईटीओ के पास आउटर रिंग रोड पर स्कूटी सवार दो बदमाशों ने ऑटो को ओवरटेक कर रोक लिया।

आरोप है कि बदमाशों ने पिस्टल दिखाकर ऑटो में बैठे स्टाफ को डराया और नोटों से भरा एक बैग अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद दोनों स्कूटी से फरार हो गए। बताया जा रहा है कि बैग में करीब एक करोड़ रुपए थे। हालांकि, लूटी गई रकम और वारदात से जुड़े अन्य विवरणों की पुलिस जांच कर रही है।

दिल्ली पुलिस का ऑपरेशन चक्रव्यूह, 61 टीमों की ताबड़तोड़ छापेमारी में 81 भगौड़े क्रिमिनल अरेस्ट

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। पुलिस ने अपराधियों और भगौड़ों के खिलाफ दोहरा बड़ा एक्शन लिया है। एक तरफ वेस्ट जिले में जहां 48 घंटे के खास अभियान 'ऑपरेशन चक्रव्यूह' के तहत 81 भगौड़े अपराधियों को गिरफ्तार किया गया तो वहीं रोहिणी में एनकाउंटर के बाद हिमांशु भाऊ गैंग के 3 शार्पशूटरों को भी पकड़ लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने 'ऑपरेशन चक्रव्यूह' के तहत 175 मामलों में से 81 अपराधियों को गिरफ्तार किया और 161 अन्य की स्थिति की जांच-पड़ताल की। एएनआई से बात करते हुए, वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के एडिशनल डीसीपी अभिषेक गुप्ता ने बताया कि इस अभियान का खास मकसद भगोड़े घोषित अपराधियों को पकड़ना था, जिसमें आरोपियों का पता लगाने, उनकी जांच-पड़ताल करने और उन्हें गिरफ्तार करने पर ध्यान दिया गया। दिल्ली पुलिस ने बताया कि फरार और घोषित अपराधियों को पकड़ने के लिए 5 और 6 सितंबर के बीच 'ऑपरेशन चक्रव्यूह' नाम से जो 48 घंटे का एक खास अभियान चलाया गया, उसमें राष्ट्रीय राजधानी से बाहर भी कार्रवाई की गई। डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (वेस्ट दिल्ली) की अगुवाई में, पुलिस की 61 टीमों ने कई जगहों पर एक साथ ऑपरेशन चलाया। इसअभियान के दौरान, कुल 149 घोषित अपराधियों का पता लगाया गया, जिनमें से 49 पहले से ही न्यायिक हिरासत में पाए गए, जबकि 19 अन्य की मौत हो चुकी थी। इस अभियान के तहत कुल 175 आपराधिक मामलों को सुलझाया गया।

स्थानीय चुनावों के लिए बीजेपी

टीडीपी और जेएसपी का गठबंधन बरकरारः सांसद डग्गुबाती पुरंदेश्वरी

राजमहेंद्रवरम, 9 सितंबर (एजेंसियां)। बीजेपी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और सांसद डग्गुबाती पुरंदेश्वरी ने कहा कि पार्टी टीडीपी और जन सेना पार्टी (जेएसपी) के साथ मिलकर आगामी स्थानीय निकाय चुनाव लड़ेगी और पूरे राज्य में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए काम करेगी। राजमहेंद्रवरम में बीजेपी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, पुरंदेश्वरी ने बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और कहा कि पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के विकास के लिए काम कर रही है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से सरकार के कल्याणकारी और विकास कार्यक्रमों को लोगों तक पहुंचाने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि बीजेपी जमीनी स्तर पर अपने संगठन को मजबूत करने और गांवों तथा स्थानीय समुदायों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव गठबंधन को मजबूत करने और राज्य में पार्टी के संगठनात्मक आधार को मजबूत करने का अवसर प्रदान करेंगे। बीजेपी के राज्य अध्यक्ष पीवीएन

माधव, जिन्होंने राजमहेंद्रवरम में पार्टी के 100 झंडे फहराए और एक रैली को संबोधित किया, ने इस कार्यक्रम को गोदावरी का उत्सव बताया और लोगों की प्रतिक्रिया के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने बीजेपी कार्यकर्ताओं से विकास-विरोधी ताकतों का विरोध करने और पार्टी के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी से प्रेरणा लेने का आग्रह किया।

माधव ने कहा कि गोवा की मुक्ति के आंदोलन के दौरान भारतीय जनसंघ के 17 कार्यकर्ताओं ने अपनी जान गंवाई थी। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत कश्मीर से कन्याकुमारी तक प्रगति कर रहा है और देश की आर्थिक प्रगति के संकेत के रूप में 7.8 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र ने गोदावरी पुष्करम के लिए 100 करोड़ रुपये जारी किए हैं और जोर देकर कहा कि पोलावरम परियोजना 2027 तक पूरी हो जाएगी, जिससे आंध्र प्रदेश में कृषि विकास का एक नया दौर शुरू होगा।

खेल कोटा में फर्जीवाड़ा! दो पदाधिकारी गिरफ्तार

मुंबई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में खेल कोटे के जरिए सरकारी नौकरी हासिल करने के लिए कथित तौर पर फर्जी प्रमाणपत्र तैयार करने और इस्तेमाल करने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने महाराष्ट्र राज्य कुराश एसोसिएशन के दो पदाधिकारियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शिवाजी जयवंत सालुंखे (46), निवासी फुरसुंगी, हडपसर, मूल निवासी कोल्हापुर और अंकुश विठ्ठल नगर (40), निवासी चंडीगढ़, मूल निवासी अहिल्यानगर के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि कुराश की कुछ प्रतियोगिताएं वास्तव में आयोजित की गई थीं, लेकिन कुछ प्रतियोगिताओं को केवल कागजों पर आयोजित दिखाए जाने का संदेह है। अब पुलिस संगठन की ओर से जारी किए गए हर प्रमाणपत्र की अलग-अलग जांच कर रही है। जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि प्रतियोगिता कहां और कब आयोजित हुई, उसमें कौन-कौन से खिलाड़ी शामिल हुए, परिणाम क्या रहा और प्रमाणपत्र जारी करते समय निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया गया या नहीं।

वाईएसआरसीपी को बड़ा झटका

चिन्ना श्रीनू ने पार्टी छोड़ी, बेटी के साथ टीडीपी में शामिल हुए

विजयनगरम, 9 सितंबर (एजेंसियां)। विजयनगरम और उत्तरी आंध्र में वाईएसआरसीपी को एक बड़ा झटका लगा है। विजयनगरम जिला परिषद के चेयरमैन और वरिष्ठ वाईएसआरसीपी नेता मज्जी श्रीनिवास राव (जिन्हें चिन्ना श्रीनू के नाम से जाना जाता है) ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। वे एपी विधान परिषद में विपक्ष के नेता बोचा सत्यनारायण के भतीजे भी हैं। चिन्ना श्रीनू ने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए वाईएसआरसीपी के जिला अध्यक्ष और भीमली पार्टी प्रभारी के पदों से इस्तीफा दिया। उन्होंने इतने वर्षों तक महत्वपूर्ण राजनीतिक जिम्मेदारियां और पद सौंपने के लिए जगन का आभार व्यक्त किया।

बाद में, चिन्ना श्रीनू अपनी बेटी सिरी सहस्रा के साथ टीडीपी में शामिल हो गए। यह कार्यक्रम टीडीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू, टीडीपी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और एचआरडी मंत्री नारा लोकेश, गृह मंत्री वंगलापुडी अनीता, एमएसएमई मंत्री कोंडापल्ली श्रीनिवास, विजयनगरम के सांसद कलिसेट्टी अप्पलानायडू, विधायक किमिडी काला वेंकट राव, कोंडरू मुरली मोहन और आरवीएसकेके रंगा राव (बेबी नायना) तथा टीडीपी जिला अध्यक्ष किमिडी नागार्जुन की मौजूदगी में हुआ। नायडू ने अपने कैंप ऑफिस में पारंपरिक पीला स्कार्फ पहनाकर चिन्ना श्रीनू को औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल किया। टीडीपी प्रमुख ने चिन्ना श्रीनू और उनके समर्थकों का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस मौके पर सिरी सहस्रा भी टीडीपी में शामिल हुईं। टीडीपी में शामिल होने के बाद मीडिया से बात करते हुए चिन्ना श्रीनू ने कहा कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और आंध्र प्रदेश में 'डबल इंजन सरकार' के नेतृत्व में विकास और कल्याणकारी योजनाओं की तेज गति ने उन्हें टीडीपी में शामिल होने के लिए प्रेरित किया।

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में आतंकी मॉड्यूल ध्वस्त

हिजबुल मुजाहिद्दीन का 'हाइब्रिड आतंकवादी' गिरफ्तार

श्रीनगर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तरी कश्मीर के हंदवाड़ा में पुलिस ने 21 राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) और 92वीं बटालियन सीआरपीएफ के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े एक संदिग्ध हाइब्रिड आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान हिजबुल मुजाहिदीन के एक पूर्व आतंकी को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से चीन निर्मित एक पिस्तौल, दो मैगजीन और 16 कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, उसे हंदवाड़ा-कुपवाड़ा क्षेत्र में हाइब्रिड आतंकी के तौर पर सक्रिय होने की सूचना मिली थी।

सूचना मिलते ही हंदवाड़ा पुलिस, 21 आरआर और 92वीं बटालियन सीआरपीएफ ने संयुक्त अभियान शुरू किया। हंदवाड़ा कस्बे में चिन्हित स्थान पर सुरक्षा घेरा डालकर तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान आरोपित को पकड़ लिया गया। पकड़े गए आरोपित की पहचान क्रूमूरा, हंदवाड़ा निवासी मंजूर अहमद भट पुत्र मोहम्मद सुल्तान भट के रूप में हुई है। बता दें कि, आतंकी की तलाशी में उसके पास से पिस्तौल, दो मैगजीन और 16 कारतूस मिले। पुलिस ने बताया कि मंजूर अहमद भट हिजबुल मुजाहिदीन का पूर्व आतंकी है और उसे पहले भी दो मामलों में गिरफ्तार किया जा चुका है। इस संबंध में हंदवाड़ा थाने में एफआइआर संख्या 232 के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि आरोपित के साथ मॉड्यूल में कौन-कौन लोग जुड़े हैं और क्षेत्र में उसकी गतिविधियों का नेटवर्क कितना फैला हुआ है। पुलिस अन्य संदिग्धों और उनकी भूमिका की भी जांच कर रही है।

पूर्व पटवारी की हत्या मामले में दोनों आरोपी गिरफ्तार

बठिंडा, 9 सितंबर (एजेंसियां)। बठिंडा जिले की भूच्चो मंडी में रहने वाले पूर्व पटवारी गुलजार सिंह की हत्या करने के बाद दोनों ही आरोपी भूच्चो के पास किसी जगह पर छिप गए थे, लेकिन जब लोगों को दोनों के चोर होने की संदेह में धुनाई कर डाली थी। भूच्चो मंडी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि गांव नयोर निवासी धर्मवीर सिंह 36 साल ने अपने साथी मंगलजीत सिंह के साथ मिलकर पुरानी रंजिश को लेकर सोमवार रात को पूर्व पटवारी की लकड़ी के दसतों से पीट-पीट कर हत्या कर दी थी। सूत्र बताते हैं हत्या के बाद दोनों आरोपी भूच्चो क्षेत्र में ही किसी जगह पर छिप गए थे, जब इनके बारे में लोगों को पता चला तो उन्होंने दोनों को चोर समझकर पीटा था। इस पिटाई में मगलजीत को कुछ चोटें भी लगी थी। दोनों आरोपी मौके से फरार होने में कामयाब हो गए थे।

आरोपी मंगलजीत घायल अवस्था में सिविल अस्पताल नथाना में जाकर दाखिल हो गया। सूत्र बताते हैं कि आरोपी ने सिविल अस्पताल में उपचार करने वाले स्टाफ को बताया था कि वह सड़क हादसे में घायल हुआ है, जिसे स्टाफ ने सही मानकर उसे दाखिल कर लिया था। जब पुलिस ने मुख्य आरोपी धर्मवीर को गरिफ्तार किया तो पूरा भेद खुलकर सामने आ गया कि मंगलजीत सिविल अस्पताल नथाना में दाखिल है।

मंत्री पर पड़ा ईडी रेड तो भड़के सीएम डीके शिवकुमार, गिना दिए 3 नेताओं के नाम

बेंगलूरू, 9 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में मंत्री सतीश जारकीहोली और उनसे जुड़े परिसरों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी को लेकर मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने ईडी की कार्रवाई को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया और कहा कि सरकार के 100 दिन पूरे होने से ठीक पहले इस तरह की कार्रवाई के लिए समय का राजनीतिक फायदा उठाया जा रहा है। शिवकुमार ने कहा कि ईडी चाहे उनके कितने भी लोगों के खिलाफ छापेमारी करे, कांग्रेस इससे घबराने वाली नहीं है।

ईडी की कई स्थानों पर चल रही छापेमारी पर डीके शिवकुमार ने कहा कि सतीश जारकीहोली के खिलाफ आज की गई कार्रवाई राजनीतिक रूप से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि बुधवार के बाद अगले दिन सरकार के 100 दिन पूरे होने हैं और एजेंसियों की कार्रवाई के समय का इस्तेमाल राजनीतिक लाभ के लिए किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सतीश जारकीहोली के खिलाफ ईडी की कार्रवाई कोई ऐसी बात नहीं है, जिसकी जानकारी सरकार को पहले से नहीं थी। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी उनके खिलाफ ईडी की छापेमारी हो चुकी है। डीके शिवकुमार ने कहा कि सतीश जारकीहोली एक वरिष्ठ मंत्री हैं और कारोबार तथा व्यावसायिक गतिविधियों से जुड़े हुए हैं। उन्होंने सामाजिक सेवा से जुड़े काम भी किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि छिपाने के लिए कुछ नहीं है और ईडी को जो भी जांच करनी है, वह कर सकती है। उन्होंने कहा कि सतीश जारकीहोली जांच में सहयोग करेंगे और जांच एजेंसी के सवालों का जवाब देंगे।

शिवकुमार ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों से घबराने की जरूरत नहीं होने की बात भी कही। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने भाजपा पर केंद्रीय जांच एजेंसियों के राजनीतिक इस्तेमाल का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा राजनीतिक रूप से एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। शिवकुमार ने कहा कि इससे पहले बी। नागेंद्र के खिलाफ भी ईडी की छापेमारी की गई थी। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि उसके पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है। मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा के निशाने पर कांग्रेस नेता प्रियंक खड़गे भी हैं और कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) के मुद्दे को लेकर उन्हें भी निशाना बनाया जा रहा है। दरअसल, ईडी ने बुधवार को कर्नाटक के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री सतीश जारकीहोली, उनकी बेटी एवं सांसद प्रियंका जारकीहोली और कुछ अन्य लोगों से जुड़े परिसरों पर एक जांच के सिलसिले में छापेमारी की। अधिकारियों के अनुसार करीब 18 परिसरों की तलाशी ली जा रही है।

इनमें 64 वर्षीय सतीश जारकीहोली का बेंगलुरु के डॉलर्स कॉलोनी इलाके में स्थित परिसर, उनकी सांसद बेटी प्रियंका जारकीहोली के परिसर और बेलगावी में उनके बहनोई वाई। डी। मंजूनाथ से जुड़े परिसर शामिल हैं। तलाशी अभियान में शामिल ईडी टीमों की सुरक्षा के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों की एक टुकड़ी भी तैनात की गई है। प्रियंका जारकीहोली 29 वर्ष की हैं और चिक्कोड़ी लोकसभा सीट से सांसद हैं।

प्रजाकवि एवं पद्म विभूषण कालोजी की सेवाएं चिरस्मरणीय : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना की भाषा, बोली, संस्कृति और लोगों की जीवनशैली को अपनी रचनाओं के माध्यम से दुनिया के सामने रखने वाले प्रजाकवि एवं पद्म विभूषण कालोजी नारायण राव की सेवाएं सदैव स्मरणीय रहेंगी। कालोजी जयंती एवं तेलंगाना भाषा दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी सेवाओं और योगदान को सभी को याद रखना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कालोजी हमेशा आम जनता की आवाज बनकर खड़े रहे। उनकी विचारधारा और जन सरोकार आने वाली पीढ़ियों के लिए भी प्रेरणादायी हैं। उन्होंने कहा कि कालोजी के आदर्शों और उनकी रचनात्मक विरासत को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने के लिए प्रजा सरकार के नेतृत्व में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना की भाषा और साहित्य के विकास में कालोजी का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। सरकार कालोजी की प्रेरणा से तेलंगाना की भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक विरासत को और अधिक प्रोत्साहन देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की विशिष्ट भाषाई पहचान और संस्कृति को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

कालोजी नारायण राव ने तेलंगाना की बोली को दिलाई पहचान : निरंजन

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पिछड़ा वर्ग आयोग के खैरताबाद स्थित कार्यालय में बुधवार को प्रजाकवि कालोजी नारायण राव की 112वीं जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर आयोग के अध्यक्ष जी. निरंजन तथा सदस्यों रापोलु जयप्रकाश, तिरुमलगिरी सुरेंदर और रंगु बाललक्ष्मी ने कालोजी के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में आयोग की असिस्टेंट सेक्रेटरी एन. सुनीता, रिसर्च एसोसिएट लक्ष्मीनारायण सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर आयोग के अध्यक्ष जी. निरंजन ने कहा कि कालोजी नारायण राव महान कवि होने के साथ-साथ जनप्रतिनिधि भी थे। उन्होंने तेलंगाना की बोली का उपहास उड़ाने वालों को अपनी सशक्त और निर्भीक कविताओं के माध्यम से करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि निजाम के खिलाफ चले संघर्ष के दौरान कालोजी ने आंध्र महासभा की गतिविधियों और पुस्तकालय आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई थी। बाद में उन्होंने विधान परिषद सदस्य के रूप में भी सेवाएं दीं। निरंजन ने कहा कि कालोजी की प्रसिद्ध पुस्तक 'ना गोडवा' (मेरी लड़ाई) को व्यापक लोकप्रियता मिली। उनका प्रसिद्ध संदेश पुट्टुक नीदी, चावु नीदी, बतुकंता देशानिदी (जन्म तुम्हारा, मृत्यु तुम्हारी, लेकिन पूरा जीवन देश का) आज भी लोगों को प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि कालोजी की साहित्यिक और सामाजिक विरासत सदैव प्रेरणास्रोत बनी रहेगी।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, No. 14672018A, NK, Balayya Mathapati, R/o, Dist: Belagavi, Karnataka, changed my Mother's name from Paravva to Paravva Mathapathi vide Affidavit No. 995461 dt 07.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14672018A, NK, Balayya Mathapati, R/o, Dist: Belagavi, Karnataka, changed my Father's name from Basayya Mathapati to Basayya Mallayya Matapati, vide Affidavit No. 995463 dt 07.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14672554H, NK, Mali Samadhan Santosh, R/o, Dist: Jalgaon , Maharashtra, changed my Mother's name from Bhikubai Mali to Bhikubai Santosh Mali vide Affidavit No. 995465 dt. 07.09.2026, before, Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No.14672554 H, NK, Mali Samadhan Santosh, R/o, Dist: Jalgaon, Maharashtra, changed my Father's name from Santosh to Santosh Raghunath Mali, vide Affidavit No. 995467 dt. 07.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14673521K, NK, Abhilashmon VS, R/o, Dist: Kollam, Kerala, changed my Mother's name from Vimala S to Vimala, vide Affidavit No. 995469 dt. 07.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14672580K, NK, Mali Bhushan Ratan, R/o, Dist: Chhatrapati Sambhajinagar, Maharashtra, changed my Father's name from Ratan to Ratan Shenpadu Mali, vide Affidavit No. 995472 dt. 07.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14650902Y, Hav, K Shaji, R/o, Dist: Thiruvananthapuram, Kerala, changed my Daughter's name from Gouri Theertha to Gouri Theertha S S, vide Affidavit No 995482 dt.07.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14672397F, Hony Hav, Veera Reddy Pamu, R/o, Dist: Guntur, Andhra Pradesh, changed my Mother's name from Pitchamma to Pamu Pitchamma, vide Affidavit No. 995483 dt. 07.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, JC 774609Y, Sub, Suresh Kumar, R/o, Dist: Panipat, Haryana, changed my Son's name Shorya to Shorya Kumar, vide Affidavit No. 995486 dt. 07.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14654482F, NK, Prahlad Baro, R/o, Dist: Kamrup, Assam, changed my name from Prahlad Baro to Prahlad Boro, vide Affidavit No. 995487 dt. 07.09.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

आरआईओ 20,000 रिश्वत लेते गिरफ्तार

संगारेड्डी, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने संगारेड्डी में इंटरमीडिएट एजुकेशन के रीजनल इंस्पेक्शन ऑफिसर (आरआईओ) को एक जूनियर कॉलेज के मैनेजमेंट से 20,000 लेते हुए पकड़ा। आरआईओ आर. गोविंदराम ने हाल ही में संगारेड्डी के एक जूनियर कॉलेज का इंस्पेक्शन किया था। जब उन्होंने कॉलेज के लिए पॉजिटिव रिपोर्ट जमा करने के लिए 50,000 रिश्वत की मांग की, तो मैनेजमेंट ने उन्हें पहली किश्त में 30,000 दिए। जब आरआईओ ने मैनेजमेंट को फोन किया और बाकी के 20,000 के भुगतान के लिए दबाव डाला, तो मैनेजमेंट ने एसीबी अधिकारियों से संपर्क किया, जिन्होंने जाल बिछाया।

मेडक के डीएसपी सुदर्शन रेड्डी के नेतृत्व में एसीबी की टीम ने गोविंदराम को बुधवार को संगारेड्डी स्थित उनके ऑफिस में मैनेजमेंट से 20,000 लेते हुए पकड़ा।

मोबाइल दुकानों पर नकली बैक पैनल बेचने का मामला दर्ज

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एसआर नगर पुलिस ने अमीरपेट में कई मोबाइल दुकानों के खिलाफ वन प्लस, ओप्पो और रीलमी जैसे लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांडों के नकली बैक पैनल बनाने, रखने और बेचने के आरोप में मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, यह मामला 1 सितंबर को अधिकृत प्रतिनिधि की शिकायत पर दर्ज किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि अमीरपेट में काम करने वाली कुछ इकाइयां ऐसे उत्पादों की अनधिकृत बिक्री में शामिल थीं, जिन पर कंपनियों की बौद्धिक संपदा और उत्पाद पैकेजिंग की हूबहू या काफी हद तक मिलती-जुलती नकल थी। बाद में की गई छापेमारी के दौरान, पुलिस ने इलाके की कई दुकानों से बड़ी मात्रा में नकली मोबाइल बैक पैनल बरामद किए।

महादेव मोबाइल स्टोर से पुलिस ने 371 नकली रियल्मी बैक पैनल, 424 नकली ओप्पो बैक पैनल और 195 नकली वन प्लस बैक पैनल ज़ब्त किए। श्री गणेश मोबाइल्स में भी इन्हीं ब्रांडों के बैक पैनल ज़ब्त किए। इसी तरह दुर्गा टेलीकॉम से भी और सामान ज़ब्त किया गया। पुलिस ने कहा कि उत्पादों के स्रोत का पता लगाने और उनके निर्माण, कब्ज़े और बिक्री में शामिल सभी लोगों की पहचान करने के लिए जांच जारी है।

कृष्णागिरी आरईजड् ट्रांसमिशन लिमिटेड

(पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी)

सार्वजनिक नोटिस

कृष्णागिरी आरईजड् ट्रांसमिशन लिमिटेड (पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी), जिसका पंजीकृत कार्यालय बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016 में स्थित है, भारत सरकार से विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के तहत विद्युत लाइनों या विद्युत संयंत्रों को विद्युत संचरण के लिए या टेलीफोन या टेलीग्राफ संचार के उद्देश्य से स्थापित करने के लिए सभी शक्तियां प्रदान करने हेतु आवेदन करने का इरादा रखती है/कर चुकी है, जो कार्यों के उचित समन्वय के लिए आवश्यक हैं और जो टेलीग्राफ प्राधिकरण को भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 के तहत टेलीग्राफ लाइनों और पोस्टों को स्थापित करने के संबंध में प्राप्त हैं, जो सरकार द्वारा स्थापित या अनुरक्षित हैं या स्थापित या अनुरक्षित किए जाने वाले हैं, और निम्नलिखित पारेषण योजनाओं के लिए सर्वेक्षण, निर्माण, स्थापना, निरीक्षण, स्थापना और अन्य कार्यों को कमीशनिंग, संचालन, रखरखाव और अन्य कार्यों को करने का कार्य करेगी:

पारेषण योजना का नाम: '**कृष्णागिरी आरईजड् चरण-I के एकीकरण के लिए पारेषण प्रणाली**'।
इस योजना के अंतर्गत आने वाले कार्य: **कृष्णागिरी आरईजड् ट्रांसमिशन लिमिटेड**

क्र. सं.	संचरण योजना का दायरा	क्षमता/लाइन की लंबाई (किलोमीटर में)
1.	कर्नूल जिले के कोडुमुर के पास कृष्णागिरी पूलिंग स्टेशन (4x1500 एमवीए, 765/400 केवी) और 5x500 एमवीए, 400/220 केवी) की स्थापना, साथ ही कृष्णागिरी पुलिस स्टेशन में 2x330 एमवीएआर (765 केवी) बस रिएक्टरों की स्थापना, जिसमें 400 केवी स्तर पर 4500 एमवीए के दो (2) खंडों का प्रावधान है।	(i) 765/400 केवी, 1500 एमवीए, आईसीटी-4 नग (13x500 एमवीए) (1 अतिरिक्त यूनिट सहित) (ii) 765 केवी आईसीटी बे-4 नग। (iii) 400 केवी आईसीटी बे-4 नग। (iv) 765 केवी लाइन बे 6 नग (कृष्णागिरि पीएस पर कृष्णागिरि-डोमा, कृष्णगिरि-रायचूर-रायचूर तथा कृष्णगिरि-सागर 765 केवी डी/सी लाइनों की समाप्ति के लिए) (v) 765 केवी, 330 एमवीएआर बस रिएक्टर-2 नग (बस रिएक्टर एवं लाइन रिएक्टर दोनों के लिए 7x110 एमवीएआर जिसमें दोनों बस रिएक्टरों के लिए 1 स्विच करने योग्य अतिरिक्त इकाई शामिल है) (vi) 765 केवी बस रिएक्टर बे-2 नग। (vii) 400/220 केवी, 500 एमवीए, आईसीटीएस-5 नग (viii) 400 केवी आईसीटी बे-5 नग। (ix) 220 केवी आईसीटी बे-5 नग (x) 220 केवी लाइन बे-6 नग। (xi) 220 केवी बस सेक्शनलाइजर : 1 सेट (xii) 220 केवी बस कपलर (बीसी) बे-2 नग (xiii) 220 केवी ट्रांसफर बस कपलर (टीबीसी) बे-2 नग
2.	कृष्णागिरि पीएस में ±300 एमवीएआर स्टेटकॉम	(i) 400 केवी बे-1 नं. (ii) ±300 एमवीएआर स्टेटकॉम-1 सेट
3.	कृष्णागिरी-डोमा 765 केवी डी/सी लाइन (लगभग 175.33 किमी) जिसमें दोनों सिरों पर दोनों सर्किट पर 240 एमवीएआर एसएलआर (परिवर्तनीय) लगा हुआ है।	~175.33 किमी (i) 765 केवी लाइन बे-2 नग (डोमा में) (ii) 765 केवी, 240 एमवीएआर एसएलआर कृष्णागिरी पर पीएस-2 नग (7x80 एमवीएआर जिसमें 1 स्विच करने योग्य अतिरिक्त इकाई शामिल है) (iii) कृष्णागिरी पीएस पर 765 केवी एसएलआर के लिए स्विचिंग उपकरण-2 नग (iv) डोमा पीएस पर 765 केवी, 240 एमवीएआर एसएलआर-2 नग (7x80 एमवीएआर सहित 1 स्विच करने योग्य स्पेयर यूनिट) (v) डोमा पीएस पर 765 केवी एसएलआर के लिए स्विचिंग उपकरण-2 नग
4.	दोनों सर्किटों पर रायचूर नए छोर पर कृष्णागिरी रायचूर नई 765 केवी डी/सी लाइन (लगभग 89.83 किमी) रायचूर में 240 एमवीएआर एसएलआर (परिवर्तनीय)	~89.83 किमी
5.	3x1500 एमवीए, 765/400 केवी सागर सबस्टेशन की स्थापना, जिसमें 2x330 एमवीएआर (765 केवी) बस रिएक्टर शामिल हैं और 220 केवी स्विचयार्ड की स्थापना के लिए स्थान का प्रावधान है।	(i) 765/400 केवी, 1500 एमवीए, आईसीटी - 3 नग (10x500 एमवीए जिसमें 1 अतिरिक्त इकाई शामिल है) (ii) 765 केवी आईसीटी बे-3 नग। (iii) 400 केवी आईसीटी बे-3 नग. (iv) 765 केवी लाइन बे-2 नग (सागर में) कृष्णागिरी-सागर 765 केवी डी/सी लाइन की समाप्ति के लिए (v) 765 केवी, 330 एमवीएआर बस रिएक्टर-2 नग. (7x110 एमवीएआर सहित 1 स्विच करने योग्य अतिरिक्त इकाई) (vi) 765 केवी बस रिएक्टर बे -2 नग। (vii) 400 केवी लाइन बे - 2 नग (सागर में सागर-नागार्जुनसागर 400 केवी क्वाड डी/सी लाइन का समाप्ति हेतु)
6.	कृष्णागिरी-सागर 765 केवी डी/सी लाइन (लगभग 301.2 किमी) 240 एमवीएआर एसएलआर (परिवर्तनीय) के साथ दोनों सर्किटों पर दोनों सिरों पर	~301.2 किमी (i) कृष्णागिरी पीएस- पर 765 केवी, 240 एमवीएआर एसएलआर- 2 नग (6x80 एमवीएआर स्विच करने योग्य इकाइयां) (ii) कृष्णागिरी पीएस में 765 केवी एसएलआर के लिए स्विचिंग उपकरण -2 नग (iii) सागर पर 765 केवी 240 एमवीएआर एसएलआर-2 नग (7x80 एमवीएआर, जिसमें 1 स्विच करने योग्य अतिरिक्त इकाई शामिल है) (vi) सागर- में 765 केवी एसएलआर के लिए स्विचिंग उपकरण-2 नग
7.	सागर-नागार्जुन सागर 400 केवी क्वाड डी/सी लाइन	~54.55 किमी

इस परियोजना के अंतर्गत आने वाली ट्रांसमिशन लाइनें **आंध्र प्रदेश**, कर्नाटक और तेलंगाना राज्यों के निम्नलिखित गांवों, कस्बों और शहरों से होकर गुजरेंगी, उनके ऊपर से गुजरेंगी, उनके आसपास से गुजरेंगी और उनके बीच से गुजरेंगी:

(1) कृष्णागिरी-डोमा 765 केवी डी/सी लाइन

क्र. सं.	गाँवों के नाम	तहसिल/मंडल	जिला
1.	ब्रह्मनादोड्डी, बुरानदोड्डी, सी. बेलागल, पोलकल, कोंडापुरम, गुंड्रेवुला, पालुकुदोड्डि, पाता कोंडापुरम, पलुदोड्डि, इनगंड्ला, बेटोली, मरबट्टुनिदोड्डि, रंगापुरम (कोत्ता कोंडापुरम), कृष्णादोड्डी, बुरामदोड्डी, पोलुकल्लू	सी. बेलागल,	कर्नूल
2.	पी. कोटाकोंडा, मत्सापुरम, बोडापाडु, कुरनूरू, सेषारेड्डीपल्ली, कोटकोंड, मच्चापुरम	देवनाकोंडा	कर्नूल
3.	कुरनूर, कुरुनूरू, लिंगमदिन्ने, तिप्पनुरू, वेमुगोड्डू, बोडिपाडु, तिप्पानूरु	गोनेगन्डला	कर्नूल
4.	चनुगोंड्ला, गूडूर, गूड्डूरू	गुडूर/गुड्डूरू	कर्नूल
5.	मुदुमालगुर्थी, कोडुमुर, वारकुर, पुलकुर्थी, कल्लपारि, वयानादोड्डी, वाराकुरु, पुलकुर्ती, मेरुगुदोड्डि, मदुमालगुर्थी	कोडुमुर	कर्नूल
6.	अगावेली, पोथुगल, पोथुगल्लू, एरुकलाचेरुवु, येरुकलचेरुवु, चुंचु येर्रागुडि	कृष्णगिरी	कर्नूल
7.	वाविलाला, सातेर्ल	इतिक्याला/ इटिक्याल	जोगुलांबा गदवाल
8.	तनगाला, तनगाल	वड्डेपल्ले	जोगुलांबा गदवाल
9.	उप्पल, वेंकटापुर, यापादिन्ने, जाडादोड्डी, थुमकुंटा, अइज, फकीरपुरम, पर्दिपुरम, वेंकटापुरम, कृष्णापुरम, गुड़िदोड्डी, चिप्पादोड्डी, तुमकुंटा, अइजा, उप्पल कैंप	आइजा	जोगुलांबा गदवाल
10.	धरूर, संगल वागु, धरूर	धरूर	जोगुलांबा गदवाल
11.	काकुलवरम, परमाला, जिल्लडाबंडा, संगाला, गदवाल, गोनपाड, गदवाल (आर) (पार्ट), येंकमपेटा, आत्माकुर, कोथपल्ले, रेकुलपल्ले, कोत्तापल्ली, मदनापल्ली, चिन्नगनीपल्ली, गोनपाडु, सांगल, अटकुर, काकलवरम, कुरवपल्लि, संगल चेरुवु, कोगल वागु, गुंटीपल्ली, चिन्ना अग्रहारम, गनपाड, गदवाल (सराई), रेकुलापल्ली, परमाला	गदवाल	जोगुलांबा गदवाल
12.	विट्ठलापुरम, नागरदोड्डी, मल्लेमदोड्डी, वेलगर्लपाडु, येलकुर, येहुलगुड़ेम, मालदकल, सहालोनीपल्ली, डी. अमरावाई, बुरदीपाड़, पालवाई, बिज्जावरम, कुर्थीरावालचेरुवु, पेद्दापल्ली, एल्कुर, बुदाड़ी, विठलापुरम, इदुलापल्ले, येलगर्लपाडु, एडुलगूडेम, निलिपल्ले, सादालमपल्ले, अमरवाय, बुदिदापाडु, मयाकलासोमपल्ली, जिल्लेडिबंडा, मार्लापल्ले, कदिरावुलचेरुवु, पालवाय।	मल्दाकल	जोगुलांबा गदवाल
13.	चिन्नाधनवाड़ा, थुम्मिल्ला, नासनूर, पेद्दा तांड्रपाडु, मनदोड्डी, पचार्ला, तुम्मेल्ला, चिन्ना धनवाडु, नफसानुरू, थुम्मेल्ला, पटचर्ला, येंदुपल्ली।	राजोली	जोगुलांबा गदवाल
14.	अमरचिंता, पमिरेड्डीपल्ले, कनकवानिपल्ले, रंगापूर, अमरचिंता तांडा, अमरचिंथा, अमरचिंथा तांडा, रंगापुर (UI), कोनकानवनीपल्ली।	अमरचिंथा	वनपर्ती
15.	गुन्टिपल्ले, मोटलामपल्ले, जुरियल, मेदेपल्ले, सोमसागर आत्माकुर (सीटी), बालकिष्टापुर, खानापुर, पिन्नमचेरला, जुराला, अत्माकुर, गोपन्नापेट, कोतूर, मेडीपल्ली, गोप्पनापेट तांडा, कोतूर तांडा, गुंटापल्ली	आत्माकुर	वनपर्ती
16.	अज्जकोल्लु, रामनपाडु, गोपानपेटा, करवेना, दुप्पल्ले, गोपान्नापेट	मदनापुर	वनपर्ती
17.	अप्पायिपल्ले, गुंडमल, मुदिरेड्डीपल्ले, अमलीकुंटा, सारंगरावपल्ले, भक्तिमल्ला, भोगारम, वीरारम, कोम्मुर, सारंगरावपल्ली, अमलीकुंट्ला, गुंडुमल, मुदीरेड्डीपल्ली।	गुंडमल	नारायणपेट
18.	गोतूर, किष्टापुर, कोंडापुर, जयराम तांडा, हनुमानपल्ली, रामकृष्णय्यापल्ली, कोंडरावपल्ली, धनवाड, धनवाडा।	धनवाड़ा	नारायणपेट
19.	मुख्त्यारनगर, कोसगी, एजीपूर, मालरेड्डीपल्ली, गुंडलापल्ली, थिम्मयापल्ली, सामपल्ली, उस्लावानिपल्ले, नागसानपल्लि, पोतरेड्डीपल्ली	कोसगी	नारायणपेट
20.	नंदिगाम, गोकुलनगर, थिम्मारेड्डीपल्ले, अल्लिपुर, लिंगलछेड, पेद्दापुर, मन्नापुर, एक्कामेडु, पेद्दापुरम, पेद्दा लिंगलछेड, थिम्मारेडीपल्ली, नंदिगाँव, पेद्दा वागु, कोथापल्ले, कोत्तापल्ली, कोथापल्ली।	कोतापल्ली/ कोथापल्ले/ कोथापल्ली	नारायणपेट
21.	चित्तानूर, जिन्नाराम, इब्राहिमपट्नम, पेद्दाचिंताकुंटा तीलेर, वेंकटापुर, मारीकल, राकोंडा, मदवार, पासलपाड, पुसलपाड, तिलेरु, धनवाड, माधारम, कोत्तपल्लि संजिवकोंडा, पेद्दा चिताकुंटा	मरिकल	नारायणपेट
22.	कुमारलिंगमपल्ले, कुमारलिंगमपल्ली	नरवा	नारायणपेट
23.	अल्लीपुर, मद्दूर, कुरुमूर्ति, लक्ष्मीदेवीपुर, गुडूर, चिन्नाचिंताकुंटा (सीटी), उंदयाला, एडुलापुर, वड्डेमानु, दमग्नापुर, सीतारामपेटा, नेल्लीकोंडी, फरीदपुर, पल्लामर्री, लालकोटा, बंड्रेपल्ले, बंदारपल्ली, परिदपुर, परिदपुर तांडा, सितारामपेटा, मान्ने वागु, पेद्दा वागु, वड्डेमान, नेल्लीकोंडी तांडा, अल्लीपुरम, कुरुमूर्ति, चिन्ना चिंताकुंटा, लक्ष्मीदेवीपुरम, एड्लापुरम	चिन्न चिंत कुंटा	महबूबनगर
24.	तिरुमलापुर, तिरुमलापुरम, मुच्छिंतला, अप्पमपल्ले, अप्पमपल्लि, मुच्छिंतला	कौकुंट्ला	महबूबनगर
25	मीनुगुवानीपल्ले, गोपलापुरकलान, गुराकोंडा, बसवापुर, नागारम, पेद्दाराजमूर, चिन्नाराजमूर, अजिलापूर, बोल्लारम, गुड़ीबंडा, कोइलसागर, नगन्नापल्ली, चिन्ना राजामूर, पेद्दा राजामूर, पेद्दा वागु, गोपालपुरम	देवरकद्रा	महबूबनगर
26	पगड़ीयाल, मंसूरपल्ले, वराहागिरीपल्ले, गोविन्दापल्ले, कपलापूर, वेन्नाचेड़, चेलमिल्ला, जिन्नारम, कोंडापुर, जिन्नावरम, चेलीमेल्ला, जक्कलपल्ली, वेन्नाचेड्डू, लिगयापल्ली, गोल्लागड्डा, गोविंदापल्ली, पगिड्याला, जनमपल्ली, पंचनगुला तांडा, धुव्वागड्डा तांडा, रंगारेड्डीपल्ली, बराहागिरीपल्ली (यूआई)	गंडीड	महबूबनगर
27	चीकर्लापल्ले, वेपुर, चिन्ना वागु, चीकर्लापल्ली (यूआई), चीकर्लागड्डा तांडा, रामन्नापल्ली	हनवाड़ा	महबूबनगर
28	अय्यावारपल्ले, चन्दापुर, मुबारकपुर, इब्राहीमनगर, कोइलकोंडा, अनकिल्ला, जमालपुर, एल्लारेड्डीपल्ले, खुशमोहम्मदपल्ले, विजामुर, मोदीपुर, नल्लावेल्ली, सेरीवेंकटापुर, बुरगुपल्ले, लिंगलचेड़, सुरारम, मल्लापुर, कोथलाबाद, रुकमापुर, पेद्दा वागु, पेद्दा तांडा, पत्तुगु तांडा, अय्यावारीपल्ली, बोटानायक तांडा, कोंडापुर, कोइलसागर, कोटलाबाद, वेंकटापुर, चिन्ना लिगालछेड़, महादेवपुर, येलरेड्डीपल्ली, खुशमुहम्मदपल्ली, संगानोनीपल्ली, कोथलावाड़,	कोइलकोंडा	महबूबनगर
29	पोलेपल्ले, पल्लेगड्डा, हकीमपेटा, हकीमपेट	दुदयाल	विकाराबाद
30	गुमदल, दादापुर, मल्लेपल्ले, बाट्ला चंद्रारम, अनंतरेड्डीपल्ले, कोंडायपल्ले, मोतकूर, पालेपल्ले, आइनापुर, बादामपल्ले, दिरसमपल्ले, छंदारम, कोड्डापल्ले, अनंतरेड्डीपल्ले	दोमा	विकाराबाद
31	चेल्लापुर, बंदाएल्काचेर्ला	कुल्काचेर्ला	विकाराबाद

(2) कृष्णागिरी - रायचूर न्यू 765 केवी डी/सी लाइन :

क्र.सं.	ग्रामों के नाम	तहसील/मंडल	जिला
1	पी. कोटाकोंडा, कप्पटराल्ला, मत्सापुरम, माचापुरम, पालाकुर्ती, दुप्पनागुर्ती, देवराबंडा, कोटाकोंडा, मा सापुरम, पालाकुर्ती	देवनाकोंडा	कर्नूल
2	कुरनुर, तिप्पानुर, नेरुडुप्पला, एर्राबाडु, वेमुगोडु, इरानबंडा, हंद्रि खैरावडि, गोनेगंड्ला, कुलुमाला, पेद्दा नेलटूर, पेद्दा मर्रिवीडु, अलवाला, गाजोलदिन्ने, वंटेडुदिन्ने, पिल्लीगुंड्ला, वीरमपल्ली, कुलामाला, हंद्रिखैरुवाडि, कुरनुरु, बंडागुट्टा (कुमाराला), गुल्लामरुसु, चिन्ना मरिवीडु, पेद्दा मरिवीडु, तिप्पानुरु, नेराडुप्पला, आयरनबंडा, पेद्दा नेलटूर, अलवाला, पुट्टापासम	गोनेगंड्ला	कर्नूल
3	आगावेली, पोथुगल, पोतुगल्लु, एरुकलाचेरुवु, येरुकलाचेरुवु, चुंचु येर्रागुड़ी	कृष्णागिरी	कर्नूल
4	मंचाला, मंत्रालयम (मंतासाला)	मंत्रालयम	कर्नूल
5	पोनकलाडिन्ने, कनकावीडु, माचापुरम, नंदावरम, पूलाचिंता, इभरामपुरम, चिन्नाकोथीलिकी, पेद्दाकोथीलिकी, जोहरापुरम, गंगावरम, नड़ीखैरावाड़ी, संजीवापुरम, जोहरापुरम, पुलाचिंता, कनकवीडु, कोट्टाला, इभरहीमपुरम, मत्सापुरम, चिन्ना कोट्टालिकि, पेद्दा कोट्टालिकि, पेटा	नंदावरम	कर्नूल
6	राल्लदोड्डि, परलापल्ले, कालुगोट्ला, पेसालादिन्ने, के.तिम्मापुरम, गार्लादिन्ने, एनिगाबाला, सोगनुर, दिवमदिन्ने, टीसल्लाकुड्लूर, टीसल्लाकुड्लुर, तिम्मापुरम, पार्लापल्ली, गुव्वलदोड्डी, कलगोट्टा, सोगनुरु	येम्मीगनुर	कर्नूल
7	कुडकानूर, कुटुकुनुरु	आइजा	जोगुलाम्बा गद्वाल
8	गंब्राल, गुंजहल्लि, गंगवार, नदीगड्डीमल्कापुर, गुंडेरवेलि, बुद्दिन्नी, इडपनुर, मालियाबाद, आसापुर, नेलहल, एरगेरा, उदमगल, खानापुर, गधर, नागलापुर, मंजर्ला, असकीहल, मिडगलदिन्ने, अलकुर, तलमारी, अर्लिबेंची, मन्दापुर, कमलापुर, हंचिनहल, हुसिहलहुदा, होसुर, रामपुर, कारेबुदुर, गोडिहाल, उपराल, पूर्तिपल्लि, मटमारी, अनवर, मर्चाथल, जालीबेंची, पेसलदिन्नि, एकलासपुर, गोनहल, मिर्जापुर, तलामारी, गंगवार, नदीगड्डा मल्कापुर, गुंद्रवेली, हंचीनल, गुंजेहल्ली, गोडेहल, उपराहल, नागलापुर, मर्चैताहल, नेलाहल, अरालीबेंची, रायचुर, कमलापुर, मंजर्ला, मेडिगलादिन्नि, बुदुर, पुर्थीप्ली, एरागेरा, अलाकुरु, अनावारा, बुदाधिन्नी, गाधरा, गनाधला, गंगावार, गोदीहला, गोनाला, गुंजाहल्ली, हंचीनाला, हसापुरा, होसुरु, हुनासिहलहुडा, इदपानुरु, कमलापुरा, केरेबुधुरु, खानापुरा, मलियाबाद, ममधापुरा, मर्चटाहला, मटमर्री, मिर्जापुरा, मुदगलदिन्नि, नधीगिड्डी, मल्कापुरु, नागलापुरा, नेलाहला, पीसलादिन्ने पूर्थीप्ली, रायाचुर, थलमरी, उधमगल, उधराला, एकलासपुरा, एरागेरा, जालीबेंधाची	रायचूर	रायचूर

(3) कृष्णागिरी -सागर 765 केवी डी/सी लाइन :

क्र.सं.	ग्रामों के नाम	तहसील/मंडल	जिला
1	पी.कोटाकोंडा, कोटाकोंडा, मत्सापुरम, माचापुरम, मा सापुरम, कुरनुरु, शेषारेड्डीपल्ली	देवनाकोंडा	कर्नूल
2	कुरनुर, कुरनुरु, लिंगमदिन्ने	गोनेगंड्ला	कर्नूल
3	चानुगोंड्ला, पेंचीकलापाडु, कुरुवानागलापुरम, कुरुवा नागलापुरम, गुड़ीपाडु, गुडूर, गुडुरु, रेगडि खानापुरम, रेगडीखानापूर, के.नागलापुरम, रेगडीखानापुरम	गुडूर/गुडूरु	कर्नूल
4	पार्ला, ए.गोकुलापाडु, अय्यावारी गोकुलापाडु, पेद्दापाडु (ओजी), पेद्दा वागु, पेद्दापाडु	कल्लुर	कर्नूल
5	मुदुमलागुर्ती, एर्रादोड्डी, येर्रादोड्डि, कोडुमुर, आमडगुंट्ला, अमादगुंट्ला, प्यालाकुर्थी, रामचन्द्रापुरम, कृष्णापुरम, प्यालाकुर्ति, मुदुमलागुर्ती, वेंकटगिरी	कोडुमुर	कर्नूल
6	आगावेली, पोथुगल, पोतुगल्लु, एरुकलाचेरुवु, येरुकलचेरुवु, चुंचु येर्रागुडि	कृष्णागिरी	कर्नूल
7	रेमटा, बसवापुरम, उलचाला, निड्जूर, जी.सिंगावरम, बावापुरम, गोपाला सिंगवरम, निड्जूरु, उलुचाला	कर्नूल	कर्नूल
8	पेदागार्लापाडु, केसनपल्ले, केसनुपल्ली, दाचेपल्ले, पेद्दा गार्लपाडु, चिन्ना गार्लपाडु, केसनापल्ली, दाचेपल्ली,	दाचेपल्ली	पलनाडु
9	चेर्लगुडि पाडु, मद्दुगुला, पल्लेगुंटा, पल्लीगुंट्ला, गोगुलापाडु, गुरजाला, गंगावरम, तेलुकुट्ला, गोट्टीमुक्कला, चेर्लगुड़ीपाडु, सत्यनारायणपुरम, समधानमपेटा, गुरजाला, जंगमेश्वरपुरम, अंजनापुरम, रामापुरम, रामकृष्णापुरम, दायदा मेजर	गुरजाला/ गुरज़ाला	पलनाडु
10	मिरियाला, मिर्याला, चिंतपल्ले, पेदा कोदमगुंड्ला, काकानिवारीपालेम, चिनगार्लापाडु, संकरापुरम, सिद्धयि, शंकरापुरम, गादेवारिपल्ले, भट्टुवारिपल्ले, चिन्ना कोदमगुंड्ला, लक्ष्मीपुरम, पेद्दा कोदमगुंड्ला, रेड्डिपालेम, पेद्दा गार्लापाडु, चिन्ना गार्लपाडु, पेदाकोदमगुंड्ला, संकरापुरमसिधायि	कारेमपुड़ी	पलनाडु
11	पिन्नेल्लि, रामचन्द्रापुरम, माचावरम, गांधीनगर, चेन्नयापालेम	माचावरम	पलनाडु
12	करलापाडु, कामेपल्ले, तुम्मलाचेरुवु, वीरापुरम, तुम्मलाचेरुवु, कामेपल्ली, ब्राह्मनपल्ले, चिन्ना अग्रहारम, पेद्दा अग्रहारम	पिड्डुगुराल्ला	पलनाडु
13	रेंटाला, रेंटाचिंतला, मिट्टागुड़ीपाडु, गोली	रेंताचितला	पलनाडु
14	शालीपुर, सालीपुरम, क्यातुर, क्यातुरु	आलमपुर	जोगुलाम्बा गद्वाल
15	कोरवीपाडु, चिन्नापोथुलापाडु, पोसलपाडु, पेद्दापोथुलापाडु, चिन्निपाडु, वेन्नीपाडु, राइमाकुलकुंटा, मनोपाड, मनोपाडु, जल्लापुर, चिन्ना पोतुलपाडु, पेद्दा पोतुलापाडु	मनोपाड	जोगुलाम्बा गद्वाल
16	मेन्नीपाडु, कालगोट्ला, पुल्लुर, पुल्लुरु, बोनकुर, उंदावेल्ली, खानापुर, कंचुपाडु, इटक्यालपाडु, थक्कासिला, सेरीपल्ले, प्रगाटूर, मरमुनागला, मोरसु, शेरपल्ली, मन्यमचेनु, प्रगतुर, घंटाकारन्ना वागु, मिदुतलापाडु, कलुगट्ला, बोमकुरु, इटिक्यालापाडु, तक्कासेला, सालीपुरम, सेरुपल्ले	उंदावेली/ उंदावेल्ली	जोगुलाम्बा गद्वाल
17	गड्डाबसवापुरम, बेक्कम, दगडापल्ले, मियापुरम, अम्माईपल्ले, दगडा, वेलगोंडा, नेल बिलुकु, गद्दा बसवापूर, पेद्दा बिलुकु, विपनगंड्ला, मियानपुर, नल्ला चेरुवु, अम्माईपल्ली, चिन्ना दगडा, येल्लाकोंडा,	चिन्नमबावी	वनपर्ती
18	यापर्ला, गुम्मादम	पेब्बेर	वनपर्ती
19	संपतरावपल्ले, विपनगंड्ला, वीपनगंड्ला, तूमकुंटा, कोर्लाकुंटा, बोल्लारम, तुमकुंटा, बोल्लावरम, संपतरावपल्ली, वीपनगंड्ला	विपनगंड्ला/ वीपनगंड्ला	वनपर्ती
20	लिंगोटम, पालुकापल्ले, हाजीपुर, पुलजाला, चेन्नारम (सबक), सिंगावरम, बोम्मेनापल्ले, सिद्दापुर, मन्नावारीपल्ले, पल्कापल्ली, लिंगोतम तांडा, पुलजाल, चन्नारम, लिंगनमपल्ली, चन्द्रा वागु, पलकापल्ली, पुलिजाला, चेन्नारम, बोम्मनापल्ली, मन्नेवारीपल्ली	अच्चमपेट	नागर कर्नूल
21	गोदल, कोंडारेड्डीपल्ले, चेन्नारम (पी.जी.), पोलेसेट्टीपल्ले, महादेवपुर, थुम्मनपेटा, गद्दुथुम्मन, इप्पाकुंटा, गड्डु तुम्मन्नपेट, तुम्मन्नापेट, लखनावरम, कोड्डापल्ली, चन्नावारम, मंगलकुंटापल्ली, तुम्मनापेट चेरुवु, कोंडारेड्डीपोल्लि, कोंडारेड्डीपल्ली, चेन्नारम पोड्डिगोडल, पोलिशेट्टिपल्ली, पोलिसेट्टिपल्लि, तुम्मनपैट, गड्डुथुम्मेन	बालमूर	नागर कर्नूल
22	बडिगादिन्ने, नरसाईपल्ले, कोंडारावपल्ले, येथम, मैलारम, खानापुर, कोडेर, जानुमपल्ले, पसपुला, बवाइपल्ले, तीगलापल्ले, नरसाईपल्ली, बडीगेदिन्नि, बडिगेदिन्नि तांडा, कोडेरु, पसुपुला, बवाईपल्ली, खानापुरम, खानापुरम वागु, येट्टम, सिंगावट्टम, कोंड्राओपल्ली, बदुगादिन्ने, नरसाईपल्ली, कोंड्राओपल्ली, जानुमपल्ली, जानुमपल्लि, बवईपल्ली, तीगलपल्ली, तिगलपल्लि।	कोडेरु/कोडेर	नागर कर्नूल
23	चिंतलपल्ले, माचिनेनीपल्ले, एनमनबेट्ला, जवाईपल्ले, सिंगावटनम, सिंगवट्टम, तेल्लापुलुगुगुट्टा तांडा, जवाईपल्ली, नलिनी चेरुवु, यम्मनबट्ला, चिंतलपल्ली, चिंतलपल्लि, मचिनेनीपल्ली, माचनीनिपल्लि, येनमनबेटला, जवाईपल्ली, सिंगोटम	कोल्लापुर	नगरकर्नूल
24	साइनपेटा, शाइनपेट, सायिनीपेटा, दथाराम, दत्ताराम, मदापुर, कोमाटिकुंटा, बाकराम, मनजीपेट, वल्लभापुर, रामपुर, वलवापुर	लिंगल	नगरकर्नूल
25	चेन्नापुरावुपल्ले, चेन्नपुरावुपल्लि, महासमुद्राम, गंट्रावुपल्ले, नारायणपल्ले, नारायणपल्ली, जोन्नालबोगुड़ा, जोन्नालबोगडा, देदिनेनिपल्ले, पेद्दाकरपामुला, पेद्दाकोत्तापल्ले, पेद्दा कोत्तापल्ली, देवलथिरुमलपुर, आदिराला, वेन्नाचेरला, मर्रिकल, मुस्तिपल्ली, चंद्रकल, मुस्तिपल्ली, मरिकल, नक्कलपल्ले, पेद्दा कोतापल्ली, पेद्दा करूपामुला, देवल तिर्मलापूर, पेरुमल्लापल्लि, वाविलाभवी, गंट्रावुपल्लि, खानापुर वागु, चेन्नपुरावुपल्ली, गंट्रावुपल्ली, नारायणपल्ली, पेद्दा करपामुला, पेद्दा कोतापल्ली, देवल थिरुमलपुर, मुस्तिपल्ली	पेद्दा कोत्तापल्ली/ पेद्दाकोत्तापल्ली	नगरकर्नूल
26	गोपालपुरम, गोपालपुर, सिंगावरम, सिंगवरम, कोंदुरु, बयन्ना गड्डु, कोंदुर	पेंट्लावल्लि/ पेंटलावेल्लि	नगरकर्नूल
27	वट्टिपल्ले, बोप्पेपल्ले, पेद्दापल्ले, पेद्दापल्ली, आलेर, पेंदुरु, लखनाराम, वट्टिपल्लि, बोप्पल्ले, आलेर, बोदबंडा तांडा, जंगवनिपल्ली, वट्टिपल्ली, बोप्पल्ली, पेद्दापल्ली, पेंदुर	तेलकापल्ली	नगरकर्नूल
28	मर्रिपल्ले, मर्रिपल्ली, रायचेडु, रायचेड, पेरटवानीपल्ले, उप्पुनूतला, तिप्पापुर, अय्यावारिपल्ले, वेल्टूर, कमसानिपल्ले, कमसानिपल्ली, लतीफपुर, पेनिमिल्ला, तदूर, पेनिमेल्ला, सिंगारम, उप्पुनूतला, तदूर, वेल्टूर तांडा, अवुलोनीबावी तांडा (पिरटवानीपल्ली तांडा), देवदारुकुंटा तांडा, जनार्धनरेड्डी तांडा, अय्यावारिपल्ले तांडा, पेनिमेल्ला तांडा, तिप्पापुर, अवुलोनीबावी, अय्यावारिपल्ली, इराटोनपल्ली, पेनुमला, पुरीकान तांडा, बावुला तांडा, मर्रिपल्ली, अय्यावारिपल्ली, कमसानिपल्ली, लतीफपुर, पेनिमिल्ला	उप्पुनुथला	नगरकर्नूल
29	बन्नेपल्ली, बलिनेपल्लि, मुदिमानिक्यम, अडिवीदेवुलापल्ली, मोलकचेरला, उल्सायापालेम, उलिशायिपालेम, उलसाईपलेम, अडिविदेवुलपल्ली, चेरला तांडा, गोनेगाड़ी तांडा, मोलकचेरला, मंगली तांडा, दुद्दया तांडा, चिंतावेड्डु तांडा, इंदिरानगर तांडा, कोत्ता नंदीकोंडा, मोलकचेरला तांडा, अडिविदेवुलपल्ली	अडिवीदेवुला पल्ली	नलगोंडा
30	कोथापल्ली, पेरुरु, पेरुर, कोट्टाला, पंगुवनिकुंटा, आंजनेयुलु तांडा, कोथापल्ली, पेरुर	अनुमूला	नलगोंडा
31	अचमपेट (पी), चंदमपेट, मुरपुनूतला, चंदमपेट, मुडुदंड्ला, गुंटि पल्ली, गगिल्लापुर, पोलेपल्ली - गन्नेरपल्ली, गन्नेरलापल्ली, संद्राला गड्डा, मुरुपुनूतला, अचमपेट, पोलेपल्ली, कुम्मारिगुडेम, येलमागुडेम, मुरुपुनूतला तांडा, पोलेगानी तांडा, लबाड़ी तांडा, चाच्चुवानी कुंटा, गगिल्लापुरम, इसुका भावि, चंदा, अचमपेट पट्टी, गुंटीपल्ली, गुंटिपल्लि	चंदमपेट	नलगोंडा
32	शकवल्ली, मदमडका, मयनम पल्ले, देवरकोंडा (सीटी), देवरकोंडा, अंबाटिवानिगुडेम, पेद्दा वागु, नाइक तांडा, लालसिंग तांडा, जयराम तांडा, शाकवल्ली, चंद्रिगानी तांडा, मदमडका, मैनमपल्लि, मैनमपल्ली	देवराकोंडा/ देवराकोंडा	नलगोंडा
33	गोनाकोले, गोनाकोलु, बुगलडोना, बुर्हानपुर, कामदेनिगौरारम, गोनाबोइना पल्ले, येर्रारम, चेरकुपल्ले, गौराराम, एडुरला गड्डु, कामधेनु, गोनेबोइनपल्ली, प्रतापनगर, गोनाकोल, गोनाबोइनापल्ली, चेरकुपल्ली, चेरुकुपल्लि	गुंड्लापल्लि/ गुंड्लापल्लि	नलगोंडा
34	वन्नमनेनी पल्ले, वर्धमानिगुडा, अचमपेट, फकीरपुर, पेंडली पकाला, चिंताकुंटला, गाजीनगर, गाजीनगरम, अचमपेट, वर्त्योनीतांडा, मंजगानि तांडा, बोदगनी तांडा, सोमानाइक तांडा, पेडलीपाकाला, अचमपेटा तांडा, बाबुल तांडा, चिंताकुंटला, वेन्नमनेनिपल्ली, कोरोनी तांडा, जातावत तांडा, गुंटमाडुगु तांडा, फकीरपुरम, वर्धमानिगुडेम, वर्धमानागुडेम, बंड्ला तांडा	कोंडामल्लेपल्ली	नलगोंडा
35	तिम्मापुरम, पेरवाल, नेरडुगोम्मु, नेरेडगुम्मु, मुलावागु तांडा, कल्लुकुंडा तांडा, पेरवाला, पेरवाल, नेरेडुगोम्मु	नेरेडगुम्मु/ नेरेडुगोम्मु	नलगोंडा
36	सुरेपल्ले, रेगुलागड्डा, वल्लभपुर, कक्कैयागुडेम, तुम्मलु चेरुवु, नेतापुर, कक्कैयागुडेम, धनिसोनी तांडा, हलिया आर, चिलकल वागु, सुरेपल्ली, सीतला तांडा, मोग्या तांडा, तेल्लापलुगु तांडा, भोजगानी तांडा, सुरेपल्ली	निडमनुर/ निडमनूर	नलगोंडा
37	अजमापुर, मल्लापुरम, वड्डिपटला, तिरुमलागिरी (पट्टी दुग्याल), दुग्याला, मेडाराम, पेद्दा अदिसर्ला पल्ले, घटनेमिलिपुर, घनपुर, गोसोनी तांडा, येर्राकुंटा तांडा, रामपुरम, अक्कमपल्ली, रंगारेड्डिगुडेम, मदरगुडेम, मेडावरम, तिरुमलगिरि, मुनावत तांडा, पोगाकुगुडेम, पिल्लिगुंडला तांडा, पेद्दा अदिसर्लापल्ली, वैजाक कॉलोनी, अजमापुरम, थिरुमलागिरि, पी.ए. पल्ली, घटनेमिलीपुर, घनापुरम	पेद्दादिसेर्लापल्ली	नलगोंडा
38	पुलिचेरला, पर्वेदुला, परिवेदला, पोलेपल्ले, पोथनूर, संगाराम, चलाकुर्थी, थुंगथुर्थी, चिंतापल्ले, पिन्नावुरा, पेद्दावूरा, लिंगमपल्ले, लिंगमपल्ली, इदुलागुडेम, नयनावनिकुंटा, नयनावनिकुंटा तांडा, सिंगावरम, पेद्दावुरा, बट्टुगुडेम, कोत्तागुडेम, रामन्नागुडेम, एम्मिडागुडेम, पोतुनूर तांडा, गुडिपल्ली वागु, पिन्नावुरु, तुंगतुर्थी, पोत्तिवानी तांडा, पोतुनुरु, पुलावनिगुडेम, चिंतापल्ली तांडा, चिंतापल्ली, चलाकुर्ती पीडब्ल्यूडी कॉलोनी, चालाकुर्ती, जनारेड्डी कॉलोनी, पोथुनुरु, चिंतापल्ली, पिन्नावूरा, लिंगमपल्ली	पेद्दावुरा/ पेद्दावूरा	नलगोंडा
39	येल्लापुरम, येल्लापुर, कोनेरपुरम, कोम्पल्ले, राजावरम, नेल्लातापुर, नेतापुर, श्रीरामपल्ले, तिरुमलागिरी, सिलगापुर, अलवाला, पंगुवानिकुंटा, कोमपल्ली, तिरुमलागिरी, बोईगुडेम, रंगोंडला, गड्डुमिडी तांडा, इर्लागड्डा तांडा, राजावरम, सिमापुरी, बोईगुडेम तांडा, श्रीरामपुर, पंगुवनिकुंटा तांडा, कोरिवानिगुडेम, पुल्लारेड्डीगुडेम, अलवाल, शांतिनगर तांडा, आंजनेयुलु तांडा, मोलकचेरला, यल्लापुरम, नेथापुरम, श्रीरामपुरम	तिरुमलगिरी सागर	नलगोंडा
40	रागडापा, रागडप्पा, कपारगुडा तांडा	त्रिपुरारम	नलगोंडा

(4) सागर - नागार्जुनसागर 400 केवी क्वाड डी/सी लाइन

क्र.सं.	गाँवों का नाम	तहसिल/मंडल	जिला
1	पेदागर्लपाडु, केसनापल्ले, पेद्दा गरलापाडु, चिन्ना गरलापाडु, केसनापल्ली	दाचेपल्ली	पलनाडु
2	चेरलागुडी पाडु, मद्दुगुला, पल्लेगुंटा, गोगुलापाडु, गुरजाला, गुरजाला, चेरलागुडिपाडु, अंजनापुरम, रामापुरम, जनार्धनापुरम, नल्ला वागु	गुरुजाला/ गुरुजाला	पलनाडु
3	मिरियाला, मिर्याला, चिंतापल्ले, पेद्दा कोडमगुंड्ला, काकानीवारिपालेम, चिनागर्लापाडु, संकरापुरम सिद्धायी, शंकरापुरम, गडेवारीपल्ले, भट्टुवारिपल्ले, चिन्ना कोडामगुंडला, लक्ष्मीपुरम, पेद्दा कोडामगुंडला, रेड्डीपालेम, पेद्दा गरलापाडु, चिन्ना गरलापाडु, ब्रह्मनायडु कॉलोनी, पेद्दाकोडामगुंडला, संकरापुरमसिद्धायी	कारेमपुडी	पलनाडु
4	माचावरम, पिन्नेल्ली, गांधीनगर, रामचंद्रपुरम, चेन्नैयापालेम	माचावरम	पलनाडु
5	रायावरम, माचेर्ला (आर), कोथापल्ले, अमानी जम्मला मडका, कंभमपाडु, थल्लापल्ले, पासुवेमुला, विजयापुरी साउथ, तल्लापल्ली, कोथुर, एत्तिपोतला, भैरवुनिपाडु, अमानीजम्मालामडका, गन्नावरम, मतुकुमल्लि, लिंगापुरम, कंबमपाडु, माचेर्ला, कोथापल्ली, ए.जे. मेदका, थल्लापल्ली	माचेर्ला	पलनाडु
6	करालापाडु, कामेपल्ले, थुम्मलाचेरुवु, वीरापुरम, तुम्मलाचेरुवु, कामेपल्ली, ब्राह्मनपल्ले, चिन्ना अग्रहारम, पेद्दा अग्रहारम	पिड्डुगुराला	पलनाडु
7	मंचिकल्लु, रेंटाला, पालुवोई, रेंटाचिंतला, तुम्मुरकोटा, पालुवाई मेजर, गोली वागु, बुग्गा वागु, तुम्मराकोटा	रेंटाचिंतला	पलनाडु

मार्ग सरेखण की प्रति अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपलब्ध है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि वे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से दो महीने के भीतर, यानी 10/11/2026 से पहले, प्रस्तावित पारेषण प्रणाली पर अपनी राय/प्रतिनिधित्व लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत करें।
अधिक जानकारी और स्पष्टीकरण के लिए, कृपया संपर्क करें:
नाम : श्री के. सुधाकर राव
पदनाम:वरिष्ठ महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रभारी
कार्यालय का पता: पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, #6-6-8/32&395E, कवाडीगुडा मेन रोड, सिकंदराबाद-500080, तेलंगाना राज्य
ईमेल आईडी: **ksr@powergrid.in**; मोबाइल नंबर: 9490611112

कृष्णागिरी आरईजड् ट्रांसमिशन लिमिटेड
(पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी)
कॉर्पोरेट कार्यालय: 'सौदामिनी', प्लॉट नंबर 2, सेक्टर-29, गुरुग्राम-122001 (हरियाणा)
दूरभाष: 0124-257100-719
पंजीकृत कार्यालय:बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली -110016
दूरभाष: 011-26560112, 26560121

SR-I/PR/Advt-06/Public Notice-04/ FY 2026-27/Lalit

राहुल के जनता दरबार में उमड़ी भीड़

लोगों की सुनी समस्याएं, सपा कार्यकर्ताओं ने भी की मुलाकात

रायबरेली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के रायबरेली दौरे के अंतिम दिन बुधवार को भुएमऊ गेस्ट हाउस में आयोजित जनता दरबार में बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। सुबह करीब नौ बजे शुरू हुए जनता दरबार में राहुल गांधी ने लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं एवं मांगें सुनीं। गेस्ट हाउस के बाहर लोगों की लंबी कतार नजर आई, जबकि सुरक्षा व्यवस्था के तहत एक-एक व्यक्ति को अंदर प्रवेश दिया गया। जनता दरबार में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के अलावा आम लोगों और विभिन्न संगठनों से जुड़े प्रतिनिधियों ने राहुल गांधी से मुलाकात कर स्थानीय समस्याओं से उन्हें अवगत कराया।

इस दौरान समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी राहुल गांधी से मुलाकात की और विभिन्न मुद्दे उनके सामने रखे। इससे

रायबरेली में कांग्रेस और सपा के बीच राजनीतिक समन्वय की तस्वीर भी सामने आई। मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के प्रदेश सचिव अखिलेश माही ने राहुल गांधी से मुलाकात कर वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध में शहीद हुए रायबरेली के राजेंद्र यादव के नाम पर स्मारक और चौराहा बनवाने की मांग की। माही ने कहा कि राजेंद्र यादव देश की सेवा करते हुए शहीद हुए थे, लेकिन अब तक रायबरेली में उनके नाम पर न तो प्रतिमा स्थापित हुई और न ही स्मारक बनाया गया।

अखिलेश माही के मुताबिक, उन्होंने राहुल गांधी से शहीद के सम्मान में स्मारक और चौराहा बनवाने का आग्रह किया, जिस पर राहुल गांधी ने जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बड़े नेता हैं और उनके सहयोग से इस बार भाजपा को कड़ी चुनौती दी जाएगी। उन्होंने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगा। जनता दरबार में महिला कांग्रेस की पदाधिकारियों ने भी राहुल गांधी से मुलाकात की। रायबरेली महिला कांग्रेस की अध्यक्ष लक्ष्मी सिन्हा ने राहुल गांधी को राखी बांधी और तिलक लगाया।

उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं ने वर्ष 2029 में राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने का संकल्प लिया है। उन्होंने राहुल गांधी से कहा कि लक्ष्य के लिए अब थोड़ी और मेहनत की जरूरत है और कांग्रेस कार्यकर्ता पूरी ताकत के साथ जुटे हैं। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी संगठन के अध्यक्ष अनिल मिश्रा ने भी राहुल गांधी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने प्रदेश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और शहीदों की कुर्बानियों को संरक्षित करने के साथ मुंशीगंज शहीद स्मारक के अधूरे सौंदर्यीकरण कार्य को जल्द पूरा कराने की मांग की।

कांग्रेस की महिला जिलाध्यक्ष शैलजा सिंह ने राहुल गांधी से मुलाकात कर उनके रायबरेली आगमन पर शुभकामनाएं दीं। उन्होंने छात्रों से जुड़े कार्यक्रम में युवाओं की आवाज उठाने के लिए राहुल गांधी की सराहना करते हुए कहा कि वह युवाओं के भविष्य की आवाज हैं। इस बीच, ब्रह्माकुमारी संस्थान की ज्योति बहन ने भी राहुल गांधी से मुलाकात की। उन्होंने राहुल गांधी से रायबरेली का दौरा इसी तरह जारी रखने और शहर के विकास में योगदान देने की अपील की। उन्होंने राहुल गांधी को रक्षा सूत्र और स्मृति चिह्न भेंट किया। ज्योति बहन के मुताबिक, राहुल गांधी ने स्नेहपूर्वक रक्षा सूत्र और स्मृति चिह्न स्वीकार किया तथा संस्थान में आने का आश्वासन दिया।

पुलिस को फोन करने के बाद दंपती ने जहर खाकर दी जान, भतीजे से विवाद के बाद उठाया आत्मघाती कदम

प्रतापगढ़, 9 सितंबर (एजेंसियां)। देहात थाना क्षेत्र के अमरोना श्रीकांत का पुरवा में बुधवार भोर दिल दहला देने वाली घटना हो गई। गांव निवासी सुभाष तिवारी (50) और उनकी पत्नी सपना तिवारी (45) ने भतीजे से विवाद के बाद जहर खा लिया। खबर मिलने पर पहुंची पुलिस ने दोनों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया जहां, डाक्टरों ने सुभाष को मृत घोषित कर दिया। गंभीर हालत में उनकी पत्नी को प्रयागराज रेफर कर दिया गया। एसआरएन अस्पताल में महिला की भी मौत हो गई।

घटना से परिवार में कोहराम मच गया है। रात भतीजे से किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। इसी से आहत होकर दंपती ने सुबह करीब चार बजे यह खौफनाक कदम उठा लिया। जहर खाने से पहले सपना ने फोन कर पुलिस और मायके पक्ष को सूचना दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

500 से ज्यादा छात्रों की फीस लेकर कोचिंग संचालक फरार, गैलेक्सी क्लासेज पर लटका मिला ताला

लखनऊ, 9 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के कपूरथला इलाके में एक कोचिंग संस्थान के अचानक बंद होने से सैकड़ों छात्रों में हड़कंप मच गया। आरोप है कि गैलेक्सी क्लासेज नाम की कोचिंग के संचालक ने 500 से ज्यादा छात्रों से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के नाम पर फीस वसूली और अब संस्थान बंद कर फरार हो गया है। बताया जा रहा है कि गैलेक्सी क्लासेज में एसएससी, यूपी पुलिस, टेट समेत कई प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाती थी। छात्रों के मुताबिक, उनसे करीब 15 हजार रुपये सालाना के हिसाब से फीस ली गई थी। और तो और कई महीनों से टीचरों को भी सैलरी नहीं दी गई थी। अब जब छात्र कोचिंग पहुंचे तो ताला लटका मिला। इस पूरे मामले में कोचिंग का मालिक और मैनेजर दोनों फरार बताए जा रहे हैं।

3.92 करोड़ के सोने के बिस्किट के साथ दो गिरफ्तार

चंदौली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। कोतवाली पुलिस और स्वाट/एसओजी टीम ने बुधवार तड़के नवही पुलिया हाईवे पर किआ कैरेंस कार से लगभग 3.92 करोड़ रुपये कीमत का सोना बरामद किया। पुलिस ने कार सवार जुबेर मुबारक शेख, अहिल्या नगर, थाना शांगली, जिला शांगली, महाराष्ट्र और मनीष कुमार, लाजपत नगर, जिला फतेहाबाद, हरियाणा को गिरफ्तार किया। गियर बाक्स के नीचे बनाए गए विशेष बॉक्स में कपड़े के बेल्ट में लपेटकर दो सिल्लियों में सोना छिपाया गया था। बरामद सोने का वजन दो किलो 565.720 ग्राम है।

इसके साथ पांच मोबाइल फोन और कार भी बरामद हुई है। पुलिस के अनुसार, स्वाट/एसओजी टीम को सूचना मिली थी कि सफेद रंग की किआ कैरेंस कार संख्या एचआर22डब्ल्यू2830 से दो लोग बिहार की ओर से सोना लेकर दिल्ली जा रहे हैं। सूचना पर थाना चंदौली पुलिस और स्वाट/एसओजी टीम ने नवही पुलिया हाईवे पर वाहनों की जांच शुरू की। संबंधित कार को रोकने का संकेत देने पर चालक ने उसे किनारे से निकालकर भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिसकर्मियों ने वाहनों की मदद से कार को रोक लिया। पूछताछ में दोनों ने बताया कि कार के गियर बॉक्स के नीचे विशेष बाक्स बनाकर सोना छिपाया गया है। पकड़े जाने के डर से ही वाहन भगाने का प्रयास किया था। उनकी निशानदेही पर बॉक्स खोलकर जांच की गई तो कपड़े के लंबे बेल्ट में भूरे रंग के सेलो टेप से लिपटी दो सिल्लियां मिलीं। दोनों ने इन सिल्लियों को सोना बताया। इसके संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके।

सूचना पर आयकर विभाग और राजस्व आसूचना विभाग के अधिकारी सरकारी मूल्यांकनकर्ता के साथ मौके पर पहुंचे। उनकी मौजूदगी में सोने का वजन कराया गया, जो दो किलो 565.720 ग्राम निकला। मूल्यांकनकर्ता ने इसका अनुमानित मूल्य 3.92 करोड़ रुपये बताया। आयकर विभाग ने प्रारंभिक जांच में सोने को विदेश निर्मित बताया। बरामद सोना नियमानुसार राजस्व आसूचना विभाग को सौंप दिया गया। आरोपितों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है।

आईपीएस वीणा कुमारी खंगालेंगी 'भौकाली मैडम' की कुंडली

ट्रेन में शराब तस्करी का नेटवर्क तोड़ेगी एसआईटी

समस्तीपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस के एसी फर्स्ट कूपे से करीब डेढ़ लाख रुपये मूल्य की विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार नेहा झा के मामले की जांच अब रेलवे की विशेष जांच टीम (एसआईटी) करेगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए मुजफ्फरपुर रेल एसपी वीणा कुमारी ने एसआईटी का गठन किया है। शराब तस्करी के इस कथित नेटवर्क की जांच की जिम्मेदारी समस्तीपुर के नए रेल डीएसपी को सौंपी गई है।

उनके नेतृत्व वाली टीम में समस्तीपुर रेल थानाध्यक्ष भी शामिल रहेंगे। पुलिस को अब तक मिले इनपुट के आधार पर नेहा के परिवार के कुछ सदस्यों के पूर्व में शराब से जुड़े मामलों में गिरफ्तार होने की जानकारी सामने आई है। ऐसे में एसआईटी अब मामले को केवल बरामद शराब और दो आरोपितों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं रखेगी। टीम नेहा के शराब कारोबार से कथित जुड़ाव, उसके संपर्कों, शराब की सप्लाई करने वालों और नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की पड़ताल करेगी। यह भी पता लगाया जाएगा कि शराब कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था। रात नई दिल्ली से दरभंगा जा रही स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस में संयुक्त कार्रवाई के दौरान नेहा झा को शराब के साथ गिरफ्तार किया गया था। आरपीएफ, जीआरपी और रेलवे की सीआईडी टीम की कार्रवाई में एसी फर्स्ट कूपे से उसके पास से करीब डेढ़ लाख रुपये मूल्य की विदेशी शराब बरामद होने की बात सामने आई थी। उसके साथ उसकी बड़ी बहन के पति ईशान कुमार को भी गिरफ्तार किया गया था।

अभी तो दुल्हन के मेहंदी का रंग भी नहीं उतरा था और कर लिया सुसाइड

महोबा, 9 सितंबर (एजेंसियां)। शहर कोतवाली क्षेत्र के रामनगर मोहल्ले में 20 वर्ष की पूर्वी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव घर के कमरे में फंदे से लटका मिला। घर वाले ने जैसे ही देखा उसे फंदे से उतारकर जिला अस्पताल लेकर गए, वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। श्रीनगर थाना क्षेत्र के कैमाहा गांव निवासी रामकुमार तिवारी की बेटी पूर्वी की शादी 3 मई 2026 को रामनगर निवासी हिमांशु गंगेले के साथ हुई थी। शादी के करीब चार महीने बाद हुई इस घटना से परिवार और आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। घटना के समय पूर्वी का पति हिमांशु घर पर मौजूद नहीं था। हिमांशु के अनुसार, पूर्वी शाम को चाय बनाने के लिए, कमरे में गई थी। काफी देर तक बाहर नहीं आने पर जब कमरे में देखा गया तो वह फंदे से लटकी मिली। परिजन आनन-फानन में पूर्वी को जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड लेकर पहुंचे।

वहां चिकित्सक डॉ. दीपक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया गया। डॉक्टर ने बताया कि महिला को परिजन अचेत अवस्था में अस्पताल लेकर आए थे। चिकित्सीय परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित किया गया। अस्पताल की ओर से कोतवाली पुलिस को मेमो भेज दिया गया।

जेल से बाहर आते ही आरडीएक्स से उड़ा दूंगे

अतीक गैंग की धमकी के बाद बोलीं जया पाल- पति की तरह मेरी भी हत्या हो जाएगी

प्रयागराज, 9 सितंबर (एजेंसियां)। चर्चित उमेश पाल हत्याकांड की सुनवाई के दौरान उनकी पत्नी और मुकदमे की वादी जया पाल ने अदालत में अपना बयान दर्ज कराया। सुनवाई के बाद उन्होंने दावा किया कि उन्हें सोशल मीडिया के जरिए लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं।

जया पाल ने यह भी आरोप लगाया कि अतीक अहमद के गैंग से जुड़े लोग उनकी गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। जया पाल के मुताबिक, सोशल मीडिया पर उन्हें धमकी दी जा रही है कि अतीक अहमद के बेटे जेल से बाहर आएंगे तो उन्हें इसका अंजाम भुगतना पड़ेगा। उमर और अली को आने दो हिसाब चुकता होगा। जया पाल ने कहा कि जो अभियुक्त फरार हैं, उन्हें भी पकड़ा जाए, क्योंकि मेरी जान को आज भी खतरा है। फेसबुक के माध्यम से लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। कहा जा रहा है कि आरडीएक्स से मार दिया जाएगा, मेरी हत्या कर दी जाएगी। मेरे पति की निर्मम हत्या कर दी गई थी, क्या उसी तरह से मेरे साथ भी ऐसा होगा। जया पाल ने अतीक अहमद के बड़े बेटे उमर का एक पोस्टर दिखाते हुए कहा कि उसमें उमर उंगली के इशारे से चुप रहने के लिए कह रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन सबके जरिए उनके परिवार को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। जया पाल ने कहा कि उन्हें सिर्फ इंसाफ चाहिए।

अदालत के बाहर मीडिया से बातचीत में जया पाल ने फरार आरोपियों को लेकर पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि गुड्डू मुस्लिम, साबिर और अरमान अब तक पुलिस की पकड़ से बाहर क्यों हैं। जया ने कहा कि उन्हें अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर खतरा महसूस हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि अतीक गैंग से जुड़े कुछ लोग अब भी सक्रिय हैं और उनकी रेकी की जा रही है। सुरक्षा बढ़ाने के लिए, उन्होंने अदालत में प्रार्थना पत्र दिया और सीसीटीवी फुटेज भी उपलब्ध कराए। अदालत ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस कमिश्नर को जया पाल की सुरक्षा बढ़ाने का आदेश दिया। कोर्ट में बयान दर्ज कराने के बाद जया पाल पुलिस कमिश्नर पीयूष मोर्डिया से भी मिलीं। उन्होंने धमकी देने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की। धूमनगंज थाने पहुंचीं और सोशल मीडिया पर मिली धमकियों के स्क्रीनशॉट के साथ लिखित शिकायत दी।

मूंछें छोटी थी उनकी मूंछों पर ताव देने वाले मैनपुरी डीएसपी अशोक सिंह पर अखिलेश यादव का फिर से पलटवार

मैनपुरी, 9 सितंबर (एजेंसियां)। सीओ सिटी (डीएसपी) अशोक सिंह के मूंछों पर ताव देकर 'वीडियो अखिलेश यादव को भेज देना' कहने वाले बयान पर बीते दिनों उत्तर प्रदेश की राजनीति में हड़कंप मच गया। इसके बाद अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट कर इस मामले में अपना रिएक्शन दिया था। मगर अब अखिलेश यादव ने लखनऊ स्थित पार्टी ऑफिस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सीओ अशोक सिंह की मूंछों पर कमेंट किया। इस सवाल के जवाब में अखिलेश यादव ने कहा, मूंछें छोटी थी उनकी। मूंछें हों तो नत्थूराम जैसी हों। कौनसी फिल्म थी वो शराबी।

क्या मूंछें हैं बताओ कुछ मूंछें ही नहीं हैं। देखिए ये अहंकार है सरकार का। किसी का आशीर्वाद है ऊपर, इसकी वजह से ये है। इससे पहले डीएसपी अशोक सिंह द्वारा दी गई सफाई और वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए अखिलेश यादव ने साफ किया कि वह अफसर के निलंबन की मांग भी नहीं करेंगे। इससे पहले मामले को तूल पकड़ता देख डीएसपी अशोक सिंह का भी बयान सामने आया था। उन्होंने वायरल वीडियो पर सफाई देते हुए कहा था कि पुलिस पर अनावश्यक राजनीतिक दबाव बनाया जा रहा था और निर्दोष व्यक्ति को फंसाने की साजिश रची जा रही थी। पोस्टमॉर्टम हाउस के बाहर जब डीएसपी अशोक सिंह परिजनों और ग्रामीणों से बात कर रहे थे, तब कुछ लोग उनका वीडियो बनाने लगे।

विवाद बढ़ने पर डीएसपी अपनी मूंछों पर ताव देते हुए कैमरे के सामने बोले क्या वीडियो बना रहे हो। बनाओ-बनाओ। ये देखो नाम अशोक कुमार सिंह, पिता का नाम बलवीर सिंह, आजमगढ़ के रहने वाले हैं। बना लो वायरल कर देना। अखिलेश यादव को दे देना यह। मूल रूप से आजमगढ़ के रहने वाले डीएसपी अशोक सिंह जून 2026 में औरैया से ट्रांसफर होकर मैनपुरी पहुंचे थे। अब अखिलेश यादव के इस नए बयान के बाद यह मामला प्रशासनिक से ज्यादा राजनीतिक रंग ले चुका है।

नीतीश कुमार के कहने पर सम्राट चौधरी बने बिहार के मुख्यमंत्री?

सीएम ने खुद ही कर दिया क्लियर

पटना, 9 सितंबर (एजेंसियां)। सम्राट चौधरी बिहार में बीजेपी के पहले मुख्यमंत्री हैं। नीतीश कुमार के इस्तीफा देने के बाद जब मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी के नाम का ऐलान किया गया तो, ऐसा कहा जा रहा था कि नीतीश कुमार के ही कहने पर उन्हें सीएम बनाया गया। लेकिन कई महीने बीत जाने के बाद इस मामले में सम्राट चौधरी ने खुद ही पूरी बात बता दी है। सीएम चौधरी ने कहा, एनडीए से नीतीश कुमार के संबंध हैं। लेकिन बीजेपी का मुख्यमंत्री कौन होगा, यह सिर्फ पार्टी का शीर्ष नेतृत्व ही फैसला करता है। आगे मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने यह भी कहा, नीतीश कुमार एनडीए के सम्मानित नेता हैं, लेकिन बीजेपी किसे नेता बनाएगी, यह पार्टी के अंदर का मामला है।

इस तरह से सीएम सम्राट चौधरी ने क्लियर किया कि उनका मुख्यमंत्री बनना पार्टी नेतृत्व का फैसला था। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने यह भी बताया कि नीतीश कुमार का उन पर विशेष आशीर्वाद रहा है और अब भी बना हुआ है। लेकिन नीतीश कुमार या फिर सहयोगी दलों के नेताओं के कहने पर मुख्यमंत्री बनाने की बात को उन्होंने साफ नकार दिया। नीतीश कुमार से सम्राट चौधरी ने खट्टे-मीठे संबंध होने की बात कही। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि पार्टी ने उन्हें बहुत कुछ दिया है। उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि इस पद पर वे आसीन होंगे। पार्टी ने उन्हें विधायक, एमएलसी, डिप्टी सीएम और अब मुख्यमंत्री तक बनाया। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और विधान परिषद के नेता के पद की भी जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई।

इस दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आरक्षण के मुद्दे पर भी बातचीत की। सीएम सम्राट ने कहा, आरक्षण का लाभ सभी को मिलेगा, इसमें कोई भी कंफ्यूजन नहीं है। कर्पूरी ठाकुर बिहार में अति पिछड़े समाज के लिए प्रस्ताव लाए थे, बीजेपी नेता कैलाशपति मिश्र ने अति पिछड़ों के लिए बिल पारित किए थे। आज भी मोदी सरकार स्वर्ण समाज को आरक्षण देगी। इतनी ही नहीं, इस देश में गरीब हो या सवर्ण सभी को आरक्षण का लाभ मिलेगा।

क्या किराये के घर में किसी हादसे में मौत के लिए मकान मालिक जिम्मेदार

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिया अहम फैसला

प्रयागराज, 9 सितंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि किराये के मकान में यदि दुर्घटनावश कोई मौत हो जाती है तो इसके लिए मकान मालिक को आपराधिक रूप से जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। इसके लिए अभियोजन को मकान मालिक की ऐसी विशिष्ट लापरवाही या चूक का प्रथम दृष्टया सबूत देना होगा, जिसका मौत से सीधा और निकट संबंध हो। यह टिप्पणी जस्टिस सौरभ श्रीवास्तव की एकल पीठ ने की। उन्होंने छात्र की मौत के मामले में याचिकाकर्ता मकान मालिक अवधेश सिंह के खिलाफ दर्ज आपराधिक कार्यवाही रद्द कर दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस सौरभ श्रीवास्तव एक अहम फैसला देते हुए स्पष्ट किया है कि केवल प्रॉपर्टी का मालिक होने मात्र से किसी दुर्घटनावश (एक्सीडेंटल) मौत के लिए मकान मालिक पर आपराधिक जिम्मेदारी नहीं डाली जा सकती।

कोर्ट ने कहा कि जब तक अभियोजन पक्ष के सबूतों से मकान मालिक की ओर से कोई कानूनी रूप से साबित होने वाली लापरवाही या चूक का पता न चले, तब तक उसे जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। कानपुर शहर के काकादेव थाने में याचिकाकर्ता अवधेश सिंह के खिलाफ मृत छात्र के पिता संतोष कुमार गुप्ता ने एफआईआर दर्ज कराई थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि छात्र आठ महीने से सिंह के मकान में किराये पर रहकर आईआईटी की तैयारी कर रहा था। एक दिसंबर 2025 को उन्हें छात्र की मौत की सूचना मिली। जब वे मौके पर पहुंचे तो उन्हें छात्र का शव मकान के बाथरूम में मिला। छात्र के परिवार ने आरोप लगाया था कि बाथरूम में गैस गीजर लगा था और पर्याप्त वेंटिलेशन नहीं था।

उन्होंने आशंका जताई कि कार्बन मोनोऑक्साइड गैस के कारण छात्र की मौत हुई। जांच के बाद पुलिस ने मकान मालिक के खिलाफ लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया था। पुलिस ने सात सितंबर 2025 को ट्रायल कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने इसे 15 नवंबर 2025 को संज्ञान में लिया था। ट्रायल कोर्ट ने संज्ञान/समन आदेश जारी किया तो याचिकाकर्ता सिंह ने इसे हाईकोर्ट में चुनौती दे दी। याचिकाकर्ता अवधेश सिंह के वकील ने अदालत में कहा कि रिकार्ड पर मकान मालिक की ओर से कोई घोर लापरवाही नहीं की गई है। दूसरी तरफ सरकारी वकील ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि मौत कार्बन मोनोऑक्साइड से हुई थी।

हाईकोर्ट ने केस की पूरी कार्यवाही रद्द की

हाईकोर्ट ने कहा कि छात्र की मौत दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन मकान में केवल मौत होने से भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा-106 के तहत मालिक को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। ऐसा कोई प्रमाण नहीं है कि गीजर सुरक्षा मानकों के खिलाफ लगाया गया था, वह खराब था। यह प्रमाण नहीं है कि गीजर खराब होने की जानकारी मकान मालिक को थी, या पहले कभी लीकेज की शिकायत के बाद भी उसने उसे ठीक नहीं कराया था। केवल अंदाज पर आपराधिक केस नहीं चल सकता। मकान के स्वामित्व से आपराधिक जिम्मेदारी नहीं बनती। हाईकोर्ट ने केस की पूरी कार्यवाही रद्द कर दी।

बीजेपी के गढ़ में पीके का दांव पटना शिक्षक एमएलसी सीट पर दिव्या ज्योति को उतारने की तैयारी

पटना, 9 सितंबर (एजेंसियां)। प्रशांत किशोर बांकीपुर के बाद अब भारतीय जनता पार्टी के एक और मजबूत गढ़ में चुनौती देने की तैयारी में हैं। बिहारविधान परिषद की आठ सीटों पर होने वाले चुनाव से पहले दिव्या ज्योति ने जन सुराज पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। इसके साथ ही पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से उनके चुनाव लड़ने की चर्चा तेज हो गई है। इस सीट पर पिछले तीन दशक से भाजपा का कब्जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, जन सुराज इस बार भाजपा के नवल किशोर यादव के सामने दिव्या ज्योति को मैदान में उतारने की तैयारी कर रही है। नवल किशोर यादव 1996 से लगातार भाजपा के समर्थन से पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव जीतते आ रहे हैं।

ऐसे में 2026 के विधान परिषद चुनाव में जन सुराज पार्टी दिव्या ज्योति को अपना उम्मीदवार बनाकर भाजपा के इस परंपरागत गढ़ में सेंध लगाने की कोशिश कर सकती है। दिव्या ज्योति ने पटना में जन सुराज के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

गोरखपुर का 'गालीबाज दरोगा'

छात्रों को धमकाया- इतनी फोर्स बुलाएंगे कि सबको ठंडा कर देंगे

गोरखपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो गोरखपुर यूनिवर्सिटी परिसर का है। वीडियो में एक दरोगा छात्रों पर नाराज होते हुए दिखाई दे रहा है। इस दौरान दरोगा की ओर से कुछ आपत्तिजनक बातें भी कही गईं। वीडियो में दरोगा छात्रों को चेतावनी देते हुए कहता है कि यह कैसा शांतिपूर्ण आंदोलन है, जिसमें छात्र कॉलर पकड़ने तक पर उतारू हो जाते हैं। इतनी फोर्स बुलाएगा कि सबको ठंडा कर देगा। दरोगा का नाम अविरल मिश्रा है, जो कि गोरखपुर विश्वविद्यालय का चौकी प्रभारी है। गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन के सामने हुए हंगामे से जुड़ा है। बताया गया कि विश्वविद्यालय से निष्कासित कुछ छात्र अपनी मांगों को लेकर धरने और भूख हड़ताल पर बैठे थे। इसी दौरान विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रॉक्टर वेद प्रकाश राय समेत अन्य अधिकारी छात्रों से बातचीत करने के लिए पहुंचे। अधिकारियों और छात्र नेताओं के बीच बातचीत चल ही रही थी कि किसी बात को लेकर माहौल बिगड़ गया। आरोप है कि बातचीत के दौरान कुछ छात्र उग्र हो गए और असिस्टेंट प्रॉक्टर के साथ धक्का-मुक्की करने लगे। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि असिस्टेंट प्रॉक्टर अपना संतुलन खो बैठे और जमीन पर गिर गए।

मौके पर मौजूद विश्वविद्यालय के सुरक्षा कर्मचारियों ने स्थिति को संभालते हुए उन्हें वहां से सुरक्षित बाहर निकाला। हंगामे की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम भी विश्वविद्यालय परिसर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने छात्रों को शांत कराने और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। इसी दौरान एक दरोगा छात्रों पर नाराज होते हुए दिखाई दिया। वह छात्रों से शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन करने की बात कहते हुए सख्त लहजे में चेतावनी देता नजर आया। दरोगा ने कहा कि अगर धरने के नाम पर किसी का कॉलर पकड़ा जाएगा या मारपीट की कोशिश की जाएगी तो इसे शांतिपूर्ण आंदोलन नहीं माना जा सकता। इसी दौरान किसी व्यक्ति ने दरोगा का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस की ओर से पूरे घटनाक्रम को लेकर स्पष्टीकरण भी दिया गया है।

विजय माल्या ने खुद को बताया बेगुनाह

कहा– बैंकों द्वारा बकाया वसूल करने के बाद भी नहीं मिला न्याय

मुंबई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। भगोड़े कारोबारी विजय माल्या ने खुद को बेगुनाह बताया है और दावा किया है कि उन्हें कानूनी तौर पर ब्रिटेन छोड़ने से रोका गया है। विजय माल्या ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कई पोस्ट किए और जिनमें दावा किया गया है कि भारत सरकार ने उनके साथ बहुत अन्याय किया है। अक्टूबर 2025 में, वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा को बताया था कि 'भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018' (एफईओए) के तहत कुल 15 लोगों को 'भगोड़ा आर्थिक अपराधी' (एफईओ) घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस लिस्ट में विजय माल्या और नीरव मोदी जैसे कई बड़े नाम शामिल हैं।

हालांकि, माल्या का अब दावा है कि उनका ब्रिटेन में बने रहना भारत आने पर लगी कानूनी रोक का हिस्सा है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, जो लोग कहते हैं कि

मैं भारत आने से इनकार करने वाला भगोड़ा हूं, उन्हें पता होना चाहिए कि मैं 1992 से यूनाइटेड किंगडम का स्थायी निवासी हूं और फिलहाल कानूनी तौर पर मुझे ये देश छोड़ने से रोका गया है। ये सब भारत सरकार की 'पोस्टर बॉय' वाली कार्रवाई से शुरू हुआ, जिन्होंने मेरे मामले में बहुत अन्याय किया है।

पिछले साल दिसंबर में, विदेश मंत्रालय ने कहा था कि वो भारत में वांछित भगोड़ों की देश वापसी और अदालतों में उनके मुकदमे का सामना करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मंत्रालय ने कहा कि इसमें कई कानूनी प्रक्रियाएं शामिल हैं, लेकिन सरकार आर्थिक अपराधियों को देश वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस बीच, एक पहले के पोस्ट में, माल्या ने एक कथित हलफनामे का हिस्सा शेयर किया।

उन्होंने दावा किया कि माननीय बॉम्बे हाई कोर्ट में ईडी ने हलफनामा दायर किया है। पैरा 7 में कोर्ट के आदेश के तहत तय कर्ज का जिक्र है और पैरा 17 में 2021 में 14,131.60 करोड़ रुपये की रिकवरी दिखाई गई है। 5 साल बाद भी मुझे एक धोखेबाज कहा जाता है जिसने बैंकों को धोखा दिया। विजय माल्या ने अपनी पोस्ट में एक टेबल भी पोस्ट की जिसमें उन्होंने रिकवरी के अकाउंट स्टेटमेंट का दावा किया और कहा कि उन्हें गलत तरीके से भगोड़ा करार दिया गया है। उन्होंने कहा, आलोचना करने वालों, कृपया स्वतंत्र रूप से जांच करें और देखें कि ईडी ने मेरे जब्त किए गए फंड से किंगफिशर के कर्मचारियों को भुगतान करने के लिए 350 करोड़ रुपये से ज्यादा जारी किए। मैं भुगतान नहीं कर सका क्योंकि ईडी ने मेरी संपत्ति/फंड जब्त कर लिए थे।

इससे पहले, अगस्त में माल्या ने फिर दावा किया था कि बैंकों ने उनसे बकाया राशि वसूल कर ली है, लेकिन उन्हें न्याय नहीं मिला। माल्या ने लिखा, बैंकों और सरकार ने माना है कि उन्होंने 6203 करोड़ रुपये के कोर्ट-ऑर्डर वाले कर्ज के बदले मुझसे 14,100 करोड़ रुपये वसूल किए हैं। कई अन्य उधारकर्ताओं ने बहुत कम रकम पर समझौता किया है। शायद यही भारतीय कर्ज समाधान न्याय है।

काम के घंटों के दौरान दफ्तर से गायब न रहें

कर्मचारियों को लेकर पंजाब सरकार की सख्त चेतावनी

चंडीगढ, 9 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को लेकर चेतावनी दी है कि वे अपनी हाजरी लगाने के बाद काम के घंटों के दौरान दफ्तर से गायब न रहें। कार्मिक विभाग ने निर्देश जारी करते हुए कहा है कि बिना इजाजत गायब रहने पर 'काम नहीं तो वेतन नहीं' का नियम लागू होगा और उसी के अनुसार वेतन रोक दिया जाएगा। बिना इजाजत गायब पाए जाने वाले कर्मचारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जाएगी।

सभी प्रशासनिक विभागों को इन निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। कुछ महीने पहले बिहार सरकार की ओर से भी ऐसा ही आदेश जारी किया गया था। सरकारी कार्यालयों में समयपालन, जवाबदेही और कार्यसंस्कृति को मजबूत करने के उद्देश्य से राज्य के सभी सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए बायोमेट्रिक हाजिरी अनिवार्य कर दी गई थी। यह व्यवस्था पंचायत स्तर से लेकर जिला स्तर तक के सभी सरकारी कार्यालयों में लागू की गई। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से 01 जून को जारी आदेश के अनुसार, कर्मचारियों और अधिकारियों की उपस्थिति बिहार बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम (बीबीएएस) के माध्यम से दर्ज की जाएगी। पंचायत, प्रखंड, अनुमंडल और जिला स्तर के कार्यालयों में कार्यरत सभी अधिकारी एवं कर्मचारी इसी प्रणाली से अपनी उपस्थिति दर्ज करेंगे।

सरकार के अनुसार, बायोमेट्रिक व्यवस्था से कर्मचारियों की उपस्थिति का वास्तविक और डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध होगा और मानवीय हस्तक्षेप की संभावना कम होगी। सरकार का उद्देश्य कर्मचारियों का समय पर कार्यालय पहुंचना सुनिश्चित करने के साथ जवाबदेही और सरकारी कार्यों में पारदर्शिता बढ़ाना है। आदेश में कहा गया था कि सरकारी कार्यालयों में कर्मचारियों के देर से आने और समय से पहले कार्यालय छोड़ने की शिकायतों को देखते हुए तकनीक आधारित निगरानी प्रणाली को प्रभावी ढंग से लागू करने का निर्णय लिया गया।

'एक मजिस्ट्रेट की हिम्मत कैसे हुई?

सीजेपी विरोध प्रदर्शनों को लेकर नोएडा के छात्र को नोटिस भेजने पर एससी ने सवाल उठाए

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। लाइव-लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सवाल उठाया कि ग्रेटर नोएडा के एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शनों के सिलसिले में एक छात्र को नोटिस कैसे जारी किया, जबकि कोर्ट का पहले का आदेश इन प्रदर्शनों से जुड़ी एफआईआर को रद्द कर चुका था और अधिकारियों को छात्रों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने से रोक चुका था। लाइव-लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, सीनियर एडवोकेट विश्वजीत भट्टाचार्य ने मौखिक रूप से भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने यह मामला उठाया। रिपोर्ट के अनुसार, भट्टाचार्य ने कोर्ट को बताया कि एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट ने गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी के दूसरे साल के छात्र अक्षत त्रिपाठी को नोटिस जारी किया था। इसमें उनसे कारण बताने को कहा गया था कि शांति बनाए रखने के लिए उन्हें 5 लाख रुपये का पर्सनल बॉन्ड क्यों नहीं भरना चाहिए। इस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए सीजेआई ने कहा, एक मजिस्ट्रेट की नोटिस जारी करने की हिम्मत कैसे हुई?

साथ ही उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया था कि सीजेआई विरोध प्रदर्शनों के सिलसिले में छात्रों के खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं की जा सकती। भट्टाचार्य ने कोर्ट को बताया कि यह नोटिस नोएडा पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर जारी किया गया था और तर्क दिया कि ऐसी कार्रवाई से छात्रों में डर का माहौल बन सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने इस कार्रवाई को कोर्ट की अवमानना के बराबर भी बताया। लाइव-लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, सीजेआई ने वकील से कहा कि वे एक याचिका के जरिए नोटिस को रिकॉर्ड पर लाएं और संकेत दिया कि कोर्ट संबंधित अधिकारी से स्पष्टीकरण मांगेगा।

एडिशनल डीसीपी को धक्का मारा पीठ के बल गिरे

इंदौर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। इंदौर के साउथ तोड़ा में बुधवार को नगर निगम की रिमूवल कार्रवाई के दौरान हंगामा हो गया। भीड़ को हटाने के दौरान पीछे मौजूद एक युवक ने एडिशनल डीसीपी दिशेष अग्रवाल को धक्का दे दिया। इससे उनका संतुलन बिगड़ गया और वे जमीन पर गिर पड़े। पुलिस ने मौके से 6 लोगों को हिरासत में लिया है। अधिकारियों के मुताबिक सभी के खिलाफ आगे कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम की टीम 100 से ज्यादा कर्मचारियों, 3 पोकलेन और 6 जेसीबी के साथ पहुंची थी। सुरक्षा के लिए 80 से ज्यादा पुलिस जवान और अधिकारी तैनात किए गए थे। निगम के मुताबिक 50 शेड और 6 मकानों के अवैध हिस्से हटाए गए।

कार्रवाई के दौरान कुछ महिलाएं पुलिस से सामान बाहर निकालने को लेकर बहस करने लगीं। उनका कहना था कि नोटिस में उन्हें सुबह 9 बजे तक का समय दिया गया है। इसी बात पर विवाद बढ़ा और मौके पर भीड़ जमा हो गई। कई लोग मोबाइल से वीडियो बनाने लगे। हालात को देखते हुए एडिशनल डीसीपी दिशेष अग्रवाल भीड़ को पीछे हटाने लगे। इसी दौरान पीछे मौजूद एक युवक ने उन्हें धक्का दे दिया। संतुलन बिगड़ने से वे जमीन पर गिर पड़े। पुलिस जवानों ने तत्काल युवक को पकड़ लिया।

पंजाब के ग्रामीण की 'खुदकुशी' पर राहुल गांधी का बयान

सीएम मान को वित्त मंत्री हरपाल चीमा से इस्तीफ़ा लेना चाहिए और निष्पक्ष जांच करानी चाहिए

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को पंजाब में आप सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने एक ग्रामीण की कथित खुदकुशी का मुद्दा उठाया, जिसने वित्त मंत्री हरपाल चीमा से ड्रग्स की लगातार सप्लाई के बारे में सवाल पूछा था। गांधी ने मांग की कि मुख्यमंत्री भगवंत मान तुरंत मंत्री का इस्तीफ़ा लें और मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करें। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने आरोप लगाया कि आप सरकार के तहत एक खतरनाक पैटर्न उभर रहा है। उन्होंने दावा किया कि जो लोग प्रशासन की नाकामियों पर सवाल उठाते हैं, उन्हें धमकियां मिलती हैं और प्रताड़ित किया जाता है।

संगरूर ज़िले के दिरबा के रहने वाले 47 वर्षीय दलित गुलज़ार सिंह की सोमवार रात ज़हर खाने से मौत हो गई। उनके परिवार का दावा है कि उन्होंने 6 सितंबर को दिरबा में एक कार्यक्रम के दौरान चीमा से इलाके में ड्रग्स की उपलब्धता के बारे में सवाल पूछा था। एक्स पर हिंदी में एक पोस्ट में गांधी ने कहा, पंजाब की आप सरकार के तहत एक खतरनाक पैटर्न उभर रहा है अगर आप सरकार की नाकामियों पर सवाल उठाते हैं, तो जवाब धमकियों और

प्रताड़ना के रूप में मिलता है। गांधी ने कहा, दलित समुदाय के गुलज़ार सिंह जी, जिन्होंने अपने बेटे को ड्रग्स का शिकार बनते देखा था, उन्होंने वित्त मंत्री से बस इतना पूछा थाः सरकार ड्रग्स के कारोबार को रोकने में इतनी बुरी तरह क्यों नाकाम रही है? बस इसी बात के लिए उन्हें इतना प्रताड़ित और अपमानित किया गया, माफ़ी मांगने के लिए इतना दबाव डाला गया कि उन्होंने ज़हर खा लिया।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि इलाज न मिल पाने के कारण उन्हें एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल भटकना पड़ा और आखिरकार वे ज़िंदगी की जंग हार गए। गांधी ने कहा, पिछले हफ़्ते मैंने युवा मोहनजीत सिंह से भी बात की थी, जिन्हें मुख्यमंत्री भगवंत मान के ख़िलाफ़ विरोध करने पर प्रताड़ित किया गया था। उन्होंने कहा कि सरकार का काम लोगों को जवाब देना है, न कि सवाल पूछने वालों को कुचलना। गांधी ने ज़ोर देते हुए कहा, गुलज़ार सिंह जी के परिवार को जल्द से जल्द न्याय मिले। मुख्यमंत्री को तुरंत वित्त मंत्री का इस्तीफ़ा मांगना चाहिए और एक स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करनी चाहिए, जिसमें उनका नाम एफआईआर में दर्ज हो।

कांग्रेस ने मंगलवार को भी चीमा को बर्खास्त करने की मांग की थी और कहा था कि वे उनकी मौत के लिए ज़िम्मेदार हैं। पंजाब में ड्रग्स का संकट एक बढ़ती हुई बहस का केंद्र बन गया है। 'चीटा' की लगातार हो रही सप्लाई के बारे में चीमा से सवाल करने वाले सिंह की कथित आत्महत्या के बाद, बीजेपी और कांग्रेस ने सत्ताधारी आप को निशाने पर लिया है। एफआईआर के मुताबिक, सिंह के परिवार की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 (आत्महत्या के लिए उकसाना) और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

'उसे चप्पलों से मारो', कर्नाटक के मंत्री ने बीजेपी विधायक को बोले अपशब्द; कैमरे में कैद हुई 'गंदी बात'

बेंगलुरु, 9 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मंत्री एसएस मल्लिकार्जुन को कैमरे पर हरिहारा से बीजेपी विधायक बीपी हरीश के खिलाफ अभद्र भाषा और अपशब्दों का इस्तेमाल करते हुए देखा गया। यह घटना भद्रा जलाशय से पानी छोड़े जाने के मुद्दे पर स्थानीय किसानों के साथ बातचीत के दौरान हुई। विवाद तब शुरू हुआ जब हरिहर इलाके के किसानों का एक समूह भद्रा जलाशय से सिंचाई के लिए पानी की मांग करने के लिए जिला मंत्री मल्लिकार्जुन से मिलने पहुंचा। किसानों ने बताया कि वे विधायक की सलाह पर मंत्री से मिलने आए थे। इस बात पर मंत्री ने अपशब्द कहे, जो कैमरे में रिकॉर्ड हो गए। किसानों ने मल्लिकार्जुन से कहा, पीने के लिए पानी नहीं है, मवेशियों के लिए भी पानी नहीं है।

जब हम हरीश अन्ना से पूछते हैं तो वे कहते हैं कि मंत्री से पूछो। इसके बाद एक नाराज मंत्री ने बीजेपी विधायक के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया और ग्रामीणों से कहा कि वे उन्हें चप्पलों से पीटें। मंत्री ने किसानों से यह भी कहा कि वे विधायक को अन्ना (बड़े

भाई) कहकर सम्मान न दें। मंत्री की टिप्पणी पर निशाना साधते हुए बीजेपी विधायक ने कहा कि किसानों की चिंताओं को सुनने के बजाय मंत्री ने उनके खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल किया। विधायक हरीश ने कहा, किसानों के साथ ठीक से पेश आने के बजाय उन्होंने मेरे बारे में अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया है। लोग उन्हें सबक सिखाएंगे। कर्नाटक बीजेपी प्रमुख बी।वाई। विजयेंद्र ने भी मल्लिकार्जुन की भाषा को लेकर उन पर तीखा हमला बोला। विजयेंद्र ने कहा, दावणगेरे के प्रभारी मंत्री ने हमारे हरिहर विधायक बीपी हरीश के खिलाफ असंसदीय भाषा का इस्तेमाल किया है। उन्होंने उनके माता-पिता को भी अपशब्द कहे हैं।

सहारनपुर मस्जिद ध्वस्तीकरण मामला पहुंचा हाईकोर्ट, याचिका दाखिल

सहारनपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में कलेक्ट्रेट स्थित मस्जिद ध्वस्तीकरण का मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है। मज्जिद कमेटी की ओर से इलाहाबाद हाईकोर्ट में इस मामले में याचिका दाखिल की गई है। जिसमें आरोप लगाया है कि जिला प्रशासन ने बिना कानूनी नोटी और ध्वस्तीकरण आदेश के कार्रवाई करने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही वरशिप एक्ट 1991 के उल्लंघन का भी आरोप लगाया गया है। मस्जिद कमेटी के मुतवल्ली मोहम्मद तनवीर की ओर याचिका दाखिल की गयी है। इसमें जिला प्रशासन, उत्तर प्रदेश सरकार और वक्फ बोर्ड को भी पक्षकार बनाया गया है। आरोप लगाया गया है कि पूरी कार्रवाई में कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया है। इस याचिका पर अगले सप्ताह सुनवाई होने की पूरी उम्मीद है।

बता दें कि बीते शनिवार (5 सितंबर) तड़के प्रशासन ने कलेक्ट्रेट स्थित मस्जिद को कोर्ट के आदेश के बाद ध्वस्त कर दिया गया। जिसके बाद मामला तूल पकड़ गया। सहारनपुर सांसद इमरान मसूद समेत मस्जिद पक्ष ने इसे एकतरफा और मनमानी कार्रवाई बताया। सपा और कांग्रेस नेताओं को सहारनपुर जाने से पहले ही नजरबंद और हिरासत में लिया गया था। इमरान मसूद ने इस मामले को सुप्रीम कोर्ट तक ले जाने की बात कही थी।

उनके मुताबिक जमीन का मालिकाना हक अभी भी मस्जिद कमेटी के पास ही है। दरअसल इस मस्जिद की वैद्यता को लेकर नगर मजिस्ट्रेट कोर्ट में वाद दायर किया गया था, जिसमें कोर्ट ने दस्तावेजों के आधार पर कोर्ट की वैधता खारिज कर दी थी और इसे ध्वस्त करने के साथ ही छह करोड़ से अधिक की क्षतिपूर्ति का आदेश दिया था। मस्जिद कमेटी इस मामले को लेकर डिसट्रिक्ट कोर्ट गयी थी, वहां भी सुबूतों के आधार पर उनकी याचिका खारिज हो गयी थी। जिसके बाद प्रशासन ने मस्जिद को ध्वस्त कर दिया था।

तेजस्वी ने सीएम सम्राट चौधरी को लिखा पत्र, पीडीएस विक्रेताओं की आठ सूत्री मांगों के समाधान की मांग

पटना, 9 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को पत्र लिखकर राज्य के जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) विक्रेताओं की आर्थिक एवं प्रशासनिक समस्याओं के समाधान की मांग की है। उन्होंने कहा कि पीडीएस विक्रेता कठिन परिस्थितियों में लाखों गरीब और जरूरतमंद परिवारों तक खाद्यान्न पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं, लेकिन लंबे समय से उनकी जायज मांगों की अनदेखी की जा रही है। तेजस्वी यादव ने पत्र में कहा कि रिकॉर्डतोड़ महंगाई, बढ़ती प्रशासनिक कठिनाइयों, कमीशन के भुगतान में देरी और तकनीकी समस्याओं के कारण पीडीएस विक्रेताओं के सामने गंभीर आर्थिक संकट पैदा हो गया है। उन्होंने सरकार से उनकी आठ सूत्री मांगों पर तत्काल और समयबद्ध निर्णय लेने का आग्रह किया है। नेता प्रतिपक्ष ने गुजरात की तर्ज पर पीडीएस विक्रेताओं को न्यूनतम 30 हजार रुपये प्रतिमाह निश्चित मानदेय देने की मांग की है।

साथ ही झारखंड की तर्ज पर अनुकंपा नियुक्ति की समय-सीमा समाप्त कर पात्र आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति का प्रावधान लागू करने की मांग की। उन्होंने पिछले छह माह से एक वर्ष तक लंबित कमीशन का तत्काल भुगतान कराने की मांग करते हुए कहा कि कमीशन लंबित रहने से हजारों पीडीएस विक्रेताओं और उनके परिवारों के सामने गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। तेजस्वी यादव ने विधानसभा चुनाव से पहले पीडीएस विक्रेताओं के कमीशन में 47 रुपये की वृद्धि की घोषणा का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यदि बढ़ी हुई राशि का भुगतान अब तक नहीं हुआ है तो उसे तत्काल प्रभाव से लागू कर बकाया राशि का भुगतान कराया जाए। उन्होंने बिहार राज्य खाद्य निगम के गोदामों में कथित भ्रष्टाचार, अनियमितता और घटतौली की शिकायतों पर कठोर कार्रवाई की मांग की। साथ ही माप-तौल, घटतौली, ई-पॉस मशीन, सर्वर और अन्य तकनीकी समस्याओं का रियल टाइम समाधान सुनिश्चित करने को कहा, ताकि इसका खामियाजा विक्रेताओं और लाभुकों को न भुगतना पड़े।

एमपीएससी में बिक रहीं नौकरियां, सड़कों पर युवाः उद्धव गुट ने चेताया- छात्रों का गुस्सा सरकार को डुबो देगा

मुंबई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (एमपीएससी) से जुड़े विवाद को लेकर महाराष्ट्र सरकार पर तीखा हमला करते हुए, शिवसेना (यूबीटी) ने बुधवार को राज्य नेतृत्व को प्रतियोगी परीक्षा के उम्मीदवारों के बीच बढ़ते आक्रोश को नजरअंदाज न करने की चेतावनी दी और कहा कि अगर छात्रों के असंतोष को अनियंत्रित छोड़ दिया गया तो इसके गंभीर राजनीतिक परिणाम हो सकते हैं। ठाकरे खेमे ने पार्टी के मुखपत्र सामना के संपादकीय में पुणे, कोल्हापुर, छत्रपति संभाजीनगर और अमरावती सहित प्रमुख शहरों में हजारों प्रतियोगी परीक्षा उम्मीदवारों के सड़कों पर उतरने का जिक्र किया, जो एमपीएससी के भ्रष्ट नेतृत्व को तत्काल हटाने, डेटा लीक की पूरी और निष्पक्ष जांच और प्रतियोगी परीक्षाओं में पूर्ण पारदर्शिता लागू करने की मांग कर रहे थे। संपादकीय में आयोग के भीतर व्याप्त भ्रष्टाचार की कड़ी आलोचना की गई और एमपीएससी ड्रग इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा के दौरान हुए लीक का जिक्र किया गया। इसमें आरोप लगाया गया कि सरकारी पदों की लाखों रुपये में नीलामी की जा रही है, जिससे मेहनती और ईमानदार उम्मीदवारों के सपने चकनाचूर हो रहे हैं। पुलिस की कार्रवाई की आलोचना करते हुए ठाकरे खेमे ने कहा कि जहां छोटे-मोटे अपराधियों को पकड़ा जा रहा है, वहीं इस रैकेट के मास्टरमाइंड, सरगना और राजनीतिक रूप से जुड़े संरक्षक सरकारी संरक्षण में खुलेआम घूम रहे हैं।

सामना के संपादकीय में कहा गया कि परीक्षा पत्रों को लाखों रुपये में बेचना सरकारी नौकरी पाने की आकांक्षा रखने वाले मेहनती छात्रों के सपनों को चकनाचूर कर देता है। हालांकि छोटे-मोटे अपराधियों को निशाना बनाया गया है, लेकिन छात्र इस बात से नाराज हैं कि पेपर लीक सिंडिकेट के प्रमुख सूत्रधार और उच्च स्तरीय समर्थक अभी भी खुलेआम घूम रहे हैं। राजनीतिक अस्थिरता और संस्थागत पतन के बीच स्पष्ट तुलना करते हुए संपादकीय में कहा गया कि आयोग में बैठे लोग परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक करते हैं,

जबकि सरकार में बैठे लोग राजनीतिक दलों, विधायकों और पार्षदों को लीक करते हैं। दोनों का धंधा एक ही है। पुणे में प्रदर्शनकारियों ने भी इसी भावना को व्यक्त करते हुए पोस्टरों पर पूछा कि क्या आप विधायकों को तोड़ने के लिए ही सत्ता में बैठे हैं?

सड़क हादसे में उजड़ा परिवार

नौ साल बाद मिला इंसाफ, बीमा कंपनी मृतक बैंक मैनेजर के परिवार को देगी 1.28 करोड़

जम्मू, 9 सितंबर (एजेंसियां)। मुंबई में बैंक मैनेजर के पद पर कार्यरत जम्मू निवासी सुमित कौल की सड़क हादसे में मौत के करीब नौ साल बाद मोटर दुर्घटना दावा अभिकरण ने मुआवजे पर फैसला सुनाया है। पीठासीन अधिकारी खेमराज शर्मा ने बीमा कंपनी को 1,28,97,690 रुपये मुआवजा देने के आदेश दिए हैं। इसमें अंतरिम मुआवजे की राशि भी शामिल है। दावा याचिका दायर करने की तारीख से भुगतान तक 7.5 फीसदी सालाना साधारण ब्याज भी देना होगा। मामले के अनुसार 23 दिसंबर 2017 को सुबह करीब चार बजे सुमित कौल कार से मुंबई से राजकोट जा रहे थे। आरोप था कि चालक सचिन चालके तेज रफ्तार और लापरवाही से कार चला रहा था। मौजे धमदाची के पास नेशनल हाईवे-8 (मुंबई-अहमदाबाद हाईवे) पर चालक कार पर नियंत्रण खो बैठा और कार आगे जा रहे ट्रक से टकरा गई। हादसे में सुमित कौल की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के करीब नौ महीने बाद 7 सितंबर 2018 को मोटर दुर्घटना दावा अभिकरण में मुआवजे की याचिका दायर की गई। सुमित कौल की नाबालिग बेटी अक्षया कौल की ओर से उनकी मां विजय और पिता महाराज कृष्ण ने याचिका दायर की। कार चालक सचिन चालके, कार मालकिन एना जगदीश बख्शी और बीमा कंपनी बजाज आलियांज जनरल इंश्योरेंस को मामले में प्रतिवादी बनाया गया। हादसे के समय 35 वर्षीय सुमित कौल मुंबई के एक निजी बैंक में मैनेजर थे और उन्हें 88,149 रुपये मासिक वेतन मिल रहा था। याचिकाकर्ताओं ने नौ फीसदी सालाना ब्याज के साथ 1,50,50,000 रुपये मुआवजे की मांग की थी।

12 जुलाई 2021 और 4 सितंबर 2023 को एक-पक्षीय घोषित कर दिया गया। सभी पक्षों को सुनने के बाद अभिकरण ने 1,28,97,690 रुपये मुआवजा तय किया और इसके भुगतान की जिम्मेदारी बीमा कंपनी पर डाली। राशि पर दावा दायर करने की तारीख से भुगतान तक 7.5 फीसदी सालाना साधारण ब्याज भी देना होगा। वाहन मालकिन ने कहा कि कार का प्राइवेट कार पैकेज इंश्योरेंस पॉलिसी के तहत व्यापक बीमा था, जिसमें कार में सवार लोगों का जोखिम भी कवर था। हादसे में वाहन को हुए नुकसान का दावा बीमा कंपनी ने दुर्घटना की पुष्टि, ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन के दस्तावेज की जांच के बाद निपटा दिया था।

40 रेस्टोरेंट पर गिरी गाज! खराब खाने की शिकायत के बाद एक्शन

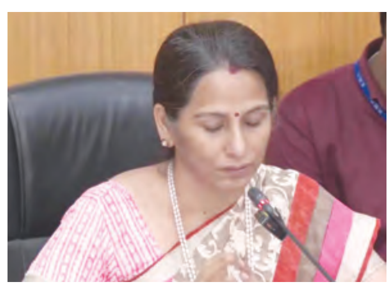

कोलकाता, 9 सितंबर (एजेंसियां)। कोलकाता जैसे शहर में जहां बाहर खाना लोगों की जीवनशैली का अहम हिस्सा है, वहां फूड सेफ्टी को लेकर हुई एक बड़ी कार्रवाई ने लोगों को अगली बार बाहर खाना खाने से पहले सोचने पर मजबूर कर दिया है। कोलकाता नगर निगम (केएमसी) ने एक सप्ताह तक चले फूड सेफ्टी अभियान के दौरान करीब 40 रेस्टोरेंट, खानपान प्रतिष्ठानों और मिठाई की दुकानों के खिलाफ कार्रवाई की है। जांच में साफ-सफाई, खाद्य पदार्थों के रखरखाव और अन्य खाद्य सुरक्षा नियमों से जुड़े उल्लंघन सामने आए। कार्रवाई की जद में नाजिम्स, करीम्स, शिमला बिरयानी और अरसलान के एक आउटलेट जैसे कई चर्चित नाम भी शामिल हैं। यह कार्रवाई राज्य में चलाए गए स्पेशल फूड सेफ्टी वीक के तहत की गई।

इस दौरान नगर निगम और खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने रेस्टोरेंट की रसोई, खाद्य भंडारण वाले स्थानों, इस्तेमाल की जा रही सामग्री और लाइसेंस की जांच की। अधिकारियों का मकसद केवल ग्राहक की प्लेट तक पहुंचने वाले खाने की जांच करना नहीं था, बल्कि यह देखना भी था कि खाना तैयार होने से पहले उसे किस तरह रखा और संभाला जा रहा है। केएमसी कमिश्नर स्मिता पांडे के मुताबिक अभियान के तहत शहर में खाद्य कारोबार से जुड़े लगभग सभी क्षेत्रों को कवर किया गया। इनमें होटल, क्लब, रेस्टोरेंट, बाजार और बाजारों के अन्य खाद्य प्रतिष्ठान शामिल थे।

स्मिता पांडे ने कहा, “हमने लोगों को खाना उपलब्ध कराने वाले लगभग सभी क्षेत्रों को कवर किया, जिसमें होटल, क्लब, रेस्टोरेंट, बाजार और बाजार क्षेत्र शामिल हैं।” अधिकारियों के मुताबिक जांच के दौरान कई प्रतिष्ठानों में एक्सपायर्ड खाद्य सामग्री मिली। इसके अलावा रसोई में साफ-सफाई की खराब स्थिति, खाद्य पदार्थों के गलत तरीके से रखे जाने, कीड़े-मकौड़ों से जुड़ी समस्याएं और एक ही खाना पकाने वाले तेल को बार-बार इस्तेमाल करने जैसी गड़बड़ियां भी सामने आईं। कुछ प्रतिष्ठानों में सड़ा हुआ खाना भी मिला। मिठाई की दुकानों की स्थिति ने खास तौर पर नगर निगम के अधिकारियों को चौंकाया। केएमसी कमिश्नर स्मिता पांडे ने कहा कि कई मिठाई की दुकानों में स्वच्छता के मानकों में सुधार की जरूरत है।

मसूद अजहर पर पाकिस्तान का बहाना बेनकाब

तालिबान बोला-अफगानिस्तान में नहीं है जैश प्रमुख

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। तालिबान सरकार ने पाकिस्तान के उस दावे को खारिज कर दिया है, जिसमें कहा जाता रहा है कि जैश-ए-मोहम्मद का संस्थापक मसूद अजहर अफगानिस्तान में रहकर संगठन चला रहा है। अफगान विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने साफ कहा कि अजहर अफगानिस्तान में नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे देश की जमीन का इस्तेमाल किसी दूसरे देश के खिलाफ नहीं होने दिया जाएगा।

आतंकी मसूद अजहर पर पाकिस्तान को झटका

- तालिबान ने कहा-अजहर अफगानिस्तान में नहीं।
- पाकिस्तान लंबे समय से करता रहा है दावा।
- एफएटीएफ समीक्षा से पहले फिर गरमाया मुद्दा।

पाकिस्तान लंबे समय से दावा करता रहा है कि मसूद अजहर अफगानिस्तान भाग गया था। यह मामला ऐसे समय फिर चर्चा में है, जब पाकिस्तान पर आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई को लेकर अंतरराष्ट्रीय दबाव बना हुआ है। वित्तीय कार्रवाई कार्यबल यानी एफएटीएफ की अगली बैठक में पाकिस्तान के आतंकवाद विरोधी कदमों की समीक्षा होनी है। पाकिस्तान 2018 से 2022 तक एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में रहा था। इसके पीछे आतंक के वित्तपोषण पर कमजोर कार्रवाई और जैश-ए-मोहम्मद तथा लश्कर-ए-तैयबा जैसे संगठनों पर पर्याप्त शिकंजा न कसना भी बड़ी वजहों में शामिल था। पाकिस्तान को एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट से 2022 में बाहर किया गया था। पाकिस्तान ने जैश और लश्कर से जुड़े संगठनों पर प्रतिबंध लगाए थे। संयुक्त राष्ट्र ने मई 2019 में मसूद अजहर को वैश्विक आतंकी घोषित किया था। पाकिस्तान ने 2021 में मसूद अजहर को गैरमौजूदगी में दोषी ठहराया था।

मसूद अजहर भारत के लिए अहम क्यों?

मसूद अजहर भारत में कई बड़े आतंकी हमलों के मामलों में वांछित है। उसका नाम 2001 के संसद हमले, 2008 के मुंबई हमले, 2016 के पठानकोट एयरबेस हमले और 2019 के पुलवामा हमले से जुड़ा रहा है। यही वजह है कि भारत लंबे समय से उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग करता रहा है। एफएटीएफ से बाहर निकलने के लिए पाकिस्तान ने आतंकवादी संगठनों और उनके नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करने का भरोसा दिया था। इनमें अजहर की गिरफ्तारी भी एक अहम मुद्दा रही है। दूसरी ओर, एफएटीएफ के दवाब में पाकिस्तान ने जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा पर कार्रवाई करनी पड़ी। इनके संगठनों और उनसे जुड़े मोर्चों पर प्रतिबंध लगाए गए। आतंकवादियों के खिलाफ वित्तीय प्रतिबंध लागू करने का भरोसा दिया गया।

फिर पाकिस्तान ने अजहर की गिरफ्तारी क्यों नहीं की?

पाकिस्तान ने अजहर की गिरफ्तारी के लिए ठोस कार्रवाई नहीं की। उसका दावा रहा कि अजहर पाकिस्तान में नहीं है। पाकिस्तान के अनुसार वह मई 2019 में डूरंड लाइन पार कर अफगानिस्तान चला गया था और तब से फरार है। एफएटीएफ की मांग पर पाकिस्तान के प्रदर्शन की एशिया/पैसिफिक ग्रुप (एपीजी) के स्तर पर भी समीक्षा होती रही है। एफएटीएफ से ग्रे लिस्ट से निकलने के बाद पाकिस्तान पर अंतरराष्ट्रीय दबाव कुछ कम हुआ। खबर में अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि इसके बाद पाकिस्तान अपने पुराने आश्वासनों से पीछे हटता दिखा है। बताते चलें कि सितंबर 2022 में भी तालिबान सरकार के प्रवक्ता ने कहा था कि मसूद अजहर अफगानिस्तान में नहीं है। तब तालिबान ने यह भी कहा था कि पाकिस्तान ने उसकी मौजूदगी को लेकर कोई औपचारिक संपर्क नहीं किया था।

सऊदी पर हूतियों का वार पाकिस्तान ने दी धमकी करेंगे पलटवार

इस्लामाबाद, 9 सितंबर (एजेंसियां)। यमन के हूतियों ने सऊदी अरब पर मिसाइल और ड्रोन दागे तो पाकिस्तान ने तुरंत अपना रुख साफ कर दिया। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि सऊदी अरब पर हमला हुआ तो इसे सिर्फ सऊदी की लड़ाई नहीं माना जाएगा। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये के बीच हुए मक्का रक्षा समझौते का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि एक सदस्य पर हमला तीनों पर हमला माना जाएगा। यानी सऊदी पर संकट आया तो पाकिस्तान पीछे हटने वाला नहीं है। हालांकि पाकिस्तान ने यह भी साफ किया कि समझौता किसी दूसरे देश पर हमला करने के लिए नहीं है।

पाकिस्तान, सऊदी और तुर्किये ने अगस्त में मक्का में रक्षा समझौता किया था। समझौते के तहत एक सदस्य पर हमला तीनों के खिलाफ हमला माना जाएगा। ख्वाजा आसिफ ने सऊदी के लिए पाकिस्तान की प्रतिबद्धता दोहराई है। उन्होंने समझौते को रक्षात्मक बताया, आक्रामक सैन्य गठबंधन नहीं।

जर्मनी में पहली बार कट्टर दक्षिणपंथी दल चुनाव जीता

> पार्टी समलैंगिक शादियों के खिलाफ, लेकिन इसे लीड कर रहीं एलिस खुद लेस्बियन, पार्टनर श्रीलंका से

सैक्सोनी, 9 सितंबर (एजेंसियां)। जर्मनी के सैक्सोनी-आनहाल्ट में सितंबर 2026 के चुनाव में अल्टरनेटिव फॉर जर्मनी पार्टी (एएफडी) ने बड़ी जीत हासिल की है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद यह पहला मौका है, जब जर्मनी में कोई दक्षिणपंथी पार्टी किसी राज्य में सत्ता के करीब पहुंची है। एएफडी दूसरे देशों से आकर जर्मनी में बसे लोगों और समलैंगिक शादी के खिलाफ सख्त रुख के लिए जानी जाती है। लेकिन इस पार्टी की कहानी में एक बात सबसे ज्यादा चौंकाती है।

एएफडी की चीफ एलिस वीडल खुद लेस्बियन हैं। उनकी पार्टनर श्रीलंका में जन्मी हैं। यानी जिस पार्टी की नीतियां समलैंगिक शादी और प्रवासियों के खिलाफ हैं, उसी पार्टी की सबसे ताकतवर नेता की निजी जिंदगी इससे बिल्कुल अलग है। जर्मनी में एएफडी के बढ़ते प्रभाव के पीछे वीडल का बड़ा हाथ माना जाता है। उनकी राजनीति को समझने के लिए यह जानना जरूरी है कि आखिर एलिस वीडल कौन हैं और वह ऐसी पार्टी का चेहरा कैसे बनीं, जिसकी सोच उनकी अपनी जिंदगी से बिल्कुल अलग है?

दादा हिटलर समर्थक थे, घर छोड़कर भागना पड़ा

जर्मन अखबार डाय वेल्ट के मुताबिक वीडल का बचपन ऐसे माहौल में बीता, जहां राजनीति को लेकर काफी चर्चा होती थी। हालांकि, उनके माता-पिता किसी राजनीतिक पार्टी से जुड़े नहीं थे। वीडल के दादा हंस वीडल हिटलर की नाजी पार्टी से जुड़े हुए थे। इस दौरान उनकी काफी तरक्की हुई। हिटलर ने उन्हें 1941 में नाजी कब्जे वाले वारसॉ में सैन्य न्यायधीश बनाया था। वीडल परिवार तब सिलेसिया में रहता था। अब यह पोलैंड का इलाका है। दूसरे विश्व युद्ध में जब हिटलर की हार हुई तो वीडल भागकर पश्चिमी जर्मनी पहुंचे। यहां वीडल परिवार ने फर्नीचर का काम शुरू किया। 1979 में एलिस वीडल का जन्म हुआ। वह सिर्फ 6 साल की थीं, जब उनके दादा की मौत हो गई।

दो महीने पहले जेल में हुए दंगे में मारा गया था भारतीय

पुलिस सुरक्षा में दफनाया गया शव

कोलंबो, 9 सितंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका की जेल में जुलाई में हुए घातक दंगे के दौरान जान गंवाने वाले 73 वर्षीय भारतीय नागरिक को मंगलवार को विशेष पुलिस सुरक्षा के बीच दफना दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि नेगोम्बो की जेल में हुई हिंसा में मारे गए इस भारतीय कैदी का अंतिम संस्कार अदालत के आदेश पर और सरकारी खर्च से कराया गया। इस दौरान कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग के अधिकारी भी मौजूद रहे।

कोर्ट के आदेश पर 2 सितंबर को दफनाया गया

क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट ने मंगलवार को नेगोम्बो मजिस्ट्रेट कोर्ट को बताया कि 73 वर्षीय कैदी को 2 सितंबर को अदालत के आदेश के मुताबिक दफनाया गया। अंतिम संस्कार का पूरा खर्च सरकार ने उठाया और इस दौरान सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए थे।

सीआईडी के अधिकारियों ने अदालत को बताया कि कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग के अधिकारी भी मृतक के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए दफनाने की प्रक्रिया के दौरान पुलिस की विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, मृतक की पहचान उन्नीकृष्णन एस के रूप में हुई है। वह मूल रूप से केरल के रहने वाले थे, लेकिन पिछले चार दशकों से अधिक समय से चेन्नई में अपने परिवार के साथ रह रहे थे। रिपोर्टों के अनुसार, उन्नीकृष्णन 2 मार्च को श्रीलंका पहुंचे थे। वहां उन्हें गांजा रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

सबसे ज्यादा तनख्वाह पाने वाले प्रधानमंत्री बने वोंग

> मिलेगी 27 करोड़ रुपये सैलरी, अमेरिका-भारत के नेता भी छूटे पीछ

जुरांग, 9 सितंबर (एजेंसियां)। सिंगापुर सरकार ने प्रधानमंत्री, उप-प्रधानमंत्री और कैबिनेट मंत्रियों की सैलरी में बड़ा इजाफा करने का फैसला किया है। सरकार के इस फैसले से प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग की सालाना सैलरी 2.2 मिलियन सिंगापुर डॉलर से बढ़कर 3.6 मिलियन सिंगापुर डॉलर हो जाएगी। सरकार का तर्क है कि ऊंची सैलरी से बेहतर प्रतिभाओं को राजनीति में आकर्षित करने और प्रभावी शासन सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। हालांकि, यह फैसला राजनीतिक रूप से संवेदनशील है क्योंकि नेताओं की आय आम नागरिकों की कमाई से काफी अधिक है। वोंग ने कहा है कि वह अपने कार्यकाल के दौरान सैलरी में हुई पूरी बढ़ोतरी को अच्छे कामों के लिए दान करेंगे। इस अमीर शहर-देश ने अपने राजनीतिक नेताओं को दी जाने वाली ऊंची सैलरी का बचाव करते हुए कहा है कि इससे योग्य और प्रतिभाशाली लोगों को राजनीति में आने के लिए आकर्षित करने में मदद मिलती है और बेहतर शासन सुनिश्चित किया जा सकता है। हालांकि, यह मुद्दा राजनीतिक रूप से बेहद संवेदनशील है, क्योंकि कैबिनेट के सदस्यों की कमाई आम नागरिकों की आय की तुलना में कई गुना अधिक है। वोंग ने बताया कि नए बदलाव के बाद उनकी सालाना सैलरी 2.2 मिलियन सिंगापुर डॉलर ($1.7 मिलियन) से बढ़कर 3.6 मिलियन सिंगापुर डॉलर हो जाएगी। यानी उनकी सालाना सैलरी में करीब 1.4 मिलियन सिंगापुर डॉलर का इजाफा होगा। भारतीय मुद्रा में उनकी नई सालाना सैलरी लगभग 27 करोड़ रुपये के बराबर होगी।

लॉरेंस वोंग की कमाई में बड़ा इजाफा

- अब हर साल मिलेगी 27 करोड़ रुपए सैलरी।
- बने दुनिया में सबसे ज्यादा सैलरी लेने वाले प्रधानमंत्री।
- सिंगापुर में नेताओं की सैलरी भी बढ़ी।

उप-प्रधानमंत्री और मंत्रियों की सैलरी में भी बड़ा इजाफा

उप-प्रधानमंत्री की सालाना सैलरी1.87 मिलियन से बढ़कर 3.06 मिलियन हो जाएगी। वहीं, कैबिनेट मंत्रियों को उनकी वरिष्ठता और उनके पोर्टफोलियो की अहमियत के आधार पर 1.80 मिलियन से 2.88 मिलियन के बीच सालाना सैलरी मिलेगी। वोंग ने कहा कि वह अपने कार्यकाल के दौरान सैलरी में हुई इस पूरी बढ़ोतरी की रकम को 'अच्छे कामों' के लिए दान करने की योजना बना रहे हैं। सैलरी बढ़ने से पहले भी सिंगापुर के प्रधानमंत्री की सैलरी अमेरिका और G7 देशों समेत कई अन्य देशों के नेताओं की तुलना में काफी अधिक थी। मौजूदा वेतन और हालिया विनिमय दरों के आधार पर देखें तो अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सालाना करीब 3.4 करोड़ रुपये, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को करीब 20 लाख रुपये (लगभग 1.5 लाख युआन), रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को करीब 3 करोड़ रुपये (लगभग 3 करोड़ रूबल), ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़ को करीब 3.4 करोड़ रुपये (लगभग 60.7 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर), जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा को करीब 2.3 करोड़ रुपये और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को करीब 24 लाख रुपये सालाना वेतन मिलता है।

रूस ने आर्कटिक में तेल निकालना शुरू किया

पुतिन ने पहली खेप भरने को हरी झंडी दिखाई; इससे भारत की होर्मुज पर निर्भरता कम होगी

मॉस्को, 9 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका और यूरोपीय देशों के प्रतिबंधों के बावजूद रूस ने आर्कटिक इलाके में अपने बड़े 'वोस्तोक ऑयल' प्रोजेक्ट से तेल निकालना शुरू कर दिया है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पहली खेप की लोडिंग को हरी झंडी दिखाई। रूस का लक्ष्य 2027 की दूसरी छमाही तक इस प्रोजेक्ट से सालाना 3 करोड़ टन कच्चा तेल निकालना है। पुतिन का यह प्रोजेक्ट उत्तरी साइबेरिया के तैमिर इलाके में है। इसमें वानकोर व पायाखा सहित कई तेल इलाके जुड़े हैं। प्रोजेक्ट से जुड़ी वानकोरनेफ्ट कंपनी में चार भारतीय सरकारी कंपनियों की संयुक्त हिस्सेदारी 49.9% है। इनमें ओएनजीसी विदेश, इंडियन ऑयल, ऑयल इंडिया और भारत पेट्रो रिसोर्सेज शामिल हैं। इस प्रोजेक्ट से निकला तेल 790 किमी लंबी पाइपलाइन से कारा सागर के बुख्ता सेवेर टर्मिनल तक पहुंचाया जाएगा। वहां तेल को टैंकरों में भरकर दूसरे देशों को भेजा जाएगा। कंपनी के मुताबिक, इस इलाके में करीब 700 करोड़ टन तेल का भंडार हो सकता है।

अमेरिकी अरबपतियों में 100 साल पुराने पेड़ लगवाने का क्रेज

बड़े पेड़ बने नया स्टेटस सिंबल, नर्सरी में ग्राहकों के लिए हेलीपैड तक

न्यूयॉर्क, 9 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका में अरबपतियों के बीच अब 100 साल पुराने और पूरी तरह विकसित पेड़ लगवाने का क्रेज बढ़ रहा है। महंगी घड़ियां, प्राइवेट जेट और सुपरकार के बाद बड़े पेड़ नया स्टेटस सिंबल बन रहे हैं। अमीर लोग अपने घर और जमीन को तुरंत भव्य दिखाने के लिए ओक, पाम और बरगद जैसे बड़े पेड़ों पर करोड़ों रुपए खर्च कर रहे हैं।

कैलिफोर्निया की नापा वैली में हाल ही में 50 फीट ऊंचे और करीब 100 टन वजनी 100 साल पुराने ओक के पेड़ को क्रेन और हाइड्रोलिक मशीनों से जमीन से निकाला गया। इसकी जड़ों को सुरक्षित रखने के लिए खास इंतजाम किए गए और फिर इसे ट्रकों से दूसरी जगह ले जाया गया।

बरगद के 2 पेड़ों के लिए 4.5 करोड़ रुपए

पाम बीच में एक अरबपति ने अपने लॉन के लिए बरगद के दो पेड़ 4.5 करोड़ रुपए में खरीदे। वहीं, एक अफ्रीकी इमली का पेड़ भी करीब 4.5 करोड़ रुपए में बिका। अमीर लोग पौधों के बड़ा होने का सालों इंतजार नहीं करना चाहते। इसलिए वे पहले से बड़े पेड़ खरीदकर अपनी संपत्ति को तुरंत भव्य और पुराना लुक दे रहे हैं। यह क्रेज अब सिर्फ पेड़ लगाने तक सीमित नहीं है। रोड आइलैंड में ओरेकल के लैरी एलिसन और ब्लैकस्टोन के स्टीफन श्वार्जमैन की संपत्तियों के बीच लैंडस्केपिंग को लेकर होड़ की चर्चा है। श्वार्जमैन ने अपनी हवेली को पड़ोसियों की नजरों से छिपाने के लिए चारों ओर 18 फीट ऊंचे 100 से ज्यादा सजावटी पेड़ लगवाए। इन पर 9 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किए गए।

पेड़ पहुंचाने के लिए हाईवे बंद कराने पड़ते हैं

50 फीट तक ऊंचे और 100 टन वजनी पेड़ों को एक जगह से दूसरी जगह ले जाना आसान नहीं है। कई बार इन्हें ले जाने के लिए हाईवे बंद कराने और बिजली के तार हटाने पड़ते हैं। बड़े पेड़ों की बढ़ती मांग से इस कारोबार को भी बढ़ावा मिला है। कुछ नर्सरी मालिक तो अरबपति ग्राहकों के लिए हेलीपैड तक बनवा रहे हैं, ताकि वे हेलिकॉप्टर से आकर अपनी पसंद के पेड़ चुन सकें।

अमेरिका का कनाडा के डेयरी प्रोडक्ट और शराब पर बैन

वाशिंगटन, 9 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कनाडा से आने वाले डेयरी प्रोडक्ट, शराब और मोटरसाइकिलों पर रोक लगाने का फैसला किया है। यह बैन 29 सितंबर से लागू होगा। ट्रम्प ने यह फैसला कनाडा की ओर से अमेरिकी सामान पर 50% तक जवाबी टैरिफ लगाने के बाद लिया है। ट्रम्प के आदेश के तहत कनाडा से आने वाली शराब, वाइन और अल्कोहल-फ्री बीयर पर रोक लगेगी। इसके अलावा दूध से बने कुछ प्रोडक्ट भी अमेरिका में नहीं आ सकेंगे। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि बैन को सीमित रखा गया है, ताकि अमेरिकी लोगों के लिए सामान की कीमतें अचानक न बढ़ें।

कनाडा ने अमेरिका के सामान पर 50% तक टैरिफ लगाया

ट्रम्प के नए बैन से कुछ घंटे पहले कनाडा ने कई अमेरिकी सामान पर 50% तक जवाबी टैरिफ लागू किया था। कनाडा ने ये टैरिफ अमेरिका के लगाए टैरिफ के जवाब में लगाए हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने ट्रम्प की व्यापार नीति का विरोध किया है। कनाडा का कहना है कि अमेरिका जितने डॉलर के सामान पर टैरिफ लगाएगा, वह भी लगभग उतने ही मूल्य के अमेरिकी सामान पर जवाबी शुल्क लगाएगा। ट्रम्प ने कहा है कि कनाडा अमेरिकी किसानों और कंपनियों को बराबर मौका नहीं देगा, तो उसके सामान को भी अमेरिका में सरकारी खरीद का फायदा नहीं मिलेगा। उन्होंने सरकारी खरीद की सूची से कनाडा में बने सामान को हटाने का आदेश दिया है। ट्रम्प ने कहा कि कनाडा अमेरिकी कंपनियों को अपने सरकारी ठेकों में सामान बेचने नहीं देता, जबकि कनाडाई कंपनियों को अमेरिका में यह सुविधा मिलती है।

सागर जहरीली शराब कांड में मौतों का सिलसिला थम नहीं रहा

> कलेक्टर ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए

इन्दौर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। बुंदेलखंड के सागर जिले के तहत बंडा-शाहगढ़ में हुए जहरीली शराब कांड से हो रही मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं लें रहा है।हर दिन आकड़ा बढ़ता जा रहा है। 30 ज्यादा मौत होने की खबर है।जबकि सरकारी आंकड़ा 15 के आसपास टिका हुआ है। इधर जहरीले शराब कांड ने मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार को हिला दिया है।

प्रदेश में सियासत भी खासी गरमा गई है। कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कांड के मध्यप्रदेश के साथ ही उत्तरप्रदेश से भी तार जुड़े हुए है। मौतों का आंकड़ा बढ़ने के बाद सरकार एक्शन मोड में है। अफसरों पर लगातार गाज गिर रही है। मामले में कलेक्टर प्रतिभा पाल के आदेश परबमजिस्ट्रियल जांच शुरू हो गई है।

सागर जिले के तहत हुए ज़हरीली शराब कांड का मामला काफी गरमा गया है। जहरीली शराब पीने से मौतों की संख्या हर दिन बढ़ते जा रही है। जानकारी के अनुसार मौत का आंकड़ा 30 पार कर गया है।जबकि प्रशासन 14_15 मौत बता रहा है। प्रदेश के कांग्रेस नेताओं के सरकार पर जारी हमले के बीच लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी हमला बोल सरकार से जवाब मांगा है। उन्होंने इंटरनेट मिडिया पर पोस्ट में लिखा है कि प्रदेश में सरकार नाम की कोई चीज नहीं बची है। सागर शराब कांड ने लोगों की जान लेकर घरों में मातम पहुंचा दिया है। शराब कांड के बाद भाजपा सरकार सकते में है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर अब तक 8 अफसरों पर कार्रवाई हो चुकी है। एसडीएम औरएसडीओपी सहित 8 अफसरों पर कार्रवाई की गाज गिरी है। बंडा एसडीएम आरती यादव (संयुक्त कलेक्टर) को हटाकर कलेक्ट्रेट सागर अटैच किया गया। उनकी जगह डिप्टी कलेक्टर संजय कुमार जैन को बंडा और शाहगढ़ का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। मुख्यमंत्री के दुबाई से लौटते ही बड़े प्रशासनिक अफसरों पर गाज गिरने के संकेत है। बंडा एसडीओपी प्रदीप वाल्मीकि को हटाकर पुलिस मुख्यालय भोपाल भेजा गया, उनकी जगह DSP रोहित लखारे को नया एसडीओपी बनाया गया है।इसी प्रकार आबकारी विभाग के अफसरों पर भी सीधी करवाई की गई है। सहायक आबकारी आयुक्त कीर्ति दुबे, सहायक जिला अधिकारी दिलीप खंडाते, उप-निरीक्षक प्रोशनी उरेती सस्पेंड, उपायुक्त नीरजा श्रीवास्तव ग्वालियर अटैच। बंडा थाना प्रभारी और गूगरा चौकी प्रभारी को भी सस्पेंड किया गया है। अभी तक की जानकारी के अनुसार पुलिस ने 30 से ज्यादा लोगों पर एफआईआर दर्ज की है।, 14 को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया है। 16 अधिक आरोपी फरार बताए जा रहे हैं।अभी तक जिले की 6शराब दुकानें सील की जा चुकी है।

प्रदेश में हड़कंप: इंदौर में बड़ी कार्रवाई

सागर कांड के बाद पूरे प्रदेश में आबकारी विभाग अलर्ट है।इंदौर में 3 दिन में शराब तस्करों से 1.10 करोड़ से अधिक कीमत की अवैध शराब जब्त की है। इन्दौर कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर इंदौर आबकारी टीम ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। बायपास पर हरियाणा निर्मित शराब से भरा कंटेनर पकड़ा - कीमत करीब 55 लाख रुपये। देव नगर में खड़े आयशर वाहन MP09 GH 2370 से 500 पेटी पेरिस रोज प्रीमियम व्हिस्की बरामद, चालक फरार। पिछले 1 महीने में इंदौर में ही ढाई करोड़ से ज्यादा की अवैध शराब जब्त हो चुकी है। विभाग का कहना है - मुखबिर तंत्र से सूचना पर रास्तों और गोदामों पर निगरानी बढ़ाई गई है, अंतरराज्यीय तस्करी नेटवर्क की जांच जारी है। इस कार्रवाई से शराब तस्करों में हड़कंप मचा है।

कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी ने प्रभावित गांवों का किया दौरा

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सागर जिले के बंडा विधानसभा क्षेत्र के जहरीली शराब त्रासदी से प्रभावित गांवों का दौरा किया और प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।पटवारी ने कहा कि यह केवल कुछ लोगों की मौत का मामला नहीं है, बल्कि दर्जनों परिवारों के उजड़ने की त्रासदी है।

'कुछ शर्म रखिए' : फिलीपींस के मंत्री को भाषण के बीच चीन ने भेजी धमकी, भड़के नेता ने मंच पर ही पढ़ी

सियोल, 9 सितंबर (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में रक्षा से जुड़ा एक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम चल रहा था। फिलीपींस के राष्ट्रीय रक्षा विभाग के सचिव गिल्बर्ट (रक्षा मंत्री) की टियोडोरो वहां भाषण दे रहे थे। तभी एक व्यक्ति उनके पीछे से आया और उनकी मेज पर एक कागज रख गया। यह कोई सामान्य संदेश नहीं था। इसमें चीन ने दक्षिण चीन सागर विवाद पर अपना पक्ष लिखा था।

सबसे हैरत की बात यह रही कि गिल्बर्ट की टियोडोरो ने संदेश को नजरअंदाज करने के बजाय वहीं पढ़ने का फैसला किया। आयोजकों के मुताबिक, यह नोट सियोल स्थित चीनी दूतावास के एक सैन्य अताशे ने भेजा था। उसने पहले नोट एक स्टाफ सदस्य को दिया था। स्टाफ सदस्य ने इसे टियोडोरो के अपने प्रतिनिधिमंडल का संदेश समझ लिया और भाषण के बीच उन्हें सौंप दिया। अब आपके मन में सवाल उठ रहा होगा कि आखिरी उस चिट्ठी में लिखा क्या था? दरअसल, चिट्ठी में दक्षिण चीन सागर पर चीन का पुराना रुख दोहराया गया था। चीन ने 2016 के मध्यस्थता फैसले को अंतरराष्ट्रीय कानून के बुनियादी सिद्धांतों के खिलाफ बताया। चिट्ठी भेजने का तरीका भी विवाद की वजह बना। टियोडोरो ने कहा कि इससे उनका ही नहीं, मेजबान दक्षिण कोरिया और सम्मेलन में मौजूद दूसरे लोगों का भी अनादर हुआ।

चीन ने 2016 के फैसले को क्यों खारिज किया?

जिस नोट को टियोडोरो ने पढ़ा उसमें चीन ने लिखा था कि दक्षिण चीन सागर से जुड़े 2016 के मध्यस्थता फैसले ने अंतरराष्ट्रीय कानून के बुनियादी सिद्धांतों का उल्लंघन किया। यह मामला फिलीपींस ने संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि यानी (यूएनसीएलओएस) के तहत चीन के खिलाफ उठाया था। 2016 में ट्रिब्यूनल ने दक्षिण चीन सागर पर चीन के व्यापक ऐतिहासिक अधिकारों के दावों को खारिज कर दिया था। उसने कहा था कि फिलीपींस के विशेष आर्थिक क्षेत्र में संसाधनों पर चीन के दावे का कोई कानूनी आधार नहीं है। चीन ने इस फैसले को स्वीकार नहीं किया। चीन का यह भी कहना है कि इस मामले पर ट्रिब्यूनल को अधिकार ही नहीं था।

यूक्रेन पर रूसी हमले जारी रिहायशी इमारत पर ड्रोन से किया हमला, दो की मौत

कीव, 9 सितंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि बुधवार सुबह कीव में एक रूसी ड्रोन ने रिहायशी इमारत को निशाना बनाया, जिसमें 4 लोग घायल हुए। वहीं ओडेसा में मोल्दोवा सीमा पर स्थित अंतरराष्ट्रीय चौकी पर रातभर हुए हमले में दो लोगों की मौत और तीन घायल हुए हैं। जेलेंस्की ने कहा कि रूस रोजाना हमले कर रहा है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की प्रतिक्रिया बेहद कम है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर हमले की जानकारी साझा की। ज पोस्ट में लिखा, "आज सुबह कीव में एक रूसी ड्रोन ने एक रिहायशी बहुमंजिला इमारत को निशाना बनाया।

कोटा के मंदिरों में कहीं रजिस्टर में लिखते हैं मनोकामना तो कहीं होती है अनोखी पूजा

कोटा का प्राचीन चंद्रेशल मठ अपनी ऐतिहासिक और आध्यात्मिक पहचान के लिए खास है. चंद्रेशल नदी के किनारे स्थित यह मठ पत्थरों से बनी प्राचीन स्थापत्य कला का सुंदर उदाहरण है. यहां पुराने मंदिर, समाधियां और पत्थर की नक्काशी देखने को मिलती है. शांत प्राकृतिक वातावरण और नदी किनारे का दृश्य इसे श्रद्धालुओं के साथ इतिहास और विरासत में रुचि रखने वाले लोगों के लिए भी आकर्षक बनाता है।

अरावली पर्वत श्रृंखलाओं के बीच प्रकृति की गोद में स्थित रामेश्वर महादेव मंदिर आस्था और प्राकृतिक सुंदरता का अनोखा संगम है. करीब 108 सीढ़ियां चढ़ने के बाद श्रद्धालु झरने के किनारे प्राकृतिक गुफा में विराजमान स्वयंभू शिवलिंग के दर्शन करते हैं. मान्यता है कि गुफा के एक छेद से कभी-कभी सांप भगवान शिव की पूजा करने आता है. जिन श्रद्धालुओं को इसके दर्शन होते हैं, उन्हें बेहद भाग्यशाली माना जाता है।

गोदावरी धाम हनुमान मंदिर चंबल नदी के तट पर एक प्राचीन एवं चमत्कारी मंदिर है. इस मंदिर में जागृत हनुमान प्रतिमा है, जहां श्रद्धालु प्रेत बाधा, मानसिक कष्टों से मुक्ति की कामना लेकर आते हैं. दक्षिण भारतीय शैली में निर्मित यह मंदिर अपनी अनूठी वास्तुकला के कारण भी आकर्षण का केंद्र है. यहां मंगलवार और शनिवार को विशेष आरती का आयोजन होता है, जिसमें बड़ी संख्या में भक्त शामिल होते हैं।

कोटा के कैथून कस्बे में स्थित विभीषण मंदिर अपनी तरह का अनोखा धार्मिक स्थल है, जहां रावण के भाई विभीषण की पूजा की जाती है. मंदिर से जुड़ी मान्यताएं रामायण काल से जुड़ी है और इसे करीब 5000 वर्षकोटा के कैथून में है. दुनिया का अनोखा विभीषण मंदिर कोटा के कैथून में है. मंदिर में स्थापित विभीषण की प्रतिमा की खास मान्यता है कि वह धीरे-धीरे जमीन में धंसती जा रही है. यहां हर साल होली के अवसर पर पांच दिवसीय विभीषण मेला भी लगता है।

कोटा के बूंदी रोड स्थित मनोकामना सिद्ध गणेश मंदिर यानी गणेश पाल मंदिर करीब 800 से 900 साल पुराना बताया जाता है. मंदिर की सबसे खास परंपरा यहां रखे अलग-अलग रजिस्टर हैं, जिनमें भक्त शादी, नौकरी, नया घर और व्यापार जैसी मनोकामनाएं लिखते हैं. मनोकामना पूरी होने पर भक्त दोबारा मंदिर पहुंचकर रजिस्टर में टिक लगाते हैं और भगवान गणेश का आभार जताते हैं।

साड़ी, चूड़ी, सिंदूर... तीज पर मायके से क्यों आता है ये सुहाग का सामान?

चूड़ियां सुहाग और स्त्री के श्रृंगार का प्रतीक मानी जाती हैं, जबकि सिंदूर को विवाहित महिलाओं के सुहाग से जोड़ा जाता है. इसी तरह मेहंदी को भी तीज के श्रृंगार का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है. महिलाएं हाथों में मेहंदी लगाती हैं, नई साड़ी पहनती हैं और चूड़ियां पहनकर पूजा की तैयारी करती हैं. तीज के शुभ अवसर पर शादीशुदा महिलाओं के मायके से साड़ी, चूड़ी, सिंदूर, मेहंदी और अन्य सुहाग का सामान भेजने की परंपरा कई परिवारों में आज भी निभाई जाती है।

हरतालिका तीज सिर्फ व्रत और पूजा का पर्व नहीं है, बल्कि यह बेटी और मायके के बीच के भावनात्मक रिश्ते से भी जुड़ा हुआ त्योहार है. देश के कई हिस्सों में शादीशुदा बेटियों के मायके से तीज के मौके पर साड़ी, चूड़ी, सिंदूर, मेहंदी और अन्य सुहाग का सामान भेजने की परंपरा है. इसे कहीं सिंधारा तो कहीं अलग-अलग स्थानीय नामों से जाना जाता है. लेकिन, खासतौर पर तीज के अवसर पर मायके से सुहाग का सामान क्यों भेजा जाता है. इसके पीछे की परंपरा के बारे में जानते हैं।

पंचांग के अनुसार, भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि 13 सितंबर 2026 को सुबह 7 बजकर 8 मिनट से शुरू होगी और 14 सितंबर 2026 को सुबह 7 बजकर 6 मिनट पर समाप्त होगी. उदया तिथि के आधार पर हरतालिका तीज का व्रत 14 सितंबर, सोमवार को रखा जाएगा।

तीज पर मायके से क्यों आता है सुहाग का सामान?

हरतालिका तीज पर मायके से बेटी के लिए कपड़े और सुहाग की सामग्री भेजने की परंपरा सदियों से चली आ रही लोक परंपराओं में शामिल है. इसका मुख्य उद्देश्य बेटी को त्योहार के मौके पर मायके की ओर से स्नेह और आशीर्वाद देना माना जाता है. इस खास अवसर पर माता-पिता अपनी बेटी के लिए उसकी पसंद की साड़ी, चूड़ियां, सिंदूर, बिंदी, मेहंदी, मिठाई और अन्य सामान भेजते हैं।

तीज पर भेजी जाने वाली चीजों में सुहाग की सामग्री को विशेष स्थान दिया जाता है. साड़ी को कई जगह सम्मान और सौभाग्य से जोड़कर देखा जाता है.

हरतालिका तीज का शिव-पार्वती से क्या संबंध है?

हरतालिका तीज का संबंध भगवान शिव और माता पार्वती से जुड़ा हुआ है. पौराणिक मान्यता के अनुसार, माता पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की थी. इसी मान्यता के आधार पर महिलाएं हरतालिका तीज पर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करती हैं. विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना से व्रत रखती हैं. वहीं, अविवाहित युवतियां मनचाहा जीवनसाथी पाने की इच्छा से यह व्रत करने की परंपरा का पालन करती हैं. हरतालिका तीज पर मायके से आने वाली साड़ी, चूड़ी, सिंदूर और दूसरी चीजों का महत्व केवल धार्मिक मान्यता तक सीमित नहीं है. इनके पीछे बेटी के लिए माता-पिता का स्नेह और आशीर्वाद भी जुड़ा हुआ है. समय के साथ त्योहार मनाने के तरीके बदल रहे हैं, लेकिन मायके और बेटी के रिश्ते की यह खूबसूरत परंपरा आज भी कई घरों में निभाई जाती है।

ग्रंथ पढ़ने से सकारात्मकता आती है

ग्रंथ सकारात्मक विचारों के स्रोत हैं। इनके अध्ययन से जीवन में अनुशासन, ज्ञान और सकारात्मकता आती है। शास्त्र हमारी शक्ति बढ़ाते हैं, जीवन में संतुलन बनाए रखने में सहायक होते हैं और हमें सही दिशा प्रदान करते हैं। असफलता, अक्षमता, निराशा और नकारात्मकता से उबरने में भी इनके विचार मार्गदर्शन देते हैं। शास्त्रों का ज्ञान हमारे भीतर आत्मविश्वास और विवेक जागृत करता है। इसलिए हमें अपने शास्त्रों से जुड़कर सकारात्मक विचारों को अपनाना चाहिए। यही विचार हमारे व्यक्तिगत विकास, शांति, अनुशासन और समृद्धि का आधार बन सकते हैं।

गणेश चतुर्थी के लिए खरीदने वाले हैं गणपति बप्पा की मूर्ति तो भूलकर भी न करें ये गलतियां!

घर के लिए गणेश जी की हर मूर्ति शुभ नहीं मानी जाती है. ऐसे में अगर आप गणेश चतुर्थी के लिए बप्पा की मूर्ति खरीदने वाले हैं, तो आपको कुछ बातों का खास ध्यान रखना चाहिए।

गणेश उत्सव की शुरुआत हर साल भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से होती है और इस दिन गणेश चतुर्थी का त्योहार धूमधाम से मनाया जाता है. उस उत्सव का समापन अनंत चतुर्दशी पर गणपति बप्पा के विसर्जन पर होता है. ये उत्सव 10 दिनों तक मनाए जाने की परंपरा है. साल 2026 में गणेश चतुर्थी 14 सितंबर को मनाई जाएगी. वहीं, इसका समापन 25 सितंबर को होगा. इस उत्सव के दौरान लोग अपने घरों में गणपति बप्पा की स्थापना करते हैं और 9 दिनों तक विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने के बाद 10वें दिन विसर्जन करते हैं।

गणेशोत्सव के दौरान लोग अपने घरों में बप्पा की नई मूर्तियां खरीदकर लाते हैं और उनकी स्थापना करते हैं. लेकिन जिस तरह घर में गणेश जी की स्थापना और पूजा के नियम होते हैं, ठीक उसी तरह उनकी मूर्ति खरीदते समय कई बातों का खास ख्याल रखा जाता है. अगर आप भी इस गणेश चतुर्थी नई मूर्ति खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो आइए जानते हैं कि गणेश मूर्ति खरीदते समय क्या देखना चाहिए.

गणेश चतुर्थी 2026 कब से कब तक है

चतुर्थी तिथि शुरू: 14 सितंबर को सुबह 07:06 बजे

चतुर्थी तिथि समापन: 15 सितंबर को सुबह 07:44 बजे

गणेश स्थापना शुभ मुहूर्त (नई दिल्ली): सुबह 11:02 बजे से दोपहर 01:31 बजे तक

गणेश विसर्जन (अनंत चतुर्दशी): शुक्रवार, 25 सितंबर 2026

गणेश जी की मूर्ति कैसी होनी चाहिए?

सूंड की दिशा:- गणेश जी की सूंड बाईं ओर (वाममुखी) मुड़ी होनी चाहिए, जो सुख-समृद्धि और शांति का प्रतीक है. दाईं ओर सूंड वाली मूर्ति के नियम बहुत कठिन होते हैं।

मुद्रा:- घर के लिए हमेशा बैठी हुई (विराजमान) मुद्रा की मूर्ति शुभ मानी जाती है, जो घर में स्थिरता लाती है. खड़े हुए गणेश जी की मूर्ति घर में लाना शुभ नहीं माना जाता है.

रंग:- मूर्ति का रंग सिंदूरी, सफेद या पीला होना बहुत शुभ माना जाता है. घर में काले रंग की मूर्ति नहीं लानी चाहिए.

विशेष चीजें:- मूर्ति के साथ उनका वाहन मूषक (चूहा) और हाथ में मोदक (लड्डू) जरूर होना चाहिए.

दांत और हाथ:- भगवान गणेश का दायां दांत पूरा और बायां दांत थोड़ा टूटा हुआ होना चाहिए. उनके चार हाथ होने चाहिए.

धातु:- प्लास्टर ऑफ पेरिस (POP) या हानिकारक केमिकल वाली मूर्ति की बजाय शद्ध मिट्टी, पीतल, तांबा, चांदी या फिर सफेद संगमरमर की मूर्ति खरीदनी चाहिए.

खंडित न हो:- इस बात की अच्छी तरह चेक कर लें कि मूर्ति कहीं से भी खंडित या टूटी हुई न हो।

आकार:- घर के मंदिर या पूजा स्थल के हिसाब से ही मूर्ति का आकार छोटा चुनें, बहुत बड़ी मूर्ति घर के लिए शुभ नहीं मानी जाती।

दिशा:- गणेश जी की मूर्ति हमेशा घर के उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) या पूर्व दिशा में लगानी चाहिए.

पूजा और स्थापना के जरूरी नियम

सुबह जल्दी स्नान करके साफ वस्त्र पहनें.

उत्तर या पूर्व दिशा की ओर मुख करके लकड़ी की चौकी पर लाल या पीला कपड़ा बिछाएं।

मध्याह्न (दोपहर) के शुभ मुहूर्त में भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करें.

तांबे के कलश में जल, सुपारी, सिक्का और आम के पत्ते रखकर पास रखें.

गणपति जी को रोली, अक्षत, फूल और 21 दूर्वा घास अर्पित करें।

मोदक या लड्डू का भोग लगाएं और विधि-विधान से आरती करें।

बेड के नीचे रखा ये सामान बढ़ा सकता है वास्तु दोष

घर में जगह कम होने पर अक्सर लोग बेड के नीचे बने खाली हिस्से को स्टोरेज के तौर पर इस्तेमाल करने लगते हैं. यहां कपड़े, जूते, पुराने सामान से लेकर कई दूसरी चीजें रख दी जाती हैं. हालांकि, वास्तु शास्त्र में बेड के नीचे की जगह को लेकर कुछ सावधानियां बताई गई हैं। मान्यता है कि बेड के नीचे बिना मतलब का समान रखने से घर का वातावरण प्रभावित हो सकता है. खासकर ऐसी चीजें, जिनका लंबे समय से इस्तेमाल नहीं हो रहा है, उन्हें बेड के नीचे रखना सही नहीं माना जाता है।

वास्तु के अनुसार बेड के नीचे लंबे समय तक पुराने, टूटे-फूटे या बेकार सामान को नहीं रखना चाहिए. ऐसी चीजों को घर में जमा करके रखने से नकारात्मक ऊर्जा बढ़ने की मान्यता है. इसलिए जो सामान काम का नहीं है, उसे हटाना बेहतर माना जाता है।

कई घरों में जगह बचाने के लिए जूते-चप्पल बेड के नीचे रख दिए जाते हैं. वास्तु की मान्यता के अनुसार ऐसा करना ठीक नहीं माना जाता. जूते-चप्पल को सोने की जगह के नीचे रखने से कमरे का सकारात्मक माहौल प्रभावित हो सकता है. इन्हें रखने के लिए अलग स्थान तय करना बेहतर माना जाता है।

वास्तु शास्त्र में बेड के नीचे भारी मात्रा में लोहे या धातु का सामान रखने से भी बचने की सलाह दी जाती है. खासकर ऐसी चीजें जिनका इस्तेमाल रोजाना नहीं होता, उन्हें यहां जमा करना सही नहीं माना जाता. बेड के नीचे की जगह को जितना हो सकता है साफ ही रखना चाहिए. बेड के नीचे पुराने जूते या इस्तेमाल के बाद लंबे समय से पड़े सामान को रखना भी वास्तु की नजर से सही नहीं माना गया है. इसलिए इन चीजों को किसी अलग जगह ही रखने की सलाह है।

टूटी घड़ी, खराब इलेक्ट्रॉनिक सामान, टूटे खिलौने या ऐसी चीजें जो अब इस्तेमाल के लायक नहीं हैं, उन्हें बेड के नीचे जमा करने से बचना चाहिए. वास्तु मान्यताओं में घर में टूटी वस्तुओं को नकारात्मकता से जोड़कर देखा जाता है।

वास्तु शास्त्र में बेडरूम को आराम और मानसिक शांति से जुड़ी जगह माना जाता है. इसलिए इस कमरे में साफ-सफाई को बहुत ही जरूरी माना गया है. इसलिए माना गया है कि बेड के नीचे भले ही सामान दिखाई न दें लेकिन ये सब कमरे के वातावरण को प्रभावित कर सकता है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 10 सितंबर - 2026

रूस से रिश्तों में गर्माहट

भारत और रूस के रिश्ते केवल दो देशों के बीच सामान्य कूटनीतिक संबंध नहीं हैं, बल्कि इनके पीछे दशकों का भरोसा, रक्षा सहयोग और मुश्किल दौर में एक-दूसरे के साथ खड़े रहने का स्वर्णिम इतिहास है। इसलिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का भारत दौरा दोनों देशों के लिए खास महत्व रखता है, जब दुनिया तेजी से बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों से गुजर रही है। भारत में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी और पुतिन की मुलाकात सिर्फ औपचारिक बातचीत नहीं होगी, बल्कि इससे दोनों देशों की भविष्य की रणनीतिक दिशा का संकेत भी मिलेगा। हाल में ही बिश्केक में मोदी और पुतिन की मुलाकात में व्यापार, ऊर्जा, रक्षा, अंतरिक्ष और अन्य क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा हो चुकी है। ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि बदलते वैश्विक समीकरणों के बीच भारत-रूस संबंध कितने मजबूत और व्यावहारिक बने रहेंगे। रूस पर पश्चिमी प्रतिबंध है और भारत पर भी रूस से साथ आर्थिक रिश्तों को लेकर दबाव रहा है। इसके बावजूद दोनों देशों ने अपने संबंधों को किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं होने दिया। ऊर्जा और रक्षा से लेकर व्यापार तथा तकनीक तक सहयोग का दायरा लगातार बढ़ाने की कोशिश हो रही है। व्यापार इसका बड़ा उदाहरण है। दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब डॉलर से अधिक ले जाने का लक्ष्य रखा है। लेकिन यहां सिर्फ आंकड़ा बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा। भारत के लिए व्यापार संतुलन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। रूस से भारत के आयात बहुत अधिक हैं, जबकि भारतीय निर्यात उस अनुपात में नहीं बढ़े हैं। इसलिए आने वाले समय में रूस को भारत से दवाइयों, इंजीनियरिंग उत्पादों, कृषि वस्तुओं और अन्य सामानों के निर्यात के लिए ज्यादा अवसर उपलब्ध कराने होंगे। भारत-रूस व्यापार को टिकाऊ बनाने के लिए यही जरूरी सुधार है। भुगतान व्यवस्था भी इस रिश्ते का अहम पहलू बन चुकी है। दोनों देश राष्ट्रीय मुद्राओं के इस्तेमाल और वैकल्पिक भुगतान तंत्र को मजबूत कर रहे हैं। इसे सीधे-सीधे डॉलर विरोधी अभियान के रूप में देखना सही नहीं होगा। रूस ने भी स्पष्ट किया है कि वह स्वीकार्य भुगतान माध्यमों के लिए खुला है। असल उद्देश्य यह होना चाहिए कि अंतरराष्ट्रीय दबावों के बीच वैध व्यापार में भुगतान संबंधी अड़चनें कम हों और आर्थिक रिश्ते निर्बाध बने रहें। रक्षा सहयोग पर भी दुनिया की निगाह रहेगी। रूस के पांचवीं पीढ़ी के एसयू-57 लड़ाकू विमान और उससे जुड़ी तकनीक तथा संभावित सहयोग पर चर्चा भारत की रक्षा जरूरतों के लिहाज से महत्वपूर्ण हो सकती है। लेकिन भारत को किसी भी रक्षा सौदे में केवल तत्काल जरूरत नहीं, बल्कि तकनीकी हस्तांतरण, स्वदेशी उत्पादन, लागत और दीर्घकालीन रणनीतिक उपयोगिता को प्राथमिकता देनी चाहिए। यूक्रेन युद्ध पर बातचीत भी स्वाभाविक रूप से होगी। भारत लगातार यह कहता रहा है कि युद्ध का समाधान बातचीत और कूटनीति से होना चाहिए। यही नीति भारत की ताकत है। यह न तो किसी खेमे का पिछलग्गू बने और न ही अपनी बात कहने से पीछे हटे। भारत यदि शांति के लिए संवाद का रास्ता सुझाता है तो उसे अपनी स्वतंत्र विदेश नीति के अनुरूप ही आगे बढ़ाना चाहिए। कुल मिलाकर पुतिन की यात्रा केवल पुरानी दोस्ती का उत्सव नहीं है। यह उस दोस्ती को नई आर्थिक उपयोगिता, आधुनिक रक्षा सहयोग और बदलती विश्व राजनीति में नई रणनीतिक दिशा देने का अवसर है। भारत को रूस के साथ अपने रिश्ते मजबूती से निभाने हैं, लेकिन साथ ही अमेरिका, यूरोप और अन्य वैश्विक शक्तियों के साथ अपने संबंध भी संतुलित रखने हैं। यही भारत की असली कूटनीतिक ताकत है दोस्ती निभाना, मगर फैसले हमेशा अपने राष्ट्रीय हित में काम करते रहना है।

दिल्ली में बिल्डिंग नहीं गिरी भ्रष्टाचार की पोल खुली

डॉ. उपेंद्र कश्यप

दिल्ली में सत्य निकेतन बिल्डिंग गिर गई। आधे दर्जन लोगों की मृत्यु हो गई। राजनीति गर्मा गई। प्रशासन भवन मालिक को इसका दोष देकर उसके खिलाफ करवाई करने पर उतारू है। सवाल है कि क्या मकान मालिक ही सिर्फ दोषी है? क्या वास्तव में सत्य निकेतन गिरा है या फिर सत्ता सरकार का इकबाल गिरने का यह परिणाम है? क्या सत्ता प्रतिष्ठान अगर ईमानदारी से कम करे तो ऐसी घटनाएं होती रह सकती हैं? ऐसी घटनाएं पहले भी दर्जनों बार हुई है और आगे भी होंगी और ऐसे ही घटना भी क्यों सिर्फ बिल्डिंग गिरने से मौतें थोड़े ही होती हैं, भवनों में आग लगने से भी मौतें होती रही हैं।सवाल है कि इसका उपाय क्या है? क्या वास्तव में सत्ता प्रतिष्ठान कभी ऐसी घटनाएं न हो इसका ठोस उपाय करना चाहती है? ऐसी घटनाओं पर रोक लगे, इसे लेकर क्या सरकारें कभी दृढ़ निश्चयी रही हैं, नहीं। दरअसल यह सत्य निकेतन नाम का एक बिल्डिंग गिरने और उससे कई मौतें हो जाने भर का बस मामला नहीं है। बिल्डिंग गिरती है तब भी भ्रष्टाचार होता है और कोई बिल्डिंग में आग लगती है तब भी भ्रष्टाचार का ही वह परिणाम होता है।

भ्रष्टाचार को समझने की जरूरत है। भ्रष्टाचार कैसे इन मौतों की जिम्मेदार होती है? भारत में शायद ही कोई ऐसा उदाहरण है कि जब भवन बन रहा हो और उसके निर्माण में धांधली ना हो भले ही वह कोई एजेंसी करे, सरकार बनाए या व्यक्तिगत निर्माण ही क्यों ना हो। सक्षम अथॉरिटी से न तो बिना रिश्वत के नक्शा पास होते हैं न निर्माण की स्वीकृति मिलती है। न ही भवन बन जाने के बाद ऑडिट करने वाली संस्थाएं भौतिक सत्यापन करती हैं। बिना भौतिक सत्यापन किये ही, या कभी-कभी संबंधित भवन में भौतिक रूप से अधिकारी उपस्थित होकर भी सीधे निबंधन नियमितीकरण के लिए रिश्वत मांगते हैं। बिना रिश्वत लिए भवनों का निबंधन नियमितीकरण होता ही नहीं है। अब कोई ईमानदार हो और ऐसा वास्तव में बिना रिश्वत लिए पूरी तरह भौतिक सत्यापन करके एनओसी करता हो तो यह अद्भुत संयोग हो सकता है।

भवनों में आग लगने पर मौतें ना हो इसके लिए अग्निशमन विभाग द्वारा जांच कर एक योजना के तहत सुरक्षा उपकरण लगाए जाते हैं, शायद ही कोई ऐसा भवन होगा और अग्निशामालय का अधिकारी जहां रिश्वतखोरी ना होती हो। बिना रिश्वत लिए किसी भवन का अग्निशमन विभाग एनओसी नहीं देता। भवनों में बिना गए, बिना देखे, बिना निरीक्षण किये अग्निशामालय विभाग के अधिकारी मोटी रकम लेकर एनओसी देते हैं, यह खुला सच है। कभी कभी बड़े पैरवी, सामने वाले कि पहुँच व दबंगता के भय भी वजह होती है। लेकिन इस पर नियंत्रण नहीं किया जाता। सरकार इस दिशा में विचार नहीं करती और इसीलिए भवन गिरते हैं। मौतें होती हैं।अगर वास्तव में सरकार चाहती है, चाहे वह केंद्र की सरकार हो या राज्य की, कि किसी भवन में आग लगने से मौत ना हो, कोई भवन ध्वस्त ना हो, उसके गिरने से मौत ना हो तो उसके लिए जिम्मेदारी तय करनी होगी। संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करनी होगी। ऐसा करना बहुत मुश्किल वाला या बड़ा काम नहीं है जिसे किया नहीं जा सकता। बस सत्ता प्रतिष्ठानों के दृढ़ निश्चयी होने भर का मामला है। यह कानून होना चाहिए कि अगर कोई भवन ध्वस्त होता है, किसी भवन में आग लगती है, जैसे सत्य निकेतन का ही मामला ले लें बतौर उदाहरण तो, सत्य निकेतन भवन का निर्माण क्या नक्शा के अनुसार हुआ है, क्या उसमें आग लगने, भूकंप आने पर ध्वस्त होने से मौत न हो, इसके सुरक्षा उपाय मानक के अनुरूप हैं, इसकी जांच होनी चाहिए।

सामाजिक ताना-बाना और बिखरता पारिवारिक रिश्ता

अशोक भाटिया

दशकों पहले कवि प्रदीप की कलम से निकले ये शब्द आज सिर्फ एक पुरानी हिंदी फिल्म की पंक्तियाँ बनकर नहीं रह गए हैं, बल्कि हमारे समकालीन समाज का सबसे कड़वा, नग्न और खौफनाक सच बन चुके हैं। जब हम रोज़ सुबह चाय की चुस्कियों के साथ समाचार पत्रों के पन्नों को पलटते हैं या टेलीविजन स्क्रीन पर चौबीसों घंटे फ्लैश होती सनसनीखेज ब्रेकिंग न्यूज को देखते हैं, तो रूह भीतर तक कांप उठती है और अंतरात्मा झकझोर दी जाती है। हाल ही में देश के कानपुर से सामने आई एक दिल दहला देने वाली घटना ने हमारे सामूहिक पारिवारिक ताने-बाने और आपसी विश्वास के ताबूत पर जैसे आखिरी कील ठोकने का काम किया है। इस वीभत्स घटना में एक बहू ने महज चंद रुपयों, जमीन के एक टुकड़े और बैंक खातों में जमा संपत्ति के लालच में आकर अपने ही ससुर की भाड़े के पेशेवर हत्यारों से बेरहमी से हत्या करवा दी। यह एक ऐसी घटना है जो किसी भी संवेदनशील इंसान को यह सोचने पर मजबूर कर देती है कि क्या हम वास्तव में एक सभ्य समाज में रह रहे हैं या फिर हम वापस आदिम युग के उस खूंखार जंगल राज की तरफ बढ़ रहे हैं जहाँ केवल ताकत और स्वार्थ ही एकमात्र कानून होते थे। यह घटना कोई अकेली, अप्रत्याशित या अपवाद स्वरूप घटी वारदात नहीं है, बल्कि यह उस गहरे, निरंतर बढ़ते सामाजिक और नैतिक पतन का एक जीता-जागता और डरावना प्रतीक है जिसने हमारे पारंपरिक पारिवारिक ढांचे को भीतर से पूरी तरह खोखला और जर्जर कर दिया है। भारत जैसे देश में, जहाँ सदियों से सास-ससुर को माता-पिता के समकक्ष का पूजनीय दर्जा दिया जाता रहा है, जहाँ बुढ़ापे की लाठी बनना और बुजुर्गों की सेवा करना संतान का परम धार्मिक और नैतिक कर्तव्य माना जाता रहा है, वहाँ आज खून के और कानून के पवित्र रिश्ते पानी से भी ज्यादा पतले और बेअसर हो चुके हैं। आज का आधुनिक इंसान पैसे की अंधी दौड़ में, चकाचौंध की अंधी हसरत में इस कदर अंधा और बहरा हो चुका है कि उसे रिश्तों की पवित्रता, मर्यादा, सामाजिक लोक-लाज और बुनियादी मानवीय संवेदनाओं का रत्ती भर भी अहसास नहीं रह गया है।

आज के इस भौतिकवादी युग को यदि हम 'पूंजीवादी सनक और बाजारवाद' का चरम दौर कहें, तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी क्योंकि आज के आधुनिक समाज में किसी भी व्यक्ति का वास्तविक मूल्यांकन उसके चरित्र, उसकी ईमानदारी, उसके मानवीय व्यवहार या उसके ऊंचे संस्कारों से नहीं होता, बल्कि पूरी तरह से इस बात पर निर्भर करता है कि उसका बैंक बैलेंस कितना भारी है, उसके पास कितनी अचल संपत्तियां हैं और उसका सामाजिक रसूख कितना बड़ा है। जब एक पूरे समाज की सोच इतनी सतही, बाजारू और संवेदनहीन हो जाती है, तो परिवारों के भीतर भी पवित्र और निस्वार्थ रिश्तों की जगह विशुद्ध 'अर्थशास्त्र' और व्यापार प्रवेश कर जाता है। ससुर की हत्या की इस हालिया घटना के पीछे भी वही सड़ा हुआ और हिंसक अर्थशास्त्र काम कर रहा था जिसे हम 'त्वरित धन' यानी रातों-रात बिना मेहनत के अमीर बनने की जानलेवा चाहत कह सकते हैं। आधुनिक जीवनशैली की चमचमाती चकाचौंध, सोशल मीडिया द्वारा परोसा जाने वाला विलासिता का भ्रम और बिना किसी कड़े परिश्रम के सब कुछ तुरंत हासिल कर लेने की जिद ने आज की युवा पीढ़ी के एक बड़े और संवेदनशील हिस्से को गंभीर रूप से मानसिक रोगी या अपराधी बना दिया है। जब एक बहू अपने घर के सबसे बुजुर्ग सदस्य को एक मार्गदर्शक, एक रक्षक या पिता के रूप में न देखकर, केवल एक 'अचल संपत्ति के दस्तावेज' या 'बैंक लॉकर की चाबी' के रूप में देखने लगती है, तो जघन्य अपराध की अंतिम पटकथा उसी पल लिख दी जाती है। यह वास्तव में केवल एक वृद्ध व्यक्ति की शारीरिक हत्या नहीं है, बल्कि यह उस भरोसे, उस सुरक्षा और उस ममता की सामूहिक हत्या है जिसके दम पर एक संयुक्त भारतीय परिवार की मजबूत नींव सदियों से टिकी हुई थी; यह उस गहरे विश्वास का कत्ल है जो एक बुजुर्ग अपने ही खून से सींचे गए घर में सुरक्षित महसूस करने के लिए करता है। यदि हम संकुचित सोच से बाहर निकलकर अपने आस-पास के व्यापक समाज पर नजर दौड़ाएं, तो ऐसे दिल दहला देने वाले उदाहरणों की एक लंबी, अंतहीन और खौफनाक फेहरिस्त हमारे सामने आकर खड़ी हो जाती है जो यह अकाट्य रूप से साबित करती है कि इंसान वक्त के साथ कितना आत्मघाती रूप से बदल चुका है। देश के किसी न किसी कोने से हर दिन यह विचलित करने वाली खबर आती है कि महज चार इंच जमीन के टुकड़े के लिए, पैतृक मकान के एक छोटे से हिस्से के लिए या फिर मामूली से विवाद के कारण एक सगे भाई ने अपने ही भाई की कुल्हाड़ी से काटकर या गोली मारकर जान ले ली। जिस भारतीय समाज ने रामायण में लक्ष्मण जैसा निस्वार्थ भाई देखा हो, जिसने भरत जैसा अनुपम और अभूतपूर्व त्याग देखा हो, उसी समाज में आज भाई का सबसे बड़ा, सबसे घातक और क्रूर दुश्मन उसका अपना ही सगा भाई बना बैठा है। इतना ही नहीं, आज महानगरों से लेकर छोटे कस्बों तक में फल-फूल रहे आलीशान और महंगे वृद्धाश्रमों में रहने वाले अधिकांश लाचार बुजुर्ग किसी अनाथालय से आए हुए अभागे बच्चे नहीं हैं; बल्कि वे उन बेहद अमीर, तथाकथित शिक्षित, सुसंस्कृत और 'सफल' बच्चों के बदनसीब माता-पिता हैं जो उन्हें अपने करोड़ों के फ्लैट में रखने के लिए तैयार नहीं थे क्योंकि वे उनके आधुनिक और स्वतंत्र जीवन में एक बोझ की तरह नजर आते थे। कई मामलों में तो यह भी देखा गया है कि बच्चे चालाकी से माता-पिता की गाढ़ी कमाई, उनकी पेंशन और उनके बैंक खातों को धोखे से अपने नाम करवा लेते हैं और उसके तुरंत बाद उन्हें सड़कों पर, बस अड्डों पर या किसी अनजान धार्मिक स्थल के बाहर हमेशा के लिए भीख मांगने और तिल-तिल कर मरने के लिए बेसहारा छोड़ देते हैं। पिछले कुछ वर्षों में पुलिस और अदालतों में ऐसे भी कई दिल दहला देने वाले मामले दर्ज किए गए हैं जहाँ पति या पत्नी ने केवल भारी-भरकम बीमा राशि (इंश्योरेंस क्लेम) हड़पने के लिए या किसी विवाहेतर संबंध के रास्ते से कांटे को हटाने के लिए अपने ही जीवनसाथी की खौफनाक तरीके से हत्या की साजिश रची और उसे एक सामान्य सड़क दुर्घटना या बीमारी का रूप देने की शातिर कोशिश की। सात जन्मों तक सुख-दुख में साथ निभाने का वह पवित्र अग्नि के सामने लिया गया वादा, चंद लाख रुपयों के नोटों की गड्डियों के आगे घुटने टेक देता है और पूरी तरह दम तोड़ देता है। ये तमाम जीवित और भयावह उदाहरण चीख-चीख कर समूची मानवता से कह रहे हैं कि आज का इंसान भावनाओं, संवेदनाओं और नैतिक मूल्यों से पूरी तरह शून्य हो चुका है, उसके भीतर का संवेदनशील 'इंसान' मर चुका है और केवल एक ऐसा लालची 'उपभोक्ता' जिंदा बचा है जो हर एक रिश्ते को मुनाफे और नुकसान के तराजू पर तौलता है। हमारी इस अंधी और अनियंत्रित दौड़ ने 'संस्कृति' और 'आधुनिकता' के बीच एक ऐसा भयानक अंतर्विरोध पैदा कर दिया है जिसने हमें मानसिक रूप से पंगु बना दिया है। हम अक्सर बड़े गर्व से, मंचों पर खड़े होकर दहाड़ते हुए कहते हैं कि हम एक महान सांस्कृतिक विरासत, वेदों और उपनिषदों वाले देश के निवासी हैं जहाँ 'वसुधैव कुटुंबकम' और 'मातृ देवो भव, पितृ देवो भव' का पाठ पढ़ाया जाता है, लेकिन जब ज़मीनी हकीकत का सामना होता है, तो हमारा यह ढोंग और दोगलापन पूरी तरह बेनकाब हो जाता है।

हर निराश मन को चाहिए एक भरोसेमंद कंधा

योगेश कुमार गोयल

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से प्रतिवर्ष 10 सितंबर को दुनियाभर में तेजी से बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के उद्देश्य से 'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत 'इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशन' (आईएएसपी) द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिन एक पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जो इस बात को फैलाने में मदद करने के लिए पहना जाता है कि आत्महत्या की रोकथाम के बारे में बोलने से लोगों की जान बचाई जा सकती है। इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के व्यवहार पर शोध करना, जागरुकता फैलाना और डेटा एकत्रित करना है।

दरअसल डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में हर 40 सैकेंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये अपनी जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है।

प्रतिवर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2026 की थीम है 'आत्महत्या पर दृष्टिकोण बदलना'। इस थीम का उद्देश्य आत्महत्याओं को रोकने के लिए कलंक को कम करने और खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। लोगों में जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती दुष्प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है। हालांकि बीते वर्षों में दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने भारत में आत्महत्या के मामलों को लेकर जारी अपनी रिपोर्ट में बताया है कि वर्ष 2024 में देश में 170746 आत्महत्याएं दर्ज की गई जबकि 2023 में कुल 171418 लोगों ने आत्महत्या की थी। वर्ष 2022 में भारत में आत्महत्या करने वालों की यह संख्या 170924 जबकि 2021 में 164033 थी।

एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं। आज छात्र अपनी शिक्षा एवं भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में हैं। किसी को कैरियर या नौकरी की चिंता सता रही है तो कोई वित्तीय संकट से जूझ रहा है।

तनाव के दौर में निजी रिश्तों में भी खटास बढ़ी है और आमजन में नकारात्मक विचारों का बढ़ता प्रवाह तथा उपरोक्त चिंताएं कई बार अवसाद का रूप ले लेती हैं, जिसके चलते कुछ लोग परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का खतरनाक रास्ता चुन लेते हैं।

जब कोई व्यक्ति लंबे समय तक मानसिक तनाव, निराशा, अकेलेपन, असफलता, पारिवारिक कलह, आर्थिक संकट या किसी गहरे भावनात्मक आघात से जूझता है तो उसकी सोचने-समझने और परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है।

ऐसे में अवसाद, निराशा और असहायता की भावना धीरे-धीरे इतनी गहरी हो सकती है कि व्यक्ति को अपने सामने मौजूद समस्याओं से बाहर निकलने का कोई रास्ता दिखाई नहीं देता।

यही वह संवेदनशील अवस्था है, जिसमें कुछ लोग आत्महत्या के विचारों से घिर सकते हैं। आत्महत्या केवल एक व्यक्ति की असामयिक मृत्यु नहीं होती बल्कि उसके परिवार, मित्रों और व्यापक सामाजिक परिवेश पर भी लंबे समय तक गहरा भावनात्मक प्रभाव छोड़ती है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि आत्महत्या को केवल अवसाद का परिणाम मानना उचित नहीं है। अवसाद आत्महत्या के जोखिम को बढ़ाने वाला एक महत्वपूर्ण कारक जरूर है लेकिन आत्महत्या का व्यवहार प्रायः अनेक परिस्थितियों के जटिल मेल से उत्पन्न होता है।मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के साथ-साथ आर्थिक कठिनाइयां, संबंधों में टूटन, पारिवारिक तनाव, सामाजिक अलगाव, हिंसा, नशे की समस्या, गंभीर बीमारी, शैक्षणिक अथवा रोजगार संबंधी दबाव और अचानक घटित कोई गहरा संकट भी व्यक्ति को मानसिक रूप से तोड़ सकता है।

कई बार बाहरी तौर पर सामान्य दिखाई देने वाला व्यक्ति भी भीतर से गहरे संघर्ष से गुजर रहा होता है। इसलिए आत्महत्या की रोकथाम का पहला कदम व्यक्ति को कमजोर या असफल समझना नहीं बल्कि उसकी पीड़ा को गंभीरता से समझना है। संकट में घिरे व्यक्ति को उपदेश से अधिक सुनने वाला कान, निर्णय सुनाने के बजाय सहानुभूति और अकेला छोड़ने के बजाय भरोसेमंद साथ चाहिए।

परिवार, मित्र, शिक्षक और सहकर्मी यदि व्यवहार में आए अचानक बदलाव, निराशा, सामाजिक दूरी या असहायता के संकेतों को समय रहते पहचानें और व्यक्ति को मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों तक पहुंचने के लिए प्रोत्साहित करें तो संकट को गंभीर रूप लेने से रोका जा सकता है। आत्महत्या रोकथाम का वास्तविक अर्थ यही है, मौत के विचार से पहले उम्मीद का रास्ता दिखाई देना।

मनुष्य जीवन को संसार में सबसे अनमोल माना गया है क्योंकि हमारा यह जीवन एकमात्र ऐसी चीज है, जिसे हम दोबारा नहीं पा सकते।

बहरहाल, यदि कभी जरूरत से ज्यादा तनाव अथवा किसी मानसिक बीमारी का अहसास हो तो तुरंत किसी मनोचिकित्सक से मिलकर अपनी परेशानियों के बारे में खुलकर बात करें। केन्द्र सरकार द्वारा अगस्त 2020 में एक मेंटल हैल्थ रिहैबिलिटेशन हेल्पलाइन (किरण हेल्पलाइन) नंबर भी जारी किया गया था, जिस पर कॉल करके ऐसी स्थिति में मदद या काउंसलिंग की मांग की जा सकती है। इसके अलावा भी कई सुसाइड हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग आत्महत्या की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए किया जा सकता है।

लोगों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता फैलाकर भी आत्महत्या जैसे मामलों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। किसी भी व्यक्ति के मन में आत्महत्या का विचार आए ही नहीं, ऐसा वातावरण तैयार करना परिवार के साथ-साथ समाज की भी बड़ी जिम्मेदारी है।

हम इतने सभ्य हैं कि जहर भी बाँटकर देते हैं

आरके जैन

हमारे देश में परोपकार की भावना बड़ी प्रबल है। आदमी अपने लिए समय न निकाले, पर दूसरों को धुआँ देने का समय जरूर निकाल लेता है। सिगरेट पीने वाला केवल खुद धुआँ नहीं पीता, आसपास के लोगों को भी मुफ्त में पिला देता है। खर्च एक का, जहर सबका-यही पैसिव स्मोकिंग है। लैंसेट पब्लिक हेल्थ की रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में भारत में 3 लाख 25 हजार 600 लोगों की मौत इसी 'मुफ्त सेवा' से हुई, जबकि 1990 में यह संख्या 2 लाख 17 हजार 700 थी। तीस वर्षों में मौतों में करीब पचास प्रतिशत बढ़ोतरी हुई। बेरोजगारी और महँगाई से जूझते देश में मौत का यह कारोबार भी बेखटके चल रहा है-न दुकान चाहिए, न लाइसेंस।

धुआँ बड़ा लोकतांत्रिक है-उसे अमीर-गरीब, अपना-पराया कुछ नहीं दिखता। बस साँस लेता इंसान चाहिए। वह दरवाजा नहीं खटखटाता, सीधे फेफड़ों में उतर जाता है। हृदय रोग, स्ट्रोक, फेफड़ों का कैंसर, सीओपीडी, अस्थमा, टाइप-2 डायबिटीज और स्तन कैंसर तक इससे जुड़े हैं। भारत में करीब 44 करोड़ 40 लाख लोग इसकी चपेट में हैं। चीन के बाद दुनिया में दूसरा स्थान हमारा है। महिलाओं पर असर अधिक है, क्योंकि वे घर में ज्यादा समय बिताती हैं। 2023 में पैसिव स्मोकिंग से 1 लाख 56 हजार 900 महिलाओं और 1 लाख 68 हजार 700 पुरुषों की मौत हुई। धुआँ बराबरी करता है-साँस सबकी जाती है, धुआँ कोई और छोड़ता है।

बच्चों को हम देश का भविष्य कहते हैं और उसी भविष्य के सामने सिगरेट जला देते हैं। उनके फेफड़े अभी बन रहे होते हैं, मगर धुआँ तभी से अपना असर दिखाने लगता है। निचले श्वसन संक्रमण और अस्थमा का खतरा बढ़ता है। गर्भवती महिला के आसपास का धुआँ गर्भस्थ बच्चे को भी प्रभावित कर सकता है। डॉक्टरों के अनुसार पैसिव स्मोकिंग से हृदय संबंधी मौत का खतरा 20 से 25 प्रतिशत बढ़ जाता है। फिर भी घर में इसे बीमारी नहीं, 'माहौल' कहा जाता है। चाहे बच्चे खाँसें, आँखें जलें, साँस लेने में तकलीफ हो-माहौल खराब नहीं होना चाहिए। सिगरेट बुझ जाए तो ठीक, परिवार की समझ बुझ जाए तो कोई बात नहीं।

सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान रोकने के कानून मौजूद हैं। बोर्ड लगे हैं, चेतावनियाँ लिखी हैं, नियम भी बने हैं-बस पालन करने वाला आदमी नहीं मिलता। रेस्तराँ के कोने में धुआँ उठता है, दफ्तर के गलियारे में सिगरेट जलती है, बस स्टैंड पर धुआँ फैलता है और कानून दीवार पर टँगा सब देखता रहता है। कभी-कभी पुलिसकर्मी भी सिगरेट पीते दिख जाते हैं। उनसे पूछिए कि धूम्रपान कैसे रोकेंगे, तो शायद कहें-पहले अपनी सिगरेट खत्म कर लेने दीजिए। कानून बनाना आसान है, लागू करना कठिन। इस धुएँ ने भारत के 9.28 मिलियन विकलांगता-समायोजित जीवन वर्ष छीन लिए। मगर फाइल में यह नुकसान बड़ा सभ्य दिखाई देता है। घर में धूम्रपान की अपनी सरकार होती है। पिता जी सिगरेट पी रहे हैं, बच्चा पास में पढ़ रहा है और माँ रसोई में खाना बना रही है। धीरे-धीरे घर में हवा कम, धुआँ ज्यादा हो जाता है। फिर भी इसे 'घर का मामला' कह दिया जाता है। अपना धुआँ दूसरों का भी अपना मान लिया जाता है। बच्चा कहे कि धुआँ परेशान करता है, तो उसे बड़ों की इज्जत करना सिखाया जाता है-मानो इज्जत का मतलब धुएँ में चुपचाप साँस लेना हो। सिगरेट पीने वाले की आजादी बचाने के लिए परिवार की साँस की आजादी कुर्बान कर दी जाती है। यह घरेलू लोकतंत्र है-वोट सबका, फैसला एक का।

अस्पताल में यह विडंबना और भयावह हो जाती है। मरीज कहता है-'डॉक्टर साहब, मैंने जिंदगी में सिगरेट को हाथ तक नहीं लगाया।' डॉक्टर रिपोर्ट देखते हैं और शरीर पर धूम्रपान के असर पाते हैं। मृत्यु प्रमाण-पत्र में हृदयाघात या कोई दूसरी बीमारी लिखी जाती है, पर कहानी में वह धुआँ भी मौजूद होता है, जिसे मृत व्यक्ति ने कभी जलाया ही नहीं था। दुनिया भर में करीब 2.71 अरब लोग पैसिव स्मोकिंग की चपेट में हैं और 2023 में करीब 16.6 लाख (1.66 मिलियन) मौतें इससे जुड़ी थीं। भारत इस समस्या में पीछे नहीं है। यहाँ आँकड़े भी तेजी से बढ़ते हैं। फर्क बस इतना है-आँकड़े नहीं मरते, आदमी मरता है। धुएँ का हिसाब अस्पताल में ही नहीं खुलता। बीमारी आई तो दवा, अस्पताल का बिल, काम से छुट्टी और परिवार की आय में कमी-सब साथ आते हैं। सरकार स्वास्थ्य बजट बढ़ाती है, पर धुएँ से होने वाले आर्थिक नुकसान का पूरा हिसाब सामने नहीं आता। यह उस चोर जैसा है जो रोज घर से कुछ चुराता है और घरवाला हर बार नया सामान खरीदता है, चोर को नहीं रोकता। धुआँ भी रोज स्वास्थ्य चुराता है-पहले साँस, फिर ताकत, फिर काम करने की क्षमता और कभी-कभी जीवन। हम इलाज पर खर्च करते हैं, पर बीमारी की जड़ रोकने पर उतने गंभीर नहीं। मानो आग बुझाने का बजट बढ़ाना जरूरी हो, आग लगने से रोकना नहीं। पैसिव स्मोकिंग केवल धूम्रपान करने वाले की आदत नहीं, पूरे समाज की जिम्मेदारी का सवाल है।

साढ़े साती या पनौती या कुछ और..

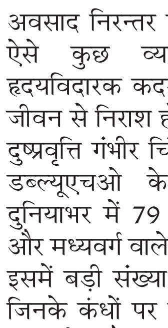

डॉ टी महादेव राव

भैया! साढ़े साती या पनौती आजकल लोकप्रिय और चलता फिरता शब्द हो गया है। वैसे कहा जाए तो जनता के लिए राजनीति पनौती है। नेताओं के लिए विरोधी पार्टी के लोग पनौती हैं। यह अलग बात है कि चुनाव में जनता की बात यानी कल्याण की बात या कहें जनता, कल्याण, खुशहाली, विकास सारे बेमतलब के शब्द हो गए। एक दूसरे के ऊपर कीचड़ उछालने के अलावा, गरीब जनता को रेवड़ियां अधिक से अधिक बांटें और उन्हें नकारा बनाएं, भले ही इसके लिए मध्यम वर्गीय जन करों के कबंधी करों में पीसे जाएं। मतलब रोजगार मुहैया कराने की कोई बात नहीं। धन्ना सेठों के नोट और गरीबों के वोट चाहिए जनता की खुशहाली के पनौती बने इन नेताओं को। यों छोटू! कोई चुनावी भाषण सुनकर लौटा है क्या? जो यूं मेरे सामने भड़ास निकाल रहा है। क्या हो गया एंग्री यंग मैन?

हां भैया। सब्जबाग दिखाकर वोट ऐसे छीन लेते हैं जैसे चिकनी चुपड़ी बातों से लोमड़ी कौवे के मुंह से बोटी हासिल कर लेती है। बाद में जहां थे वहीं। हालत और भी बदतर। देखो इतने साल हो गए हैं और सिर्फ विकास विकास का शब्द सुनकर कान पक गए हैं। नए-नए शब्द नए-नए जुमलों को जनता को बरगलाने के काम में बखूबी ला रहे हैं। जन कल्याण की बात तो दूर नई पीढ़ी को किसी भी तरह की सुविधा या रोजगार देने के बजाय उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ करते हुए हम अपना खजाना भर रहे हैं। समस्याओं से दूर भाग रहे हैं और कहते हैं कि विकास के कार्यक्रमों के लिए हम दिन-रात जाग रहे हैं।

अब देखिए सारा ध्यान इसी पर है के सामने वाले की चमड़ी उधेड़ दें इस फिराक में की अपनी चाम बची रहे। लोगों को खरीद ले बिल्कुल मवेशी बाजार के पशुओं तरह। मनमाना करें जनता भले ही कीचड़ में सनी रहे। लेकिन खुद के कपड़ों पर इस्त्री और क्रीज़ बनी रहे। मुझे लगता है कि यह राजनीति अब तक कभी भारत में न थी इसलिए मन बड़ा दुखी होता है। यह फेंकने वालों को देखकर, जो झूठ के सिवाए कुछ नहीं बोलते जिससे सच भी शर्मिंदा होकर किसी सागर में डूबा हुआ है। सही व्यक्ति को चुनोगे तो ही कुछ हो सकेगा। शराब, कबाब, नोट और बातों के वहम में बहोगे तो यह तो पक्का है कि मुफ्त की कुछ रेवड़ियां मिलेंगी और हम विदेशों में अपना झंडा फहराएंगे लेकिन देश में जैसे थे बस वैसे ही रहेंगे। कुछ नया नहीं होगा। नकारा, निकम्मा बने बैठे रहोगे। कल को खुदा न खास्ता रोजगार मिल भी गया तो आलसी होने की वजह से कर पाओगे? सोचो।

बीपी चेक कराते समय कहीं आप भी तो नहीं कर रहे ये गलतियां?

हाई ब्लड प्रेशर (हाइपरटेंशन) ऐसी समस्या है, जो अक्सर बिना किसी स्पष्ट लक्षण के शरीर में बढ़ती रहती है। यही वजह है कि कई लोग लंबे समय तक इससे अनजान रहते हैं। लगातार बढ़ा हुआ ब्लड प्रेशर दिल की बीमारी, स्ट्रोक, आंखों की रोशनी से जुड़ी समस्याओं और डिमेंशिया जैसी गंभीर जटिलताओं का खतरा बढ़ा सकता है। ऐसे में समय-समय पर ब्लड प्रेशर की जांच करना बेहद जरूरी है। लेकिन बीपी चेक करते समय कुछ गलतियां करने से बचना चाहिए वर्ना रीडिंग गलत भी हो सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया है कि बीपी मापते समय सबसे पहले सही तरीके से बैठना जरूरी है। कुर्सी पर बैठें और अपनी पीठ को अच्छी तरह सहारा दें। दोनों पैर जमीन पर सीधे रखें और पैरों को क्रॉस करके न बैठें। जिस हाथ में बीपी कफ लगाया जा रहा है, उसे किसी टेबल या सपोर्ट

पर आराम से रखें। हाथ की स्थिति ऐसी होनी चाहिए कि कफ दिल के स्तर पर रहे। बीपी चेक करने से पहले कम से कम 5 मिनट आराम करना चाहिए। जल्दबाजी में या चलते-फिरते तुरंत बीपी नापने से रीडिंग प्रभावित हो सकती है। इसी तरह जांच के दौरान बात करने से भी बचना चाहिए। अगर एक से ज्यादा रीडिंग ली जा रही है, तो माप के बीच भी शांत रहें और बातचीत न करें।

ब्लड प्रेशर की सही रीडिंग के लिए यह भी जरूरी है कि जांच से कम से कम 30 मिनट पहले एक्सरसाइज, चाय-कॉफी और धूम्रपान से बचें। इन चीजों का असर ब्लड प्रेशर पर पड़ सकता है और रीडिंग सामान्य से अलग आ सकती है।

एक और आम गलती है गलत आकार का कफ इस्तेमाल करना। बीपी मशीन के कफ अलग-अलग आकार में आते हैं, इसलिए व्यक्ति के ऊपरी बांह के अनुसार सही कफ चुनना जरूरी है। कफ इतना बड़ा होना चाहिए कि उसकी लंबाई बांह की परिधि की कम से कम 80 प्रतिशत और चौड़ाई कम से कम 40 प्रतिशत हो।

कफ को नंगे हाथ या कपड़ों की बहुत पतली परत के ऊपर लगाया जा सकता है। कपड़े को मोड़कर उसके ऊपर कफ लगाने से बचें, क्योंकि इससे रीडिंग प्रभावित हो सकती है।

बीपी की रीडिंग लेते समय मशीन पर दिखाई देने वाली सटीक संख्या दर्ज करें और उसे अपनी सुविधा के लिए ऊपर-नीचे करके राउंड न करें। 18 साल या उससे अधिक उम्र के सभी वयस्कों के लिए समय-समय पर ब्लड प्रेशर की जांच महत्वपूर्ण है।

ब्लोटिंग कैसे कम करें: सुबह-सुबह पेट हो जाता है गुब्बारे जैसा?

कई लोगों को सुबह उठते ही ब्लोटिंग की शिकायत होती है। कभी-कभी इसका कारण रात में ज्यादा खाना, देर से डिनर करना या पाचन से जुड़ी सामान्य समस्या हो सकती है। वहीं, कुछ लोगों में गैस, कब्ज, खाने की कुछ चीजों से संवेदनशीलता या खाने की आदतों के कारण भी पेट फूलने की परेशानी हो सकती है। ऐसे में तुरंत दवा लेने के बजाय अपनी रोजमर्रा की आदतों पर ध्यान देना भी मददगार हो सकता है।

पानी पीने से लेकर खाने की मात्रा और सुबह की दिनचर्या में छोटे बदलाव तक, कुछ आसान उपाय ब्लोटिंग की समस्या को कम करने में मदद कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि सुबह पेट फूलने की समस्या के पीछे क्या कारण हो सकते हैं और इसे कम करने के लिए कौन-से आसान घरेलू उपाय आजमाए जा सकते हैं।

पहले जानें सुबह पेट फूलने के कारण

सुबह की ब्लोटिंग कई वजहों से हो सकती है। रात में भारी खाना, बहुत जल्दी खाना, गैस बनाने वाले खाद्य पदार्थ, कब्ज और शरीर में पानी की कमी इसके कुछ सामान्य कारण हो सकते हैं। कुछ लोगों में दूध या अन्य खाद्य पदार्थों को पचाने में परेशानी होने पर भी पेट फूल सकता है।

ब्लोटिंग कम करने के घरेलू उपाय

1. गुनगुना पानी पिएं

सुबह उठने के बाद धीरे-धीरे एक गिलास गुनगुना पानी पी सकते हैं। इससे शरीर हाइड्रेट रहता है और पाचन तंत्र को सामान्य रूप से काम करने में मदद मिल सकती है। अगर आपको एसिडिटी की समस्या रहती है, तो बहुत गर्म पानी पीने से बचें।

2. 10-15 मिनट हल्की वॉक करें

पेट फूलने पर लंबे समय तक बिस्तर पर पड़े रहने के बजाय थोड़ी देर हल्का टहलना बेहतर विकल्प हो सकता है। हल्की शारीरिक गतिविधि आंतों की गति को बढ़ाने और गैस को बाहर निकलने में मदद कर सकती है। बहुत तेज एक्सरसाइज करने की जरूरत नहीं है।

3. पेट की हल्की मालिश करें

अगर पेट में गैस या भारीपन महसूस हो रहा है, तो पेट पर हल्के हाथों से गोलाकार तरीके से मालिश कर सकते हैं। मालिश करते समय पेट पर ज्यादा दबाव न डालें। अगर इससे दर्द बढ़े तो तुरंत रोक दें।

4. अजवाइन का पानी ले सकते हैं

अजवाइन का पानी गैस और अपच के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक पारंपरिक घरेलू उपाय है। इसे हल्की मात्रा में लिया जा सकता है। हालांकि, अगर आपको अजवाइन से परेशानी होती है, पेट में जलन बढ़ती है या कोई मेडिकल कंडीशन है, तो इसे लेने से पहले विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर है।

रात की ये आदतें भी हो सकती हैं जिम्मेदार

अगर रोज सुबह पेट फूलता है, तो सिर्फ सुबह के उपायों पर ध्यान देना काफी नहीं है। देर रात खाना, सोने से ठीक पहले बहुत ज्यादा भोजन करना, कार्बोनेटेड ड्रिंक्स पीना और ज्यादा नमक वाला खाना भी कुछ लोगों में अगले दिन ब्लोटिंग की वजह बन सकता है।

इसलिए रात का खाना बहुत देर से खाने से बचें और अपनी डाइट में पर्याप्त फाइबर व पानी शामिल करें। हालांकि, फाइबर अचानक बहुत ज्यादा बढ़ाने से भी गैस और ब्लोटिंग हो सकती है, इसलिए इसे धीरे-धीरे बढ़ाना बेहतर है।

कब डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है?

कभी-कभार पेट फूलना आम हो सकता है, लेकिन अगर यह समस्या लगातार बनी रहती है या इसके साथ तेज पेट दर्द, लगातार उल्टी, पेट का बहुत ज्यादा फूलना, मल में खून, बुखार या बिना वजह वजन कम होना जैसे लक्षण दिखाई दें, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसी स्थिति में डॉक्टर से जांच कराना जरूरी है।

बार-बार शरीर में होती है अकड़न?

डाइट में शामिल करें ये चीजें, बढ़ेगा लचीलापन

शरीर का लचीलापन सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करता कि आप कितनी देर तक स्ट्रेचिंग करते हैं। आपके खाने का भी इसमें बड़ा योगदान हो सकता है। अगर शरीर को रोजाना सही मात्रा में प्रोटीन, विटामिन और जरूरी तत्व नहीं मिल रहे हैं तो मांसपेशियों की ताकत और उनकी काम करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। वहीं संतुलित खाना शरीर को व्यायाम के बाद खुद को ठीक करने और मजबूत बनाने में मदद करता है। हालांकि यह बात साफ है कि कोई एक फल, सब्जी या दूसरा खाद्य पदार्थ खाने से शरीर अचानक लचीला नहीं हो जाता। इसके लिए सही खान-पान के साथ नियमित व्यायाम और स्ट्रेचिंग भी जरूरी है। सबसे पहले बात प्रोटीन वाले खाने की तो अंडा, दूध, दही, पनीर, सोया, चना, राजमा और चिकन इसके अच्छे स्रोत हैं। प्रोटीन शरीर की मांसपेशियों को बनाने और उनकी मरम्मत करने में मदद करता है। जब हम कसरत करते हैं तो मांसपेशियों पर थोड़ा दबाव पड़ता है। इसके बाद शरीर को उनकी मरम्मत के लिए अमीनो एसिड की जरूरत होती है, जो प्रोटीन से मिलते हैं। मजबूत और स्वस्थ मांसपेशियां शरीर के अंगों को बेहतर तरीके से हिलाने-डुलाने में मदद करती हैं। प्रोटीन सीधे तौर पर शरीर को लचीला नहीं बनाता, लेकिन लचीलेपन के लिए जरूरी मांसपेशियों को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

विटामिन सी भी इस मामले में काफी काम का है। आंवला, अमरूद, नींबू, संतरा, कीवी, टमाटर और शिमला मिर्च जैसे खाद्य पदार्थों में विटामिन सी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। शरीर में विटामिन सी का एक महत्वपूर्ण काम कोलेजन बनाने में मदद करना है। कोलेजन एक तरह का प्रोटीन है, जो त्वचा के अलावा हड्डियों, जोड़ों और मांसपेशियों को जोड़कर रखने वाले हिस्सों को मजबूती देने में मदद करता है। शरीर में कोलेजन बनाने के लिए विटामिन सी की जरूरत होती है। यही वजह है कि विटामिन सी से भरपूर फल और सब्जियां शरीर के इन हिस्सों की सामान्य सेहत बनाए रखने में मदद करती हैं।

अब बात मैग्नीशियम की। बादाम, काजू, तिल, कद्दू के बीज, साबुत अनाज, पालक और दूसरी हरी सब्जियां मैग्नीशियम के अच्छे स्रोत हैं। यह तत्व हमारी मांसपेशियों और नसों के सामान्य कामकाज के लिए जरूरी होता है। जब हम हाथ-पैर हिलाते हैं तो मांसपेशियां कभी सिकुड़ती हैं और कभी ढीली होती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में मैग्नीशियम की भी भूमिका होती है। इसलिए खाने में मैग्नीशियम की पर्याप्त मात्रा रखना मांसपेशियों के सामान्य कामकाज के लिए जरूरी है।

ओमेगा-3 वाली चीजें भी खाने में शामिल की जा सकती हैं। अलसी के बीज, चिया के बीज और अखरोट जैसी चीजों में ओमेगा-3 होता है, जो शरीर में होने वाली सूजन को नियंत्रित करने में मदद करता है। शरीर में ज्यादा सूजन होने पर कई बार मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द हो सकता है। ऐसे में ओमेगा-3 शरीर के सामान्य स्वास्थ्य के लिए उपयोगी हो सकता है।

पानी भी शरीर के लचीलेपन के लिए जरूरी है। कई लोग खाने पर तो ध्यान देते हैं, लेकिन पानी की मात्रा को नजरअंदाज कर देते हैं। शरीर में पानी की कमी होने पर थकान और कमजोरी महसूस होती है। इससे कसरत करने की क्षमता भी कम हो सकती है। इसलिए दिनभर पर्याप्त पानी पीना जरूरी है। गर्मी में या ज्यादा कसरत करने पर शरीर से पसीने के जरिए पानी निकलता है, ऐसे में पानी की जरूरत और बढ़ सकती है।

रात में 9 बजे के बाद खाना खाना खाने से हो सकती हैं ये दिक्कतें!

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में खाने का समय भी काफी बदल गया है। काम का लंबा शेड्यूल, देर से घर पहुंचना या रात में जागने की आदत के कारण कई लोग रात 9 बजे के बाद खाना खाते हैं। कभी-कभार देर से खाना मजबूरी हो सकता है, लेकिन अगर यह आपकी रोज की आदत बन गई है तो अपनी डाइट और रूटीन पर ध्यान देना जरूरी है। खाने का समय भी हमारी ओवरऑल हेल्थ और पाचन से जुड़ा हो सकता है।

खासतौर पर सोने के बिल्कुल करीब खाना खाने से कुछ लोगों को परेशानी महसूस हो सकती है। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि रात 9 बजे के बाद नियमित रूप से खाना खाने से किन परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, देर रात खाने की आदत से किन लोगों को ज्यादा सावधानी बरतनी चाहिए और रात में डिनर करने का बेहतर तरीका क्या हो सकता है।

रात 9 बजे के बाद खाना खाने के संभावित नुकसान

रात में 9 बजे के बाद खाना खाना अपने आप में हर व्यक्ति के लिए नुकसानदायक नहीं कहा जा सकता। असल में यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप किस समय सोते हैं, कितना खाते हैं और खाने में क्या शामिल है। अगर देर से खाना रोज की आदत बन गया है और भोजन सोने के बहुत करीब किया जाता है, तो कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है।

एसिडिटी और सीने में जलन

खाना खाने के तुरंत बाद लेटने से कुछ लोगों में पेट का एसिड ऊपर की ओर आ सकता है, जिससे सीने में जलन, खट्टी डकार या एसिड रिफ्लक्स की समस्या हो सकती है। इसलिए डिनर और सोने के बीच पर्याप्त अंतर रखना बेहतर माना जाता है।

नींद हो सकती है प्रभावित

रात में बहुत ज्यादा या भारी भोजन करने से पेट भरा हुआ और असहज महसूस हो सकता है। इससे सोने में परेशानी हो सकती है या नींद बार-बार टूट सकती है। खासकर बहुत मसालेदार और तला-भुना खाना रात में परेशानी बढ़ा सकता है।

वजन मैनेजमेंट में हो सकती है दिक्कत

देर रात खाने का एक बड़ा कारण अक्सर अनियमित रूटीन और अतिरिक्त स्नैकिंग भी होता है। अगर रात में हाई-कैलोरी फूड या मीठी चीजों का सेवन ज्यादा किया जाए, तो कुल कैलोरी इनटेक बढ़ सकता है और वजन मैनेज करना मुश्किल हो सकता है।

पाचन से जुड़ी परेशानी

सोने से ठीक पहले भारी भोजन करने पर कुछ लोगों को पेट फूलना, गैस या भारीपन महसूस हो सकता है। शरीर को भोजन पचाने के लिए समय चाहिए, इसलिए डिनर और सोने के बीच कुछ अंतर रखना उपयोगी हो सकता है।

ब्लड शुगर पर असर

देर रात बहुत ज्यादा कैलोरी या मीठा भोजन करना ब्लड शुगर मैनेजमेंट के लिए सही नहीं हो सकता, खासकर उन लोगों के लिए जिन्हें डायबिटीज या ब्लड शुगर से जुड़ी समस्या है। ऐसे लोगों को अपने खाने के समय और भोजन की मात्रा को लेकर डॉक्टर या डाइटिशियन की सलाह लेनी चाहिए।

रात में खाना हो तो किन बातों का रखें ध्यान?

अगर किसी वजह से रात में देर से डिनर करना पड़ता है, तो बहुत ज्यादा खाने के बजाय संतुलित और हल्का भोजन चुनें।

कोशिश करें कि खाना खाने के तुरंत बाद बिस्तर पर न जाएं।

देर रात तला-भुना, बहुत मसालेदार और ज्यादा मीठा खाने से भी बचना बेहतर है।

नीम करौली बाबा की जन्मस्थली का असली मालिक कौन?

पोतियों ने कहा- ट्रस्ट ने कब्जा किया, पोता बोला- मेरे 6 बहनोई विवाद करवा रहे

फिरोजाबाद के रहने वाले नीम करौली बाबा पर बनी फिल्म हनुमान अंश 200 करोड़ रुपए की कमाई कर सकती है। लेकिन जिस घर में नीम करौली बाबा का बचपन बीता, अब परिवार और ट्रस्ट के बीच विवाद की वजह बन गया है। बाबा की 6 पोतियों ने डीएम को शिकायत देकर ट्रस्ट के सचिव संजय गुप्ता पर कब्जा करने का आरोप लगाया है। दूसरी तरफ, यूपी सरकार वहां नीम करौली बाबा से जुड़ा कॉरिडोर बनाने की तैयारी कर रही है। ऐसे में बाबा की विरासत से जुड़ी संपत्तियों के अधिकार और उनके प्रबंधन को लेकर उठे सवाल अहम हो जाते हैं। आखिर बाबा के पुश्तैनी घर का मालिकाना हक किसके पास है? पोतियों ने कब्जे का आरोप क्यों लगाया? इसकी पडताल करती रिपोर्ट

पूरा विवाद क्या है : नीम करौरी बाबा को नीम करौली बाबा के नाम से भी जाना जाता है। उनका जन्म फिरोजाबाद से करीब 15 किलोमीटर दूर अकबरपुर गांव में हुआ था। इसी ग्राम पंचायत का मकान नंबर 154-व बाबा का पुश्तैनी घर है। इसका रख-रखाव श्री ठाकुर हनुमान ट्रस्ट करता है। पैतृक घर में नीम करौली बाबा का ध्यान कक्ष, भोजनालय, अतिथि कक्ष और शयन कक्ष बना है। इसी को लेकर विवाद है। बाबा की 6 पोतियों की तरफ से डीएम को सौंपे शिकायती पत्र में ट्रस्ट के सचिव संजय गुप्ता पर संपत्ति पर कब्जा करने का आरोप लगाया गया है।

दरअसल, नीम करौली बाबा गृहस्थ संत थे। उनके दो बेटे और एक बेटी थी। बड़े बेटे अनेक शर्मा के एक बेटे हैं। उनका नाम धनंजय शर्मा है। वे फिरोजाबाद में ही रहते हैं। जबकि छोटे बेटे धर्म नारायण शर्मा की 6 बेटियां हैं। इन लोगों ने ही कब्जे की शिकायत की है। बाबा की बेटी गिरिजा भटेले आगरा में रहती हैं।

बाबा के पोते बोले- बहनों के पति विवाद करवा रहे

पूरे विवाद पर हमने नीम करौली बाबा के पोते धनंजय शर्मा कहते हैं, 'जब यह मंदिर बनाया गया था, तब पिताजी और चाचाजी ने कहा था कि हमारे जाने के बाद मकान ट्रस्ट को दे देना। उस वक्त कोई लिखा-पढ़ी

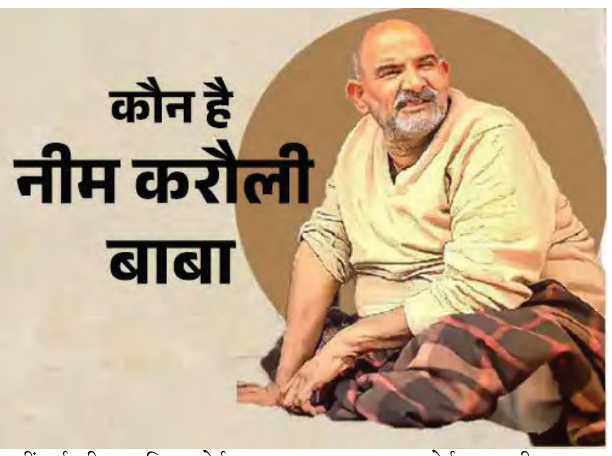

नहीं हुई थी। इसलिए कोई प्रमाण नहीं है। वो मकान सिर्फ 450 स्क्वेयर फीट में बना है। कोई करोड़ों की संपत्ति नहीं है। महाराज जी का नाम इतना बड़ा है, इस तरह के विवाद से सिर्फ उनका नाम ही खराब होगा।'

धनंजय बताते हैं- यूपी पर्यटन विभाग गांव में 5 हेक्टेयर जमीन पर कॉरिडोर बनाने की तैयारी कर रहा है। जमीन भी चिह्नित हो गई है। इसे कैंची धाम की तरह डेवलप किया जाएगा। लेकिन इस पर विवाद शुरू कर दिया गया, कब्जा कहा जा रहा है। जबकि, कब्जा तब होता जब परिवार से बाहर का कोई आदमी कब्जा करता और घर खाली न करता। लेकिन, यहां ट्रस्ट सारा रखरखाव करता है।

धनंजय का कहना है- '14 अगस्त को सभी बहनें चाचीजी यानी अपनी मां की पुण्यतिथि पर गांव आई थीं। तब किसी तरह के विवाद की बात नहीं हुई। सभी ने उसी घर में बैठकर खाना खाया। बाद में डीएम साहब को शिकायत दी गई। ये सब बहनें नहीं, बल्कि उनके पति कर रहे हैं। इसमें भी मनोज रावत सबसे आगे हैं। मुझे अजीब लगता है कि डीएम साहब ने इनका पत्र ले क्यों लिया? यहां तो कोई विवाद ही नहीं है। बुआ तो पहले से ही ट्रस्ट की अध्यक्ष हैं।'

बाबा की 6 पोतियां सुनीता शर्मा, अर्चना शर्मा, वंदना शर्मा, भावना रावत, ऋतु तिवारी और ऋचा रावत हैं। धनंजय शर्मा ने जिन मनोज रावत का नाम लिया, वे भावना रावत के पति हैं और आगरा में रहते हैं। इस मामले में वही डीएम को कागज उपलब्ध करवा रहे हैं। इस पर मनोज कहते हैं, 'मैं भी यह बात समझता हूं, लेकिन हर चीज की एक लिमिट होती है। जब पानी सिर के

ऊपर निकल गया, तब हमें यह करना पड़ा।'

मनोज कहते हैं- 'यह जमीन नहीं, भावनाओं का मामला है। वो हमारी प्रॉपर्टी है। हमें ही वहां घुसने न दिया जाए, यह ठीक बात नहीं। हमने 7 सितंबर को डीएम साहब को संपत्ति से जुड़े कागज दिए हैं। महाराजजी का नाम घरौनी में दर्ज है। उनके बाद बेटों और फिर उनकी बेटियों का नाम दर्ज होना चाहिए। हमने परिवार रजिस्टर भी डीएम साहब को दिया है।'

ट्रस्ट के अधिकार पर मनोज बिना किसी का नाम लिए कहते हैं- 'किसी एक व्यक्ति के पास अधिकार होते हैं तो गड़बड़ी होती है। उसे लगता है कि वही सब कुछ है। हम चाहते हैं कि ट्रस्ट भंग करके सरकार अपने स्तर पर एक ट्रस्ट बनाए। इसमें फिरोजाबाद के डीएम पदेन अध्यक्ष, टूंडला के तहसीलदार और एक अन्य अधिकारी हों। अकबरपुर के अन्य लोग भी हों। ऐसा होने से ये अधिकारी लगातार

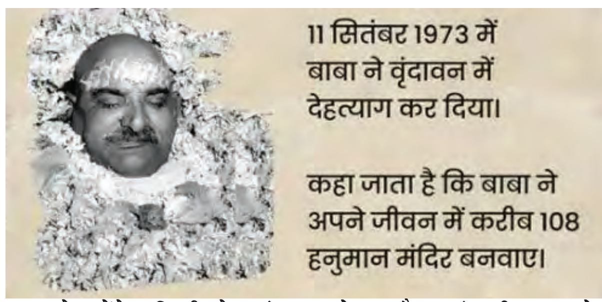

बदलते रहेंगे। किसी के अंदर परमानेंट वाली सोच नहीं आएगी।'

बाबा की पत्नी रामबेटी ने ही साल 1996 में श्री ठाकुर हनुमानजी ट्रस्ट बनाया था। अभी बाबा की बेटी गिरिजा भटेले इसकी अध्यक्ष हैं। 17 अन्य लोग भी इस ट्रस्ट में हैं। यह ट्रस्ट पूरे देश में बाबा से जुड़ी संपत्तियों का रखरखाव करता है। ट्रस्ट के एक पदाधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा- अभी तक कभी भी ट्रस्ट में किसी तरह का विवाद नहीं हुआ।

आगे भी विवाद की संभावना नहीं है। ये जबरदस्ती का विवाद बनाया गया है। सत्य की जीत होती है। विवाद करने वाले लोग खुद शांत हो जाएंगे।

नीम करौली बाबा की जन्मभूमि पर पर्यटन विभाग का विशेष फोकस है। यहां करीब 9 करोड़ की लागत से आधुनिक कन्वेंशन सेंटर भी बन रहा है। इसमें मल्टी पर्पज हॉल, सांस्कृतिक ब्लॉक और एक आधुनिक एग्जीबिशन हॉल बनाया जा रहा है। एग्जीबिशन हॉल में नीम करौली बाबा से जुड़ी चीजें रखी जाएंगी।

पिछले दिनों यूपी के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह फिरोजाबाद गए थे। तब उन्होंने कहा था कि हम इस इलाके को धार्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित कर रहे हैं।

इससे स्थानीय रोजगार और आर्थिक गतिविधियां भी बढ़ेंगी। हमारी कोशिश है कि यहां आने वाले हर व्यक्ति को सुगम कनेक्टिविटी, आधुनिक सुविधाएं और आध्यात्मिक अनुभव मिले।

छठ पूजा के प्रति मेरे मन में हमेशा से बहुत सम्मान रहा है: तमन्ना भाटिया

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया की फिल्म 'द व्वान' के जरिए बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के लिए तैयार है। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा मुख्य किरदार में हैं। फिल्म की खास बात यह कि इसमें आस्था का महापर्व छठ पूजा के महत्व को दिखाया गया है। अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने फिल्म में 'छठी मैया' गाने की तैयारी के बारे में बताया। तमन्ना ने बताया कि इस भक्ति गीत के साथ पूरा न्याय करने के लिए उन्होंने छठ के महत्व को समझने और उसके बारे में पढ़ने पर खास ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि छठ पूजा के प्रति मेरे मन में हमेशा से बहुत सम्मान रहा है। गाने की शूटिंग शुरू करने से पहले, मैंने इस रस्म के महत्व और बिहार व पटना में इसे कैसे मनाया जाता है, यह समझने में काफी समय बिताया। सच कहूं तो, इसकी शक्ति के बारे में जानकर मैं हैरान रह गई। छठी मैय्या के साथ

मैंने जो गहरा जुड़ाव महसूस किया, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। मैंने खुद को उनसे बहुत गहराई से जुड़ा हुआ पाया।

अभिनेत्री ने कहा कि छठ पूजा 'द व्वान' का एक बहुत अहम हिस्सा है और मैं इस रस्म का अनुभव किसी और तरीके से नहीं करना चाहती थी। विशाल मिश्रा ने 'छठी मैय्या' गाना गाया है। इस दिल को छू लेने वाले गाने के बोल कौशल किशोर ने लिखे हैं और कोरियोग्राफी चिन्नी प्रकाश ने की है। इस फिल्म को लेकर फैंस काफी उत्साहित हैं; फिल्म में पहली बार सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। सोशल मीडिया पर इस फिल्म को लेकर काफी चर्चा है।

फैंस की माने तो बॉक्स पर फिल्म अच्छा बिजनेस करेगी। 'द व्वान' 25 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का एक रोमांटिक गाना हाल ही में रिलीज किया गया। जिसे दर्शकों के द्वारा भरपूर प्यार मिला है।

गैंगस्टर बनना चाहती हैं मालविका मोहनन

साउथ इंडस्ट्री की पॉपुलर अभिनेत्री मालविका मोहनन बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सरदार 2' की रिलीज के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वे भविष्य में गैंगस्टर का रोल निभाना चाहेंगी। दरअसल, सोशल मीडिया पर सवाल जवाब के दौरान अभिनेत्री से एक फैन ने पूछा कि वो आगे किस तरह के रोल करना चाहती हैं, तो मालविका ने कहा, मैं गैंगस्टर का रोल करना चाहती हूं।

इसके साथ ही उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म 'सरदार 2' के को-स्टार कार्थी के बारे में भी बताया। एक और फैन ने पूछा कि खाने का शौकीन कौन है, तो एक्ट्रेस ने कहा, हम दोनों को ही खाना और स्नैकिंग बहुत पसंद है। मुझे तो कभी भी, कहीं भी स्नैक खाना अच्छा लगता है और प्रमोशन के दौरान मुझे लगा कि कार्थी सर भी मेरे जैसे ही हैं।

फिल्म 'सरदार 2' में अभिनेत्री मालविका मोहनन के साथ अभिनेता कार्थी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

पी.एस. मित्रन के निर्देशन में बनी फिल्म साल 2022 की हिट फिल्म 'सरदार' का सीक्वल है। साथ ही, यह फिल्म प्रीक्वल का भी काम करती है, जिसमें एजेंट सरदार (चंद्र बोस) के अतीत

और उनके बेटे विजय प्रकाश की कहानी को आगे दिखाया जाएगा।

डायरेक्टर पी एस मिथरन ने 'सरदार' में पानी के व्यवसायीकरण के मुद्दे को उठाया था। ये फिल्म बड़ी ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। अब इस स्पाई थ्रिलर के दूसरे पार्ट में डायरेक्टर ने सेहत और हाइजीन से जुड़े मुद्दों को दिखाने की कोशिश की है।

फिल्म में कार्थी एक बार फिर पिता (चंद्रबोस उर्फ सरदार) और पुत्र (इंस्पेक्टर विजय प्रकाश) की दोहरी भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी चंद्रबोस के अतीत के एक अधूरे मिशन और उससे जुड़े पुराने जख्मों से जुड़ी है, जो वर्तमान में एक नए और खतरनाक अंतरराष्ट्रीय खतरे के रूप में लौटती है।

इस सीक्वल में एसजे सूर्या एक खूंखार और शक्तिशाली 'ब्लैक डैगर' की भूमिका निभा रहे हैं, जो कार्थी के सामने एक बड़ी चुनौती बनते हैं। फिल्म में मालविका मोहनन, आशिका रंगनाथ और राजिशा विजयन महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा, फिल्म में योगी बाबू और अन्य जाने-माने कलाकार भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। यह फिल्म तमिल, तेलुगु, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में 10 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।

चेक बाउंस केस में राजपाल यादव के सरेंडर पर रोक लेकिन 5 करोड़ जमा करना : सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अभिनेता और कॉमेडियन राजपाल यादव और उनकी पत्नी की याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई। इस याचिका में दिल्ली हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें कई चेक बाउंस मामलों में उनकी सजा को बरकरार रखा गया था। कोर्ट ने उन्हें 5 करोड़ रुपए जमा करने की शर्त पर सरेंडर करने से छूट दे दी। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) की बेंच (जिसमें चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहना शामिल थे) ने सुप्रीम कोर्ट में स्पेशल लीव पिटीशन (एसएलपी) का जिक्र होने के बाद उन्हें सुनवाई के लिए स्वीकार किया और सशर्त नोटिस जारी किया, जिसका जवाब 15 सितंबर तक देना था। सीजेआई कांत की

अध्यक्षता वाली बेंच ने अपने आदेश में कहा, मौखिक रूप से ज़िक्र किए जाने पर, स्पेशल लीव पिटीशन को सुनवाई के लिए स्वीकार किया जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने आगे निर्देश दिया कि याचिकाकर्ताओं को सरेंडर करने से छूट दी जाएगी, बशर्ते वे बुधवार तक शीर्ष अदालत की रजिस्ट्री में 5 करोड़ रुपए जमा करें। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया, याचिकाकर्ताओं द्वारा कल तक इस अदालत की रजिस्ट्री में 5 करोड़ रुपए जमा करने की शर्त पर, उन्हें सरेंडर करने से छूट दी जाती है।

ये एसएलपी राजपाल यादव और उनकी पत्नी ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती देते हुए दायर की हैं, जिसमें 'नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट' के तहत चेक बाउंस होने के सात मामलों में उनकी सजा को बरकरार रखा गया था।

दिल्ली हाई कोर्ट ने 10 जुलाई को राजपाल यादव की सजा को बरकरार रखा था, लेकिन सात मामलों में से प्रत्येक में उनकी सजा को छह महीने से घटाकर तीन महीने की साधारण कैद कर दिया था। कोर्ट ने हर मामले में जुर्माना भी 1.60 करोड़ रुपए से घटाकर 1.05 करोड़ रुपए कर दिया था और सभी मुख्य सजाओं को एक साथ चलाने का निर्देश दिया था।

हाई कोर्ट ने कार्यवाही के दौरान शिकायतकर्ता मेसर्स मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड को अभिनेता द्वारा पहले ही किए गए भुगतान को ध्यान में रखा था। सुप्रीम कोर्ट के समक्ष दायर याचिकाओं में तर्क दिया गया कि हाई कोर्ट पार्टियों के बीच बाद में हुए उस सहमति समझौते पर विचार करने में विफल रहा, जिसके तहत कथित तौर पर पहले दिए गए सिक्योरिटी चेक वापस किए जाने थे और नए चेक जारी किए जाने थे।

सभी लोगों से खूब मेहनत करवाते हैं अक्षय कुमार : राशि खन्ना

अक्षय कुमार के जन्मदिन पर फैंस के साथ-साथ सेलेब्स भी उन्हें बधाई दे रहे हैं। इस कड़ी में राशि खन्ना ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी और उनके साथ बिताए एक मजेदार पल का वीडियो भी साझा किया है। इस वीडियो में अक्षय कुमार, विद्या बालन और राशि खन्ना साथ में डांस करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में अक्षय अपने खास अंदाज में डांस करते दिख रहे हैं और पीछे एक प्राइवेट जेट भी नजर आ रहा है। राशि ने इस वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, "उस इंसान के नाम, जो अपने आसपास के सभी लोगों से खूब मेहनत करवाते हैं और उससे भी ज्यादा हंसाते हैं। ज्यादा डांस और ज्यादा शरारत करते हैं। जन्मदिन मुबारक हो, अक्षय सर! वीडियो में अक्षय, विद्या और राशि, तीनों की मस्ती लोगों को काफी पंसद आ रही है। बता दें कि अक्षय और राशि जल्द ही अनीस बज्मी की आने वाली फैमिली कॉमेडी फिल्म

में साथ दिखाई देंगे। फिल्म का नाम अभी सामने नहीं आया है, लेकिन इसकी स्टारकास्ट ने पहले ही लोगों की दिलचस्पी बढ़ा दी है। इसमें अक्षय कुमार और विद्या बालन की जोड़ी भी लंबे समय बाद फिर से साथ नजर आएगी। दोनों को इससे पहले एक साथ 'भूल भुलैया' में देखा गया था और अब एक बार फिर दोनों पर्दे पर साथ आने वाले हैं।

वहीं, अनीस बज्मी के साथ अक्षय की भी लंबे समय बाद वापसी हो रही है। दोनों ने इससे पहले 'वेलकम' में साथ काम किया था और अब करीब 15 साल बाद निर्देशक और अभिनेता की यह जोड़ी दोबारा साथ आई है।

इससे पहले अक्षय ने अपने बर्थडे पर आने वाली फिल्म 'हैवान' से जुड़ा एक वीडियो पोस्ट किया था और उसके साथ जिंदगी को देखने का अपना नजरिया भी बताया। उन्होंने कहा कि हर चीज वैसी नहीं होती जैसी पहली नजर में दिखाई देती है। कभी जो बुरा नजर आता है, उसके पीछे कोई दूसरी कहानी छिपी हो सकती है और जिसे हम अच्छा समझते हैं, जरूरी नहीं कि वह सच में वैसा ही हो।

अक्षय ने फिल्म का वीडियो साझा करते हुए लिखा, मेरे जन्मदिन पर एक छोटी-सी बात... जो बुरा दिखाई देता है, वह हमेशा बुरा नहीं होता, और जो अच्छा दिखाई देता है, वह हमेशा अच्छा नहीं होता। शायद यही बात मुझे 'हैवान' ने सिखाई है। इतने सालों से आपने मुझे जो प्यार दिया है, उसके लिए शुक्रिया।

मैं आपको अपना एक ऐसा रूप दिखाने वाला हूं, जिसे आपने पहले नहीं देखा है। सिनेमाघरों में मिलते हैं। प्यार और दुआओं के साथ, आपका अक्षय।

गौरतलब है कि अक्षय ने अपने फिल्मी करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन 'हैवान' में वह जिस रूप में नजर आने वाले हैं, वह उनके अब तक के किरदारों से काफी अलग है।

अक्षरा सिंह ने टाइगर श्रॉफ के साथ तस्वीरें शेयर कर बढ़ाई हलचल, बोलीं- 'कुछ तस्वीरें गैलरी में रखने के लिए नहीं होतीं'

भोजपुरी सिनेमा में अपनी खास पहचान बनाने के बाद अक्षरा सिंह अब हिंदी फिल्मों की तरफ भी कदम बढ़ा रही हैं और लगातार नए प्रोजेक्ट्स से जुड़ रही हैं। उन्होंने बताया था कि आने वाले समय में वह अभिनेता टाइगर श्रॉफ के साथ काम करने वाली हैं। अब अक्षरा ने टाइगर के साथ अपनी कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिसके चलते इस प्रोजेक्ट को लेकर लोगों की दिलचस्पी बढ़ गई है। अक्षरा सिंह ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की, जिनमें वह और टाइगर श्रॉफ साथ खड़े होकर कैमरे के लिए पोज देते नजर आ रहे हैं। अक्षरा रेड कलर की शर्ट में काफी स्टाइलिश लग रही हैं, वहीं टाइगर ग्रे कलर की जैकेट पहने दिखाई दे रहे हैं। दोनों तस्वीरों में मुस्कुराते हुए कैमरे की तरफ पोज दे रहे हैं। इन तस्वीरों के साथ अक्षरा ने पोस्ट में लिखा,

"आखिरकार... अपनी इन तस्वीरों के लिए फीड में जगह बनानी ही पड़ी। कुछ तस्वीरें ऐसी होती हैं, जिन्हें ज्यादा समय तक गैलरी में छिपाकर रखना ठीक नहीं लगता। अच्छी वाइब्स, जबरदस्त एनर्जी और उससे भी बेहतर इंसान... धन्यवाद टाइगर श्रॉफ।"

अक्षरा सिंह के बॉलीवुड सफर की बात करें तो भोजपुरी सिनेमा में अपनी पहचान बनाने के बाद अक्षरा के लिए हिंदी फिल्म जगत में कदम रखना करियर का नया मोड़ है। वह हिंदी फिल्म 'ईठा' में श्रद्धा कपूर के साथ नजर आने वाली हैं। फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर कर रहे हैं। अक्षरा ने इस फिल्म को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा था कि इसका हिस्सा बनना उनके लिए बहुत खास है और लक्ष्मण उतेकर के साथ काम करना उनके लिए एक बड़ा मौका है। उन्होंने श्रद्धा कपूर का भी शुक्रिया अदा किया और कहा कि वह इस अवसर के लिए उनकी आभारी हैं। इससे पहले वह 'वेलकम टू द जंगल' के एक स्पेशल गाने 'घिस घिस' में अक्षय कुमार के साथ नजर आई थी।

प्रीति जिंटा ने बॉलीवुड के 28 साल के सफर को किया याद बोलीं- अच्छा काम देने का दबाव आज भी वैसा ही

अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने जब 90 के दशक के आखिर में फिल्मों में कदम रखा था, तब बॉलीवुड का माहौल आज से काफी अलग था। कैमरे अलग थे, शूटिंग का तरीका अलग था और कलाकारों के लिए अपनी आवाज और अभिनय को लेकर भी एक अलग तरह की तैयारी करनी पड़ती थी। करीब 28 साल के अपने सफर में प्रीति ने न सिर्फ कई दौर की फिल्मों को देखा, बल्कि खुद उस बदलाव का हिस्सा भी बनीं, जिसने हिंदी सिनेमा को धीरे-धीरे नई दिशा दी। सिनेमा में आए बदलाव और अपने लंबे सफर को लेकर उन्होंने से बताया कि एक चीज उन्हें आज भी वैसी ही लगती है और वह है कलाकार पर अच्छा काम देने का दबाव। प्रीति ने अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा, मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे 90 के दशक के आखिर में फिल्मों में आने का मौका मिला। उस समय हिंदी सिनेमा में बदलाव की शुरुआत हो चुकी थी। फिल्म 'क्या कहना' एक अलग अनुभव लेकर आई। फिल्म की कहानी उस समय के हिसाब से अलग थी और एक नई अभिनेत्री के तौर पर उसमें काम करना मेरे लिए बेहद खास था।

प्रीति ने कहा, मेरे इंडस्ट्री में आने से पहले भी इस तरह की कहानियों पर फिल्में बन चुकी थीं, लेकिन मेरे लिए ऐसी फिल्म से शुरुआत करना काफी अलग बात थी। इसके कुछ ही समय बाद 'दिल चाहता है' आई और फिल्म बनाने के तरीके में भी बड़ा बदलाव देखने को मिला। फिल्म में लाइव साउंड का इस्तेमाल किया गया, जिससे डबिंग बंद हो गई।

प्रीति ने कहा, मैं उस बदलाव के समय का हिस्सा थीं। मेरे शुरुआती दिनों से लेकर आज तक फिल्में बनाने के तरीके में सबसे बड़ा ब द ला व तकनीक का है। पहले फिल्मों की शूटिंग फिल्म कैमरों से होती थी, लेकिन अब डि जि ट ल कैमरों ने उसकी ज ग ह ले ली है। इसके साथ ही बाद में फिल्म को ठीक करने के कई रास्ते भी मौजूद हैं, जो उनके शुरुआती दौर में नहीं थे। लेकिन एक चीज ऐसी है , जो आज भी नहीं बदली है और वह है कलाकार पर अच्छा काम देने का दबाव।

प्रीति ने बताया कि उनके शुरुआती दौर में विदेश में रहने वाले भारतीयों की प्रेम कहानियां खूब देखने को मिलती थीं। उस समय कई फिल्में भारतीय परिवारों और विदेश की पृष्ठभूमि के बीच घूमती थीं। अब फिल्मों का ध्यान धीरे-धीरे भारत से जुड़ी कहानियों की तरफ ज्यादा गया है। आज भारतीय होने पर गर्व, देश का इतिहास और सेना जैसे विषयों पर फिल्में बन रही हैं। कॉमेडी फिल्मों का अंदाज भी बदला है।

शिल्पा शेट्टी ने पति राज कुंद्रा को दी जन्मदिन की बधाई लिखा- तुम्हारे साथ जिंदगी और भी ज्यादा मजेदार है

शिल्पा शेट्टी के पति और अभिनेता राज कुंद्रा बुधवार को अपना जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने पति को जन्मदिन की बधाई दी। साथ ही पति के स्वास्थ्य, खुशी, प्यार, हंसी और समृद्धि से भरी जिंदगी की कामना की। अभिनेत्री ने राज कुंद्रा के साथ बिताए हुए पलों का एक मोंटाज वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, हर दिन मेरे लिए खास होता है, लेकिन आज का दिन कुछ ज्यादा ही खास है क्योंकि आज राज कुंद्रा आपका जन्मदिन है। भगवान करे आप हमेशा खुश रहे, सलामत रहे और आपकी जिंदगी प्यार और हंसी से भरी रहे।

शिल्पा शेट्टी ने लिखा, एक और साल तुम्हें परेशान करने, तुम्हारे साथ हंसने और जिंदगी के हर पल को साथ जीने के लिए। जन्मदिन मुबारक हो। तुम्हारे साथ जिंदगी और भी ज्यादा मीठी है।

शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा की पहली मुलाकात एक परफ्यूम ब्रांड के प्रमोशन और बिजनेस मीटिंग के दौरान हुई थी। दोनों ने कुछ समय डेटिंग करने के बाद 22 नवंबर 2009 को खंडाला, महाराष्ट्र में एक भव्य और शाही समारोह में शादी की थी।

यह शादी पंजाबी और बंट (दक्षिण भारतीय) परंपराओं के अनुसार हुई थी, क्योंकि शिल्पा शेट्टी कर्नाटक के बंट समुदाय से ताल्लुक रखती हैं और राज कुंद्रा पंजाबी परिवार से हैं। इस डेस्टिनेशन वेडिंग में शिल्पा ने प्रसिद्ध डिजाइनर तरुण तहलियानी की डिजाइन की हुई लगभग 50 लाख रुपये की साड़ी पहनी थी और उन्होंने करोड़ों रुपये के पारंपरिक गहने पहने थे।

इस दंपती के दो बच्चे हैं, एक बेटा जिसका नाम वियान राज कुंद्रा है और एक बेटी जिसका नाम समीषा शेट्टी कुंद्रा है। शिल्पा की बात करें तो, उन्हें आखिरी बार सोनल जोशी निर्देशित फिल्म 'सुखी' में देखा गया था। इसमें शिल्पा के साथ अमित साध, डेलनाज ईरानी, कुशा कपिला और पवलीन गुजराल लीड रोल में हैं।

ब्रिक्स 2026 : जब दुनिया संकट में थी, भारत ने दिखाया रास्ता

ब्रिक्स में में बदल गया भारत का रोल

- पहले करता था प्रतिनिधित्व की मांग।
- अब ग्लोबल सिस्टम को दे रहा नए समाधान।
- ग्लोबल इकोनॉमी के लिए गढ़ रहा नए रास्ते।

अब यूपीआई-एनडीबी से ग्लोबल सिस्टम बदलने की तैयारी

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। भारत इस हफ्ते ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है। इस दौरान नई दिल्ली की वैश्विक पहचान में एक अहम बदलाव देखने को मिल रहा है। अब भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सिर्फ़ अपने लिए जगह और बड़ी भूमिका की मांग नहीं करता, बल्कि अपने घरेलू स्तर पर विकसित और बड़े पैमाने पर लागू किए जा सकने वाले समाधानों के जरिए वैश्विक व्यवस्था को सक्रिय रूप से आकार देने की कोशिश कर रहा है।

2012 में जब दुनिया यूरोजोन के कर्ज संकट से जूझ रही थी, तब भारत ने ब्रिक्स की अध्यक्षता संभाली थी। इसके बाद 2016 में ब्रेक्जिट से पैदा हुई अनिश्चितताओं के बीच भी भारत ने समूह की कमान संभाली। इन दोनों मौकों पर भारत ने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय ढांचे में उभरती अर्थव्यवस्थाओं को अधिक प्रतिनिधित्व देने की लगातार वकालत की। बराबरी और बेहतर प्रतिनिधित्व की ये शुरुआती मांगें आगे चलकर न्यू डेवलपमेंट बैंक और कॉन्टिंजेंट रिजर्व एग्रीमेंट जैसे मजबूत संस्थागत ढांचों के रूप में सामने आईं। इसी दौर में रेनमिनबी यानी चीनी मुद्रा में पहला ग्रीन बॉन्ड जारी करने जैसी पहल भी हुई।

2021 में बदली रणनीति, वैक्सीन डिप्लोमेसी पर जोर

फिर आया साल 2021 और दुनिया के सामने एक बिल्कुल अलग तरह का वैश्विक संकट था। कोविड-19 महामारी ने वैश्विक व्यापार और सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को बुरी तरह प्रभावित कर दिया था। ऐसे समय में भारत ने वैक्सीन को भू-राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल करने के बजाय 'वैक्सीन डिप्लोमेसी' का रास्ता चुना। भारत ने विकासशील देशों के साथ ओपन-सोर्स डिजिटल हेल्थ रिपॉजिटरी यानी स्वास्थ्य संबंधी डेटा के खुले भंडार साझा किए। महामारी ने अर्थव्यवस्थाओं और सप्लाई चेन को बुरी तरह बाधित कर दिया था और वैक्सीन तक पहुंच भी एक बड़े भू-राजनीतिक मुद्दे में बदल गई थी। ऐसे माहौल में भारत ने खुद को सिर्फ़ वैश्विक सहयोग का लाभ उठाने वाले देश के तौर पर नहीं, बल्कि समाधान पेश करने वाले देश के रूप में स्थापित करने की कोशिश की।

2026 में भारत की नई प्राथमिकताएं

पांच साल बाद, 2026 में भारत एक बार फिर ब्रिक्स की कमान संभाल रहा है। इस बार इसकी थीम है- 'मजबूती, इनोवेशन, सहयोग और सस्टेनेबिलिटी के लिए निर्माण' (बिल्डिंग फॉर रेजिलिएंस इनोवेशन कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी)। भारत अपने घरेलू अनुभवों और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को एक साथ जोड़ रहा है, ताकि उभरती अर्थव्यवस्थाओं और 'ग्लोबल साउथ' की आवाज को और मजबूत किया जा सके।

ब्रिक्स में भारत का सफर घरेलू विकास से जुड़ा

एएनआई के साथ एक इंटरव्यू में ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन समीप शास्त्री ने बताया कि शुरुआती वर्षों में, जाहिर तौर पर हमारा ध्यान वैश्विक वित्तीय संस्थानों में उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए अधिक बड़ी आवाज और बेहतर प्रतिनिधित्व हासिल करने पर था। जैसे-जैसे ब्रिक्स का विस्तार और विकास हुआ, बातचीत अपने खुद के सिस्टम और संस्थान बनाने की दिशा में आगे बढ़ी। 'न्यू डेवलपमेंट बैंक' का गठन इस दिशा में एक अहम कदम था।

आज भारत के पास डिजिटल पेमेंट, फाइनेंशियल इन्क्लूजन (वित्तीय समावेशन), स्टार्टअप, रिन्यूएबल एनर्जी और सप्लाई चेन की मजबूती जैसे क्षेत्रों में व्यापक अनुभव है। भारत अब सिर्फ़ यह नहीं पूछ रहा है कि वैश्विक व्यवस्था को कैसे बदला जाना चाहिए, बल्कि वह यह भी बता सकता है कि उसके लिए क्या काम किया है। शास्त्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि ब्रिक्स के भीतर विचारों का आदान-प्रदान एकतरफा नहीं है। सदस्य देश एक-दूसरे के अनुभवों से सीखते हैं और अपने-अपने स्तर पर उन्हें अपनाने की संभावनाएं तलाशते हैं।

यूपीआई से डिजिटल समावेशन तक भारत का मॉडल

यह बताते हुए कि भारतीय आर्थिक मॉडल ब्रिक्स के इनोवेशन और मजबूती के विजन को किस तरह आगे बढ़ा सकते हैं, शास्त्री ने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में भारत के अग्रणी काम का उल्लेख किया। इसमें यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस की भूमिका विशेष रूप से अहम रही है। यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म ने दिखाया है कि टेक्नोलॉजी किस तरह लाखों लोगों को औपचारिक डिजिटल अर्थव्यवस्था से जोड़ सकती है। लेकिन भारत का अनुभव सिर्फ़ डिजिटल पेमेंट तक सीमित नहीं है। यह फाइनेंशियल इन्क्लूजन, एमएसएमई, रिन्यूएबल एनर्जी और किफायती हेल्थकेयर तक फैला हुआ है। ये सभी ऐसे क्षेत्रों में विकसित किए गए समाधान हैं, जहां भारत को अपनी विशाल और विविध आबादी के सामने आने वाली वास्तविक चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। शास्त्री ने कहा कि भारत का डिजिटल रोलआउट दूसरे देशों के लिए एक बुनियादी खाका पेश करता है। इसमें डिजिटल एक्सेस को निजी या किसी एक कंपनी के मालिकाना हक वाले प्लेटफॉर्म तक सीमित रखने के बजाय खुले और इंटरऑपरेबल सिस्टम तैयार किए जाते हैं।

रिश्ते तबाह करने का ऑनलाइन खेल

वाराणसी, 9 सितंबर (एजेंसियां)। पुलिस और साइबर सेल की जांच में 102 में फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट का इस्तेमाल कर युवतियों को बदनाम करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने महिलाओं के आपत्तिजनक फोटो-वीडियो और पोस्ट उनके दोस्तों, परिचितों और रिश्तेदारों तक पहुंचाए। नतीजा रहा कि 44 से ज्यादा महिलाओं के रिश्ते टूट गए। आरोप है कि ब्लैकमेलिंग से तंग तीन युवतियों समेत चार ने आत्महत्या की। दो साल में महिला अपराध से जुड़े 122 मामलों की जांच में सामने आए। आरोपियों ने महिलाओं के आपत्तिजनक वीडियो और पोस्ट दोस्तों, परिचितों और जानने वालों तक भेजे। पुलिस से बचने के लिए ज्यादातर पोस्ट दूसरे शहरों में रहकर किए गए। पुलिस ने जब जांच की तो सच्चाई सामने आई। ज्यादातर पोस्ट परिचित, जानने वाले और प्रेम प्रसंग से जुड़े रहे।

आरोपियों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से फर्जी अकाउंट बनाना सीखा, पुलिस से बचने के उपाय भी सर्च किए और नंबर भी बदले। इस मामले में केवल पुरुष ही नहीं बल्कि 13 युवतियों ने भी फर्जी अकाउंट बनाकर ब्लैकमेल किया। पुरुष ही नहीं फर्जी अकाउंट से रिश्तों को तोड़ने या शादी रुकवाने के 11 मामले सामने आए। युवतियों ने निजी अकाउंट का भी उपयोग किया। जैतपुरा, मंडुवाडीह, लंका, कैंट, पांडेयपुर और सारनाथ, बड़ागांव में मामले सामने आए। कुछ महीने पहले ही मुंबई की लड़की ने मंडुवाडीह में शादी रुकवा दी थी। जैतपुरा निवासी प्रेमी का किसी और से चक्कर के शक में युवती ने फर्जी अकाउंट बनाकर प्रयागराज में एक लड़की को ब्लैकमेल किया। इस मामले में प्रयागराज पुलिस ने जांच की। युवती ने माफी मांगी तब जाकर मामला शांत हुआ। सारनाथ में इंस्टाग्राम पर इश्क के बाद इन्कार करने पर युवती वाराणसी पहुंची और आरोपी को जेल भिजवाया। चौबेपुर में बीए छात्रा पर युवक शादी का दबाव बनाया। इन्कार करने पर फर्जी फेसबुक आईडी से फोटो-वीडियो वायरल किए।

पैसों के लालच में साइबर ठगों को बेच दिया खाता

दुर्ग में 6 आरोपी गिरफ्तार, 15 हजार तक कमीशन लिए, लाखों के लेनदेन का खुलासा

दुर्ग-भिलाई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। दुर्ग पुलिस ने साइबर ठगी की रकम बैंक खातों में मंगाकर आगे ट्रांसफर करने वाले 6 म्यूल बैंक खाताधारकों पर कार्रवाई की है। आरोपियों पर 2 हजार से 15 हजार रुपए तक के कमीशन के लालच में अपना बैंक खाता, पासबुक, एटीएम, चेकबुक और सिम कार्ड दूसरे लोगों को उपलब्ध कराने का आरोप है। पुलिस की जांच में इन खातों में लाखों रुपए से अधिक की संदिग्ध साइबर ठगी की रकम का लेनदेन सामने आया है। कार्रवाई सुपेला, भिलाई भट्ठी, भिलाई नगर थाना और एसीसीयू की टीम ने संयुक्त रूप से की। पुलिस के मुताबिक, साइबर अपराधों की जांच के दौरान ठगी की रकम जिन बैंक खातों में पहुंची, उनका बैंक लेनदेन और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर विश्लेषण किया गया। इस दौरान भिलाई भट्ठी, भिलाई नगर और सुपेला थाना क्षेत्र के कुछ खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी से मिली रकम को आगे भेजने और खपाने में किए जाने की जानकारी मिली।

पासबुक, एटीएम, चेकबुक और सिम कार्ड दिए

जांच में सामने आया कि खाताधारकों ने कमीशन के लालच में अपने बैंक खातों से जुड़े जरूरी दस्तावेज और साधन दूसरे व्यक्तियों को उपलब्ध कराए थे। इनमें पासबुक, एटीएम कार्ड, चेकबुक और सिम कार्ड शामिल हैं। इन खातों में साइबर ठगी से मिली रकम जमा होने के बाद उसे दूसरे बैंक खातों में ट्रांसफर किया जाता था। पुलिस ने बैंक लेनदेन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की।

तीन थानों में की गई कार्रवाई

8 सितंबर को पुलिस ने सुपेला थाना क्षेत्र के मामले में 3, भिलाई भट्ठी थाना क्षेत्र के मामले में 1 और भिलाई नगर थाना क्षेत्र के मामले में 2 आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी अपने या अन्य व्यक्तियों के बैंक खाते एजेंटों अथवा दूसरे लोगों के जरिए साइबर अपराधियों को उपलब्ध कराते थे। इसके बदले उन्हें कमीशन दिया जाता था।

खैर लकड़ी तस्करी, घर से मिला 81 लाख कैश

500-500 नोट के बंडल से भरा था थैला
फर्जी एनओसी से परिवहन, संपत्ति कुर्क

महासमुंद, 9 सितंबर (एजेंसियां)। महासमुंद में फर्जी एनओसी से 23.35 टन खैर (कत्था) लकड़ी के अवैध परिवहन के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने आरोपी मनीष अग्रवाल के घर से 81 लाख रुपए कैश बरामद किए हैं। यह रकम सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के मुड़पार गांव स्थित मकान से मिली। पुलिस ने रकम जब्त कर ली है और अपराध से अर्जित संपत्ति मानते हुए कुर्की की कार्रवाई कर रही है।

23,350 किलो खैर लकड़ी का अवैध परिवहन

पुलिस के अनुसार, वन परिक्षेत्र अधिकारी पिथौरा के आवेदन पर 23,350 किलोग्राम खैर लकड़ी के अवैध परिवहन का मामला दर्ज किया गया था। आरोप है कि इस दौरान फर्जी एनटीपीएस एनओसी तैयार कर उसे असली दस्तावेज की तरह इस्तेमाल किया गया। मामले में पिथौरा थाने में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपी मनीष अग्रवाल के मुड़पार स्थित मकान की तलाशी के लिए कोर्ट से सर्च वारंट लिया।

थैले में मिलीं 162 गड्डियां

पुलिस टीम ने 7 सितंबर 2026 को मुड़पार गांव स्थित मकान में तलाशी ली। कार्रवाई के दौरान मकान के केयरटेकर और गवाहों की मौजूदगी में एक थैला बरामद हुआ। पुलिस के मुताबिक, थैले में 500 रुपए के नोटों की 162 गड्डियां थीं। इन गड्डियों में कुल 16,200 नोट मिले, जिनकी कुल कीमत 81 लाख रुपए आंकी गई। पुलिस ने मौके पर ही पूरी रकम जब्त कर ली।

कोरर क्षेत्र में नक्सली हमले में 9 साल बाद फैसला

पुलिस पार्टी पर हमले के आरोपी नक्सली प्रभाकर, पत्नी राजे को 7-7 साल की कैद

कांकेर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। कोरर थाना क्षेत्र में 2015 में पुलिस पार्टी पर हुए जानलेवा हमले के मामले में विशेष न्यायालय (एनआईए एक्ट/अनुसूचित अपराध) ने अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने नक्सली संगठन के शीर्ष कैडर एसजेडसीएम प्रभाकर राव, उसकी पत्नी डीवीसीएम राजे कांगे समेत कुल 5 आरोपियों को दोषी करार देते हुए अलग-अलग धाराओं में सजा सुनाई है।

विशेष न्यायाधीश विभा पाण्डेय की अदालत ने गवाहों के बयान और पेश किए गए साक्ष्यों के आधार पर प्रभाकर राव और उसकी पत्नी राजे कांगे को बलवे की धारा 147 के तहत 2-2 साल की कैद और विधि विरुद्ध क्रिया-कलाप निवारण अधिनियम की धारा 38(2) व 39(2) के तहत 7-7 साल के सश्रम कठोर कारावास की सजा सुनाई। वहीं, शीर्ष नक्सलियों को पनाह और मदद देने वाले श्यामनाथ उसेंडी और रमेश कुमेटी को यूएपीए की धारा 19 के तहत 5-5 साल कैद की सजा दी गई है। इसके अलावा बोलेरो व बाइक से घुमाने और छिपाने में मदद करने वाले चिंतु ताम्रकार को आईपीसी की धारा 212 के तहत 2 साल की कैद और अर्थदंड से दंडित किया गया है।

घटना के 9 साल बाद हाथ आए थे पति-पत्नी:

सितंबर 2015 में कोरर थाना क्षेत्र के भैंसगांव-नागर मादी पहाड़ी पर सर्चिंग के लिए निकली पुलिस पार्टी पर प्रभाकर राव उर्फ बालमुरी नारायण, उसकी पत्नी राजे कांगे उर्फ निर्मला उर्फ मालती और उनके हथियारबंद साथियों ने अंधाधुंध फायरिंग की थी। जवानों की जवाबी कार्रवाई के बाद दोनों जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गए थे। पुलिस ने इनके खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की थी।

घटना के 9 साल बाद दिसंबर 2024 में सुरक्षाबलों ने प्रभाकर को अंतागढ़ इलाके से दबोचा। इसके बाद उसकी पत्नी राजे कांगे भी पकड़ी गई। पूछताछ में सामने आया कि कौड़ो साल्हेभाट (कोयलीबेड़ा) निवासी श्याम नाथ उसेंडी ने दोनों को अपने घर में पनाह दी थी। वहीं, कड़मे सिकसोड़ निवासी चिंतु ताम्रकार और दुर्गूकोंदल निवासी रमेश कुमेटी इन्हें बाइक और बोलेरो में घुमाने व रसद पहुंचाने का काम करते थे।

चतरा के गांव में पुलिस पर पथराव, दो दारोगा घायल

भीड़ नियंत्रित करने के लिए हवाई फायरिंग

चतरा, 9 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड के चतरा जिले के टंडवा में एक युवक और महिला को कथित तौर पर बंधक बनाए जाने की सूचना के बाद उन्हें मुक्त कराने गांव पहुंची पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। गुस्साए लोगों ने पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ पत्थरबाजी कर दी। हमले में दो थानों के प्रभारी सहित तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। उग्र भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने चार राउंड हवाई फायरिंग की। घटना मंगलवार देर शाम टंडवा थाना क्षेत्र के सिदपा गांव में हुई। पुलिस को सूचना मिली थी कि कामता निवासी मोहम्मद शाहबाज अंसारी और एक महिला को ग्रामीणों ने एक घर में रोक रखा है। सूचना मिलने पर टंडवा थाना प्रभारी पप्पू कुमार शर्मा पुलिस बल के साथ गांव पहुंचे। पुलिस के पहुंचने के बाद दोनों को वहां से निकालने की कोशिश शुरू हुई। इसी दौरान स्थिति बिगड़ गई। पुलिस के मुताबिक, शाहबाज के कुछ समर्थकों ने घर की एस्बेस्टस छत क्षतिग्रस्त कर हंगामा शुरू कर दिया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग जुट गए और पुलिसकर्मियों पर पथराव शुरू हो गया। हमले की सूचना पाकर सदर थाना पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची। हमले में टंडवा थाना प्रभारी पप्पू शर्मा के सिर और चेहरे पर चोट आई।

राहुल गांधी हमेशा भ्रामक और झूठे बयान देते हैं : रामदास आठवले

रायपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय राज्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य रामदास आठवले ने लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी हमेशा भ्रामक और झूठे बयान देते हैं। उन्होंने पत्रकारों से कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को वडोदरा में थे, जहां उन्होंने युवा पीढ़ी को संबोधित किया और भारत सरकार की उपलब्धियों के बारे में बताया कि पिछले 12 सालों में देश विकास के रास्ते पर कैसे आगे बढ़ा है।

इसके बावजूद विपक्ष कभी भी अच्छे कामों की सराहना करने का इरादा नहीं रखता। राहुल गांधी हमेशा झूठे बयान देते हैं। रामदास आठवले ने कहा, राहुल गांधी हमेशा झूठी बातें करते हैं, इसलिए पीएम मोदी ने बताया है कि ऐसे लोगों की बातों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। भारत सरकार आपके लिए काम कर रही है। युवा, महिला, किसान और सभी लोगों को न्याय मिलना चाहिए, इसके लिए, मौजूदा सरकार काम कर रही है। राहुल गांधी लोगों से झूठे वादे करने का प्रयत्न कर रहे हैं। इसलिए पीएम मोदी ने जेन-जी को वडोदरा के कार्यक्रम में बताया है कि ऐसे लोगों से सावधान रहें। केंद्रीय मंत्री ने अपने दौरे के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, आज मैं छत्तीसगढ़ आया हूं। मेरा बिलासपुर में कार्यक्रम है, इसलिए मैं बिलासपुर जाऊंगा। उससे पहले हमने यहां सरकारी अधिकारियों को भी बैठक के लिए आमंत्रित किया है। हमारे सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की कई योजनाएं हैं और हम यह समझना चाहते हैं कि यहां इन योजनाओं के तहत क्या किया जा रहा है। उन्होंने कहा, संविधान हमारे देश को डॉ. बीआर अंबेडकर ने दिया था और पूरा देश इसके सिद्धांतों के अनुसार चलता है। हमारा संविधान सभी धर्मों के लोगों - हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन, पारसी, लिंगायत और अन्य धर्मों के लोगों को समान न्याय प्रदान करता है। भारत का संविधान हर धर्म की रक्षा का प्रावधान करता है।

आरक्षण के मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि आरक्षण भारत देश को मजबूत करने के लिए लाया गया था। उन्होंने कहा, जब भारत का संविधान लिखने का वक्त आया था, तो बाबा साहेब अंबेडकर ने आरक्षण का जिक्र किया था। तब कुछ लोगों ने विरोध किया था, तो बाबा साहेब अंबेडकर ने बताया था कि देश को आगे बढ़ाना है तो लोगों को आरक्षण देने की आवश्यकता है। आरक्षण का फायदा हिंदू हो या मुस्लिम हो सभी को मिलता है। ऐसे में आरक्षण का विरोध करना ठीक नहीं है।

दो लाख की चोरी में पुलिस के हाथ खाली थे

फिर 'कोका' ने पहुंचाया चोरों के घर तक, ऐसे खुला राज

अंबिकापुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के दरिमा थाना क्षेत्र के मोतीपुर में दुकान से हुई करीब दो लाख रुपये की चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मामले में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से दो लाख आठ हजार 580 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। चोरी की वारदात का सुराग तलाशने में पुलिस डॉग 'कोका' की अहम भूमिका रही। पुलिस के मुताबिक, मोतीपुर भाठापारा निवासी सुरेश महाजन चार सितंबर को किसी काम से गुमला, झारखंड गए थे। अगले दिन वापस लौटने पर उन्होंने देखा कि दुकान से नकदी और डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर गायब है। इसके बाद उन्होंने दरिमा थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल के निर्देश पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। जांच के दौरान घटनास्थल से मिले एक कपड़े को पुलिस डॉग कोका को सूंघाया गया। पुलिस के अनुसार, कपड़े की गंध के आधार पर कोका संदिग्धों के घर तक पहुंचा। इसके बाद पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस की पूछताछ में सिद्धार्थ निषाद उर्फ रानू (25) और कबीर दास उर्फ विक्की (21), दोनों निवासी मोतीपुर, ने चोरी करना स्वीकार कर लिया।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट को तीन नए जजों की सौगात

11 से बढ़कर 14 हुई न्यायाधीशों की संख्या

बिलासपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की अनुशंसा और राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में तीन नए न्यायाधीशों की नियुक्ति की अधिसूचना जारी कर दी। नियुक्त किए गए न्यायाधीशों में संतोष शर्मा, सुषमा सावंत और सुधीर कुमार शामिल हैं। इन नियुक्तियों के बाद छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या 11 से बढ़कर 14 हो जाएगी। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 18 अगस्त 2026 को हुई बैठक में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के लिए इन तीनों न्यायिक अधिकारियों के नामों की अनुशंसा की थी। इसके बाद राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने पर केंद्र सरकार ने नियुक्ति संबंधी अधिसूचना जारी की। नवनियुक्त न्यायाधीश सुषमा सावंत ने न्यायिक सेवा में कई महत्वपूर्ण पदों पर जिम्मेदारियां संभाली हैं। वह महासमुंद, बिलासपुर और राजनांदगांव में जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में कार्य कर चुकी हैं। इसके अलावा उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी की निदेशक, बिलासपुर कुटुंब न्यायालय की प्रधान न्यायाधीश और छत्तीसगढ़ शासन के विधि एवं विधायी कार्य विभाग में अतिरिक्त सचिव के रूप में भी सेवाएं दी हैं। वर्तमान में सुषमा सावंत इसी विभाग में प्रधान सचिव के पद पर कार्यरत हैं।

सुधीर कुमार ने भी प्रदेश के कई जिलों में न्यायिक पदों पर काम किया है। वह रायपुर में प्रधान न्यायाधीश, कुटुंब न्यायालय और विशेष न्यायालय में जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। इसके अलावा बिलासपुर, जशपुर, कोरबा, महासमुंद, दंतेवाड़ा, धमतरी और दुर्ग समेत कई जिलों में न्यायिक सेवाएं दे चुके हैं।

छत्तीसगढ़ में 22 सितंबर से थमेंगे बसों के पहिए

किराया बढ़ाने की मांग, महासंघ बोला- 4 महीने पहले प्रस्ताव भेजा, अब तक फैसला नहीं हुआ

रायपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में डीजल की बढ़ती कीमतों के बावजूद यात्री बसों का किराया नहीं बढ़ाए जाने से नाराज बस ऑपरेटरों ने प्रदेशव्यापी हड़ताल की चेतावनी दी है। छत्तीसगढ़ यातायात महासंघ ने कहा है कि मांगों पर जल्द फैसला नहीं हुआ तो 22 सितंबर से प्रदेशभर में यात्री बसों का संचालन पूरी तरह बंद कर दिया जाएगा।

महासंघ के अध्यक्ष के मुताबिक, पिछले तीन साल से अधिकारियों ने बस ऑपरेटरों के साथ बैठक नहीं की है। किराया बढ़ाने का प्रस्ताव चार महीने पहले भेजा जा चुका है, लेकिन अब तक इस पर कोई फैसला नहीं हुआ है। हड़ताल होने पर रोजाना बसों से सफर करने वाले हजारों यात्रियों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

रायगढ़ से कोरबा ले जाकर नाबालिग से रेप

जनमाष्टमी मेला दिखाने का झांसा देकर भगा ले गया, होटल में वारदात

रायगढ़, 9 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में नाबालिग को जन्माष्टमी मेला दिखाने के बहाने युवक कोरबा ले गया। वहां होटल में रुककर उसके साथ रेप किया। नाबालिग के घर से जाने के बाद परिजनों की सूचना पर पुलिस ने केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की। पुलिस ने आरोपी को किरोड़ीमल क्षेत्र से गिरफ्तार कर नाबालिग को बरामद कर लिया है। मामला कोतरा रोड थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, कोतरा रोड क्षेत्र में रहने वाली महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी 16 साल की बेटी 4 सितंबर को बिना कुछ बताए घर से कहीं चली गई है। परिजनों ने किसी अज्ञात व्यक्ति के बहला-फुसलाकर उसे भगा ले जाने की आशंका जताई। पुलिस ने मामले में धारा 137(2) बीएनएस के तहत अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने नाबालिग के परिजनों और सहेलियों से पूछताछ की। साथ ही उसके सोशल मीडिया अकाउंट्स की जांच की गई। इसमें नाबालिग के कोरबा जिले के अनूप साह के संपर्क में होने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस संदेही अनूप साह के संबंध में जानकारी जुटाने लगी। इसी दौरान मुखबिर से अनूप के किरोड़ीमल क्षेत्र में देखे जाने की सूचना मिली। पुलिस ने तत्काल संदेही को किरोड़ीमल नगर क्षेत्र में पकड़ा। उसके साथ गुम नाबालिग भी मिली। महिला पुलिस अधिकारी ने नाबालिग से पूछताछ की। उसने बताया कि करीब चार माह पहले चांपा से रायगढ़ आते समय ट्रेन में उसकी पहचान अनूप साह (23) निवासी पुरानी बस्ती कोरबा से हुई थी।

अब तेल से आगे होगी बात, मोदी के पास लिस्ट है तैयार

पुतिन के दिल्ली दौरे पर दुनिया की नजर

नई दिल्ली,9 सितंबर (एजेंसियां)। इस हफ्ते राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन नई दिल्ली आएंगे। पूरी दुनिया की नजर इस पर होगी। भारत-रूस इस दौरान अपने आर्थिक रिश्तों को और बढ़ाने की कोशिश करेंगे। अभी इन रिश्तों में कच्चे तेल (क्रूड) का दबदबा है। लेकिन, आगे चलकर व्यापार में विविधता, रक्षा क्षेत्र में मिलकर उत्पादन, निवेश और लोकल करेंसी में पेमेंट जैसे मुद्दे अहम हो सकते हैं। पुतिन 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले 11 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे। ये बैठकें ऐसे समय में हो रही हैं जब भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए रूसी तेल बहुत अहम हो गया है। वहीं, इन खरीद को लेकर भू-राजनीतिक दबाव भी बढ़ गया है।

भारत के क्रूड इंपोर्ट में रूसी तेल की हिस्सेदारी

जुलाई में भारत के कच्चे तेल (क्रूड) के आयात में रूस की हिस्सेदारी लगभग 51 फीसदी थी। यानी 24.7 लाख बैरल प्रतिदिन। अगस्त में आयात घटकर 20.8 लाख बैरल प्रतिदिन हो गया। इससे रूस की हिस्सेदारी घटकर लगभग 45 फीसदी रह गई। यूक्रेन युद्ध से पहले रूस भारत के कच्चे तेल के आयात में सिर्फ 2-3 फीसदी का योगदान देता था। नई दिल्ली ने बार-बार यह साफ किया है कि खरीद का फैसला ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जाएगा। विदेश मंत्रालय ने 5 सितंबर को फिर से कहा कि भारत की ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हित और अपने लोगों की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने की आवश्यकता से तय होती है।विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी कहा है कि रूसी तेल की खरीद रोकने से रूस-यूक्रेन संघर्ष खत्म नहीं होगा। इसके लिए बातचीत और कूटनीति की जरूरत होगी।

तेल खरीद से व्यापार असंतुलन की स्थिति

तेल आयात में भारी बढ़ोतरी से दोनों देशों के बीच व्यापार तो बढ़ा है। लेकिन, यह काफी हद तक एकतरफा हो गया है।

रूस के साथ भारत का व्यापार घाटा वित्त वर्ष 2021-22 में 6.62 अरब डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 58.9 अरब डॉलर हो गया। फिर वित्त वर्ष 2025-26 में यह घटकर 50.9 अरब डॉलर रह गया। पिछले साल आयात 55 अरब डॉलर से ज्यादा था। इसमें अकेले कच्चे तेल की हिस्सेदारी लगभग 40.8 अरब डॉलर थी।लिहाजा, आगे के रिश्तों में इंजीनियरिंग के सामान, दवाओं, रसायनों, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और कृषि उत्पादों जैसे क्षेत्रों में भारतीय निर्यात बढ़ाने पर फोकस किए जाने की संभावना है।

फोकस में रहेगा डिफेंस इंपोर्ट

फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशंस के अध्यक्ष एस.सी. रल्हन ने कहा, 'ब्रिक्स को अब रणनीतिक बातचीत से आगे बढ़कर ठोस व्यावसायिक नतीजों की ओर बढ़ना चाहिए। भारतीय व्यवसायों के लिए इसका असली फायदा बाजार तक आसान पहुंच, मजबूत सप्लाई-चेन पार्टनरशिप, निवेश का प्रवाह, तकनीक, सहयोग और कुशल भुगतान प्रणालियों में होगा।'रक्षा क्षेत्र भी इन रिश्तों का अहम स्तंभ बना हुआ है। 2019 और 2024 के बीच भारत के डिफेंस इंपोर्ट में रूस की हिस्सेदारी लगभग 36.5 फीसदी थी। हालांकि, 2007-12 के दौरान यह हिस्सेदारी लगभग 78 फीसदी थी। इसमें काफी कमी आई है।

'हथकड़ियां तैयार हैं', ट्रंप प्रशासन के एक्शन से आईटी शेयरों में हाहाकार, 55,000 करोड़ स्वाहा

नई दिल्ली,9 सितंबर (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज भारी गिरावट आई है। इस गिरावट में आईटी शेयरों का सबसे ज्यादा योगदान रहा। आईटी इंडेक्स में तीन फीसदी से ज्यादा गिरावट आई और आईटी शेयरों की कुल मार्केट वैल्यू में करीब 55,000 करोड़ स्वाहा हो गए।

इस गिरावट की वजह अमेरिका में ट्रंप प्रशासन का एक एक्शन है। अमेरिका ने जानकार की परमानेंट लेबर सर्टिफिकेशन फाइलिंग को सस्पेंड कर दिया। सरकार ने इसे कथित वीजा धोखाधड़ी के खिलाफ अभियान बताया है। लेकिन इसके असर को लेकर भारतीय आईटी सेक्टर की चिंताएं फिर से बढ़ गईं हैं।

इन्फोसिस और एचसीएल के शेयरों में 4% से ज्यादा गिरावट आई। इसी तरह टेक महिंद्रा और पर्सिस्टेंट सिस्टम्स के शेयर 3% से ज्यादा फिसल गए जबकि टीसीएस, एम्फैसिस, विप्रो और एलटीआईमाइंडट्री में 2% से अधिक गिरावट देखी गई। अमेरिका के लेबर डिपार्टमेंट ने परमानेंट लेबर सर्टिफिकेशन प्रोग्राम के तहत कॉग्निजेंट की फाइलिंग को सस्पेंड कर दिया।

हथकड़ियां तैयार हैं

इसे आमतौर पर पीईआरएम कहा जाता है। यह प्रक्रिया उन एम्प्लॉयर्स के लिए एक अहम कदम है जो रोजगार-आधारित ग्रीन कार्ड के लिए विदेशी कर्मचारियों को स्पॉन्सर करना चाहते हैं। लेबर डिपार्टमेंट के इंस्पेक्टर जनरल एंथनी डी'एस्पोसिटो ने इसकी घोषणा की। फेडरल अधिकारी कथित धोखाधड़ी और अमेरिकी कर्मचारियों को संभावित नुकसान की जांच कर रहे हैं। डी'एस्पोसिटो ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, कॉग्निजेंट की पीईआरएम फाइलिंग सस्पेंड कर दी गई हैं। अमेरिकी कर्मचारियों के लिए खतरों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। धोखाधड़ी खत्म करने के लिए व्हाइट हाउस टास्क फोर्स के साथ मिलकर हम तथ्यों, धोखाधड़ी और फाइनेंस की जांच कर रहे हैं। हथकड़ियां तैयार हैं।

क्या है पीईआरएम ?

कॉग्निजेंट ने एक दिन पहले ही अपने यूएस वर्कफोर्स के विस्तार की घोषणा की थी। कंपनी ने कहा कि वह 1,500 कॉलेज ग्रेजुएट्स को हायर करेगी। साथ ही अपने फ्रंटियर सर्टिफाइड इंजीनियर और फ्रंटियर बिजनेस ऑपरेटर वर्कफोर्स को बढ़ाकर 15,000 लोगों तक ले जाएगी।

शेयर बाजार में गिरावट का दौर जारी

सेंसेक्स 813 अंक टूटा, निफ्टी 23450 के नीचे बंद

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जाने का असर भारतीय शेयर बाजार पर साफ दिखाई दिया। सेंसेक्स और निफ्टी बुधवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स में 813.35 अंक की बड़ी गिरावट दर्ज की गई, जबकि निफ्टी 23,450 के स्तर से नीचे आ गया। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 813.35 अंक यानी 1.08 फीसदी टूटकर दिन के निचले स्तर 74,764.23 अंक पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 203.60 अंक यानी 0.86 फीसदी गिरकर 23,431.50 अंक पर आ गया।

आईटी शेयरों में बिकवाली से बाजार पर दबाव

बाजार में आईटी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली और विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी ने निवेशकों की चिंता बढ़ाई। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में एचसीएल टेक सबसे ज्यादा 4.55 फीसदी टूटा। इसके अलावा इंफोसिस, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर भी प्रमुख गिरावट वाले शेयरों में शामिल रहे। दूसरी ओर अडाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, ट्रेंट और एनटीपीसी बढ़त के साथ बंद हुए।

100 डॉलर के पार पहुंचा ब्रेंट क्रूड

वैश्विक तेल बाजार में तेजी ने भी भारतीय बाजार की चिंता बढ़ाई। अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 2.67 फीसदी उछलकर 100.5 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर के मुताबिक, भारतीय शेयर बाजार में लगातार तीसरे सत्र गिरावट जारी रही। महंगा कच्चा तेल, भू-राजनीतिक तनाव और बाजार में बढ़ी अस्थिरता ने निवेशकों के भरोसे पर दबाव डाला और बाजार में मंदी का रुख मजबूत हुआ। बाजार में बढ़ती चिंता का असर इंडिया VIX पर भी दिखा। इसमें छह फीसदी से ज्यादा की तेजी आई। यह निकट अवधि के बाजार को लेकर बढ़ती सावधानी और हेजिंग गतिविधियों में इजाफे का संकेत है।

विदेशी निवेशकों ने भी की बिकवाली

एक्सचेंज के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 123.19 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। इससे भी घरेलू बाजार की धारणा पर दबाव बढ़ा।एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कोस्पी और शंघाई का एसएसई कंपोजिट इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं, जापान का निक्केई 225 और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट में रहे।

भारत में एलन मस्क की स्टारलिंक की एंट्री का रास्ता साफ

सैटेलाइट इंटरनेट के लिए स्पेक्ट्रम आवंटन को मिली मंजूरी

नई दिल्ली,9 सितंबर (एजेंसियां)। एलन मस्क की स्टारलिंक, सुनील भारती की यूटेलसैट वनवेब और मुकेश अंबानी की रिलायंस जियो जैसी कंपनियों के लिए भारत में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सर्विस शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। डिजिटल कम्युनिकेशंस कमीशन ने सैटेलाइट स्पेक्ट्रम आवंटन पर टेलीकॉम रेगुलेटर टीआरएआई की सिफारिशों को मंजूरी दे दी है। डीसीसी टेलीकॉम और डिजिटल कम्युनिकेशन पॉलिसी के लिए सबसे बड़ी संस्था है। टीओआई की एक रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि सैटेलाइट सर्विस प्रोवाइडर्स को पांच साल के लिए स्पेक्ट्रम मिलने की संभावना है। उन्हें एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू का 5% स्पेक्ट्रम यूसेज चार्ज देना होगा। ग्रामीण और दूर-दराज के इलाकों में सैटेलाइट कनेक्टिविटी देने वाली कंपनियों को कम चार्ज देना पड़ सकता है।

कितना होगा चार्ज?

स्टारलिंक, यूटेलसैट वनवेब और रिलायंस जियो कमर्शियल सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सर्विस शुरू करने के लिए स्पेक्ट्रम आवंटन पर स्पष्टता का इंतजार कर रहे थे। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक को भारत में सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सर्विस देने का लाइसेंस पहले ही मिल चुका है और उसने रेगुलेटरी जरूरतों को पूरा करने के लिए जमीनी इन्फ्रास्ट्रक्चर भी तैयार कर लिया है। ट्राई ने पिछले मई में सैटेलाइट-बेस्ड कमर्शियल कम्युनिकेशन सर्विस के लिए स्पेक्ट्रम आवंटन पर कुछ सिफारिशें जारी की थीं। इसमें सिफारिश की गई थी कि जीएसओ/एनजीएसओ-बेस्ड फिक्स्ड सैटेलाइट सर्विस और जीएसओ/एनजीएसओ-बेस्ड मोबाइल सैटेलाइट सर्विस के लिए सालाना न्यूनतम स्पेक्ट्रम चार्ज 3,500 रुपये प्रति एमएचज़ेड होना चाहिए।रेगुलेटर चाहता है कि यह अहम कनेक्टिविटी यूजर्स को किफायती कीमत पर मिले। टीआरएआई का मानना है कि स्पेक्ट्रम के लिए बहुत ज्यादा मिनिमम चार्ज से छोटी सैटेलाइट कंपनियों पर बुरा असर पड़ सकता है।साथ ही वे लोग भी प्रभावित हो सकते हैं जो डिफेंस, इमरजेंसी कम्युनिकेशन, पब्लिक यूटिलिटी और दूर-दराज के इलाकों में कनेक्टिविटी जैसी जरूरी सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम का इस्तेमाल करते हैं।

चांदी 1,891 बढ़कर 2.36 लाख किलो पर पहुंची

सोना 355 महंगा होकर 1.53 लाख का 10 ग्राम हुआ, आगे और बढ़ सकते हैं दाम

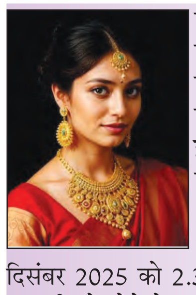

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 9 सितंबर को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 355 रुपए बढ़कर 1.53 लाख रुपए पर पहुंच गई है। वहीं एक किलो चांदी की कीमत आज 1,891 रुपए बढ़कर 2.36 लाख रुपए हो गई है।

इस साल सोना 20 हजार महंगा हो चुका

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 20 हजार रुपए महंगा हो चुका है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.53 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.36 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

भारत का अर्थशास्त्र बदलने का दम रखते हैं ये नए कॉरिडोर, चीन की बढ़ेगी टेंशन

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ने इंफ्रास्ट्रक्चर का एक नया काम पूरा किया है। इसे सप्लाई-चेन वंडर (चमत्कार) बताया जा रहा है। यह देश के बड़े हिस्से में सामान लाने-ले जाने के अर्थशास्त्र के साथ ही भारत की आर्थिक किस्मत को भी बदल सकता है। वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) के पूरी तरह चालू होने के साथ 2,843 किमी का ईस्टर्न और वेस्टर्न डीएफसी नेटवर्क मालगाड़ियों को भारत के दो सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक रास्तों पर अपनी खुद की ज्यादा क्षमता वाली रेलवे लाइन देता है। इसका तुरंत फायदा यह है कि सामान लाने-ले जाने में कम समय लगेगा। भरोसा बढ़ेगा। इससे ट्रांसपोर्ट और इन्वेंट्री में फंसा हुआ बिजनेस का पैसा कम हो सकता है। बड़ा फायदा इसके बाद मिलेगा। ज्यादा प्रतिस्पर्धी एक्सपोर्ट। मैन्युफैक्चरिंग का बड़ा आधार। खनिजों और कृषि उत्पादों का सस्ता ट्रांसपोर्ट। भारत के मौजूदा रेलवे और सड़क नेटवर्क पर ज्यादा क्षमता। ये सभी फायदे एक साथ मिलेंगे।

चीन की बढ़ने वाली है टेंशन

जब भारत में कच्चा माल आसानी से और सस्ते में उपलब्ध होगा तो ग्लोबल कंपनियां 'चीन+1' रणनीति के तहत अपने मैन्युफैक्चरिंग ठिकाने चीन से हटाकर भारत में शिफ्ट करने के लिए आकर्षित होंगी। सप्लाई-चेन में भारत की यह बढ़ती विश्वसनीयता और लागत-प्रतिस्पर्धा सीधे तौर पर चीन के ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग वर्चस्व को चुनौती देगी। इससे वैश्विक व्यापार में अपना दबदबा खोने का चीन का डर और तनाव बढ़ना तय है।

इसलिए किया गया है डिजाइन

डीएफसी प्रोजेक्ट को एक ऐसी साधारण समस्या को हल करने के लिए डिजाइन किया गया था जो दशकों से भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए परेशानी का सबब बनी हुई थी। भारत के सबसे व्यस्त रेलवे रूटों पर पैसेंजर और मालगाड़ियां एक ही ट्रैक पर चलती हैं। जैसे-जैसे ट्रैफिक बढ़ा, मालगाड़ियों को पैसेंजर ट्रेनों के लिए इंतजार करना पड़ता था। रेलवे उतनी कुशलता से लंबी या भारी मालगाड़ियां नहीं चला पाती थी जितनी वह चाहती थी। इसका समाधान था - सिर्फ मालगाड़ियों के लिए अलग रेलवे लाइनें बनाना। यह 'गोल्डन क्वाड्रिलेटरल' के बाद सबसे बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट था।

बहुत बड़ा है नेटवर्क

वेस्टर्न डीएफसी उत्तर प्रदेश के दादरी से मुंबई के पास जवाहरलाल नेहरू पोर्ट तक 1,506 किलोमीटर तक फैला है। ईस्टर्न डीएफसी पंजाब के लुधियाना से बिहार के सोननगर तक 1,337 किलोमीटर तक। ये दोनों मिलकर देश के प्रमुख मैन्युफैक्चरिंग, कृषि, खनिज और खपत वाले इलाकों से गुजरते हैं। पूरा नेटवर्क अब चालू है। जब वेस्टर्न सेक्शन का आखिरी हिस्सा शुरू किया गया था, तब यह रोजाना 443 मालगाड़ियां ले जा रहा था। ये आम रेलवे लाइनें नहीं हैं जिनसे पैसेंजर ट्रेनें हटा दी गई हों। इनमें डबल ट्रैक, ऑटोमैटिक सिग्नलिंग, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर, ज्यादा एक्सल-लोड क्षमता और डबल-स्टैक ट्रेनें हैं। वेस्टर्न कॉरिडोर में ऊंची ओवरहेड बिजली लाइनें हैं जो डबल-स्टैक कंटेनरों को ले जाने की सुविधा देती हैं। इससे कंटेनरों को एक के ऊपर एक रखा जा सकता है। नतीजतन, मालगाड़ियां एक बार में बहुत ज्यादा सामान ले जा सकती हैं। भारतीय रेलवे का अनुमान है कि डीएफसी हर दिशा में 120 से ज्यादा ट्रेनें संभाल सकते हैं। मकसद यह है कि काफी सारा माल पारंपरिक नेटवर्क से और आखिरकार सड़कों से भी डीएफसी पर शिफ्ट किया जाए। इसकी आर्थिक अहमियत क्षमता, रफ्तार और भरोसेमंद समय-सीमा के मेल में है।

मारुति सुजुकी ने नई बलेनो के साथ 'डेयर टू गो ग्लैम

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत की प्रमुख मारुति सुजुकी कार डीलर, वरुण मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड ने शानदार नई बलेनो लॉन्च की है। इसे उन युवा, महत्वाकांक्षी शहरी अचीवर्स को आकर्षित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो नज़ाकत और शान के साथ अपनी ज़िंदगी जीते हैं।

हमारे मुख्य अतिथि कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी (सांसद), गेस्ट ऑफ़ ऑनर देबज्योति दत्ता (सीसीओ, साउथ ईस्ट ज़ोन), गणेश दत्त आनंद (रीजनल मैनेजर) और विशेष अतिथि शटी एम मनोज (डिप्टी जनरल मैनेजर, रिटेल लोन, एसबीआई), वरुण देव (मैनेजिंग डायरेक्टर, वरुण मोटर्स), श आर सी राजू (एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, वरुण मोटर्स), आर वी निरंजन (बिज़नेस हेड, वरुण ग्रुप) ने बंजारा हिल्स शोरूम में द बलेनो का अनावरण किया।इस मौके पर गेस्ट ऑफ़ ऑनर अडला श्रीकांत (जीएम) और श्रीमती हेमा प्रसाद (वरुण मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड) के साथ अन्य स्टाफ सदस्य भी मौजूद थे।

30000 सैलरी के लिए क्रेडिट कार्ड लिमिट क्या है?

ये 5 बैंक दे रहे हैं सुविधाओं के साथ धमाकेदार ऑफर

नई दिल्ली,9 सितंबर (एजेंसियां)। आय दिन क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल बढ़ते जा रहा है। अधिक सैलरी वालों से लेकर कम सैलरी वालों तक, सभी के लिए क्रेडिट कार्ड की सुविधा उपलब्ध है। इस बीच एक सवाल है कि अगर किसी की सैलरी 30 हजार रुपये महीने की है तो उसके क्रेडिट कार्ड की लिमिट कितनी तक हो सकती है? आइए हम इसके बारे में जानते हैं। इसके साथ ही हम यह भी जानेंगे कि वे पांच बैंक जो 30 हजार की सैलरी वालों के लिए केवल क्रेडिट कार्ड ही ऑफर नहीं कर रहे हैं बल्कि कई सारी सुविधाएं भी दे रहे हैं।

30 हजार की सैलरी के लिए क्रेडिट कार्ड लिमिट क्या है?

देश के कई बैंक कई प्रकार के क्रेडिट कार्ड्स का अपने ग्राहकों के लिए ऑफर देते हैं। इस दौरान अलग-अलग सैलरी पर वे अलग-अलग क्रेडिट लिमिट कार्ड की सुविधा देते हैं। आमतौर पर कहा जाता है कि जिसकी सैलरी जितनी अधिक होती है उन्हें उतनी ज्यादा क्रेडिट कार्ड लिमिट मिलती है। अब सवाल यह है कि 30 हजार की सैलरी के लिए क्रेडिट कार्ड लिमिट क्या है? इसका जवाब यह हुआ कि अगर आपने पहले कभी भी क्रेडिट कार्ड नहीं लिया है और ना ही आपका कोई सिबिल स्कोर है तो आपको 30 हजार की सैलरी पर आराम से 50 हजार रुपये तक की लिमिट वाला क्रेडिट कार्ड मिल सकता है।

वहीं, इसके बाद जब आप अपने सिबिल स्कोर को अच्छा कर लेते हैं और क्रेडिट कार्ड के पेमेंट को समय पर जमा करते हैं तो आपको एक लाख रुपये तक की लिमिट वाला क्रेडिट कार्ड मिल सकता है। हालांकि, ये सभी चीजें संबंधित बैंक पर और आपके क्रेडिट स्कोर पर निर्भर करती हैं। ये लिमिट बढ़ भी सकती हैं।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह	मे	सिंह	04-33 बजे
चंद्र	सिंह	मे	कन्या	06-40 बजे
मंगल	मिथुन	मे	तुला	07-43 बजे
बुध	सिंह	मे	वृश्चिक	10-53 बजे
गुरु	कर्क	मे	धनु	13-10 बजे
शुक्र	तुला	मे	मकर	15-22 बजे
शनि	मीन	मे	कुंभ	17-04 बजे
राहु	कुंभ	मे	मीन	18-41 बजे
केतु	सिंह	मे	मेष	20-17 बजे
			वृष	22-00 बजे
			मिथुन	00-04 बजे
			कर्क	02-20 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् -**1948**, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -**2551** , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
सूर्योदय **06-01**
सूर्यास्त. **18-39**
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - भाद्रपद कृष्ण पक्ष गुरुवार **10 Sep 2026**
तिथि - चतुर्दशी **10-33** तक उपरान्त अमावस्या
नक्षत्र - मघा **14-04** तक उपरान्त पूर्वाफाल्गुनी
योग - सिद्ध **19-17** तक उप साध्य
करण - शकुनि **10-33** तक उप चतुष्पाद
विशेष:मघा नक्षत्र शांति
पितृकार्ये कुशोशत्पाटिनी अमावस्या

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 13-45 से 15-17 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	06-01 - 07-37 शुभ	अमृत	18-42 - 19-49 शुभ
रोग	07-37 - 09-09 अशुभ	चंचल	19-49 - 21-17 शुभ
उत्पात	09-09 - 10-41 अशुभ	रोग	20-17 - 22-45 अशुभ
चंचल.	10-41 - 12-13 शुभ	काल	22-45 - 00-13 अशुभ
लाभ	12-13 - 13-45 शुभ	लाभ	00-13 - 01-41 शुभ
अमृत	13-45 - 15-17 शुभ	उत्पात	01-41 - 03-09 अशुभ
काल	15-17 - 16-49 अशुभ	शुभ.	03-09 - 04-37 शुभ
शुभ	16-49 - 18-42 शुभ	अमृत	04-37 - 06-01 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आप की भावना अदम्य है, इसलिए आप अपनी क्षमता को दुसरो को आगे बढ़ने में समर्पित करे और चीजों को व्यवस्थित एवं संगठित करे । इससे आप अपनी कठोर मेहनत के बल पर मान्यता और प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे । आपके व्यय में वृद्धि हो सकती है , इसलिए अपने खर्चे और निवेश को कम करे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आज का दिन एक नए व्यापार उद्यम को लगाने का समय है । काफी समय से बात आपके मन में थी परन्तु उसे उपयोगिता में नहीं ला पा रहे थे लेकिन आज का दिन इसको पूरा करने का दिन है । आपको कई नए अवसर मिलेंगे और सब वैध एवं असली होंगे । अगर आप विवेकपूर्ण तरीके से निर्णय लेंगे तो जो भी मुश्किलें आ रही थी वे धीरे धीरे लुप्त होती चली जाएंगी ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आपको विदेशी भूमि में स्थापित प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ कार्य करने के लिए प्रस्ताव मिल सकता है , और आपके विदेश में बसने का आपका सपना सच हो सकता है, हालाँकि दस्तावेज से जुड़े कुछ मुद्दों का सामना करना पड़ सकता है लेकिन इन मुद्दों का समय रहते हल हो जाएगा, और जब आपको सब कुछ मिल जाएगा जिसे आप चाहते थे तो धन की वर्षा भी आप पर होने लगेगी ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आप एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति हैं और अपने सपनों का पीछा करने के साथ , आप सुनियोजित तरीके से अपनी चीजो को रखते है । दूसरे इस तरह नहीं है लेकिन दूसरों को ये न बताये और समय पर सब छोड़ दे । इस भावना को त्याग दे अन्यथा लोगों को ये गलतफहमी होगी की आप उनके जीवन में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहे है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — धन से संबंधित कुछ समस्याए आ सकती है । आपको ये समझना होगा की कौन सा खर्च जरुरी और गैर जरुरी है अन्यथा आपको वित्तीय संकट से गुजरना पड़ सकता है । अगर आप अपनी आय बढ़ाना चाहते है तो आपको कुछ नवीनतम प्रोद्योगिकी का समावेश करना होगा और वो आप पर निर्भर करेगा की आप उसका कितना फायदा उठा सकते है क्यों की वह आपके मेहनत और उस प्रोद्योगिकी के आज के समय में महत्व पर भी निर्भर करेगा ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — लघु लेकिन बार बार की बाधाओं से आपके काम काज की राह में रोड़ा पैदा होगा और आप समय सीमा के भीतर अपनी परियोजनाओं को पूरा करने में असमर्थ महसूस करेंगे । ये बाधा व्यर्थ की होगी लेकिन इन से पार पाना या इनकी गणना करना मुश्किल होगा , हालाँकि क्रोध और चिड़ने से समस्या का हल नहीं निकलेगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आज्ञाकारी होना अच्छा है, लेकिन दूसरों के मुताबिक कार्य करना सही नहीं है । आप और आपके विचार सब से अलग है ।आपको जो सही लगे वह करे और लोगो की बातो में आने से बचे । आप अपने व्यय योजना में अपने खर्चो को कम करने की कोशिश कर रहे है ताकि सकारात्मक वित्तीय बदलाव आये , इसलिए आगे बढे और योजना को अंजाम दे !

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आज का दिन विपणन के लिए बहुत ही कारगर साबित हो सकता है जो की आपके व्यसाय को आगे की और ले जा सकता है । ये जरुरी है की आप विपणन नीतिया बनाते हुए न्यायसंगत निर्णय ले ताकि आप बेहतर नीतिया बना सके । अगर आज आपने कोई कार्यशाला या सार्वजनिक समारोह अपने व्यसाय को आगे ले जाने के लिए रखा हुआ है तो वो काफी अछा रहेगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — हास्य की आपकी भावना आपकी सबसे बड़ी संपत्ति है, अपने आप को और अपने वरिष्ठ अधिकारियों के बीच की खाई को पाटने के लिए यह सबसे उपयुक्त है । बोले गए कठोर शब्दों को अपने दिल में न रखे बल्कि ये कठोर शब्द के बारे में सोचे क्यों की ये बोले गए कठोर शब्द ही आपको आगे ले जाने में मदद करेंगे । आज अप्रत्याशित स्रोतों से धन प्राप्ति के संकेत है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — कुछ दिनों से आपके कार्य क्षेत्र में चीज़े आपके अनुसार नहीं चल रही थी परन्तु अब कुछ सुधार आने की उम्मीद है । आपको ये याद रखना होगा की कार्य क्षेत्र के मित्रो के साथ मैत्रीपूर्ण व्ययहार रखने से आप शांति से काम में सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं । अगर आप थोड़ी सी नरमी दिखाए तो कार्य क्षेत्र के मित्रो के साथ आप शांत माहौल का मजा ले सकते है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आज के दिन जो लोग सार्वजनिक क्षेत्र में कार्य करते है उन्हें आगे बढ़ने के अच्छे अवसर एवं पदोन्नति मिल सकती है । अगर आपने सार्वजनिक क्षेत्र में नौकरी के लिए आवदेन किया हुआ है तो आपको शुभ सन्देश मिल सकता है । ये समय किसी दूसरी नौकरी जैसे की प्रशासनिक कार्यो के आवेदन के लिए भी अछा है अगर आप अपनी वर्तमान नौकरी से खुश नहीं है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — कार्यालय का प्रेम आपको एक चुंबक की तरह आकर्षित कर रहा है , लेकिन कार्यालय काम करने के लिए है और अपनी भावनाओं को दिखाने के लिए नहीं है ये आपको याद रखने की जरुरत है। आपके सहकर्मी इस बात की सराहना नहीं करेंगे । यह एक मोह हो सकता है। आपने काम पर ध्यान लगाइये और अगर ये होना है तो यह निश्चित रूप से होगा। अन्यथा यह बुलबुले की तरह से फूट जायेगा ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

डीडवाना में एमएलए यूनुस खान से धक्का-मुक्की

नागौर में फर्जी मतदान के आरोप पर पथराव

नागौर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में नगर निकाय चुनाव के मतदान के दौरान बुधवार को डीडवाना और नागौर में विवाद और हंगामे घटनाएं सामने आई हैं। डीडवाना के वार्ड-11 में मतदान करने पहुंचे निर्दलीय विधायक यूनुस खान के साथ कथित तौर पर धक्का-मुक्की की गई। वहीं, नागौर के खत्रीपुरा मतदान केंद्र पर फर्जी मतदान के आरोप को लेकर दो गुटों में विवाद के बाद पथराव हो गया। दोनों घटनाओं के बाद मतदान केंद्रों पर पुलिस और सुरक्षाबलों की तैनाती बढ़ा दी गई।

डीडवाना-कुचामन जिले के डीडवाना के वार्ड-11 स्थित देशवाली भवन मतदान केंद्र पर निर्दलीय विधायक यूनुस खान परिवार के साथ वोट डालने पहुंचे थे। इसी दौरान उनके साथ

धक्का-मुक्की होने की बात सामने आई है। विधायक यूनुस खान ने कांग्रेस और भाजपा के समर्थकों पर वोटर आईडी छीनने का आरोप लगाया। यूनुस खान ने आरोप लगाया कि मतदान के दौरान उनके और परिवार के साथ यह तीसरी बार हमला हुआ है।

उन्होंने कहा कि उन्होंने पहले ही पुलिस अधीक्षक से सुरक्षा की मांग की थी, लेकिन उन्हें सुरक्षा उपलब्ध नहीं कराई गई। विधायक ने आरोप लगाया कि बाहर से आए कुछ लोगों ने उनके और उनके परिवार के साथ धक्का-मुक्की की तथा आईडी और मतदान पर्ची फाड़ दी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके परिवार के सदस्यों को वोट नहीं डालने दिया गया।

यूनुस खान ने भाजपा, कांग्रेस और पुलिस प्रशासन पर मिलीभगत का आरोप लगाया। उन्होंने एसपी को मौके पर बुलाने की मांग करते हुए मतदान नहीं करने की बात कही। घटना की सूचना मिलने पर वृत्ताधिकारी उमेश गुप्ता और डीडवाना थानाधिकारी मोहन सिंह मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने स्थिति संभालने का प्रयास किया।

इधर, नागौर के खत्रीपुरा स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय-5 मतदान केंद्र के बाहर भी मतदान के दौरान हंगामा हो गया। यहां फर्जी मतदान के आरोप को लेकर दो गुटों के बीच विवाद हो गया।

देखते ही देखते कुछ युवकों ने पथराव शुरू कर दिया। पथराव के बाद मतदान केंद्र के आसपास अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षाबल मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। एहतियात के तौर पर मतदान केंद्र के बाहर पुलिस बल की संख्या बढ़ा दी गई।

हंगामे के बावजूद मतदान प्रक्रिया को रोका नहीं गया। पुलिस की मौजूदगी में मतदाता मतदान केंद्र पहुंचते रहे और अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। पथराव की घटना में फिलहाल किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। दोनों घटनाओं के बाद पुलिस प्रशासन ने मतदान केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। चुनावी माहौल के बीच सामने आई इन घटनाओं को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप भी तेज होने की संभावना है।

सीएम का रोड शो फ्लॉप, भाजपा के खिलाफ वोट का दावा

जनता बदलाव के मूड में : टीकाराम जूली

अलवर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। अलवर नगर निकाय चुनाव के लिए बुधवार सुबह मतदान शुरू होते ही राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने अपने परिवार के साथ मतदान केंद्र पहुंचकर वोट डाला। मतदान के बाद उन्होंने दावा किया कि अलवर की जनता इस बार भाजपा के खिलाफ मतदान करेगी और बदलाव के मूड में है।

टीकाराम जूली ने कहा कि जनता सब देख रही है और अपने मताधिकार के जरिए जवाब देगी। उन्होंने दावा किया कि आने वाले समय में सरकार बदलने वाली है और 'राज बदलने वाला है'। जूली के मुताबिक, आज का मतदान अलवर की जनता के रुख को साफ कर देगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के अलवर रोड शो को लेकर भी टीकाराम जूली ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने रोड शो को फ्लॉप बताते हुए कहा कि इसमें करीब 500 से 700 लोग ही नजर आए। जूली का दावा है कि इस भीड़ में बड़ी संख्या प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिसकर्मियों और सुरक्षा व्यवस्था में तैनात कर्मचारियों की थी। उन्होंने कहा कि रोड शो में आम जनता की वैसी भीड़ नजर नहीं आई, जैसा दावा किया जा रहा था। हालांकि, चुनाव में असली तस्वीर मतदान के बाद सामने आएगी और जनता अपने वोट के जरिए फैसला सुनाएगी।

टीकाराम जूली ने मतदाताओं से लोकतांत्रिक तरीके से अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील की। अब नजरें अलवर शहर के मतदाताओं पर हैं कि आज का वोट किसके पक्ष में जाता है और चुनावी नतीजे किसके चेहरे पर जीत की मुस्कान लेकर आते हैं।

कार में भरे डिब्बों में कलाकंद के साथ मिले 500-500 रुपए के नोट, वीडियो वायरल

अलवर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। अलवर शहर के वार्ड 42 में मतदान से एक रात पहले वोटों की खरीद-फरोख्त के आरोपों को लेकर एक वीडियो वायरल होने के बाद सियासी हलचल तेज हो गई। वायरल वीडियो में मिठाई के डिब्बों में कलाकंद के साथ 500-500 रुपए के नोट दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

बताया जा रहा है कि घटना मतदान से एक रात पहले करीब एक बजे दिवाकरी इलाके की है। यहां एक कार काफी देर से घूम रही थी। कार को संदिग्ध मानकर कुछ लोगों ने उसका पीछा करना शुरू कर दिया। इसके बाद कार एक स्थान पर खड़ी दिखाई दी। कार में सवार लोग कथित तौर पर मिठाई के डिब्बे बाहर निकाल रहे थे। इसी दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। भीड़ को देखकर कार से डिब्बे निकाल रहे लोग कथित तौर पर कार और मिठाई के डिब्बे वहीं छोड़कर फरार हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने मिठाई के डिब्बे खोलकर देखे। दावा किया गया कि डिब्बों में कलाकंद के साथ 500-500 रुपए के नोट रखे हुए थे। इसके बाद मामले का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए जाने की बात सामने आई।

लोगों ने इसकी शिकायत वैशाली नगर थाना पुलिस को दी। हालांकि, वैशाली नगर थाना पुलिस ने इस तरह की घटना होने से इनकार किया है। वहीं, वीडियो वायरल होने के बाद वार्ड 42 के चुनावी माहौल में सियासी चर्चा तेज हो गई है। आरोपों को लेकर अलग-अलग तरह के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।

'सीन हटाओ या परिणाम भुगतो': गरमाया मिर्जापुर

फिल्म सीन विवाद, पूर्व राजपरिवार की चेतावनी

जयपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। बॉलीवुड फिल्म 'मिर्जापुर' के एक विवादित सीन और उसमें इस्तेमाल किए गए ऐतिहासिक पृष्ठभूमि वाले गाने को लेकर उदयपुर सहित पूरे मेवाड़ अंचल में आक्रोश की लहर फैल गई है। फिल्म के एक प्रमुख गैंगस्टर वॉर सीन में मुन्ना त्रिपाठी और गुड्डू भैया जैसे काल्पनिक आपराधिक किरदारों की हिंसा को ग्लोरिफाई करने के लिए राजस्थान के मशहूर सिंगर रैपरिया बालम के महाराणा प्रताप के शौर्य, हल्दीघाटी युद्ध और चेतक की वीरता पर आधारित लोकप्रिय गीत 'शूरवीर' का बैकग्राउंड में इस्तेमाल किया गया है। इस विवादित सीन पर मेवाड़ के पूर्व राजपरिवार के सदस्य डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़, प्रसिद्ध इतिहासकारों और कुछ सिंगर ने कड़ी आपत्ति जताई है। इन सभी ने फिल्म निर्माताओं को चेतावनी दी है कि यदि इस विवादित सीन और गाने को तुरंत नहीं हटाया गया, तो निर्माताओं को मेवाड़ और पूरे देश में कड़े जन-आक्रोश का सामना करना पड़ेगा।

ओटीटी पर वेब सीरीज की सफलता के बाद बनाई गई फिल्म 'मिर्जापुर' के निर्माता रितेश सिधवानी, फरहान अख्तर, कासिम जगमगिया और निर्देशक गुरमीत सिंह, मिहिर देसाई हैं। फिल्म में गैंगस्टर वॉर का एक हिंसक दृश्य फिल्माया गया है। इसमें दोनों ओर से गैंगस्टर आपस में लड़ रहे हैं और गोलियां चला रहे हैं। दृश्य के पीछे 'शूरवीर' गाना बजाया गया है, जिसके बोल महाराणा प्रताप के राष्ट्रप्रेम, त्याग और हल्दीघाटी के युद्ध में उनकी वीरता का बखान करते हैं।

मेवाड़ के लोगों का आरोप है कि गाली देने वाले, नशा करने वाले और महिलाओं के साथ अनैतिक व्यवहार करने वाले हिंसक किरदारों के पीछे महाराणा प्रताप का नाम जोड़ना पूरी तरह से निंदनीय और अनैतिक है।

पूर्व राजपरिवार के सदस्य और मेवाड़ के प्रमुख व्यक्तित्व डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने इस पूरे मामले पर कड़ा ऐतराज जताते हुए फिल्म निर्माताओं को उनकी सामाजिक और कलात्मक जिम्मेदारी याद दिलाई है।

डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने कहा कि अगर लोगों को क्रिएटिव लाइसेंस मिल जाता है, तो इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि वे अपनी नैतिक जिम्मेदारी से भाग सकते हैं। कला का पहला धर्म यह है कि वह लोगों की धार्मिक और सांस्कृतिक भावनाओं का सम्मान करे। फिल्म मेकर्स को यह बात हल्के में नहीं लेनी चाहिए कि महाराणा प्रताप हमारे और पूरे राष्ट्र के आराध्य हैं। 'शूरवीर' गाने के मूल गायक और संगीतकार रैपरिया बालम ने भी मेकर्स के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रोडक्शन हाउस ने इस गाने के इस्तेमाल के लिए उनसे कोई अनुमति नहीं ली थी। रैपरिया बालम ने कहा कि इस गाने का मुख्य उद्देश्य आज की युवा पीढ़ी को महाराणा प्रताप के नैतिक मूल्यों, राष्ट्रभक्ति और शौर्य से अवगत कराना था। अगर मेकर्स उनसे इजाजत मांगते, तब भी वे ऐसे अनैतिक और हिंसक दृश्य के लिए कभी अनुमति नहीं देते। सिंगर ने बताया कि उन्होंने प्रोडक्शन हाउस को औपचारिक लीगल नोटिस भेज दिया है और जब तक फिल्म से यह गाना नहीं हटाया जाता, तब तक वे शांत नहीं बैठेंगे।

दो युवतियां लापता, युवक से 2 लाख की साइबर ठगी

पुलिस ने शुरू की जांच

सीकर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सीकर जिले में अलग-अलग घटनाओं में दो युवतियों के लापता होने और एक युवक के साथ 2 लाख रुपए की साइबर ठगी के मामले सामने आए हैं। पुलिस ने तीनों मामलों में शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीकर जिले में दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों से युवतियों के लापता होने की शिकायतें मिली हैं। परिजनों ने पुलिस को सूचना देकर युवतियों की तलाश की गुहार लगाई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले दर्ज कर लिए हैं और युवतियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों और अन्य माध्यमों से जानकारी जुटा रही है। वहीं, जिले में एक युवक साइबर ठगी का शिकार हो गया। ठगों ने अलग-अलग तरीकों से झांसा देकर युवक से करीब 2 लाख रुपए की रकम ठग ली। पीड़ित की शिकायत के बाद पुलिस ने साइबर फ्रॉड का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस बैंक ट्रांजेक्शन और डिजिटल सबूतों के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

'पंप चलाना है तो रॉकी जॉनी को हफ्ता देना होगा'

पेट्रोल पंप पर बदमाशों का धावा, नकदी और मोबाइल लूटे

जोधपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। 'अगर यहां पंप चलाना होगा तो रॉकी जॉनी को हफ्ता देना होगा...' जोधपुर जिले में डांगियावास थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात आए बदमाशों ने लूटपाट की और एक धमकी भरी पर्ची छोड़ फरार हो गए। इतना ही नहीं, बदमाशों ने पिछली तीन रातों में तीन वारदातों को अंजाम दिया। रविवार रात विवेक विहार थाना क्षेत्र और शनिवार रात एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के पेट्रोल पंपों पर भी बदमाशों ने लूटपाट की। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी, लेकिन वह हाथ नहीं आया।

पुलिस के अनुसार पूनिया की ढाणी, गुड़ा विश्नोइयान निवासी मंगलाराम पुत्र चौखाराम विश्नोई ने रिपोर्ट में बताया कि उसका विजय फिलिंग स्टेशन गुड़ा से डांगियावास रोड स्थित स्टेट हाईवे-68 पर है। रात करीब 12 से 1 बजे के बीच दो बदमाश सफेद रंग की कार से पेट्रोल पंप पर पहुंचे। कार पर आगे और पीछे दोनों तरफ नंबर प्लेट नहीं लगी थी। दोनों बदमाश हथियार लेकर कार से उतरे और स्टॉफ कर्मचारी सुंदरलाल को धमकाते हुए रुपए निकालने के लिए कहा।

मना करने पर बदमाशों ने चाकू और तलवार दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद सुंदरलाल से 7300 रुपए और मोबाइल फोन छीन लिया। शोर सुनकर पेट्रोल पंप का मैनेजर बाबूराम, जो उस समय कार्यालय में सो रहा था, मौके पर पहुंच गया। आरोप है कि एक बदमाश तलवार लेकर बाबूराम की ओर हमला करने के लिए दौड़ा। बाबूराम ने डंडा उठाकर उसका सामना किया और अपना बचाव किया।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, निकाय चुनाव से जुड़ी

19 याचिकाएं खारिज; नामांकन रद्द करने पर नहीं होगा दखल

जोधपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में चल रहे नगरीय निकाय चुनाव के बीच राजस्थान हाईकोर्ट ने नामांकन रद्द होने से जुड़ी 19 याचिकाओं पर अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने सभी याचिकाएं खारिज करते हुए साफ किया कि एक बार चुनाव प्रक्रिया शुरू हो जाने के बाद कोर्ट नामांकन रद्द करने जैसे मामलों में हस्तक्षेप नहीं कर सकता।

इन याचिकाओं में अलग-अलग उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र रद्द किए जाने के फैसले को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ताओं की मांग थी कि नामांकन रद्द करने के फैसले को निरस्त किया जाए, ताकि वे निकाय चुनाव में हिस्सा ले सकें।

हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान चुनाव प्रक्रिया की

संवैधानिक व्यवस्था और निर्धारित नियमों का हवाला देते हुए हस्तक्षेप से इनकार कर दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद ऐसे विवादों को चुनाव प्रक्रिया के बीच रोकना उचित नहीं है।

कोर्ट ने नामांकन रद्द किए जाने से जुड़ी सभी 19 याचिकाओं को खारिज कर दिया। फैसले से उन उम्मीदवारों को बड़ा झटका लगा है, जिन्होंने नामांकन रद्द होने के बाद अदालत का दरवाजा खटखटाया था।

राजस्थान में नगरीय निकाय चुनाव को लेकर नामांकन और नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब चुनावी मुकाबला जोर पकड़ रहा है। ऐसे में हाईकोर्ट का यह फैसला चुनाव प्रक्रिया को तय कार्यक्रम के मुताबिक आगे बढ़ाने में अहम माना जा रहा है।

उदयपुर फायरिंग केस: *मथुरा से पकड़े गए दो इनामी आरोपी*

भागने की कोशिश में गड्ढे में गिरे; दोनों के पैर टूटे

उदयपुर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। सवीना थाना पुलिस ने वर्चस्व की रंजिश में हिस्ट्रीशीटर पर फायरिंग करने के मामले में फरार चल रहे दो इनामी आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को मथुरा से दबोचा। उदयपुर लाते समय आरोपियों ने पुलिस को चकमा देकर भागने की कोशिश की, लेकिन वे हादसे का शिकार हो गए। पुलिस के अनुसार, आरोपियों को उदयपुर लाया जा रहा था। इसी दौरान उन्होंने रास्ते में बाथरूम जाने का बहाना बनाया और भागने का प्रयास किया।

भागते समय दोनों आरोपी अपना संतुलन खो बैठे और एक गड्ढे में गिर गए। हादसे में दोनों के पैर टूट गए। इसके बाद पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया और इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।

मामला वर्चस्व की रंजिश से जुड़ा बताया जा रहा है। आरोप है कि आरोपियों ने सवीना थाना क्षेत्र में एक हिस्ट्रीशीटर पर फायरिंग की थी। घटना के बाद से दोनों फरार चल रहे थे। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी और सूचना के आधार पर उन्हें मथुरा से गिरफ्तार किया।

दोनों आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर चल रहे थे और उनकी तलाश की जा रही थी। मामले में उनकी गिरफ्तारी के लिए इनाम भी घोषित किया गया था। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर रही है और फायरिंग की घटना से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है।

आरोपियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। पुलिस का कहना है कि मामले में शामिल अन्य आरोपियों और फायरिंग के पीछे की पूरी साजिश का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

खेत में काम कर रहे राहुल बिश्नोई को उतारा मौत के घाट

सोशल मीडिया कमेंट को लेकर था विवाद; 3 लोगों पर केस

श्रीगंगानगर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। घड़साना में सोशल मीडिया पर परिवारजन को लेकर किए गए एक कमेंट के बाद शुरू हुआ विवाद सोमवार रात गंभीर वारदात में बदल गया। घड़साना क्षेत्र के लूणिया इलाके के गांव 4 एनएम में राहुल बिश्नोई की हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि राहुल और दूसरे पक्ष के बीच पिछले कई दिनों से रंजिश चल रही थी। इसी दौरान राहुल को जान से मारने की धमकियां भी मिलने की बात सामने आई है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने केस दर्ज कर वारदात में शामिल आरोपियों की तलाश तेज कर दी है। परिजनों के अनुसार चक 4 एनएम निवासी राहुल बिश्नोई सोमवार शाम खेत में मूंग की कटाई का काम कर रहा था। इसी दौरान गांव का सचिन पुत्र गोपीराम भांभू जाट एक अन्य युवक के साथ राहुल के घर पहुंचा और उसके बारे में जानकारी ली। परिवारजनों ने बताया कि राहुल खेत में मौजूद है। इसके बाद सचिन अपने साथी के साथ सीधे खेत पहुंच गया। वहां उसने राहुल से बातचीत की और कुछ देर बाद कपड़ों में छिपाया चाकू निकालकर उस पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से राहुल गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और शोर सुनकर आसपास के लोग भी वहां पहुंचने लगे। इसी दौरान आरोपी और उसके साथ आया युवक मौके से फरार हो गए। राहुल पर हमला होने के बाद शोर सुनकर उसका भाई वकील कुमार तुरंत मौके पर पहुंचा, लेकिन तब तक आरोपी वहां से फरार हो चुका था। इसके बाद परिजन गंभीर रूप से घायल राहुल को उपचार के लिए तत्काल घड़साना के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उसे आगे के इलाज के लिए बीकानेर रेफर कर दिया गया। हालांकि, बीकानेर ले जाते समय रास्ते में ही राहुल ने दम तोड़ दिया।

उम्र 102 साल, हौसला आज भी जवान; व्हीलचेयर पर मतदान केंद्र पहुंचीं बुजुर्ग महिला ने डाला वोट

सीकर, 9 सितंबर (एजेंसियां)। निकाय चुनाव के पहले चरण में बुधवार को रींगस में मतदान के दौरान एक ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसने हर किसी का ध्यान खींच लिया। 102 साल की बुजुर्ग महिला अपने परिजनों के साथ व्हीलचेयर पर मतदान केंद्र पहुंचीं और वोट डाला। मतदान के बाद उन्होंने अपनी उंगली पर लगी स्याही दिखाकर बताया कि वह अपना वोट देकर आई हैं। परिजनों के अनुसार, उम्र के इस पड़ाव तक वह करीब 50 बार मतदान कर चुकी हैं।

रींगस नगरपालिका के वार्ड नंबर 32 स्थित मतदान केंद्र पर 102 साल की बुजुर्ग महिला वोट डालने पहुंचीं। उम्र ज्यादा होने के कारण परिजन उन्हें व्हीलचेयर पर बैठाकर मतदान केंद्र तक लेकर आए।

बता दें कि रींगस नगरपालिका में 35 वार्डों के लिए वोटिंग कराई जा रही है। इसके लिए अलग-अलग स्थानों पर कुल 35 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। सुबह मतदान शुरू होने के बाद इन केंद्रों पर मतदाताओं की आवाजाही बनी रही। कई जगह महिलाएं और युवा सुबह ही वोट डालने पहुंच गए। प्रशासन ने मतदान प्रक्रिया को सुचारू रखने के लिए जरूरी व्यवस्थाएं की हैं। वहीं 7 वार्डों को संवेदनशील और अति संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है।

रींगस के संवेदनशील और अति संवेदनशील श्रेणी वाले 7 वार्डों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष ध्यान दिया गया है। इन मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस टीम तैनात की गई है। मतदान के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए पुलिस और प्रशासन की टीमों की मौजूदगी रखी गई है।

तीन साल की मासूम से गलत हरकत: प्ले स्कूल के कर्मचारियों के लिए गए डीएनए सैंपल; जांच में जुटी पुलिस

कोटा, 9 सितंबर (एजेंसियां)। कोटा में तीन साल की मासूम बालिका के साथ गलत हरकत का मामला सामने आया है। तबीयत खराब होने पर चिकित्सकीय जांच में आशंका सामने आने के बाद परिजनों ने पुलिस से संपर्क किया। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

कोटा जिले में तीन साल की मासूम बालिका के साथ गलत हरकत का बेहद संवेदनशील मामला सामने आया है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने पॉक्सो कानून समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बालिका की कम उम्र होने के कारण वह घटना के बारे में स्पष्ट रूप से कुछ नहीं बता पा रही है। पुलिस अब मेडिकल जांच, डीएनए नमूनों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

यह मामला उस समय उजागर हुआ, जब तबीयत खराब होने पर परिजन मासूम को इलाज के लिए बाल रोग विशेषज्ञ के पास लेकर पहुंचे। जांच के दौरान चिकित्सक को बालिका की कमर के पास और नाजुक अंग में दर्द तथा सूजन दिखाई दी। चिकित्सक ने गलत हरकत की आशंका जताते हुए परिजनों को इसकी जानकारी दी। डॉक्टर की बात सुनकर परिजन घबरा गए और उन्होंने तत्काल पुलिस से संपर्क किया। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने बताया कि मामले में पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्रकरण की जांच महिला उत्पीड़न अनुसंधान सेल के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश सांखला कर रहे हैं। परिजनों के अनुसार, मासूम बालिका घर के अलावा केवल अपने पास स्थित एक प्ले स्कूल में जाती है। इसी आधार पर पुलिस ने स्कूल के कुछ पुरुष कर्मचारियों और संबंधित लोगों के डीएनए नमूने लिए हैं। साथ ही, फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम ने भी घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं।

कर्मचारियों की मांगों पर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कर्मचारी संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) और विभिन्न कर्मचारी संगठनों की ओर से 20 अगस्त को दिए गए नोटिस के संबंध में बुधवार को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न लंबित मुद्दों पर चर्चा के बाद कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में मुख्य सचिव की ओर से वेतन पुनरीक्षण आयोग (पीआरसी) के अध्यक्ष को पत्र भेजकर आयोग की रिपोर्ट को जल्द से जल्द पूरा कर सरकार को सौंपने का अनुरोध करने का निर्णय लिया गया। कर्मचारियों की कंट्रीब्यूटरी पेंशन योजना (सीपीएस) से संबंधित विभिन्न मुद्दों के अध्ययन के लिए एक समिति गठित करने पर भी सहमति बनी।

इस समिति में वेतन पुनरीक्षण आयोग के विशेषज्ञों के साथ-साथ सरकारी अधिकारी और कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। वर्तमान में विधान परिषद और विधानसभा का सत्र चल रहा है। इसे देखते हुए लंबित महंगाई भत्ते (डीए) और अन्य बिलों पर चर्चा के लिए जेएसी तथा अन्य कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ 18 सितंबर 2026 को एक और बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में सरकार और कर्मचारी संगठनों के बीच लंबित मांगों को लेकर आगे की कार्रवाई पर भी विचार-विमर्श किया गया।

सरकार की ओर से कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए प्रक्रिया तेज करने का भरोसा दिलाया गया। बैठक संबंधी जानकारी विशेष मुख्य सचिव (सेवा), सामान्य प्रशासन विभाग बेनहुर महेश दत्त एक्का की ओर से जारी की गई।

कांस्टेबल भर्ती की अधिकतम आयु सीमा में 3 साल की और बढ़ोतरी

तेलंगाना सरकार ने लिया अहम फैसला

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने पुलिस, अग्निशमन सेवा, कारागार और विशेष सुरक्षा बल (एसपीएफ) में कांस्टेबल एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती के लिए अधिकतम आयु सीमा में तीन वर्ष की अतिरिक्त बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन (सेवा-ए) विभाग ने जी.ओ.एमएस. संख्या 129, दिनांक 9 सितंबर 2026 जारी किया है। सरकार के आदेश के अनुसार, इससे पहले जी.ओ.एमएस. संख्या 122, दिनांक 14 अगस्त 2026 के माध्यम से वर्दीधारी सेवाओं के विभिन्न पदों के लिए निर्धारित अधिकतम आयु सीमा में सात वर्ष की बढ़ोतरी की गई थी। अब कांस्टेबल और समकक्ष पदों के लिए इसमें तीन वर्ष और जोड़े गए हैं।सरकार ने बताया कि गृह विभाग में उपनिरीक्षक (एसआई) और कांस्टेबल पदों की अधिकतम आयु सीमा में अंतर था। एसआई के लिए यह सीमा 32 वर्ष, जबकि कांस्टेबल के लिए 29 वर्ष निर्धारित थी। इस अंतर को ध्यान में रखते हुए कांस्टेबल पदों की आयु सीमा बढ़ाने का फैसला किया गया। नए आदेश के तहत पुलिस, अग्निशमन सेवा, कारागार और विशेष सुरक्षा बल में कांस्टेबल एवं समकक्ष पदों पर भर्ती के लिए निर्धारित मूल अधिकतम आयु सीमा में कुल 10 वर्ष की बढ़ोतरी लागू होगी। यह बढ़ोतरी तेलंगाना राज्य स्तरीय पुलिस भर्ती बोर्ड द्वारा की जाने वाली भर्तियों पर लागू होगी। हालांकि, पुलिस विभाग में पीसी ड्राइवर के पदों को इस आयु सीमा बढ़ोतरी से बाहर रखा गया है। सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 309 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इन पदों के लिए तदर्थ नियम जारी किए हैं। आदेश में तेलंगाना राज्य स्तरीय पुलिस भर्ती बोर्ड, तेलंगाना लोक सेवा आयोग तथा संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया है। यह फैसला पुलिस एवं अन्य वर्दीधारी सेवाओं में भर्ती की तैयारी कर रहे उन अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जो पूर्व निर्धारित आयु सीमा के कारण आवेदन करने से वंचित हो सकते थे।

ताल सप्ताह व हरिभजन महोत्सव मनाया

हैदराबाद , 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री संत ज्ञानेश्वर भजन मंडल महाराजगंज हैदराबाद स्थित श्री हनुमान मंदिर में 55 साल से ताल सप्ताह व हरिभजन महोत्सव मनाया जा रहा है। हर साल महाराष्ट्र से बडे महाराज भागवताचार्य आकर अपनी वाणी से कीर्तन प्रवचन का लाभ भक्तों को देते हैं। भाग्यनगर में विट्ठल भगवान के 22 मंदिर हैं, हर साल हर मंडल में श्रावण मास में भागवत कथा और ताल सप्ताह महोत्सव मनाया जाता है। इस वर्ष मंडल की ओर से निशुल्क सामूहिक विवाह आयोजित किया गया है। भाग्यनगर के सभी भजन मंडल इसमें आकर भजन का आनंद लेते हैं। इस कार्यक्रम में सभी मंडल के सदस्य तन मन धन से सहयोग करते हैं। इस कार्यक्रम में समाज सेवी गोपाल बलदवा का मुख्य अतिथि के रूप में विशेष सहयोग रहा। अवसर पर सलाहकार विजय कुमार, राजेंद्र , पांडुरंगा, रमेश , नंद कुमार आदि बडी संख्या में उपस्थित थे।

दक्षिण तट रेलवे
विशाखापट्टणम
हमें X@SCoRailway पर फालो करें।
Website: www.scor.indianrailways.gov.in

निविदा सं. जीटीएल-इएम-32 और 33-2026-27,दि.02-09-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/रखरखाव/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं. जीटीएल-इएम-41-26-27, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः गूटी-बीओएक्सएन आरओएच शेड की रि-फ्लूरिंग और संबंधित कार्य-बिजली व्यवस्थाएं। अनुमानित मूल्य रु.10896450.05

बंद करने की तिथि और समयः 24-09-2026 के 15.00 बजे

निविदा सं. जीटीएल-इएम-42-26-27, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजनः सभी बिजली संपत्तियों या एस्सेट्स की अर्थिंग व्यवस्थाओं का प्रावधान, तत्संबंधित डिवीजन पर मौजूदा मिट्टी के गड्ढे या एर्थ पिट्स को यथावत रुप से सुधार करना/प्रतिस्थापन या रिप्लेस करना। अनुमानित मूल्य रु.9332473.90

बंद करने की तिथि&समयः 24-09-2026 के 15.00 बजे

निविदा की बोली लगाने या टेंडर बिड्डिंग और अन्य विवरण हेतु https://www.ireps.gov.in पर लाग इन करें। निविदा का शुध्दिपत्र यदि कोई हो तो, उसे केवल आनलाइन पर जारी किया जायेगा।

टिप्पणीः ई-निविदा में सहभागिता/बोली लगाने हेतु निविदाकार के पास वैध डीएससी (डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट) प्रमाणपत्र होना चाहिए।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, रखरखाव, गुंटकल

ई-निविदा सूचना सं.-जीएसयु-जीटीएल-03-2026, दि.05-09-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, उप मुख्य अभियंता/गति शक्ति इकाई/गुंटकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है। बंद करने की तिथिः 30-09-2026 & 11.00 बजे

क्रम सं.1, निविदा सं.-जीएसयु-जीटीएल-आरओबीएस-03-2026, कार्य विवरणःगुंटकल डिवीजनःएसडब्ल्यू-।-गुंटकल डिवीजन-गूटी-वाडी सेक्शनः मटमारी स्टेशन यार्ड पर किमी 547/5-7 किमी पर एल.सी. नं.213 के स्थान पर टू-लेन आरओबी का प्रस्तावित निर्माण कार्य। ब्रिज प्रापरः स्पैन 2x36.0 एम नुसार कम्पोजिट गिर्डर, एप्रोचेसः स्पैन6x30.0एम पीएससी गिर्डर +1 x 18.46एम पीएससी गिर्डर (माटीमारी साइड पर) तथा 6 x 30.0एम पीएससी गिर्डर (पुट्रीप्ली साइड पर) एवम् दोनो तरफ मजबूत की गयी मिट्टी की दीवारों सहित पहुंच मार्ग।

एसडब्ल्यू-॥-गुंटकल डिवीजन-गूटी-वाडी सेक्शनःमाटीमारी & मरीचेथल स्टेशनों के बीच किमी 552/8-9 पर एल.सी.नं.215 के स्थान पर टू लेन आरओबी का प्रस्तावित निर्माण कार्य। ब्रिज प्रापरः स्पैन 1 x18.0एम कम्पोजिट गिर्डर +1x36.0एम कम्पोजिट गिर्डर। एप्रोचेसः स्पैन 5x30.0एम पीएससी गिर्डर+1 x18.46एम पीएससी गिर्डर (मल्लापूर साइड पर) तथा 8x30.0एम पीएससी गिर्डर (खानापूर साइड पर) एवम् दोनों तरफ मजबूत की गयी मिट्टी की दीवारों या रिइनफोर्स्ड अर्थन वाल्स सहित पहुंच मार्ग या एप्रोच रोड्स। एसडब्ल्यू-॥।-गुंटकल डिवीजन-रेणीगुंटा-गूटी सेक्शनः 1 x18.0एम+1 x36एम+1 x18एम कम्पोजिट गिर्डर नुसार किमी 363/19-23 पर एलसी नं.160 के स्थान पर टू लेन आरओबी का निर्माण कार्य (आरएचएसः 5 x30.0एम, एलएचएसः 5 x30.0एम, पीएससी गिर्डर एप्रोच स्पैन्स) चल्लावारिपल्ले-ताडीपत्री स्टेशनों के बीच ताडीपत्री- बक्कापुरम रोड पर उक्त कार्य। विज्ञापित मूल्य रु.128,11,29,363.86, बोली सुरक्षा रु.2,56,22,600.00

निविदा की बोली दस्तावेज & अन्य विवरण हेतु https://www.ireps.gov.in पर लाग इन करें। शुध्दिपत्र यदि कोई है तो, उसे केवल आनलाइन पर जारी किया जायेगा।

उप मुख्य अभियंता, गति शक्ति इकाई, गुंटकल

निविदा सूचना संख्याः सीआरएस-ई-04-26-27, दि.05-09-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डीवाय, सीएमइ/सीआरएस/टीपीटीवाय द्वारा निविदा संख्याः निम्नलिखित नुसार के प्रति अधोलिखित बंद करने की तिथि के 11.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

बोलीदाता या बिड्डर्स द्वारा अपने मूल / संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद करने की तिथि के समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा किसी भी प्रकार के मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उस पर विचार नही किया जायेगा।

क्रम सं.1, कार्य विवरणः सीआरएस-ई-04-26-27, दि.05-09-2026, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति पर सबस्टेशनों की मानिटरिंग & नियंत्रण हेतु आनलाइन एनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम का प्रावधान। अनुमानित मूल्य रु.1,15,28,600.00 (रु.एक करोड पंद्रह लाख अट्ठाइस हजार छह सौ मात्र), बोली सुरक्षा रु.2,30,600.00 (रु. दो लाख तीस हजार & छह सौ मात्र), कार्य पूरा करने की अवधिः 4 महिने, बंद करने की तिथिः 28-09-2026 के 11.00 बजे।

वेबसाइट विवरणः www.ireps.gov.in

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने का नोटिस बोर्ड स्थानः चीफ वर्कशाप मैनेजर का कार्यालय, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति ।

अतिरिक्त निविदा शर्ते/विवरण (निविदा दस्तावेजो में उपलब्ध) & निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग, शुध्दिपत्र हेतु कृपया हमारे वेबसाइटःhttps://www.ireps.gov.in देखें।

चीफ वर्कशाप मैनेजर, कैरेज रिपेयर शाप, तिरुपति

ई-निविदा सं. इएलएस/बीजेडए-ईटीएन-07-2026-27, दि.03-09-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.25-09-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, निविदा सं. बी ई.221/टीआरएस/आरसी/585, ई-टेंडर नं. इएलएस/बीजेडए-ईटीएन-07-2026-27, दि.03-09-2026,

कार्य विवरण-कार्य का नामः इएलएस/बीजेडए-इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्ज के आयओएच & टीओएच के लिए स्पेयर्स उत्पत्ति या जनरेट करने हेतु डब्ल्यूएपी4/ डब्ल्यूएजी7 लोकोमोटिव्ज के लिए 5400 केवीए की मरम्मत/पुनर्वसन या रेहाबिलिटेशन। कार्य पूरा करने की अवधिः12 महिने, निविदा मूल्य रु.39,46,250.87, अग्रधन रु.78,900.00, निविदा दस्तावेज मूल्य रु. शून्य, निविदा बंद करने की तिथिः 25-09-2026 के 15.00 बजे।

निविदा शर्ते/अन्य विवरण जैसे संपूर्ण कार्य का नाम, उपरोक्त कार्य की तत्समान प्रकृति, योग्यता मानदंड आदि, वेबसाइटःwww.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजो में उपलब्ध।

भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के परिवर्तनों/शुध्दिपत्रो को नोट करने हेतु निविदा बंद करने की तिथि से पहले, वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर जाएं।

यह निविदा सूचना, वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता का कार्यालय, ट्रैक्शन रोल्लिंग स्टाक, इलेक्ट्रिक लोको शेड तथा विजयवाडा पर रखे हुए नोटिस बोर्ड पर भी दर्शाया गया है, जिसे देखा जा सकता है।

रेल प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

हमारे वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर जाएं।

विभागीय बिजली अभियंता/ टीआरएस/ इएलएस/विजयवाडा

SCoR-A306

निविदा नियम शर्ते/ज्यादा जानकारी& निविदा दस्तावेजो की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scor.indianrailways.gov.in देखें।

सीरवी समाज ट्रस्ट आईलापुर की नयी कार्यकारिणी गठित

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईलापुर बिरमगुडा स्थित श्री आईमाताजी मंदिर में विशेष मीटिंग आयोजित कर आगामी कार्यकाल 2026-2029 के लिए नयी कार्यकारिणी का गठन सर्वसहमति से समाज बन्धुओंक्ष की उपस्थिती में किया गया। जिसमे कूनाराम सोलंकी नवनिर्वाचित अध्यक्ष चुने गये ।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में सचिव मोहनलाल भायल ने बताया कि सर्वसहमति से नयी कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें नवनिर्वाचित संरक्षक कन्हैयालाल बर्फा, बाबुलाल मुलेवा, मोहनलाल भायल, अध्यक्ष कूनाराम सोलंकी, उपाध्यक्ष मांगीलाल पंवार, सुरेश भायल, सचिव मलाराम सोलंकी, सहसचिव राकेश चोयल, कोषाध्यक्ष बुदाराम काग, सहकोषाध्यक्ष सुरेश सेपचा, सलाहकार अशोक सेपटा, रामलाल हाम्बड़, पूनमचन्द सेपटा, हिम्ताराम हाम्बड़, भानाराम सेपटा, ओमप्रकाश काग, प्रकाश चोयल, बाबुलाल पंवार, नवयुवक मंडल अध्यक्ष चुतराराम बर्फा, उपाध्यक्ष दिनेश बर्फा, सचिव दिलीप चोयल, खेल मंत्री राकेश बर्फा, प्रचार मंत्री नारायणलाल परिहारिया, गैर मंडली अध्यक्ष मोहनलाल सौनपरा, सचिव इन्द्राराम बर्फा सर्वसहमति से चुने गये। नवनिर्वाचित अध्यक्ष कूनाराम सोलंकी व सचिव मलाराम सोलंकी ने सर्वसहमति से चुने जाने पर समाज बन्धुओ का तहदिल से आभार प्रकट करते हुए भरोसा दिलाया कि सभी के सहयोग से समाज हित में वे कार्य करेंगे। अध्यक्ष कन्हैयालाल बर्फा ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई देते हुए बताया कि शनिवार 12 सितम्बर भादवा सुदी एकम दोपहर को नवनिर्वाचित पदाधिकारियो को शपथ दिलाकर वर्तमान कार्यकारिणी का विदाई समारोह आयोजित किया जाएगा। भादवा सुदी बीज को सपरिवार पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

सीरवी समाज पारसीगुटा का बीज महोत्सव 12 को :

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पारसीगुटा स्थित श्री आईमाताजी मंदिर बडेर में समाज बन्धुओं के सानिध्य में श्री आईमाताजी के 611 वें अवतरण दिवस व 44वें वार्षिक सम्मेलन पर दो दिवसीय कार्यक्रम शनिवार 12 सितम्बर व रविवार 13 सितम्बर प्रातः वेला में पूजा-अर्चना व महाप्रसादी कार्यक्रम भव्यरुप से आयोजित किया जायेगा।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में सचिव नारायणलाल काग ने संयुक्तरुप से बताया कि हर वर्ष की भांति समाज बन्धुओं के सानिध्य में दो दिवसीय भादवा सुदी बीज महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। भादवा सुदी एकम शनिवार 12 सितम्बर प्रातः वेला में श्री आईमाता मंदिर को विशेष फूलों व लाईटिंग से सजाकर माई का विशेष शृंगारकर सायं 4.15 बजे से महिला मंडल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। भादवा सुदी दूज (बीज) रविवार 13 सितम्बर प्रातः 9.15 बजे गणेश वंदना, ज्योत प्रज्वलितकर आईमा की पूजा-अर्चना, प्रातः 10.15 बजे से भजन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा ।

जिसमें निकिता सीरवी एवं भंवर सीरवी माई के चरणों में भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। पधारे सम्मानित अतिथियोंक्ष का राजस्थानी अंदाज मे सम्मान किया जाएगा । समाज बन्धुओं द्वारा माई के चरणों में श्रीफल भेंटकर परिवार के सुख-समृद्धि की कामना, कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा द्वारा आय-व्यय का विवरण, पधारे समाज बन्धुओं व भक्तों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था मंदिर प्रांगण में रहेगी। अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, लाबुराम पँवार, सुशीला देवड़ा ने सभी पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों व समाज बन्धुओं से निवेदन किया है बीज महोत्सव पर अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर, सपरिवार पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

कंटेनर पलटने से ट्रैफ़िक पूरी तरह ठप

निज़ामाबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार सुबह-सुबह इंदलवाई मंडल के चंद्रायनपल्ली गाँव के बाहरी इलाके में हैदराबाद-नागपुर नेशनल हाईवे 44 पर एक कंटेनर के पलटने से ट्रैफ़िक पूरी तरह ठप हो गया।

इस घटना के बाद नेशनल हाईवे पर चलने वाली गाड़ियाँ लगभग पाँच किलोमीटर तक फँसी रहीं। हैदराबाद से भारी सामान लेकर जा रहा कंटेनर एक मोड़ पर तेज़ रफ़्तार के कारण पलट गया, जिससे गाड़ियों की आवाजाही प्रभावित हुई। दुर्घटना में ड्राइवर घायल हो गया।

गाड़ी चालकों ने लंबे समय तक लगे ट्रैफ़िक जाम पर नाराज़गी जताई और पुलिस से हाईवे पर गाड़ियों की आवाजाही बहाल करने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुँची और क्रेन की मदद से पलटे हुए कंटेनर को हटाया। उनकी त्वरित कार्रवाई से गाड़ी चालकों को राहत मिली।

साइबराबाद में ट्रैफिक वॉलंटियर्स को प्रमाणपत्र प्रदान

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने सोसाइटी फॉर साइबराबाद सिक्योरिटी काउंसिल के सहयोग से ट्रैफिक वॉलंटियर्स सर्टिफिकेशन कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में साइबराबाद के प्रमुख यातायात मार्गों पर ट्रैफिक नियंत्रण और सड़क सुरक्षा में सहयोग करने वाले नागरिक स्वयंसेवकों को सम्मानित कर प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

कार्यक्रम में साइबराबाद के संयुक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) सनप्रीत सिंह, अतिरिक्त डीसीपी ट्रैफिक (प्रशासन) जी. नरेंद्र, एससीएससी ट्रैफिक फोरम के संयुक्त सचिव राजेश बालाराजू, निदेशक रश्मि, ट्रैफिक मैनेजर महेश और सात्विक सहित पुलिस अधिकारी एवं स्वयंसेवक मौजूद रहे। सनप्रीत सिंह ने कहा कि साइबराबाद पुलिस के लिए सुचारु यातायात और सड़क सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण और वाहनों की संख्या के कारण यातायात दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। ऐसे में जाम की समस्या से निपटने के लिए पुलिस और जनता के बीच मजबूत सहयोग जरूरी है। उन्होंने स्वयंसेवकों के समर्पण की सराहना करते हुए पीक आवर्स में अधिक नागरिकों को इस अभियान से जोड़ने का आह्वान किया। बैठक में स्वयंसेवकों ने सड़कों पर गड्ढों और खराब सतह के कारण यातायात प्रभावित होने तथा स्थानीय सड़क सुरक्षा नियमों से अनजान कमर्शियल बाइक-टैक्सी चालकों की लापरवाही से संबंधित समस्याएं उठाईं।

एसआईआर में फर्जी फोटो

डुप्लीकेट वोट और मृत मतदाताओं के मामले सामने आए

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची में कई अनियमितताएं सामने आई हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के अनुसार, राज्य की 119 विधानसभा सीटों में अब तक 1,100 मतदाताओं को मॉर्फ की गई तस्वीरों, डुप्लीकेट वोट और मृत्यु के मामलों के कारण अंतिम मतदाता सूची से बाहर किए जाने के लिए चिन्हित किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि नोटिस और सुनवाई की प्रक्रिया के दौरान कुछ मतदाताओं के आवेदन में बदली हुई तस्वीरें पाई गईं। निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) ने ऐसे मामलों की जांच कर उन्हें अस्वीकृति के लिए चिन्हित किया है। अधिकारियों को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। तेलंगाना में कुल 3,38,26,448 मतदाताओं में से 2,64,87,213 ने अपना एन्यूमरेशन फॉर्म जमा किया है। वहीं 73,39,235 मतदाताओं को अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और डुप्लीकेट श्रेणी में रखा गया है। फॉर्म जमा करने वाले मतदाताओं में से 92,87,577 मामलों में समस्याएं मिली हैं। इनमें 60,50,918 मतदाताओं के नाम, उम्र या वर्तनी में विसंगतियां हैं, जबकि 32,36,659 मतदाता एसआईआर-2002 की सूची से अपना मिलान नहीं करा सके। अधिकारियों ने 61 लाख मतदाताओं को नोटिस जारी किए हैं, जिनमें से करीब 31 लाख नोटिस अभी वितरित किए जाने बाकी हैं।

स्पोर्ट्स एक्टिविटी के दौरान गिरकर 8वीं क्लास के छात्र की मौत

खम्मम, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को जिले के रघुनाथापालेम में महात्मा ज्योतिबा फुले बीसी बॉयज़ रेजिडेंशियल स्कूल में 8वीं क्लास के एक छात्र की संदिग्ध हार्ट अटैक से मौत हो गई। मृतक छात्र सालिगंती सात्विक (14), जो तिरुमलयपालेम मंडल के काकरावाई गांव का रहने वाला था, बताया जाता है कि सुबह स्पोर्ट्स एक्टिविटी में शामिल होने के दौरान अचानक गिर पड़ा।

स्कूल अधिकारियों के मुताबिक, दौड़ पूरी करने के बाद सात्विक बेहोश हो गया; उसे फर्स्ट एड दिया गया और खम्मम के सरकारी जनरल अस्पताल ले जाया गया। जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसकी मौत की सही वजह का अभी पता नहीं चल पाया है। लड़के के माता-पिता हरीश और प्रियंका को उसकी मौत की जानकारी दी गई और उन्होंने अपने बेटे की मौत की गहन जांच की मांग की। इस घटना से गुरुकुल के छात्रों में हड़कंप मच गया है।

तेलंगाना के मेदक से सांसद माधवनैनी रघुनंदन राव ने एससीआर मुख्यालय 'रेल निलयम' में एससीआर के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव से मुलाकात की और अपने क्षेत्र से संबंधित रेल विकास योजनाओं पर चर्चा की।

जादू-टोने के शक और दुश्मनी के चलते महिला की हत्या

मंचेरियल, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार रात डंडेपल्ली मंडल के नेल्की वेंकटपुर गाँव में पुरानी दुश्मनी और जादू-टोने के शक के चलते एक रिश्तेदार ने 45 साल की महिला की बेरहमी से हत्या कर दी। डंडेपल्ली एसआई राज्यवर्धन ने बताया कि गाँव की रहने वाली सिंगाथी लक्ष्मी पर उसी गाँव के रहने वाले उसके पति के चचेरे भाई रमेश ने कुल्हाड़ी से हमला किया, जब वह रात करीब 8 बजे अपने घर के सामने बैठी थी। ज़्यादा खून बहने के कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि रमेश की लक्ष्मी से काफी समय से अनबन चल रही थी। रमेश ने हाल ही में अपनी पत्नी से हुए तलाक के लिए लक्ष्मी को दोषी ठहराते हुए उससे बहस की। गुस्से में आकर उसने लक्ष्मी पर हमला किया और फिर मौके से भाग गया। लक्ष्मी के पति लचन्ना ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। रमेश के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। जांच शुरू कर दी गई है और आरोपी को पकड़ने के लिए तलाश की जा रही है।

नकली अभयरेब रेबीज़ वैक्सीन से स्वास्थ्य को लेकर नई चेतावनी

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आम दवाओं के मामले में खराब बैच से ठीक होने में देरी हो सकती है, लेकिन नकली रेबीज़ वैक्सीन लगवाने का मतलब लगभग 100% मौत तय है। यह एक डरावनी सच्चाई है, जिसके कारण नकली अभयराब रेबीज़ वैक्सीन बैच मिलने के बाद पब्लिक हेल्थ स्पेशलिस्ट और बच्चों के डॉक्टरों (पीडियाट्रिशियन) ने बड़े पैमाने पर चेतावनी जारी की है। हाल के महीनों में भारत में इसी ब्रांड से जुड़ा नकली शीशियों का यह दूसरा बड़ा मामला सामने आया है।

हैदराबाद की जानी-मानी पीडियाट्रिशियन और पब्लिक हेल्थ कमेंटेटर, डॉ. शिवरंजनी संतोष ने सोशल मीडिया पर इस रैकेट के पीछे के लोगों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, एंटी-रेबीज़ वैक्सीन का नकली वर्शन जारी करने वाले लोग अपराधी हैं जो लोगों की हत्या कर रहे हैं, क्योंकि रेबीज़ जानलेवा है।

यह चेतावनी बैच नंबर केई25012 को लेकर है, जो दिल्ली पुलिस और सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइज़ेशन द्वारा नई दिल्ली में बिना लाइसेंस वाली रिहायशी जगह पर की गई छापेमारी के बाद सामने आई है। पिछले एक साल में यह दूसरी बार है जब अभयराब के नकली वर्शन सामने आए हैं; भारत के घरेलू रेबीज़ वैक्सीन मार्केट में इस ब्रांड की बड़ी हिस्सेदारी है।

इससे पहले, ऑस्ट्रेलिया के इम्यूनाइज़ेशन एडवाइज़री ग्रुप जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने देश में चल रहे एक पुराने नकली बैच के बारे में बड़े पैमाने पर चेतावनी जारी की थी, जिससे दवा की ट्रैकिंग और सप्लाई चेन की सुरक्षा में बड़ी कमियां उजागर हुई थीं।

ताज़ा मामले में, कसौली स्थित सेंट्रल ड्रग्स लेबोरेटरी में लैब जांच के बाद ज़ब्त किए गए केई25012 सैंपल को नॉट ऑफ़ स्टैंडर्ड क्वालिटी और गलत लेबल वाला घोषित किया गया। इंडियन इम्यूनोलॉजिकल्स लिमिटेड ने हैदराबाद में अपने ह्यूमन बायोलॉजिकल्स इंस्टीट्यूट डिवीज़न के ज़रिए पुष्टि की कि टेस्टिंग में पैकेजिंग और लेबलिंग में 17 कमियां पाई गईं, जिससे साबित हुआ कि शीशियां नकली थीं।

अधिकारियों ने साफ़ किया कि 7 नवंबर, 2025 को सीडीएल /2025/8392 सर्टिफ़िकेट के ज़रिए जारी किए गए असली स्टॉक सुरक्षित हैं और उन्हें अधिकृत मेडिकल चैनलों के ज़रिए बेचा गया था।

हालांकि हैदराबाद या तेलंगाना में कहीं और किसी व्यक्ति को खराब डोज़ मिलने की संभावना कम है, फिर भी मेडिकल एक्सपर्ट्स सावधानी बरतने की सलाह देते हैं। जिस किसी ने भी 7 नवंबर, 2025 को या उसके बाद 'अभयरेब' लगवाया है, उसे तुरंत किसी हेल्थकेयर प्रोफ़ेशनल से अपनी वैक्सीनेशन हिस्ट्री वेरिफ़ाई करवानी चाहिए।

भाजपा नेता एवं पूर्व पार्षद जामबाग राकेश जायसवाल ने लोक भवन गुवाहाटी में असम के राज्यपाल लखमन प्रसाद आचार्य से शिष्टाचार मुलाकात कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर सीनू मामा, हर्ष, संतोष, राजू भी उपस्थित थे।

कासीपेट II खदान हादसा: मंचेरियल में खनिकों ने काम बंद किया

मनचेरियल, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कासीपेट II अंडरग्राउंड खदान में विस्फोटक के मिसफायर होने से चार खनिक घायल हो गए, जिसके बाद खनिकों ने अधिकारियों की लापरवाही और खराब क्वालिटी के सामान के विरोध में काम बंद कर दिया।

खनिकों ने अधिकारियों की लापरवाही और एससीसीएल द्वारा कोयला निकालने के काम में इस्तेमाल किए जाने वाले खराब क्वालिटी के सामान के विरोध में काम नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि लापरवाही और खराब क्वालिटी के सामान की वजह से अक्सर हादसे होते हैं। वे चाहते थे कि अधिकारी काम की जगहों पर सुरक्षा बढ़ाएं और अच्छी क्वालिटी का सामान इस्तेमाल करें।

हालांकि, अधिकारियों द्वारा बचाव के उपाय करने का भरोसा दिए जाने के बाद खनिकों ने अपना विरोध खत्म कर दिया। अधिकारियों ने वादा किया कि खनिकों की सुरक्षा को सबसे ज़्यादा अहमियत दी जाएगी और अंडरग्राउंड खदानों से कोयला निकालने के लिए अच्छी क्वालिटी का सामान खरीदा जाएगा।

सोमवार को खदान के अंदर विस्फोटक के मिसफायर होने से कोयले के टुकड़े लगने से चार खनिक - रमेश, राज कुमार, क्रांति और श्रीनिवास - घायल हो गए थे। उन्हें तुरंत रामकृष्णपुर के एससीसीएल अस्पताल ले जाया गया। घायलों में से एक की हालत गंभीर बताई गई है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

एशियन गेम्स से 10 दिन पहले जापान में बाढ़

400 खिलाड़ी-स्टाफ को सुरक्षित जगह शिफ्ट किया गया; मेयर बोले- इवेंट पर असर नहीं पड़ेगा

नागोया, 9 सितंबर (एजेंसियां)। एशियन गेम्स की शुरुआत से 10 दिन पहले जापान के नागोया में बाढ़ आ गई। स्थिति यह बनी की एशियन गेम्स में भाग लेने आए 400 खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को सुरक्षित जगहों पर ले जाया गया।

बाढ़ में नागोया शहर की सड़कें और घर डूब गए। मेयर इचिरो हिरोसावा ने दावा किया कि एशियन गेम्स के लिए कोई चिंता की बात नहीं है। टूर्नामेंट का आयोजन तय समय पर होगा।

बस और मेट्रो सेवाएं कुछ समय के लिए प्रभावित रहीं। करीब 3,500 लोगों ने इमरजेंसी शेल्टर में शरण ली। नागोया और इची में एशियन गेम्स 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने हैं।

जापानी मीडिया में शहर की सड़कों और मेट्रो स्टेशनों में भरे पानी की तस्वीरें दिखाई गईं। न्यूज एजेंसी AP की रिपोर्ट के मुताबिक, वेन्यू की कुछ जगहों पर छतों से पानी टपकने की घटनाएं भी हुईं।

"हमें वेन्यू की स्थिति को लेकर चिंता नहीं है। हमारा मानना है कि एशियन गेम्स तय कार्यक्रम के मुताबिक कराने में कोई परेशानी नहीं होगी।"

इचिरो हिरोसावा
मेयर, नागोया (जापान)

हालांकि मेयर हिरोसावा ने कहा कि एशियन गेम्स के दर्जनों वेन्यू को गंभीर नुकसान नहीं हुआ है।

खेल मंत्रालय ने जापान के आइची और नागोया में होने वाले 20वें एशियन गेम्स के लिए 503 खिलाड़ी और 255 सपोर्ट स्टाफ भेजने की जानकारी दी है। सपोर्ट स्टाफ में कोच, मैनेजर, फिजियो और मेडिकल टीम आदि शामिल है।

36 खेलों में उतरेगा भारतः पहले 35 खेलों के 492 एथलीटों को मंजूरी दी गई थी, लेकिन 4 सर्फर्स सहित नए नाम जुड़ने से अब भारत 36 खेलों में हिस्सा लेगा।

एथलेटिक्स दल में सबसे बड़ी बढ़ोतरीः एथलेटिक्स टीम के खिलाड़ियों की संख्या 73 से बढ़ाकर 79 कर दी गई है। एथलेटिक्स और क्रिकेट को सबसे ज्यादा सपोर्ट स्टाफ दिया गया है।

दल के प्रमुख अधिकारीः दल प्रमुख के रूप में सहदेव यादव और मुख्य मेडिकल अधिकारी के रूप में डॉ. दिनशॉ पार्डीवाला भारतीय दल का नेतृत्व करेंगे।

डिफेंडिंग चैंपियन भारत एशियन गेम्स के लिए टीम घोषित कर चुका है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली टीम में युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी भी शामिल हैं। भारतीय टीम 19 सितंबर को सानो के लिए रवाना होगी। इसगे अगले दिन टीम प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा लेगी।

हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय महिला क्रिकेट टीम दुबई में एशिया कप खेलने के बाद 13 सितंबर को भारत लौटेगी और 14 सितंबर को नागोया के लिए रवाना होगी।

महिला टीम एशियन गेम्स में सीधे क्वार्टर फाइनल से अभियान शुरू करेगी। उसका पहला मुकाबला 18 सितंबर को होगा। महिलाओं का यह टूर्नामेंट 22 सितंबर तक चलेगा।

इससे पहले खबर आई थी कि बीसीसीआई और पीसीबी गेम्स के आयोजकों से नाराज है। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया कि खिलाड़ियों को स्टेडियम से 20 किमी दूर छोटे होटल कमरों में ठहराया गया है, जहां बैग खोलने तक की जगह नहीं है। वहीं ड्रेसिंग रूम पक्के मकान की जगह टेंट में बने हैं और वॉशरूम 500 मीटर दूर है।

इसपर जेसीए के सीईओ नाओकी एलेक्स मियाजी ने कहा था- 'हमने क्रिकेट टीम को होटल का विकल्प दिया है। जबकि कई अन्य खेलों के खिलाड़ियों के लिए क्रूज शिप या कंटेनर होटल जैसी सीमित सुविधाएं हैं।' उन्होंने कहा... प्लेयर एरिया में टॉयलेट की सुविधा उपलब्ध रहेगी। मैदान पर बने ड्रेसिंग रूम भले ही अस्थाई हों, लेकिन इन्हें इस तरह तैयार किया गया है कि खिलाड़ियों और अधिकारियों को पूरा आराम मिले।

पिच और आउटफील्ड कम समय में सीमित संसाधनों के बीच तैयार की गई है। यह एशियन गेम्स के इतिहास में क्रिकेट की सबसे बेहतरीन प्लेइंग सरफेस होगी। श्रीलंकाई क्यूरेटर्स की मदद से यहां टर्फ और हाइब्रिड पिच तैयार की जा रही है।

दूसरी पारी में भी छाए ईशान किशन

9 चौके और 3 छक्कों के साथ खेली शानदार अर्धशतकीय पारी

चेन्नई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। ईस्ट जोन और साउथ जोन के बीच खेले जा रहे दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में भारतीय स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने बल्ले से तहलका मचा दिया है. ईशान ने मैच की पहली पारी में 270 रनों की बेहतरीन पारी खेली थी, जबकि दूसरी पारी में उन्होंने शानदार 80 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली. उन्होंने इस मुकाबले की दोनों पारियों में कुल मिलाकर 350 रन बनाए. इस दौरान उन्होंने खूब चौकों-छक्कों की बारिश भी की. इस शानदार प्रदर्शन के साथ ईशान ने न सिर्फ ईस्ट जोन को खिताब के करीब पहुंचा दिया है, बल्कि उन्होंने भारतीय टेस्ट टीम में अपनी वापसी की मजबूत दावेदारी भी ठोक दी है. दलीप ट्रॉफी के फाइनल की दूसरी पारी में ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन ने साउथ जोन के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक लगाया. ईशान ने 98 गेंदों पर 80 रनों की पारी खेली, जिसमें उन्होंने 9 चौके और 3 छक्के भी जड़े. इस पारी के दौरान उन्होंने एक ओवर में 2 चौके और 2 छक्कों की मदद से 20 रन बटोरे. इससे पहले मैच की पहली पारी में उन्होंने लाजवाब बल्लेबाजी करते हुए 334 गेंदों पर 270 रनों की बेहतरीन पारी खेली थी. अपनी इस पारी में उन्होंने 30 चौके और 7 छक्के लगाए. इस तरह ईशान ने फाइनल की दोनों पारियों में कुल मिलाकर 350 रन बनाए. उन्होंने कुल 432 गेंदों का सामना किया और इस दौरान उनके बल्ले से 39 चौके और 10 छक्के निकले.

ईशान किशन ने दलीप ट्रॉफी 2026 में बल्ले से काफी शानदार प्रदर्शन किया है. ईशान ने तीन मैचों की 5 पारियों में 102.25 के शानदार औसत के साथ कुल 409 रन बनाए. इस दौरान उन्होंने एक दोहरा शतक और एक अर्धशतकीय पारी खेली. ईशान ने पिछली 5 पारियों में 4, 16, 39*, 270 और 80 रन बनाए. बल्ले के साथ-साथ ईशान ने कप्तानी में भी शानदार प्रदर्शन किया. उनकी कप्तानी में ईस्ट जोन ने क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में जीत हासिल कर 14 साल के लंबे इंतजार के बाद फाइनल में जगह बनाई है. ईशान की कप्तानी में ईस्ट जोन खिताब के बेहद करीब पहुंच गई है. दलीप ट्रॉफी के फाइनल में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ईस्ट जोन की टीम ने पहली पारी में कप्तान ईशान किशन की 247 रनों की बेहतरीन पारी के दम पर 708 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया. इसके जवाब में उतरी साउथ जोन की पहली पारी 336 रन पर ऑलआउट हो गई. इस तरह ईस्ट जोन को पहली पारी के आधार पर 372 रनों की बड़ी बढ़त मिल गई. इसके बाद ईस्ट जोन दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी है.

इंडिया-ए टीम में हार्दिक पंड्या की वापसी

5 महीने बाद खेलेंगे, गायकवाड़ वनडे और पडिक्कल टेस्ट टीम के कप्तान

मुंबई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। हार्दिक पंड्या करीब पांच महीने बाद क्रिकेट में वापसी कर सकते हैं। बुधवार को बीसीसीआई ने ऑस्ट्रेलिया-A के लिए इंडिया-A की टीम घोषित कर दी है। पंड्या को तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए चुना गया है। लेकिन उनका खेलना फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर करेगा।

ऋतुराज गायकवाड़ वनडे टीम की कप्तानी करेंगे। देवदत्त पडिक्कल दो मल्टी-डे टेस्ट मैचों में टीम की कमान संभालेंगे। साई सुदर्शन मल्टी-डे टीम के उपकप्तान होंगे। पडिक्कल वनडे टीम के उपकप्तान होंगे। हार्दिक पंड्या ने अपना आखिरी मैच 24 मई को आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेला था। इसके बाद वह चोट के कारण बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिकवरी कर रहे हैं। भारत के लिए उनका आखिरी मुकाबला 8 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 वर्ल्ड कप फाइनल था। भारत ने इस मैच में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर लगातार दूसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। हार्दिक को नवंबर 2016 में कंधे में हेयरलाइन फ्रैक्चर। सितंबर 2018 में एशिया कप के दौरान लोअर-बैक इंजरी और अक्टूबर 2019 में इसी पुरानी समस्या के कारण उनकी पीठ की सर्जरी हुई थी। अक्टूबर 2023 में वनडे वर्ल्ड कप के दौरान बांग्लादेश के खिलाफ गेंदबाजी करते हुए उनके बाएं टखने में लिगामेंट टियर हुआ, जिसके कारण वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे।

2026 में आईपीएल के दौरान अप्रैल-मई में उन्हें बैक स्पैज्म की परेशानी हुई। इसके बाद जून और सितंबर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ट्रेनिंग के दौरान क्वाड्रिसेप्स स्ट्रेन और पैर में खिंचाव की समस्या सामने आई। इसी वजह से वह लंबे समय से क्रिकेट से बाहर हैं। मौजूदा चयन में

भी उनका खेलना फिटनेस क्लीयरेंस पर निर्भर रखा गया है। श्रीलंका दौरे पर नंबर-3 पर खेलते हुए लगातार दो शतक लगाने वाले देवदत्त पडिक्कल को मल्टी-डे टीम का कप्तान बनाया गया है। वह फिलहाल दलीप ट्रॉफी फाइनल में साउथ जोन की ओर से खेल रहे हैं। पडिक्कल के डिप्टी साई सुदर्शन होंगे। टीम में अमन मोक्हाड़े, आयुष पांडे, यश राठौड़ और शेख रशीद जैसे बल्लेबाजों को भी जगह मिली है। विकेटकीपिंग के लिए कुमार कुशाग्र और एन. जगदीशन चुने गए हैं। गेंदबाजी विभाग में शम्स मुलानी, तनुष कोटियन, तुषार देशपांडे, अंशुल कंबोज, प्रफुल हिंगे, नचिकेत भुटे और वी. वैश्याक शामिल हैं। 50 ओवर की टीम की कमान ऋतुराज गायकवाड़ को दी गई है। टीम में साई सुदर्शन, प्रियांश आर्या, रजत पाटीदार और नमन धीर जैसे बल्लेबाज शामिल हैं। निशांत सिंधु, विप्रज निगम और अर्शिन कुलकर्णी ऑलराउंड विकल्प हैं। कुमार कुशाग्र और प्रभसिमरन सिंह विकेटकीपर के तौर पर टीम का हिस्सा हैं। हार्दिक पंड्या के अलावा अर्शद खान, गुरजपनीत सिंह और यश ठाकुर तेज गेंदबाजी विकल्प हैं।

भारत 35 महीने से आईसीसी वनडे रैंकिंग में टॉप पर

सितंबर 2023 में पाकिस्तान को पीछे छोड़ा, तब से नंबर-1; न्यूजीलैंड दूसरे स्थान पर

मुंबई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम ने आईसीसी वनडे टीम रैंकिंग में नंबर-1 की पोजिशन बरकरार रखी है। ताजा रैंकिंग में उसके 116 रेटिंग पॉइंट्स हैं। न्यूजीलैंड 109 रेटिंग के साथ दूसरे और ऑस्ट्रेलिया 102 रेटिंग के साथ तीसरे नंबर पर है।

भारतीय टीम सितंबर 2023 में पाकिस्तान को पीछे छोड़कर वनडे रैंकिंग में टॉप पर पहुंची थी। टीम तब से यानी पिछले 35 महीने 18 दिन से टॉप पर बरकरार है।

भारतीय क्रिकेट टीम जनवरी 2013 में एमएस. धोनी की कप्तानी में पहली बार आईसीसी वनडे रैंकिंग में नंबर-1 टीम बनी थी। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की घरेलू वनडे सीरीज 3-2 से जीतकर यह ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया था।

साउथ अफ्रीका मौजूदा रैंकिंग में 102 रेटिंग पॉइंट्स के साथ चौथे स्थान पर है। पाकिस्तान 100 रेटिंग के साथ पांचवें और श्रीलंका 96 रेटिंग के साथ छठे

ICC ODI रैंकिंग में टॉप टीमें

रैंक	टीम	मैच	पॉइंट्स	रेटिंग
1	भारत	33	3,841	116
2	न्यूजीलैंड	35	3,809	109
3	ऑस्ट्रेलिया	29	2,965	102
4	साउथ अफ्रीका	28	2,855	102
5	पाकिस्तान	32	3,215	100
6	श्रीलंका	36	3,470	96
7	इंग्लैंड	31	2,898	93
8	अफगानिस्तान	28	2,565	92
9	बांग्लादेश	39	3,251	83

नंबर पर है।

इंग्लैंड 93 रेटिंग के साथ सातवें और अफगानिस्तान 92 रेटिंग के साथ आठवें स्थान पर है। बांग्लादेश नौवें और वेस्टइंडीज 10वें स्थान पर है।

आईसीसी बल्लेबाजों की वनडे रैंकिंग में टॉप-10 में कोई बदलाव नहीं है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल 801 रेटिंग पॉइंट्स के साथ टॉप पर बरकरार हैं। विराट कोहली (767 रेटिंग) तीसरे और रोहित शर्मा (758 रेटिंग) चौथे स्थान पर हैं।

वहीं टी-20 रैंकिंग में भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन पहले स्थान पर बरकरार हैं। अभिषेक शर्मा (तीसरे स्थान) और तिलक वर्मा (सातवें स्थान) टॉप-10 में शामिल भारतीय हैं। टॉप-10 में सिर्फ एक बदलाव हुआ है। इंग्लैंड के फिल साल्ट ने

ICC टी-20 बैटिंग रैंकिंग

रैंक	खिलाड़ी	टीम	रेटिंग
1	ईशान किशन	भारत	910
2	साहिबजादा फरहान	पाकिस्तान	848
3	अभिषेक शर्मा	भारत	819
4	फिल सॉल्ट	इंग्लैंड	799
5	डेवाल्ड ब्रेविस	साउथ अफ्रीका	789
6	पथुम निसांका	श्रीलंका	751
7	तिलक वर्मा	भारत	750
8	जोस बटलर	इंग्लैंड	748
9	हैरी ब्रूक	इंग्लैंड	734
10	मिचेल मार्श	ऑस्ट्रेलिया	706

साउथ अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस को पीछे छोड़ चौथा स्थान हासिल किया है।

आईसीसी की टीम रैंकिंग में टीम के मैचों के नतीजों के साथ उसके प्रदर्शन की निरंतरता को भी ध्यान में रखा जाता है। हर टीम की रेटिंग उसके प्रदर्शन और संबंधित मैचों के रेटिंग-वेट के आधार पर तय होती है। इसलिए केवल पॉइंट्स की संख्या से रैंक तय नहीं होती, बल्कि पॉइंट्स और मैचों के आधार पर बनी रेटिंग महत्वपूर्ण होती है।

डिफेंडिंग चैंपियन अल्काराज यूएस ओपन से बाहर

न्यूयॉर्क, 9 सितंबर (एजेंसियां)। डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज यूएस ओपन से बाहर हो गए हैं। न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मेंस क्वार्टरफाइनल में अमेरिकी खिलाड़ी बेन शेल्टन ने उन्हें पांच सेट के मुकाबले में 6-7, 6-1, 6-3, 1-6, 7-6 से हराया।

इससे पहले फ्रांसेस टियाफो ने एलेक्स माइकेल्सन को पांच सेट में हराकर तीसरी बार यूएस ओपन सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। अब सेमीफाइनल में टियाफो का सामना हमवतन शेल्टन से होगा।

विमेंस सिंगल्स में अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने हमवतन एमा नवारो को 3-6, 6-4, 6-3 से हराकर लगातार तीसरे साल यूएस ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई। वहीं, वर्ल्ड नंबर-

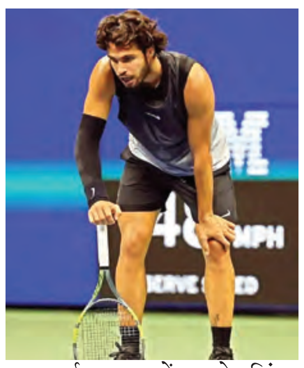

1 आर्यना सबालेंका ने लिंडा नोस्कोवा को 7-6, 3-6, 7-6 से हराकर लगातार छठी बार अंतिम-4 में प्रवेश किया।

बेन शेल्टन ने डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। शेल्टन ने पहला सेट टाईब्रेकर में गंवाने के बाद शानदार वापसी की और 4 घंटे 28 मिनट चले मुकाबले को निर्णायक सेट के टाईब्रेकर से अपने नाम किया।

पहले सेट में अल्काराज ने 5-4 की बढ़त बनाई, लेकिन शेल्टन ने वापसी कर स्कोर बराबर कर दिया और सेट टाईब्रेकर में पहुंचा। शेल्टन यहां 5-3 से आगे थे, लेकिन अल्काराज ने लगातार चार अंक जीतकर टाईब्रेकर 7-5 से अपने नाम कर लिया। इसके बाद शेल्टन ने वापसी की और दूसरे सेट में 6-1 से जीत हासिल की।

तीसरे सेट में भी उन्होंने दबाव बनाए रखा और 6-3 से जीतकर 2-1 की बढ़त ले ली। दूसरे और तीसरे सेट के बीच शेल्टन ने लगातार नौ गेम जीते। हालांकि, अल्काराज ने चौथे सेट में वापसी करते हुए 6-1 से जीत दर्ज की और मुकाबले को निर्णायक सेट में पहुंचा दिया।

जूनियर एशिया कपः भारतीय हॉकी टीम सेमीफाइनल में पहुंची

मोकी (चीन), 9 सितंबर (एजेंसियां)। मोकी में खेले जा रहे टूर्नामेंट में पूल-A के आखिरी मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने चीनी ताइपे को 15-0 से हरा दिया। कप्तान अनमोल एक्का ने पेनल्टी कॉर्नर से 6 गोल दागे और टीम को बड़ी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

चीनी ताइपे के डिफेंस ने पहले क्वार्टर में भारतीय टीम को गोल करने से रोके रखा। वहीं, दूसरे क्वार्टर में भारतीय टीम ने पूरी तरह मैच पर कब्जा कर लिया। आर्यन एक्सेस, प्रभदीप सिंह और गुरसेवक सिंह ने पांच मिनट के अंदर तीन गोल किए। इसके बाद अनमोल एक्का ने दो गोल, जबकि अर्जुन संतोष हर्गुड़े ने एक गोल किया। हाफ-टाइम तक भारत 6-0 से आगे था। अनमोल ने लगातार पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलते हुए अपनी हैट्रिक पूरी की और फिर चौथा गोल भी किया। अजीत यादव ने 35वें मिनट में गोल किया, जबकि 45वें मिनट में अनमोल ने अपना पांचवां गोल कर भारत को 10-0 की बढ़त दिला दी। आखिरी क्वार्टर में हरपाल ने दो गोल किए, अनमोल ने छठा गोल दागा और आर्यन एक्सेस ने भी दो गोल कर भारत की बढ़त 15-0 कर दी।

इस जीत के साथ पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम ने पूल-A में अपना अभियान 10 अंकों के साथ टॉप पर खत्म किया। भारत ने तीन मैच जीते और एक ड्रॉ खेला। साउथ कोरिया 9 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा और सेमीफाइनल में पहुंचा। जापान, इंडोनेशिया और चीनी ताइपे अब खिताब की रेस से बाहर हो गए हैं और क्लासिफिकेशन मैच खेलेंगे।

महिला एशिया कप सेमीफाइनल में भारत बनाम बांग्लादेश

यूएई को 34 रन से हराकर बांग्लादेश टॉप-4 में; आज दुबई में मुकाबला

दुबई, 9 सितंबर (एजेंसियां)। महिला एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल की तस्वीर साफ हो गई है। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में बांग्लादेश ने यूएई को 34 रन से हराकर टॉप-4 में जगह बनाई। अब 10 सितंबर को पहले सेमीफाइनल में बांग्लादेश का सामना भारत से होगा। मुकाबला दुबई में रात 8 बजे से खेला जाएगा।

पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 103 रन बनाए। जवाब में यूएई की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 69 रन ही बना सकी।

बांग्लादेश की शुरुआत खराब रही। टीम ने 55 रन तक पहुंचते-पहुंचते 6 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद शर्मिन अख्तर ने 31 गेंदों पर 38 रन की अहम पारी खेली। कप्तान निगार सुल्ताना ने 28 गेंदों पर 23 रन बनाए।

शर्मिन ने नाहिदा अख्तर के साथ सातवें विकेट के लिए 42 रन की साझेदारी की। नाहिदा ने 26 गेंदों पर नाबाद 16 रन बनाए। इस साझेदारी की मदद से बांग्लादेश 100 रन का आंकड़ा पार कर सका और 20 ओवर में 103/7 का स्कोर बनाया। यूएई की ऑफ स्पिनर सुरक्षा कोटे ने बांग्लादेश की पारी पर दबाव बनाए रखा। उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 11 रन देकर 3 विकेट लिए। उनके स्पेल में 16 डॉट गेंदें रहीं।

सुरक्षा ने पावरप्ले में बांग्लादेश के दो विकेट निकाले। इसके बाद उन्होंने कप्तान निगार सुल्ताना को भी आउट किया। यूएई की गेंदबाजी के कारण बांग्लादेश को बड़े स्कोर तक नहीं पहुंच सकी।

टारगेट का पीछा करने उतरी यूएई की शुरुआत अच्छी नहीं रही। तेज गेंदबाज मरुफा अख्तर ने नई गेंद से कप्तान ईशा ओजा और समाइरा धरनिधारका को पवेलियन भेज दिया। पावरप्ले खत्म होने तक टीम 15 रन पर 2 विकेट गंवा चुकी थी। बांग्लादेश के गेंदबाजों ने सटीक गेंदबाजी की, जिससे यूएई के बल्लेबाज खुलकर नहीं खेल सके। आखिरकार 20 ओवर में टीम 9 विकेट पर 69 रन ही बना सकी। हीना हॉटचंदानी ने सबसे ज्यादा 18 रन बनाए।

बांग्लादेश के लिए मरुफा ने 4 ओवर में 9 रन देकर 2 विकेट लिए। राबेया खान ने 3 विकेट चटकाए। वहीं नाहिदा अख्तर को 2 विकेट मिला।

अमेरिकी कोच की 17 सेकेंड की स्पीच वायरल

सही से हारना नहीं सीखा तो जीत का मजा नहीं ले पाएंगे, एडवर्ड्स का मंत्र

न्यूयॉर्क, 9 सितंबर (एजेंसियां)। खेल के मैदान में हार और जीत एक सिक्के के दो पहलू हैं, लेकिन असली सीख इस बात में छिपी होती है कि हार के बाद हम खुद को कैसे संभालते हैं। अमेरिका की एक लिटिल लीग बेसबॉल टीम के कोच कोरी एडवर्ड्स का 17 सेकंड का भाषण इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल है। 2026 लिटिल लीग वर्ल्ड सीरीज के फाइनल में हार की कगार पर खड़ी अपनी टीम के 12 साल के खिलाड़ियों को उन्होंने ऐसी सीख दी, जो खेल से कहीं आगे जिंदगी में भी काम आती है। एडवर्ड्स ने बच्चों से कहा कि नतीजा चाहे जो हो, उन्हें सिर ऊंचा रखना है, एक-दूसरे पर गुस्सा नहीं करना है और अपनी बॉडी लैंग्वेज सकारात्मक रखनी है। नेवादा के हेंडरसन की पासेओ वर्डे टीम के कोच एडवर्ड्स की टीम फाइनल में कुराकाओ के खिलाफ खेल रही थी। मैच हाथ से निकलता देख टीम के खिलाड़ी बुरी तरह निराश होने लगे थे। कुछ बच्चे आंसू रोकने की कोशिश कर रहे थे, कुछ मायूस होकर बैठे थे और कुछ एक-दूसरे को दोष दे रहे थे। उनकी बॉडी लैंग्वेज से साफ दिख रहा था कि उन्होंने मानसिक रूप से हार स्वीकार कर ली है। यह देखकर एडवर्ड्स ने टीम को अपने पास बुलाया और उन्हें समझाया कि मुश्किल समय में मानसिक रूप से मजबूत रहना सबसे जरूरी है। ब्रॉडकास्टर के कैमरों में कैद उनकी यह छोटी-सी स्पीच सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। कोच की बात का असर भी तुरंत दिखाई दिया। मायूस बैठे बच्चे फिर मुस्कुराने लगे और मैदान में खेल रहे अपने साथियों का उत्साह बढ़ाने लगे।

100 साल का वर्ल्ड रिकॉर्ड ध्वस्त! ऑली रॉबिन्सन ने पूरे किए 100 टेस्ट विकेट, बुमराह को पछाड़ा

लंदन, 9 सितंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ऑली रॉबिन्सन ने इंटरनेशनल टेस्ट क्रिकेट में एक ऐसा ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित कर दिया है, जिसे पिछले 100 सालों में दुनिया का कोई भी गेंदबाज हासिल नहीं कर सका था. पाकिस्तान के खिलाफ खेली जा रही टेस्ट सीरीज में अपनी आग उगलती गेंदों से कहर बरपा रहे रॉबिन्सन ने बर्मिंघम में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में अपने टेस्ट करियर के 100 विकेट पूरे कर लिए.

इस मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया और रॉबिन्सन ने कप्तान के फैसले को सही साबित करते हुए तीसरे ही ओवर में पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज

सैम अयूब को एलबीडब्ल्यू कर पवेलियन का रास्ता दिखा दिया. यह विकेट चटकाते ही रॉबिन्सन ने सिर्फ अपने 24वें टेस्ट मैच में 100 विकेटों का मुकाम छू लिया. रॉबिन्सन की यह उपलब्धि सिर्फ 100 विकेट लेने तक सीमित नहीं है, बल्कि जिस औसत के साथ उन्होंने यह कारनामा किया है, उसने क्रिकेट इतिहास के पन्नों को पलट दिया है.

रॉबिन्सन ने यह आंकड़ा सिर्फ 19.34 के औसत के साथ पूरा किया. पिछले 100 सालों के टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 100 टेस्ट विकेट तक पहुंचने का ये सबसे कम गेंदबाजी औसत है. इस मुकाम पर पहुंचकर उन्होंने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है. जिन्होंने 19.79 के औसत के साथ 100 टेस्ट विकेट पूरे किए थे. पाकिस्तान के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज में ऑली रॉबिन्सन की स्विंग और सीम का जवाब पाकिस्तानी बल्लेबाजों के पास बिल्कुल नहीं दिख रहा है. हेडिंग्ले और लॉर्ड्स में खेले गए शुरुआती दोनों टेस्ट मैचों में उन्होंने अविश्वसनीय प्रदर्शन करते हुए सिर्फ 7.18 के औसत से 16 विकेट अपनी झोली में डाले थे. अब बर्मिंघम टेस्ट के तीसरे ही ओवर में सैम अयूब का शिकार कर उन्होंने अपनी लय को जारी रखा है.

डोपिंग का डंकः भारतीय कबड्डी टीम के सदस्य बृजेंद्र चौधरी परीक्षण में विफल, छीना गया पदक; प्रतिबंध स्वीकारा

नई दिल्ली, 9 सितंबर (एजेंसियां)। एशियाई बीच खेलों में रजत पदक जीतने वाली भारतीय कबड्डी टीम के सदस्य बृजेंद्र सिंह चौधरी से प्रतियोगिता के दौरान हुए डोप परीक्षण में विफल रहने के कारण उनका पदक छीन लिया गया है। अंतरराष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (आईटीए) ने बताया कि चौधरी 27 अप्रैल को प्रतियोगिता के दौरान किए गए डोप परीक्षण में प्रतिबंधित ड्युरेटिक (मास्किंग एजेंट) ब्रिंजोलेमाइड के सेवन के दोषी पाए गए थे और उन्होंने प्रतिबंध को स्वीकार कर लिया है। आईटीए ने एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) की ओर से जारी बयान में कहा, अंतरराष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (आईटीए) ने बताया है कि भारतीय कबड्डी खिलाड़ी बृजेंद्र सिंह चौधरी पर डोपिंग रोधी नियम उल्लंघन (एडीआरवी) के मामले में कार्रवाई की गई है। ब्रिंजोलेमाइड को विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) ने प्रतिबंधित पदार्थों की सूची में शामिल किया है और यह प्रतियोगिता के दौरान तथा प्रतियोगिता के इतर भी हर समय प्रतिबंधित है। आईटीए ने कहा, खिलाड़ी ने ओसीए के डोपिंग रोधी नियमों के तहत अपने उल्लंघन के परिणामों को स्वीकार कर लिया है। इसमें डोपिंग रोधी नियम उल्लंघन की पुष्टि और छठे एशियाई बीच खेल सान्या 2026 में उनके व्यक्तिगत परिणामों को रद्द करना शामिल है। इसमें पुरुष बीच कबड्डी स्पर्धा में उनका दूसरा स्थान भी शामिल है।

राज्यपाल से बीआरएस विधायकों पर हमलों की जांच करने का आग्रह

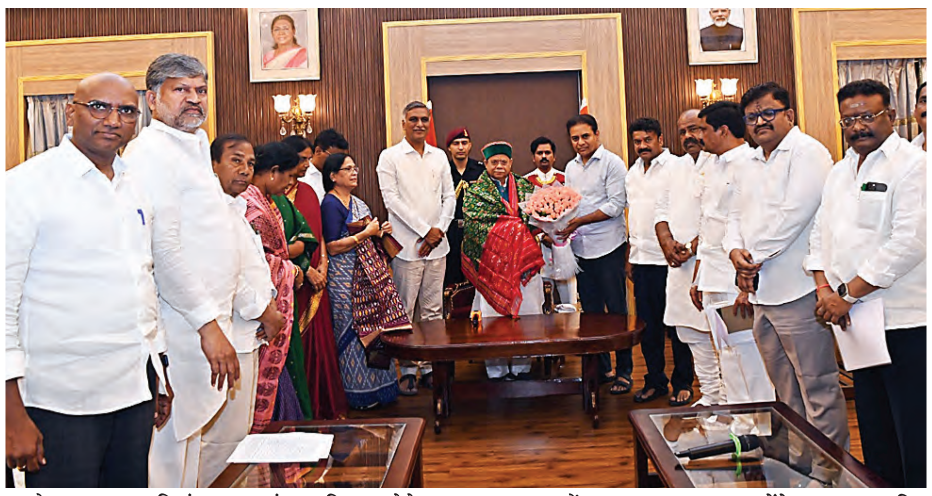

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने बुधवार को राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से कांग्रेस सरकार द्वारा की जा रही 'अत्याचारों' की शृंखला में हस्तक्षेप करने का आग्रह किया, जिसमें विधायकों, विशेष रूप से महिला विधायकों पर कथित हमले, विधानसभा में उनके प्रवेश पर प्रतिबंध और पार्टी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के आवास पर कथित हमला शामिल है।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने लोक भवन में राज्यपाल से मुलाकात की और घटनाओं का विस्तृत विवरण देते हुए एक ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि निर्वाचित प्रतिनिधि होने के बावजूद बीआरएस विधायकों को सड़क पर रोका गया, विधानसभा में प्रवेश करने से रोका गया और उनके साथ मारपीट की गई। बीआरएस के अनुसार, राज्यपाल ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि वह पार्टी द्वारा उठाए गए मुद्दों की जांच का आदेश देंगे।

बैठक के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए केटी रामाराव ने आरोप लगाया कि पुलिस कर्मियों ने विरोध प्रदर्शन के दौरान बीआरएस सदस्यों के साथ बदसलूकी की और विशेष रूप से महिला विधायकों को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने कथित घटनाओं से संबंधित तस्वीरें और अन्य सबूत प्रस्तुत किए, जिनमें यह दावा भी शामिल है कि वी. सुनीता लक्ष्मा रेड्डी की साड़ी खींची गई और पी. सबिता इंदिरा रेड्डी को उनके बालों से घसीटा गया।

केटी रामाराव ने आरोप लगाया कि घटनाओं में शामिल पुलिसकर्मियों के खिलाफ बीआरएस द्वारा दर्ज कराई गई शिकायतों को नजरअंदाज कर दिया गया है, जबकि पार्टी को ही टकराव के लिए जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उच्च न्यायालय के निर्देशों के बावजूद सरकार बीआरएस सदस्यों को विधानसभा और विधान परिषद में प्रवेश करने से रोक रही है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कहा कि पार्टी विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार का बहुत सम्मान करती है, लेकिन उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस राजनीतिक उद्देश्यों के लिए बार-बार दलित अध्यक्ष के रूप में उनकी पहचान का इस्तेमाल कर रही है। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल के संज्ञान में विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के आवास पर कांग्रेस विधायकों द्वारा किए गए कथित हमले को भी लाया और दावा किया कि इस घटना से उनके जीवन को खतरा पैदा हो गया था। केटी रामाराव ने कहा कि राज्यपाल ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया है कि वह उठाए गए सभी मुद्दों की जांच करेंगे, जिनमें विधायिका से संबंधित मुद्दे और उसके बाहर की घटनाएं शामिल हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्यपाल लगातार हो रहे अत्याचारों के खिलाफ उचित कार्रवाई करेंगे और न्याय सुनिश्चित करेंगे। रामा राव ने आगे कहा कि अगर तेलंगाना में न्याय नहीं मिला तो बीआरएस राष्ट्रीय महिला आयोग से संपर्क करेगी और अन्य उपलब्ध कानूनी और संवैधानिक विकल्पों का भी सहारा लेगी।

इंटरमीडिएट के छात्र ने आत्महत्या की

खम्मम, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम ज़िले के सथुपल्ली मंडल में इंटरमीडिएट सेकंड ईयर के एक छात्र ने आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, मृतक तम्मीरेड्डी श्रीचरण रेड्डी (19), जो इसी मंडल के बी गंगाराम गाँव का रहने वाला था, खम्मम के एक प्राइवेट कॉलेज में पढ़ता था। वह तीन दिन पहले घर आया था और तब से वहीं रह रहा था।

मंगलवार आधी रात को, जब परिवार के सदस्य सो रहे थे, श्रीचरण रेड्डी ने कथित तौर पर घर में छत के पंखे से चुन्नी बांधकर फांसी लगा ली। परिवार वालों की नज़र उस पर पड़ी और वे तुरंत उसे सथुपल्ली सरकारी अस्पताल ले गए।

जांच के बाद डॉक्टरों ने पुष्टि की कि उसकी मौत हो चुकी थी। सथुपल्ली पुलिस ने परिवार वालों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया है और घटना की जांच कर रही है। छात्र के इस चरम कदम उठाने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

बीआरएस विधायकों ने अपनी ही महिला विधायकों के साथ दुर्व्यवहार किया : सीतक्का

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज मंत्री दानासारी अनुसूया उर्फ सीतक्का ने बुधवार को विपक्षी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि राज्य विधानसभा के गेट पर विरोध प्रदर्शन के दौरान पार्टी के पुरुष विधायकों ने महिला सहयोगियों के साथ अनुचित और अभद्र व्यवहार किया। अपने दावों को पुष्ट करने के लिए मंत्री ने घटना का वीडियो जारी किया। विधानसभा के लॉबी में मीडिया प्रतिनिधियों से अनौपचारिक बातचीत में सीतक्का ने बताया कि बीआरएस की महिला विधायक सबिता इंदिरा रेड्डी, सुनीता लक्ष्मा रेड्डी और कोवा लक्ष्मी को उनके ही साथी विधायक गंगुला कमलाकर और सुधीर रेड्डी ने पीछे से धक्का दिया, जब वे आगे बढ़ने की कोशिश कर रही थीं। उन्होंने विशेष रूप से बताया कि जब बीआरएस एमएलसी नवीन रेड्डी ने जबरदस्ती भीड़ में से रास्ता बनाया, तो महिला नेताओं ने मौके पर ही विरोध जताया। सबिता इंद्रा रेड्डी और कोवा लक्ष्मी के प्रति उनके आचरण के लिए गंगुला कमलाकर और सुधीर रेड्डी पर सीधे निशाना साधते हुए, सीताक्का ने बीआरएस पुरुष नेताओं के व्यवहार की तुलना महाभारत के कीचक प्रकरण से की।

किसानों को 80 हजार ग्राफ्टेड टमाटर पौधे वितरित

तेलंगाना में सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देने की पहल

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देने और किसानों की आय मजबूत करने की दिशा में हार्टफुलनेस इंस्टीट्यूट ने बड़ा कदम उठाया है। संस्था ने रंगा रेड्डी जिला उद्यान एवं रेशम विभाग के सहयोग से रंगारेड्डी किसान मेले में किसानों को 80 हजार निःशुल्क हैंड-ग्राफ्टेड टमाटर पौधे वितरित किए। ये पौधे हार्टफुलनेस के कान्हा शांति वनम स्थित जलवायु नियंत्रित नर्सरी में तैयार किए गए हैं। इंटीग्रेटेड डिस्ट्रिक्ट ऑफिस कॉम्प्लेक्स, कोंगरा कलान में आयोजित कार्यक्रम में तेलंगाना कृषि एवं किसान कल्याण आयोग के अध्यक्ष एम. कोदंडा रेड्डी और अतिरिक्त कलेक्टर डॉ. किरणमयी कोप्पिसेट्टी ने भाग लिया। हार्टफुलनेस के ग्राफ्टिंग रिसर्च एंड स्किल डेवलपमेंट सेंटर के प्रमुख शिवसरवनन अरुमुगम ने कहा कि संस्था कृषि नवाचार को किसानों तक सीधे पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। ग्राफ्टेड पौधों में रोग-प्रतिरोधी रूटस्टॉक और अधिक उत्पादन देने वाली टमाटर किस्म का संयोजन होता है। इससे मृदा जनित रोगों से बचाव, लंबा उत्पादन चक्र और बेहतर उत्पादकता की संभावना रहती है। हार्टफुलनेस के अनुसार, तेलंगाना में सब्जी खेती का क्षेत्र पिछले दशक में करीब 5.5 लाख एकड़ से घटकर लगभग एक लाख एकड़ रह गया है। ऐसे में यह पहल राज्य में सब्जी उत्पादन को पुनर्जीवित करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

बीआरएस ने दलितों का इस्तेमाल सिर्फ वोटों के लिए किया : मंत्री विवेक

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऊर्जा एवं खान मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी ने बुधवार को विधानसभा में बीआरएस और उसके नेताओं पर दलितों के प्रति भेदभावपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दलितों के विरोध प्रदर्शन के दौरान उनके साथ मारपीट किए जाने और बाद में 'शुद्धिकरण' की रस्म कराए जाने की घटना बेहद दुखद और निंदनीय है। विवेक ने कहा कि तेलंगाना आंदोलन के दौरान केसीआर दलितों द्वारा बजाए जाने वाले पारंपरिक ढोल-नगाड़ों का स्वागत करते थे, लेकिन उन्हीं दलितों द्वारा विरोध प्रदर्शन किए जाने पर 'शुद्धिकरण' कराया गया। उन्होंने इसे बीआरएस की दलित विरोधी मानसिकता का प्रमाण बताया। मंत्री ने आरोप लगाया कि केसीआर ने तेलंगाना बनने पर दलित को मुख्यमंत्री बनाने का वादा किया था, लेकिन सत्ता में आने के बाद अपना वादा भूल गए। उन्होंने दलितों को तीन एकड़ जमीन देने के वादे पर भी सवाल उठाया। विवेक ने कहा कि बीआरएस सरकार ने दलित उद्यमियों को निवेश सब्सिडी नहीं दी और सरकारी ठेके देने की मांगों की भी अनदेखी की। उन्होंने आरोप लगाया कि हजारों करोड़ रुपये बड़े ठेकेदारों को दिए गए, जबकि दलितों के साथ अन्याय हुआ। विवेक ने कहा कि बीआरएस ने दलितों का इस्तेमाल केवल वोट बैंक के रूप में किया। उन्होंने कहा कि दस वर्षों तक सत्ता में रही बीआरएस को अपने घोषणापत्र के वादों का जवाब देना चाहिए। कांग्रेस सरकार के पास अभी ढाई वर्ष का समय है और वह अपने घोषणापत्र को लागू करेगी। दलितों के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने वाली घटनाओं पर विधानसभा को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

आरटीआई के क्रियान्वयन में एकरूपता पर राष्ट्रीय सम्मेलन कल से

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, 2005 के प्रभावी और एकरूप क्रियान्वयन की चुनौतियों एवं समाधान पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 10 और 11 सितंबर को हैदराबाद स्थित एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया में आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन का आयोजन तेलंगाना सूचना आयोग द्वारा राष्ट्रीय फेडरेशन ऑफ इन्फॉर्मेशन कमिश्नर्स इन इंडिया के प्रायोजन तथा एएससीआई के सहयोग से किया जा रहा है। सम्मेलन में देशभर के मुख्य सूचना आयुक्त, सूचना आयुक्त, विधि विशेषज्ञ, नीति निर्माता और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भाग लेंगे। करीब 20 राज्यों के मुख्य सूचना आयुक्तों के शामिल होने की उम्मीद है। इनमें कई पूर्व मुख्य सचिव तथा वरिष्ठ आईएएस और आईपीएस अधिकारी हैं।

तेलंगाना के राज्यपाल उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे और मुख्य वक्तव्य देंगे। सम्मेलन में आरटीआई प्रक्रियाओं में एकरूपता, लंबित मामलों के शीघ्र निपटारे, प्रभावी सुनवाई, धारा-4 के तहत स्वप्रेरित प्रकटीकरण, आरटीआई प्रक्रिया के डिजिटलीकरण, अधिकारियों के क्षमता निर्माण और सूचना आयोगों की स्वतंत्रता जैसे विषयों पर चर्चा होगी। चार पैनल चर्चाएं भी आयोजित की जाएंगी। आयोजकों के अनुसार, एकरूपता का उद्देश्य नागरिकों के लिए स्पष्ट, पारदर्शी और पूर्वानुमान योग्य आरटीआई व्यवस्था विकसित करना है, लेकिन प्रत्येक आवेदन और अपील का उसके तथ्यों एवं कानूनी प्रावधानों के अनुसार स्वतंत्र रूप से परीक्षण जारी रहेगा। 10 सितंबर को शाम मुख्यमंत्री के साथ एएससीआई में रात्रिभोज संवाद भी होगा। सम्मेलन के बाद 12 सितंबर को एनएफआईसीआई की 34वीं गवर्निंग बोर्ड बैठक और 16वीं वार्षिक आमसभा आयोजित होगी। उद्घाटन सत्र सुबह 10 बजे शुरू होगा और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा इसका लाइव प्रसारण किया जाएगा।

कोमटिरेड्डी ने विधानसभा की कार्यवाही बाधित करने के लिए भाजपा और बीआरएस की आलोचना की

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन एवं सिनेमाटोग्राफी मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने बुधवार को तेलंगाना विधानसभा की कार्यवाही में कथित तौर पर बाधा डालने के लिए भाजपा और बीआरएस की कड़ी आलोचना की और सदस्यों से सदन के साथ सहयोग करने का आग्रह किया। विधानसभा में बोलते हुए कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि भाजपा विधायक दल के नेता ए. महेश्वर रेड्डी को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को अनौपचारिक और अपमानजनक तरीके से संबोधित नहीं करना चाहिए था। स्पीकर गद्दाम प्रसाद कुमार के प्रति बीआरएस के आचरण का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि भाजपा सदस्यों ने दावा किया था कि वे स्पीकर को बीआरएस से 'बचाने' के लिए विधानसभा आए थे और उन्होंने उनसे इस टिप्पणी को वापस लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, विधानसभा सत्र के पहले दिन से लेकर आज तक, भाजपा और बीआरएस दोनों का एकमात्र उद्देश्य कार्यवाही में बाधा डालना ही प्रतीत होता है। मंत्री ने अध्यक्ष के खिलाफ कथित टिप्पणियों और असंसदीय भाषा के प्रयोग को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि ऐसा व्यवहार 'किसी भी सभ्य समाज को शर्म से सिर झुकाने पर मजबूर कर देगा।' उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ सदस्यों ने अध्यक्ष की मां के बारे में टिप्पणी की थी, जिसके परिणामस्वरूप सदन में अनावश्यक व्यवधान उत्पन्न हुआ। कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के प्रति भाजपा के कथित आचरण पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, अगर बीआरएस एक दलित स्पीकर का अपमान करती है और भाजपा दलित नेता मल्लिकार्जुन खर्गे के बैठने वाले मंच को 'शुद्ध' करने तक चली जाती है, तो इसे कैसे उचित ठहराया जा सकता है? मंत्री ने कहा कि राज्यसभा में विपक्ष के नेता खरगे एक वरिष्ठ राजनीतिज्ञ हैं, जिन्होंने लगभग पांच दशकों तक प्रत्यक्ष चुनाव जीते हैं। उन्होंने कहा, "ऐसे नेता का अपमान करना लोकतंत्र का ही अपमान है। कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने घटना के विरोध में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि हालांकि भाजपा और बीआरएस एक-दूसरे की आलोचना करते दिख रहे हैं, लेकिन विधानसभा की कार्यवाही को बाधित करने के मामले में दोनों पार्टियां एक जैसा व्यवहार कर रही हैं। मंत्री ने कहा कि सरकार सदस्यों द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तैयार है और उन्होंने उनसे सदन की कार्यवाही में बाधा डालकर समय बर्बाद न करने का आग्रह किया। इसके बजाय, उन्होंने उनसे जनता के हित में लाए गए विधेयकों पर होने वाली बहसों में भाग लेने का आह्वान किया। पंचायत राज विभाग के विधेयक का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए, कोमातिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने इसे ग्राम पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से एक अच्छी पहल बताया। मंत्री ने महेश्वर रेड्डी और अन्य भाजपा विधायकों से कार्यवाही में सहयोग करने और विकासोन्मुखी विधेयकों पर चर्चा में सुविधा प्रदान करने की अपील की।

इको-फ्रेंडली गणेश मूर्तियों को पसंद किया जा रहा है

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इस विनायक चतुर्थी के त्योहार के मौसम में, हैदराबाद में इको-फ्रेंडली मूर्तियों के लिए सामूहिक प्रयास देखा गया है। यह त्योहार की खुशी बनाए रखते हुए शहर का सस्टेनेबिलिटी (पर्यावरण के अनुकूल होने) पर ध्यान केंद्रित करने का संकेत है।

हैदराबाद भर की सैकड़ों वर्कशॉप में हलचल मची हुई है, जहां गणेश मूर्तियों के ऊंचे ढेर मुख्य आकर्षण बने हुए हैं। त्योहार में बस पांच दिन बचे हैं, इसलिए बिक्री चरम पर है और अपने देवता को घर लाने के लिए उत्सुक भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है।

मूर्तियों के काफी महंगे होने के बावजूद, निर्माता मज़दूरों की कमी और महंगाई से जुड़ी बढ़ती लागत का बोझ उठा रहे हैं। साथ ही, वे मिट्टी और प्लास्टर ऑफ पेरिस से हजारों मूर्तियां बनाना जारी रखे हुए हैं।

धूलपेट के मूर्ति निर्माताओं के अनुसार पीओपी के लिए कच्चे माल की लागत बढ़ गई है, जिससे पिछले साल की तुलना में मूर्तियों की कीमतें 35% तक बढ़ गई हैं। 15 फीट की गणेश मूर्ति, जिसकी कीमत पिछले साल 1.20 लाख रुपये थी, अब 1.65 लाख रुपये में बेची जा रही है।

प्राकृतिक मिट्टी और ऑर्गेनिक रंगों की आसमान छूती कीमतों के बावजूद, धूलपेट और शहर के अन्य हिस्सों के पारंपरिक कारीगरों ने कहा कि वे हैदराबाद की त्योहार की भावना के इको-फ्रेंडली स्वरूप को बनाए रख रहे हैं। वे ऑर्डर के आधार पर मूर्तियां बना रहे हैं।

पिछले एक दशक से इस कारोबार से जुड़े एक निर्माता के अनुसार, अमेरिका और यूके जैसे देशों के भक्तों से भी मिट्टी की गणेश मूर्तियों की मांग है। उन्होंने बताया कि दो महीने पहले ही बड़े ऑर्डर मिल जाते हैं और ग्राहकों की मांग के अनुसार ऊंचाई वाली मूर्तियां बनाकर विदेशों में भेजी जाती हैं।

पीओपी और हानिकारक केमिकल वाले रंगों का जानबूझकर इस्तेमाल न करके, हैदराबाद की 4,500 से ज़्यादा गणेश चतुर्थी के लिए पर्यावरण के प्रति जागरूक तरीका अपनाने के लिए एक साथ आई हैं।

लंबे समय तक बारिश न होने से किसान परेशान

आदिलाबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वनाकलम सीज़न के दौरान आदिलाबाद, करीमनगर और निज़ामाबाद ज़िलों में लंबे समय तक बारिश न होने से किसान परेशान हैं।

अल नीनो की स्थिति के कारण राज्य सरकार की सलाह के बावजूद कि ज़्यादा पानी वाली फसलें न उगाएं, किसानों ने धान, कपास, मक्का, अरहर और सोयाबीन की खेती की है। अधिकारियों ने बताया कि आदिलाबाद, मंचरियल, निर्मल और कुमराम भीम आसिफाबाद ज़िलों में धान की खेती का रकबा 2.5 लाख एकड़ था, जबकि इन चार ज़िलों में 12 लाख एकड़ में कपास की व्यावसायिक फसल उगाई गई थी।

किसानों को उम्मीद थी कि अगस्त के आखिर और सितंबर के बीच (जिसे मॉनसून का आखिरी दौर माना जाता है) बारिश होगी, जिससे फसलें बढ़ेंगी और उन्हें खेती से मुनाफ़ा होगा। लेकिन, लगातार बारिश न होने से वे फसल खराब होने की आशंका से परेशान हैं। उन्होंने कहा कि अगर बारिश का यह दौर खत्म नहीं हुआ तो उन्हें फसल उगाने से नुकसान होगा।

तेलंगाना डेवलपमेंट प्लानिंग सोसाइटी की वेबसाइट पर मौसम की रिपोर्ट के अनुसार, आदिलाबाद ज़िले में सामान्य बारिश 899 मिमी के मुकाबले 597 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो 34 प्रतिशत की कमी है। थालामाडुगु को छोड़कर, 20 मंडलों में 20 प्रतिशत से 49 प्रतिशत के बीच बहुत कम बारिश दर्ज की गई।

इसी तरह, निर्मल ज़िले में 1 जून से 9 सितंबर के बीच सामान्य बारिश 801 मिमी के मुकाबले 649 मिमी बारिश हुई, जो 18 प्रतिशत की कमी है। 19 में से दस मंडलों में 21 प्रतिशत से 42 प्रतिशत तक बारिश की कमी देखी गई। कुमरम भीम आसिफाबाद और मंचरियल में बारिश में 8 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

भीमिनी के के. रवि ने कहा, कम बारिश की वजह से धान के पौधे पहली बार में ही सूख गए, इसलिए मुझे उन्हें दो बार दोबारा लगाना पड़ा। अब मुझे डर है कि फसल पूरी तरह बर्बाद हो सकती है, जिससे नुकसान होगा। यूरिया खरीदने में आ रही दिक्कतों और बीजों की कमी के बावजूद मैंने फसल उगाने में कामयाबी हासिल की।

वहीं, करीमनगर जिले में सामान्य बारिश 618 मिमी के मुकाबले 482 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो 22 प्रतिशत की कमी दिखाती है। इसी तरह, निजामाबाद में बारिश की कमी 14 प्रतिशत मापी गई। जगित्याल और पेड्डापल्ली जिलों में बारिश की कमी क्रमशः 11 प्रतिशत और 10 प्रतिशत मापी गई।

जीआरपी ने 2.16 करोड़ के 1,620 चोरी और गुम मोबाइल बरामद किए

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने दूरसंचार विभाग के केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल की मदद से 2.16 करोड़ रुपये मूल्य के 1,620 चोरी और गुम हुए मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इनमें से करीब 120 मोबाइल फोन, जिनकी कीमत लगभग 16 लाख रुपये है, बुधवार को उनके वास्तविक मालिकों को सौंपे गए। जीआरपी के अनुसार, बरामद मोबाइल फोन उन मामलों से संबंधित हैं, जिनकी शिकायत पुलिस के साथ-साथ मी-सेवा एप के माध्यम से दर्ज कराई गई थी। विशेष टीमों ने तेलंगाना के अलावा केरल, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों में कार्रवाई कर मोबाइल फोन बरामद किए। पुलिस ने बताया कि कई मोबाइल ट्रेन यात्रा के दौरान चोरी हुए या फुटबोर्ड और खिड़कियों के पास सफर करते समय यात्रियों के हाथ से गिर गए थे। कुछ मामलों में अज्ञात लोगों ने यात्रियों से मोबाइल छीन लिए थे। अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि ट्रेन में यात्रा के दौरान सामान और मोबाइल फोन को लेकर सतर्क रहें। मोबाइल फोन गुम या चोरी होने पर तत्काल नजदीकी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने के साथ सीईआईआर पोर्टल पर आईएमईआई नंबर के माध्यम से फोन को ब्लॉक कराएं। पुलिस के मुताबिक, ब्लॉक किए गए फोन के नेटवर्क पर दोबारा सक्रिय होने पर सीईआईआर प्रणाली के जरिए उनका पता लगाया जा सकता है। सत्यापन के बाद मोबाइल को उसके वास्तविक मालिक को वापस सौंप दिया जाता है। अधिकारियों ने कहा कि समय पर शिकायत और आईएमईआई ब्लॉक कराने से फोन की बरामदगी की संभावना बढ़ जाती है।

डीजीपी कार्यालय में मनाई गई कालोजी नारायण राव की जयंती

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के डीजीपी कार्यालय में बुधवार को प्रजाकवि कालोजी नारायण राव की जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर अधिकारियों और कर्मचारियों ने कालोजी के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में कालोजी की साहित्यिक सेवाओं और अपनी रचनाओं के माध्यम से जनसमस्याओं के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करने में उनके योगदान को याद किया गया। वक्ताओं ने कहा कि कालोजी की रचनाएं आम जनता की समस्याओं और सामाजिक सरोकारों को मजबूती से सामने लाने का माध्यम बनीं।

उनकी साहित्यिक एवं सामाजिक चेतना आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम में आईजी गजरावु भूपाल, मल्टीजोन-2 आईजी शानवाज कासिम, एआईजी प्रशासन जे. अनन्या, टीजी स्पार्क एसपी रूपेश, पेशी डीएसपी भास्कर, स्टोर्स डीएसपी सत्यनारायण, सीएसओ योगेश्वर राव सहित अन्य पुलिस अधिकारी और कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कालोजी के साहित्य और जन आंदोलनों में उनकी भूमिका को याद करते हुए उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

त्योहारों पर विभिन्न मार्गों पर चलेंगी विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। त्योहारों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए दक्षिण मध्य रेलवे ने विभिन्न गंतव्यों के बीच विशेष ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। कुल आठ सेवाएं निर्धारित की गई हैं। ट्रेन संख्या 07039 चेर्लापल्ली—काकीनाडा टाउन 11 और 13 सितंबर को रात 7:50 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 8 बजे पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 07040 12 और 14 सितंबर को रात 9 बजे काकीनाडा टाउन से चलकर अगले दिन सुबह 8 बजे चार्लापल्ली पहुंचेगी। दोनों दिशाओं में नलगोंडा, मिर्यालगुडा, गुंटूर, विजयवाड़ा, एलुरु, ताड़ेपल्लीगुडेम, राजमंड्री और सामलकोट में ठहराव होगा। 07025 चेर्लापल्ली—तिरुचानूर विशेष ट्रेन 11 सितंबर को और 07026 तिरुचानूर—चार्लापल्ली 12 सितंबर को चलेगी। इनका ठहराव नलगोंडा, मिर्यालगुडा, गुंटूर, तेनाली, बापटला, चिराला, ओंगोल, नेल्लोर, गुडूर और रेणिगुंटा में होगा। इसी तरह 07227 गुंटूर—विकाराबाद 14 सितंबर और 07228 विकाराबाद—गुंटूर 15 सितंबर को संचालित होगी। इन ट्रेनों का ठहराव सत्तेनपल्ली, पिदुगुरल्ला, नड़िकुडे, मिर्यालगुडा, नलगोंडा, चार्लापल्ली, सिकंदराबाद, बेगमपेट और लिंगमपल्ली में रहेगा। सभी विशेष ट्रेनों में 2 एसी , 3 एसी, स्लीपर और जनरल सेकंड क्लास कोच उपलब्ध होंगे।

तेलंगाना के चावल निर्यात को विस्तार देने पर फिलीपींस की सकारात्मक प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, 9 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के कृषि उत्पादों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार के विस्तार की दिशा में राज्य सरकार ने कदम तेज कर दिए हैं। राज्य के सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने बुधवार को नई दिल्ली में फिलीपींस के कृषि सचिव फ्रांसिस्को पी. टीयू लॉरेल जूनियर से मुलाकात की और उन्हें दिसंबर में हैदराबाद में होने वाले 'तेलंगाना राइजिंग समिट' में शामिल होने का विशेष निमंत्रण दिया। फिलीपींस के कृषि सचिव ने निमंत्रण पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। बैठक में तेलंगाना से फिलीपींस को चावल के निर्यात में बड़े पैमाने पर वृद्धि, कृषि व्यापार संबंधों को मजबूत करने और दीर्घकालिक व्यापार साझेदारी स्थापित करने पर चर्चा हुई। लॉरेल ने तेलंगाना से बड़ी मात्रा में चावल खरीदने की संभावनाओं पर विचार करने की सहमति जताई। मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी के अनुसार, फिलीपींस के कृषि सचिव ने तेलंगाना में उत्पादित गुणवत्तापूर्ण मांस उत्पादों और उच्च गुणवत्ता वाले बीजों की खरीद में भी रुचि दिखाई।

उन्होंने कहा कि गुणवत्ता और उत्पादन क्षमता के चलते तेलंगाना के कृषि उत्पादों के लिए वैश्विक बाजार में व्यापक संभावनाएं हैं। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य तेलंगाना के किसानों की उपज को अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ना है। चावल निर्यात बढ़ने से किसानों को बेहतर कीमत के साथ-साथ राइस मिलिंग, बीज, मांस और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में नए अवसर मिलेंगे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.